



भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान गांधीनगर



वार्षिक प्रतिवेदन 2024 - 25

विषय तालिका

| | |
|-------------------------|-----|
| दृष्टि, ध्येय एवं मूल्य | 3 |
| निदेशक की कलम से | 4 |
| संगठन | 6 |
| शैक्षणिक | 16 |
| छात्र मामले | 28 |
| अनुसंधान और विकास | 48 |
| बाह्य मामले | 92 |
| पुरस्कार और मान्यताएँ | 100 |
| आउटरीच गतिविधियां | 106 |
| आयोजन एवं गतिविधियां | 112 |
| परिसर | 122 |
| संस्थान को सहयोग | 126 |
| विभूतियाँ | 134 |
| पूर्व छात्र संबंध | 150 |

दृष्टि, ध्येय एवं मूल्य

मूल विशेषताएँ

- » एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण
- » हमारे छात्रों और समाज की परिवर्तनशील आवश्यकताओं के लिए प्रासंगिक और प्रतिक्रियाशील
- » शैक्षणिक स्वायत्ता व नम्यता
- » शोध परिवेश
- » संकाय एवं छात्रों की प्रकृति:
 - संकाय नियुक्ति मापदंड भारत के अधिकांश शैक्षणिक संस्थानों की तुलना में अधिक श्रेष्ठ है
 - छात्रों का चयन पूर्णतः योग्यता के आधार पर होता है
- » सामुदायिक बाह्य संपर्क कार्यक्रमों सहित सतत और सर्व-समावेशी विकास
- » आधारभूत सुविधाएँ : प्रयोगशाला की सुविधाओं और उपकरणों को सर्वश्रेष्ठ विश्वस्तरीय सुविधाओं के समतुल्य बनाने हेतु उदारीकृत निधि आबंदन
- » प्रशासन: भा.प्रौ.सं गांधीनगर का विशिष्ट सरोकार व अंतरिक प्रबंधन
 - निदेशक को शैक्षणिक, प्रशासनिक और वित्त संबंधी अधिकारा विषयों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त अधिकार दिए गए हैं (निर्धारित तंत्र/संरचना के अधीन)
- » आवासीय परिसर:
 - छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच घनिष्ठ शैक्षणिक व सामाजिक संपर्क की ओर प्रेरित करता है
 - मजबूत सामुदायिक भावना विकसित करता है और एक दूसरे से सीखने का अवसर प्रदान करता है
 - स्थायी शैक्षणिक माहौल जिसके परिणामस्वरूप सभी में उच्च रचनात्मकता व्याप्त है

सिद्धांत

- » आजीवन सीखने के लिए प्रतिबद्धता
- » योग्यता को प्रोत्साहन
- » कार्य के लिए उत्साह और प्रेरणा
- » व्यावसायिकता
- » विधि का सम्मान
- » सामाजिक सुधार हेतु चिंतनशील
- » संस्थान के क्रियाकलापों में पारदर्शिता
- » संस्थान के प्रति समर्पण

मूल्य

- » प्रतिभात्व
- » अद्वितीय गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता
- » ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, लगत और समर्पण
- » उत्तरदायित्व के साथ विश्वास व स्वतंत्रता
- » रचनात्मकता की सराहना एवं सम्मान
- » नए विचारों के प्रयोग की उत्सुकता और गलतियां
- » सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी
- » प्रत्येक व्यक्ति तथा विविधता का सम्मान
- » सहकारिता, सहयोग और सामूहिकता

लक्ष्य

आईआईटी गांधीनगर, विज्ञान, प्रौद्योगिकी व संबंधित क्षेत्रों के उच्च रिक्षण संस्थान के रूप में, समाज की वर्तमान और भावी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शीर्ष वैज्ञानिकों, अभियंताओं, नेताओं और उद्यमियों को उत्पन्न करने की आकांक्षा रखता है। साथ ही, गांधीजी की इस भूमि में उनकी मूल भावना - कार्यों में उच्च नैतिकता और सामाजिक सेवा - के साथ भा.प्रौ.सं गांधीनगर ऐसे अभूतपूर्व अनुसंधान और महत्वपूर्ण उत्पाद विकसित करना चाहता है जो हमारे समुदायों के वैनिक जीवन को बेहतर बना सके।

ध्येय

- » स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तरों पर ज्ञान प्रदान करने के लिए एक विश्व स्तरीय संस्थान का निर्माण और विकास करना जो राष्ट्र व मानवता के विकास में बड़े पैमाने पर योगदान दे।
- » दूरदर्शिता, सृजनात्मक सोच, सामाजिक जागरूकता, एवं मूल्यों के प्रति आदर रखनेवाले नेतृत्व का विकास करना।
- » वैरिंग प्रभाव बनाने के लिए शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना
- » राष्ट्रीय नीतियों को प्रभावित करने वाले अभूतपूर्व अनुसंधान में तत्पर रहना।
- » सामाजिक समस्याओं के स्थायी तकनीकी समाधानों का प्रयास करना।
- » स्थायी विकास के लिए चिरस्थायी अभियांत्रिक समाधानों पर ध्यान केंद्रित करना।
- » राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विषयों में अकादमिक और औद्योगिक सहयोग में अग्रणी बनना।
- » अध्ययन और अध्यापन के औचित्य के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- » महत्वपूर्ण संवादों/वार्तालापों द्वारा स्थानीय विद्यालयों और समुदायों को समृद्ध करना।
- » संस्थागत संस्कृति के हिस्से के रूप में उत्कृष्ट भाषा कौशल को प्रोत्साहित करना।
- » छात्रों को न केवल उनकी पहली बल्कि उनकी अंतिम नौकरी के लिए भी तैयार करना।

दृष्टि

- » भा.प्रौ.सं गांधीनगर को अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान के लिए एक आकर्षक स्थान के रूप में विकसित करना।
- » मुफ्त, संतोषप्रद और सुखर अनुभव करने वाली अध्ययन प्रक्रिया स्थापित करना।
- » समीक्षात्मक और सृजनात्मक मस्तिष्क के पोषण हेतु एक सक्षम वातावरण उपलब्ध कराना और उन्हें अपने लक्ष्य में उत्कृष्टता के उच्चतर स्तर पर पहुंचाना।
- » अग्रणी नवोमेषणों, वैज्ञानिकों, अभियंताओं, उद्यमियों, शिक्षाविदों और भविष्य के विचारकों की उत्पत्ति हेतु एक जीवंत वातावरण का निर्माण करना।
- » छात्रों को ऐसे अवसर प्रदान करना जिसमें वे यत्र-तत्र-सर्वत्र से वांछित अध्ययन कर सकें।
- » आईआईटी गांधीनगर को छात्रों, कर्मचारियों और संकाय की भावी पीढ़ियों के लिए प्रसंदीदा स्थान बनाना।

निदेशक की कलम से



रजत मूकेर्जी

निदेशक, भा.प्रौ.स गांधीनगर

चरण 2 ए के अंतर्गत छात्रावास (लगभग 1200 की क्षमता वाले) और संकाय सदस्यों के आवास (182 इकाई) का निर्माण प्रारंभ।

आईआईटी गांधीनगर की असाधारण परियोजनाओं में “गंगा-1 बी”, हिन्दी के लिए विशेष रूप से निर्मित कृत्रिम बुद्धिमत्तायुक्त भाषाई मॉडल भी शामिल है।

गुजरात अंतर्राष्ट्रीय वित्त प्रौद्योगिकी नगर (गिफ्ट सिटी) ने अहमदाबाद विश्वविद्यालय के एक संघ, आईआईटी गांधीनगर और यू सी सैन डिएगो के साथ साझेदारी में अंतर्राष्ट्रीय फिनटेक संस्थान (गिफ्ट आई एफ आई) की स्थापना की है - एक ऐसा स्थान जो फिनटेक पारितंत्र में प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य रखता है।

इस वर्ष संस्थान ने विविध क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं जो मील का पत्थर साबित हुई हैं। आईआईटी गांधीनगर के परिसर ने स्थाई एवं संवहनीय पद्धति और भवन अभिकल्प के क्षेत्र में अपनी चमक बरकरार रखी है और एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। संस्थान को इसके जल-प्रबंधन के उत्कृष्ट प्रयास के लिए अर्थ-डे नेटवर्क इंडिया के द्वारा प्रतिष्ठित “स्टार कैपस अवॉर्ड 2024” प्रदान किया गया है। हमारे कई हरित पहल, खासकर स्वच्छता के क्षेत्र में, वर्तमान वातावरण में सुधार हेतु उत्कृष्ट प्रयास के लिए हुड़को पुरस्कार 2023-24 से पुरस्कृत हुए हैं। आईआईटी गांधीनगर के अतिथि गृह ने अपने अनूठे वास्तुशिल्प के लिए - जिसकी परिकल्पना नीरज मनचन्दा द्वारा की गई थी- “Architecture Excellence Award, 2024” का पुरस्कार हासिल किया है।

परिसर के विकास के अतिरिक्त, सरकार, उद्योग और शैक्षणिक वर्गों के बीच संबंधों को प्रोत्साहित करने के लिए भी संस्थान की प्रशंसा हुई है। सरकारी संस्थानों की श्रेणी में इसे वर्ष 2024 के स्वर्ण विजेता के रूप में “उद्योग-शैक्षणिक साझेदारी के लिए सीआईआई (भारतीय उद्योग परिसंघ) पुरस्कार प्राप्त हुआ है। यहाँ के संकाय और छात्रों के लिए शिक्षा और अनुसंधान के अवसर उत्पन्न करने हेतु आईआईटी गांधीनगर ने “the Erach and Meheroo Mehta Fintech Initiative” का भी शुभारंभ किया है। संस्थान के एक बहुत पुराने हितैषी श्री रविनटन (रॉन) मेहता के उदार सहयोग से स्थापित यह कदम स्टार्टअप को सहयोग करेगा, इंटर्नशिप प्रदान करेगा और फिनटेक में प्रौद्योगिकी की उत्कृष्टता को गति प्रदान करने के लिए आईआईटी गांधीनगर, उद्योगपतियों और सरकार के मध्य सहयोग को बढ़ावा देगा।

आईआईटी गांधीनगर शिक्षा एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए सदैव प्रतिबद्ध है और अपने कार्यक्रमों को निरंतर उन्नत बना रहा है ताकि शैक्षणिक समुदायों और समाज की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। इस वर्ष संस्थान ने दो नए केंद्रों की स्थापना की है - **कृत्रिम बुद्धिमत्ता संचालित नवाचार केंद्र (the Centre for AI Driven Innovations)** जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता संबंधी अनुसंधान में अंतरविषयी सहयोग को बढ़ावा देगा और **शोध व्यवसायीकरण हेतु केंद्र (the Centre for Research Commercialization)** जो बाजार विश्लेषण, नीति निर्माण, शैक्षणिक-उद्योग साझेदारी और अनुसंधानों का बाजार के लिए तैयार उत्पादों में रूपांतरण पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। इसके अलावा, आईआईटी गांधीनगर ने विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत एकीकृत परिपथ अभिकल्प एवं प्रौद्योगिकी (आईसीडीटी) के साथ-साथ निर्णय प्रक्रिया में डाटा विज्ञान और सम्मिश्र पदार्थ (**composites**) में ई-मास्टर्स की डिग्री प्रारंभ की है।

संस्थान के संकाय सदस्य अनुसंधान में निरंतर अग्रगण्य हैं और उनकी उपलब्धि को राष्ट्र के अग्रणी संस्थाओं ने सराहा है। उदाहरण के तौर पर, प्रो. एम. डी. श्रीनिवास, अतिथि आचार्य को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इतिहास में उनके योगदान के लिए 'पद्मश्री' से अलंकृत किया गया है। प्रो. विश्वजीत मण्डल, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग को प्रतिष्ठित सोसायटी ऑफ मेटेरियल केमिस्ट्री (एस एम सी) इमरजिंग अवॉर्ड 2024 पुरस्कार प्राप्त हुआ है और प्रो. प्रोजेश नाथ चौधरी, सहायक आचार्य, गणित विभाग वर्ष 2024 में भारतीय गणित सोसायटी के बी एन वफारे पुरस्कार के लिए चयनित हुए हैं।

आईआईटी गांधीनगर ने साझेदारी और सहयोग को अन्तर्रेशीय और वैश्विक स्तर पर पूरी शक्ति से जारी रखा है। इन पहलों में एशियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (ए आई टी) थायलैंड के सहयोग से एक दोहरी उपाधि वाले मास्टर्स कार्यक्रम की शुरुआत शामिल है जिसमें छात्रों को मास्टर्स की दो अलग उपाधि - एक आईआईटी गांधीनगर से और दूसरी ए आई टी से - प्रदान की जाएगी।

अध्यापन, अनुसंधान और सहयोग के अलावा, सामाजिक सेवा और सामुदायिक जुड़ाव, संस्थान के घेय में सदैव शामिल रहा है। आईआईटी गांधीनगर के सर्वोक्तुष्ट सामुदायिक जुड़ाव कार्यक्रमों में - नीव और न्यासा - ने गुजरात के चालीस से ज्यादा गांवों के लोगों के जीवन स्तर के उत्थान हेतु प्रभावशाली कार्य

करना जारी रखा है। आईआईटी गांधीनगर के रचनात्मक शिक्षा केंद्र (सी सी एल) ने अपने जिज्ञासा कार्यक्रम के द्वारा उल्लेखनीय सामुदायिक पहुँच हासिल की है। वर्तमान में 12 राज्यों में विस्तृत इस कार्यक्रम ने मौलिक विज्ञान और गणित की अवधारणाओं को दिलचस्प, सुलभ और मजेदार बनाते हुए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के लगभग 2,00,000 युवा बालिकाओं को प्रभावित किया है।

अपनी आउटटीच गतिविधियों को और विस्तृत करते हुए संस्थान ने समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है जिसके तहत उत्तर प्रदेश के पी एम श्री विद्यालय के छात्रों के लिए अलग सोचने के क्षमता विकसित करने वाली पहेलियों और खेल सामग्रियों के साथ साथ विज्ञान और गणित के लिए स्टेम खिलौने, प्रारूप और अन्य गतिविधियां उपलब्ध करवाई जाएंगी।

हमारे सारे कार्य बिल्कुल भी संभव नहीं होते यदि संस्थान और यहाँ के छात्रों के समग्र विकास के लिए हमारे हितैषियों का निरंतर सहयोग प्राप्त नहीं होता। इस वर्ष आईआईटी गांधीनगर ने अपने पूर्ववर्ती छात्रों से योगदान प्राप्त किया है और वित्तीय योगदान करने वाले पूर्ववर्ती छात्रों के 36.8 प्रतिशत छात्रों ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान रु. 52.00 लाख का योगदान दिया है।

2024 में सम्पन्न 13वें दीक्षांत समारोह में 530 छात्रों ने उपाधियाँ प्राप्त की जो अब तक की सर्वाधिक संख्या है। दीक्षांत समारोह के दौरान आईआईटी गांधीनगर ने श्री महेश आर. पटेल, पूर्व प्रधानाचार्य, विश्वकर्मा शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय और श्री रुईटन मेहता, पूर्व अध्यक्ष, संयुक्त राज्य में आईआईटी गांधीनगर फाउंडेशन को संस्थान की उन्नति में उनके अतुलनीय योगदान के लिए "इंस्टिट्यूट फेलो" की उपाधि से अलंकृत किया।

हमें आईआईटी गांधीनगर द्वारा उत्कृष्टता, नवाचार और समावेश की दिशा में की गई उन्नति पर अत्यंत गर्व है। इस वर्ष की यह उपलब्धि हमारे छात्रों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और सहयोगियों के दृढ़ समर्पण का प्रमाण है। भविष्य में भी हम इसी गति को जारी रखते हुए प्रभावशाली परिवर्तन और सफलता की नई ऊंचाईयों को छूने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संगठन

शासक मण्डल

(31 मार्च, 2025 तक)

अध्यक्ष

श्री संजीव पुरी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आईटीसी लिमिटेड
कोलकाता

सदस्य

डॉ. बी. एन. गंगाधर
पूर्व निदेशक
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका-विज्ञान संस्थान
बैंगलुरु

श्री बी. सी. त्रिपाठी
पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गैल (इंडिया) लिमिटेड
नई दिल्ली

प्रो. इंद्रनाथ सेनगुप्ता
आचार्य
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

श्री कमल बाली
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
वोल्वो ग्रुप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
बैंगलुरु

श्री पंकज जोशी

प्रमुख सचिव
गुजरात सरकार
गांधीनगर

श्री प्रफुलभाई के पटेल

प्रशासक
दमन और दीव (केंद्र शासित प्रदेश) प्रशासन
दमन (केंद्र शासित प्रदेश)

प्रो. रजत मूना

निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

श्रीमती सौम्या गुप्ता, भा.प्र.से.

संयुक्त सचिव, तकनीकी शिक्षा
उच्च शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

प्रो. विमल मिश्रा

आचार्य
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सचिव

श्री पी. के. चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

गिर्जा समिति

(31.03.2025 तक)

अध्यक्ष

श्री संजीव पुरी

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आईटीसी लिमिटेड
कोलकाता

सदस्य

श्री भद्रेश मेहता

चार्टर्ड एकाउंटेंट
अहमदाबाद

प्रो. प्रतीक मुथा

संयुक्त आचार्य
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो. रजत मूना

निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

श्री संजोग कपूर, भा.रा.से.

संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

श्रीमती सौम्या गुप्ता, भा.प्र.से.

संयुक्त सचिव, तकनीकी शिक्षा
उच्च शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

सचिव

श्री पी. के. चोपड़ा

कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

भग्न एवं निर्माण समिति

(31 मार्च, 2025 तक)

अध्यक्ष

प्रो. रजत मूना

निदेशक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सदस्य

श्री ए के जैन

पूर्व विशेष महानिदेशक

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग

भारत सरकार

नई दिल्ली

प्रो. गौरव श्रीवास्तव

संकायाध्यक्ष, परिसर विकास

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

गांधीनगर

श्री एम बी भलाला

पूर्व मुख्य अभियंता

सङ्कर एवं भवन विभाग

गुजरात सरकार, गांधीनगर

प्रो. नीरज गुप्ता

प्रोफेसर, वास्तुकला विभाग

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

राजस्थान

श्री प्रमोद कुमार सिंह

पूर्व विशेष महानिदेशक

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग

भारत सरकार

नई दिल्ली

श्री राजीव गर्ग

पूर्व अधीक्षक अभियंता

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

कानपुर

सचिव

श्री पी. के. चोपड़ा

कुलसचिव

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

खीनेट/अभिषद् सभा

(31 मार्च, 2025 तक)

अध्यक्ष

प्रो. रजत मूना

निदेशक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सदस्य

प्रो. अभिजीत मिश्रा

प्रो. अजंता सचान

प्रो. अमित प्रशान्त

प्रो. अनिबन दासगुप्ता

प्रो. अरुप लाल चक्रबर्ती

प्रो. अतुल भार्गव

प्रो. अतुल अभ्य दीक्षित

प्रो. चंद्रकुमार अपायी

प्रो. छवि नाथ पाण्डे

प्रो. चिन्मय घोरेइ

प्रो. दीपक कुंजरू

प्रो. धीमान बसु

श्री दिलीप पाटिल

प्रो. दिलीप श्रीनिवास सुंदरम

प्रो. एमिला पाण्डा

प्रो. गौरव श्रीवास्तव
प्रो. हरीश जे. पी. एम.
प्रो. हिमांशु शेखर
प्रो. इंद्रनाथ सेनगुप्ता
प्रो. ईति गुप्ता
प्रो. जगमोहन त्यागी
प्रो. जैसन ए मांजली
प्रो. कबीर जसूजा
प्रो. कृष्ण कांति डे
प्रो. कृष्णा प्रसाद मियापुरम
प्रो. मनीष कुमार
प्रो. मिथुन राधाकृष्णा
प्रो. नमित महाजन
प्रो. नरण मानजी पिंडोरिया
प्रो. नीलधारा मिश्रा
प्रो. निहार रंजन महापात्रा
प्रो. नितिन वी. जॉर्ज
प्रो. प्राची थेरेजा
प्रो. प्रणव कुमार महापात्रा
प्रो. प्रतीक मुथा
प्रो. राघवन कंगराज
प्रो. समीर पटेल
प्रो. शनमुगनाथन रमन
प्रो. शरद गुप्ता

प्रो. शर्मिता लाहिड़ी
प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरण
प्रो. श्रीराम काण्वा गुंडीमेडा
प्रो. सुनील माहेश्वरी
श्री सुनील पारेख
प्रो. सूर्य प्रताप मेहरोत्रा
प्रो. उर्जित ए. याज्ञिक
प्रो. उत्रमा लाहिड़ी
प्रो. विक्रांत जैन
प्रो. विमल मिश्रा
प्रो. विनोद चंद्रा

सचिव

श्री पी. के. चोपड़ा

विशेष आमंत्रित

अदिति गर्ग

श्री यश दिलीप अहिरे
(महासचिव)

खुशबू सहरावत

निशांत तातार

(संयोजक, छात्र अभिषद् सभा)

अभिषद् सभा की स्थायी समितियाँ

अभिषद् सभा अकादमिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति (एसएपीईसी)

अध्यक्ष

प्रो. नितिन वी. जॉर्ज

संकायाध्यक्ष, शैक्षणिक मामले

सदस्य

प्रो. सुब्रमण्यन शंकरनारायणन

प्रो. प्राची थेरेजा

प्रो. सुधांशु शर्मा

प्रो. उदित भाटिया

प्रो. ज्योतेश किम

प्रो. मनोज गुप्ता

प्रो. शारदा सी. वी.

प्रो. एस. राजेन्द्रन

प्रो. शर्मिता लाहिड़ी

प्रो. सुपर्ब मिश्रा

प्रो. विपुल सौरभ

प्रो. रवि शास्त्री अद्यागरी

प्रो. आनंद सेनगुप्ता

मिथिल पेचिमूथू, छात्र पर्यवेक्षक (एसएपीईसी)

सृष्टि मिश्रा, छात्र पर्यवेक्षक (एसएपीईसी)

अभिषद् सभा शैक्षणिक कार्यक्रम समिति (एसएपीसी)

अध्यक्ष

प्रो. नितिन वी. जॉर्ज

संकायाध्यक्ष, शैक्षणिक मामले

सदस्य

प्रो. सुब्रमण्यन शंकरनारायणन

प्रो. प्राची थेरेजा

प्रो. सुधांशु शर्मा

प्रो. उदित भाटिया

प्रो. ज्योतेश किम

प्रो. मनोज गुप्ता

प्रो. शारदा सी. वी.

प्रो. एस. राजेन्द्रन

प्रो. शर्मिता लाहिड़ी

प्रो. सुपर्ब मिश्रा

प्रो. विपुल सौरभ

प्रो. रवि शास्त्री अद्यागरी

प्रो. आनंद सेनगुप्ता

आदित्य गुप्ते, छात्र पर्यवेक्षक (एसएपीईसी)

दर्शी दोशी, छात्र पर्यवेक्षक (एसएपीईसी)

अभिषद सभा छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार समिति (एसएसपीसी)

अध्यक्ष

प्रो. शिवप्रिया किरबाकरण
संकायाध्यक्ष छात्र गतिविधियाँ

सदस्य

प्रो. मनीष कुमार,
सह- संकायाध्यक्ष , छात्र उन्नयन
प्रो. श्रीराम काण्वा गुडीमेडा
प्रो. जगमोहन त्यागी
प्रो. चेतन पहलजानी

अभिषद सभा छात्र मामलों की समिति (एसएसएसी)

अध्यक्ष

प्रो. शिवप्रिया किरबाकरण
संकायाध्यक्ष छात्र गतिविधियाँ

सदस्य

प्रो. बिस्वजीत मंडल
सह- संकायाध्यक्ष , छात्र उन्नयन
प्रो. हरिणी सुब्रमनियन
वार्डन (छात्र उन्नयन)
प्रो. नवीन सिसोदिया
वार्डन (छात्र उन्नयन)
प्रो. योगेश कुमार मीणा
वार्डन (छात्र उन्नयन)
प्रो. प्रफुल्ल पांडे
वार्डन (छात्र उन्नयन)
श्री यश दिलीप अहिरे, छात्र पर्यवेक्षक
पटेल हिरवा पंकजकुमार, छात्र पर्यवेक्षक
शाम्भवी बागची, छात्र पर्यवेक्षक
तातार निशांत महेश, छात्र पर्यवेक्षक

अभिषद सभा पुस्तकालय समिति

अध्यक्ष

प्रो. नितिन यू. पढियार

सदस्य

प्रो अनिर्बन दासगुप्ता
श्री निर्मल झा
डॉ. टी एस कुम्बर
सुश्री प्रज्ञा राठोर, छात्र पर्यवेक्षक

शैक्षणिक अधिकारी

निदेशक

प्रो रजत मूना

शैक्षणिक मामले

संकायाध्यक्ष, शैक्षणिक मामले

प्रो. नितिन वी. जॉर्ज

सह- संकायाध्यक्ष, स्नातक अध्ययन

प्रो. समीर पटेल

सह- संकायाध्यक्ष, स्नातकोत्तर अध्ययन

प्रो. मिथुन राधाकृष्ण

| | |
|---|--------------------------------|
| सांस्थानिक लोकपाल | प्रो. वी. एन. प्रभाकर |
| संकाय प्रभारी, अंतर्राष्ट्रीय एवं अतिथि छात्र | प्रो. कबीर जसूजा |
| संकाय प्रभारी, समय-सारणी | प्रो. मनोज गुप्ता |
| संकाय प्रभारी, कक्षा एवं अतिथि द्वारा अल्पावधि पाठ्यक्रम | प्रो. रवि शास्त्री अय्यगिरी |
| संकाय प्रभारी, सातकोत्तर प्रवेश | प्रो. सुपर्ब मिश्रा |
| संकाय प्रभारी, सातकोत्तर सहायता | प्रो. तरुण अग्रवाल |
| संकाय प्रभारी, पीएमआरएफ | प्रो. शर्मिष्ठा मजूमदार |
| संकाय प्रभारी, राइटिंग स्टूडियो | प्रो. झूमा साहा |
| संकाय प्रभारी, वैज्ञानिक लेखन प्रमाणन | प्रो. कार्ला पी. एम. शेखर |
| संकाय प्रभारी, पीआरएल प्रोग्राम | प्रो. रवि सदानंद हेगडे |
| संकाय प्रभारी, सातक प्रवेश | प्रो. प्रदीप्ता घोष |
| संकाय प्रभारी, सातक कार्य | प्रो. जॉयसी मेकी (प्राथमिक) |
| संकाय प्रभारी, सातक शोध | प्रो. अक्षा वाटवानी (द्वितीयक) |
| संकाय प्रभारी, प्रबंध माइनर | प्रो. अर्का चट्टोपाध्याय |
| संकाय प्रभारी, निर्देशित उन्नति योजना (जीपीएस) और पीयर असिस्टेड लर्निंग (पीएएल) | प्रो. रोहित कुमार मिश्रा |

पूर्ववर्ती छात्र मामले

संकाय प्रभारी, पूर्ववर्ती छात्र संबंध

प्रो. जैसन ए. मांजली

परिसर विकास और प्रबंधन

संकायाध्यक्ष, परिसर विकास

प्रो. गौरव श्रीवास्तव

सह- संकायाध्यक्ष, स्थान योजना

प्रो. अभय राज सिंह गौतम

सह- संकायाध्यक्ष, परिसर प्रबंधन

प्रो. नरन पिंडोरिया

अध्यक्ष, आवास आबंटन समिति (एचएसी)

प्रो. के राघवन

अध्यक्ष, हरित परिसर समिति

प्रो. सी एन पांडे

अध्यक्ष, आवासीय प्रबंधन समिति (एचएमसी)

श्री सचिन कुमार पटेल

अध्यक्ष, पशु प्रबंधन समिति

प्रो. उद्दीप्ता घोष

अध्यक्ष, शिशु देखभाल समिति

प्रो. अतुल भार्गव

बाह्य संपर्क

प्रभारी आचार्य, बाह्य संपर्क

प्रो. एस. पी. मेहरोत्रा

संकाय प्रभारी, शोध पार्क

प्रो. अमित अरोड़ा और प्रो. प्रतीक मुथा

संकाय प्रभारी, बाह्य छात्रवृत्ति एवं उद्यमिता

प्रो. वेंकट मधुकांत वडाली

सलाहकार, शोध पार्क

श्री निर्मल झा

संकाय मामले

संकाय प्रभारी, अधिष्ठाता, संकाय मामले

प्रो. उर्जित ए याज्जिक

सह- संकायाध्यक्ष, संकाय संबंध

प्रो. दिलीप एस सुंदरम

सह- संकायाध्यक्ष, संकाय भर्ती

प्रो. उदित भाटिया

सह- संकायाध्यक्ष, संकाय आउटरीच एवं अध्यक्ष, संकाय खोज समिति

प्रो. हिमांशु शेखर

सामान्य प्रशासन

| | |
|--|---|
| संकायाध्यक्ष , सामान्य प्रशासन | प्रो हरीश जे पी एम |
| सह- संकायाध्यक्ष , सामान्य प्रशासन | प्रो. अभिजीत मिश्रा |
| संकाय प्रभारी, सूचना सेवा एवं तकनीकी सुविधाएँ (आईएसटीएफ) | प्रो. मयंक सिंह प्रो. समीर कुलकर्णी |
| संकाय प्रभारी, केंद्रीय उपकरण सुविधाएँ (सीआईएफ) | प्रो. सौम्यकांति खटुआ |
| अध्यक्ष, कर्मचारी विकास प्रकोष्ठ | प्रो. लेजली लेजर |
| संकाय प्रभारी, आतिथ्य | प्रो. पल्लवी भारद्वाज |
| संकाय प्रभारी, चिकित्सा केंद्र | प्रो. प्रसन्ना वी बालसुब्रमणियन |
| संकाय प्रभारी, खेल-कूद/क्रीड़ा | प्रो. अभिजीत मिश्रा |
| संकाय प्रभारी, व्यावसायिक संस्था प्रबंधन समिति (सीईएमसी) | प्रो. अर्णब साहा |
| अध्यक्ष, मीडिया एवं संचार समिति | प्रो. तान्या श्रीवास्तव (मार्च 12 तक) और प्रो. निशांत चोकसी (मार्च 13 से) |
| संकाय प्रभारी, न्यासा | प्रो. श्रीहरिता रोवथु |
| संकाय प्रभारी, आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) | प्रो. अंबिका अथ्यादुरई |

सांस्थानिक उन्नति

| | |
|--|-------------------------|
| संकायाध्यक्ष , सांस्थानिक उन्नति | प्रो. प्रतीक मुथा |
| सह- संकायाध्यक्ष , सांस्थानिक संलग्नता | प्रो. आशुतोष श्रीवास्तव |
| सलाहकार, सांस्थानिक उन्नति | श्री निर्मल झा |

अनुसंधान एवं विकास

| | |
|---|--|
| संकायाध्यक्ष , अनुसंधान एवं विकास | प्रो. अमित प्रशांत |
| सह-संकायाध्यक्ष , बाह्य परियोजनाएँ | प्रो. कृष्ण कांति डे |
| संकाय प्रभारी, अनुसंधान एवं विकास संचार | प्रो. विनीत वशिष्ठ |
| संकाय प्रभारी, आईआईटी जीएनएक्स | प्रो. प्रत्युष दयाल (प्राथमिक) प्रो. उत्सव मन्नू (द्वितीयक) |
| संकाय प्रभारी, अनुदान अवसर | प्रो. धीरज भाटिया |
| संकाय प्रभारी, उद्योग संबंध | प्रो. सौम्यदीप सेटू (प्राथमिक) प्रो. राघवन रंगनाथन (द्वितीयक) |

छात्र गतिविधियाँ

| | |
|---|---------------------------|
| संकायाध्यक्ष, छात्र गतिविधियाँ | प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरन |
| सह-संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण | प्रो बिस्वजीत मंडल |
| सह- संकायाध्यक्ष, छात्र विकास | प्रो. मणीष कुमार |
| संकाय प्रभारी, व्यवसाय विकास सेवाएँ और नियोजन | प्रो. कौस्तुभ राणे |
| संकाय प्रभारी, प्रशिक्षुता | प्रो. धीमान बसु |
| संकाय प्रभारी, उच्चतर शिक्षा | प्रो. अभिषेक बिछावत |

| | |
|--|---|
| वार्डन, छात्र कल्याण | प्रो. हरिणी सुब्रमनियन प्रो. नवीन सिसोदिया प्रो. योगेश कुमार मीणा प्रो. प्रफुल्ल पांडे |
| संकाय प्रभारी, परामर्श सेवा | प्रो. भास्कर दत्ता (प्राथमिक) प्रो. नीलधरा मिश्रा (द्वितीयक) |
| समन्वयक, छात्र कल्याण उपक्रम | प्रो. सुब्रमनियन शंकरनारायणन |
| छात्रों के मध्य सम्पूर्ण साहचर्य एवं संबंध प्रबंधन से संबंधित समिति (CHARMS) | प्रो. शर्मिता लाहिरी प्रो. उदित भाटिया प्रो. इति गुप्ता |
| संकाय प्रभारी, छात्र कार्यक्रम (तकनीकी एवं सांस्कृतिक) | प्रो. अतुल अभय दीक्षित |
| संकाय प्रभारी, कोडिंग पहल | प्रो. निषुण बत्रा प्रो. योगेश कुमार मीणा |
| संकाय प्रभारी, एलडीआई | प्रो. अभिन्या संपत |

उत्कृष्टता केंद्र

| केंद्र | समन्वयक |
|---|--|
| कृत्रिम बुद्धिमत्ता चालित नवाचार केंद्र | घोषित किया जाना शेष है |
| पुरातत्व विज्ञान केंद्र | प्रो. वी.एन.प्रभाकर प्रो. शारदा सी.वी. |
| जैव-चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र | प्रो. उत्रमा लाहिड़ी प्रो. कार्ला पी.मर्काडो-शेखर |
| सृजनात्मक शिक्षा केंद्र | प्रो. मनीष जैन प्रो. बीरेश्वर दास |
| डिजाइन और नवाचार केंद्र | प्रो. मधु वडाली प्रो. मानसी कानेतकर |
| डॉ. किरण सी पटेल सतत/संपोषित विकास केंद्र | प्रो. सी.एन.पांडे प्रो. विमल मिश्रा |
| शोध व्यावसायिकरण केंद्र | घोषित किया जाना शेष है |
| संरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र | प्रो. चिन्मय घोरई प्रो. गौरव श्रीवास्तव |

विभागाध्यक्ष

| | |
|--|--------------------------------------|
| जैव विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग | प्रो. शरद गुप्ता (सहयुक्त प्रमुख) |
| रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग | प्रो. समीर वी. दलवी |
| रसायन विज्ञान विभाग | प्रो. वेंकट श्रीराम काण्वा गुंडिमेडा |
| सिविल अभियांत्रिकी विभाग | प्रो. प्रणब कुमार महापात्रा |
| संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान विभाग | प्रो. समीर वी दलवी |
| संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग | प्रो. अनिर्बन दासगुप्ता |
| भू-विज्ञान विभाग | प्रो. विक्रांत जैन |
| विद्युत अभियांत्रिकी विभाग | प्रो. उत्रमा लाहिड़ी |
| मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग | प्रो. विक्रांत जैन |
| पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग | प्रो. एमिला पांडा |
| गणित विभाग | प्रो. इंद्रनाथ सेनगुप्ता |
| यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग | प्रो. अतुल भार्गव |
| भौतिकी विभाग | प्रो. विनोद चंद्र (सहयुक्त प्रमुख) |

छात्र नेतृत्व

संयोजक, छात्र अभिषद् सभा

महासचिव

कल्याण सचिव

सांस्कृतिक सचिव

संबंध और परियोजना (आई आर एण्ड पी)

शैक्षणिक सचिव

तकनीकी समन्वयक

क्रीड़ा सचिव

व्यावसायिक विकास परिषद् (पी डी सी) सचिव

मेस सचिव

श्री तातार निशांत महेश

श्री अहिरे यश दिलीप

श्री गौरव महेंद्र

श्री अभिषेक मीणा

श्री पार्थ अजीत देशपांडे

श्री गुप्ता आदित्य शैलेश

श्री नमन धर्माणी

श्री अदित अनुल रंभिया

श्री आर्यन दराड

श्री आर्यन माणिक राठौड़

आंतरिक शिकायत समिति

प्रो. शर्मिष्ठा मजूमदार

अध्यक्ष

प्रशासनिक अधिकारीगण

- श्री पी. के. चोपड़ा, कुलसचिव
- श्री राम बाबू भगत संयुक्त कुलसचिव, स्थापना एवं प्रशासन और जनसूचना अधिकारी
- श्री एच. के. शर्मा, संयुक्त कुलसचिव, वित्त और लेखा और सहायक जनसूचना अधिकारी
- श्री विपुल कुमार चौधरी, उप-कुलसचिव, संकाय मामले
- श्री पीयूष मजूमदार, सहायक कुलसचिव, छात्र मामले और सहायक जनसूचना अधिकारी
- श्रीमती मीना जोशी, उप-कुलसचिव, सामान्य प्रशासन और सहायक जनसूचना अधिकारी
- श्री प्रणव एस रोहित, सहायक कुलसचिव, सामान्य प्रशासन
- श्रीमती इशानी एम सुतारिया, सहायक कुलसचिव, छात्र मामले-II
- श्रीमती नेहा शर्मा, सहायक कुलसचिव, अनुसंधान एवं विकास
- श्री विकास कुमार, सहायक कुलसचिव, सामग्री प्रबंधन
- श्री जितेश वीं. के., सहायक कुलसचिव, निदेशक कार्यालय
- श्री विरल वाई. शाह, सहायक कुलसचिव, शैक्षणिक मामले और सहायक जनसूचना अधिकारी
- श्री निखिल जैन, सहायक कुलसचिव, शैक्षणिक मामले





टौक्साणिक

पाठ्यक्रम

बीटेक

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस | रासायनिक अभियांत्रिकी | सिविल अभियांत्रिकी | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | विद्युत अभियांत्रिकी | एकीकृत परिपथ अभिकल्प और प्रौद्योगिकी | पदार्थ अभियांत्रिकी | यांत्रिक अभियांत्रिकी ।

एमएससी

रसायन विज्ञान | संज्ञानात्मक विज्ञान | गणित | भौतिकी ।

एमए

समाज एवं संस्कृति

एमटेक/ पीजीडीआईआईटी

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस | जैविक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | रासायनिक अभियांत्रिकी | सिविल अभियांत्रिकी | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | पृथक्षी प्रणाली विज्ञान | विद्युत अभियांत्रिकी | एकीकृत परिपथ अभिकल्प और प्रौद्योगिकी | पदार्थ अभियांत्रिकी | यांत्रिक अभियांत्रिकी

पीएचडी

जैविक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | रासायनिक अभियांत्रिकी | रसायन विज्ञान | सिविल अभियांत्रिकी | संज्ञानात्मक एवं मस्तिष्क विज्ञान | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस | पृथक्षी विज्ञान | विद्युत अभियांत्रिकी

एवं एकीकृत परिपथ अभिकल्प और प्रौद्योगिकी (आई सी डी टी) | मानविकी एवं समाज विज्ञान | पदार्थ अभियांत्रिकी | गणित | यांत्रिक अभियांत्रिकी | भौतिक विज्ञान ।

ट्रुअल मेजर बीटेक कार्यक्रम

एक छात्र को बीटेक कार्यक्रम के दो विषयों में उपाधि ग्रहण करने की सुविधा प्रदान करता है ।

बीटेक-एमटेक दोहरी उपाधि

एक छात्र को पांच वर्षों में बीटेक व एमटेक दोनों उपाधियों में सातक होने की सुविधा प्रदान करता है ।

बीटेक-एमएससी दोहरी उपाधि

एक छात्र को पांच वर्षों में बीटेक व एमएससी दोनों उपाधियों में सातक होने की सुविधा प्रदान करता है ।

बीएससी (अभियांत्रिकी)

तीन वर्ष का यह बीएससी कार्यक्रम एक तीन वर्ष की "निर्गम" उपाधि है तथा इस कार्यक्रम में अलग से प्रवेश नहीं दिया जाता है। बीएससी अभियांत्रिकी में कोई उप-विशेषज्ञता नहीं है।



कार्यकारी अधिस्नातक

कार्यकारी अधिस्नातक डिग्री कार्यक्रम:

तेजी से विकसित हो रहे प्रौद्योगिकी परिदृश्य में पेशेवरों के लिए निरंतर कौशल विकास अनिवार्य है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, आईआईटी गांधीनगर ने एक कार्यकारी अधिस्नातक डिग्री कार्यक्रम शुरू किया है, जो अभ्यासरत पेशेवरों को ज्ञान के विशिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित करने के लिए एक अवसर प्रदान करता है, जिससे -व्यक्तियों और कॉर्पोरेट संगठनों -दोनों को लाभ होता है। इस कार्यक्रम में अभ्यर्थी आमतौर पर थीसिस की किसी जरूरत के बिना कोर्सवर्क के 48 क्रेडिट पूरे करते हैं। आईआईटी गांधीनगर ने इस रिपोर्ट की अवधि के दौरान निम्नलिखित कार्यकारी अधिस्नातक कार्यक्रम शुरू किये हैं।

निर्णय प्रक्रिया में डेटा विज्ञान: आईआईटी गांधीनगर द्वारा निर्णय प्रक्रिया में डेटा विज्ञान में कार्यकारी अधिस्नातक (डीएसडीएम) कार्यक्रम डेटा विज्ञान शिक्षा में उद्योग जगत के अधिकारियों और कार्यरत व्यवसायियों के कौशल विकास हेतु और उनके डेटा विज्ञान की दक्षता को रणनीतिक निर्णय में परिवर्तित करने में अग्रणी प्रयास के रूप में कार्य करता है। विशिष्ट विभागों में शैक्षिक पेशकश को अक्सर सीमित करनेवाली पारंपरिक बाधाओं से बिल्कुल अलग, आईआईटी गांधीनगर का डीएसडीएम में कार्यकारी अधिस्नातक का पाठ्यक्रम समावेशी, अभिनव और व्यावहारिक है, जो अभियांत्रिकी, विज्ञान, कारोबार या अन्य क्षेत्र से संबंधित विविध पृष्ठभूमि के व्यवसायियों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। कार्यक्रम डेटा विज्ञान और इसके अनुप्रयोग के लिए एक व्यापक और बहु-विषयक दृष्टिकोण प्रदान करता है ताकि ठोस परिणाम प्राप्त हो सकें। कठिन पाठ्यक्रम और यथार्थ में इसके अनुप्रयोगों के माध्यम से, कार्यक्रम का लक्ष्य छात्रों को आवश्यक उपकरण, कौशल और मानसिकता से लैस करना है ताकि वे इस गतिशील परिदृश्य के साथ स्वयं को ढाल सकें।

इसके अतिरिक्त आईआईटी गांधीनगर समिश्र पदार्थ, अभिकलनात्मक द्रव गतिकी, ऊर्जा नीति और विनियमन, तथा संवहनीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी कार्यकारी अधिस्नातक की उपाधि प्रदान करता है।

13वां दीक्षांत समाप्तोह

आईआईटी गांधीनगर ने दिनांक 29 जून 2024 को गांधीनगर के महात्मा मंदिर सम्मेलन व प्रदर्शनी केंद्र में अपने 13वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। संस्थान ने 530 छात्रों को उपाधि प्रदान की। विप्रो लिमिटेड के कार्यकारी अध्यक्ष श्री ऋषद प्रेमजी ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को सुशोभित किया। आईआईटी गांधीनगर के शासक मण्डल के अध्यक्ष श्री संजीव पुरी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस वर्ष 56 छात्रों को विभिन्न पदक प्रदान किए गए जिसमें विभिन्न श्रेणियों जैसे शैक्षणिक, असाधारण अनुसंधान, नवाचार, नेतृत्व, सामाजिक सेवा, खेल, कला और संस्कृति आदि के लिए 40 स्वर्ण पदक और 17 रजत पदक शामिल थे। दीक्षांत समारोह से पूर्व, दिनांक 28 जून 2024 को एक पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 42 पदक विजेताओं ने पदक प्राप्त किए। आईआईटी गांधीनगर ने श्री महेश आर. पटेल, पूर्व प्रधानाचार्य, विश्वकर्मा शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय और श्री रुईटन मेहता, पूर्व अध्यक्ष, संयुक्त राज्य में आईआईटी गांधीनगर फाउंडेशन को भी संस्थान की उन्नति में उनके महत्वपूर्ण व अतुलनीय योगदान के लिए “इंस्टिट्यूट फेलो” की उपाधि से अलंकृत किया।

विद्या-वाचस्पति की डिग्री के प्राप्तकर्ता

| रोल नं. | नाम | अनुशासन |
|----------|-------------------------------|----------------------|
| 16210123 | शुभमोय दत्ता | जैविक अभियांत्रिकी |
| 17310039 | शुभम शर्मा | जैविक अभियांत्रिकी |
| 18310011 | भानु प्रिया | जैविक अभियांत्रिकी |
| 18310049 | विनोद मोर्य | जैविक अभियांत्रिकी |
| 14210020 | वंदना राजपूत | रसायन अभियांत्रिकी |
| 15310051 | नेमानी कामेश्वरी मणि प्रियंका | रसायन अभियांत्रिकी |
| 16310028 | एस.आर. अपूर्व | रसायन अभियांत्रिकी |
| 17310041 | गोरे सोनाली सुखदेव | रसायन अभियांत्रिकी |
| 18310005 | अनिकेत शैलेश रत्नपारखी | रसायन अभियांत्रिकी |
| 18310019 | हेमंत एच | रसायन विज्ञान |
| 18310030 | प्रदीप कुमार यादव | रसायन विज्ञान |
| 19310008 | दीपमाला | रसायन विज्ञान |
| 19310010 | जयपालसिंह मंगलसिंह इंगले | रसायन विज्ञान |
| 14210087 | बिधान कुमार साहू | सिविल अभियांत्रिकी |
| 14350001 | नकरानी धर्मित अधिन | सिविल अभियांत्रिकी |
| 17310002 | रवि कांत श्रीवास्तव | सिविल अभियांत्रिकी |
| 18310017 | दिव्या धवल उपाध्याय | सिविल अभियांत्रिकी |
| 18310024 | नरसीराम गुर्जर | सिविल अभियांत्रिकी |
| 18310045 | स्वरूप डांगर | सिविल अभियांत्रिकी |
| 18310048 | विकाश कुमार सिंह | सिविल अभियांत्रिकी |
| 18350004 | प्रभाकर | सिविल अभियांत्रिकी |
| 19310018 | वहीदुल्लाह हकीम सफी | सिविल अभियांत्रिकी |
| 13510022 | आदित्य सिंह | संज्ञानात्मक विज्ञान |

| | | |
|----------|----------------------------------|--------------------------------|
| 15510003 | कुलकर्णी प्रांजलि श्रीकांत | संज्ञानात्मक विज्ञान |
| 19310020 | प्रज्ञा वर्मा | संज्ञानात्मक विज्ञान |
| 17310001 | टॉम ग्लैंट इस्साक | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी |
| 18330009 | दीपक कुमार राय | पृथ्वी विज्ञान |
| 18330010 | देवप्रसाद एम | पृथ्वी विज्ञान |
| 18330020 | संजीत कुमार जेना | पृथ्वी विज्ञान |
| 18330021 | सिद्धार्थ सरकार | पृथ्वी विज्ञान |
| 18330027 | यश श्रीवास्तव | पृथ्वी विज्ञान |
| 16310023 | प्रमोद कुमार भारती | विद्युत अभियांत्रिकी |
| 17310006 | भट्टर पूर्णचन्द्रतेजस्वी लक्ष्मण | विद्युत अभियांत्रिकी |
| 18310037 | पटेल रुतु अमित | विद्युत अभियांत्रिकी |
| 18310063 | प्रिया पल्लवी | विद्युत अभियांत्रिकी |
| 18310069 | शशि रंजन | विद्युत अभियांत्रिकी |
| 18350002 | कैलाश प्रसाद | विद्युत अभियांत्रिकी |
| 19310032 | शेखर कुमार यादव | विद्युत अभियांत्रिकी |
| 19350007 | राणे धर्म परशुराम | विद्युत अभियांत्रिकी |
| 16310014 | अपर्णा के | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान |
| 18310013 | कैमेलिया बिस्वास | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान |
| 18310020 | जागृति | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान |
| 18310047 | थांगलीएनमांग हाओकिप | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान |
| 18310062 | श्री प्रशांत | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान |
| 17210054 | मित्तिरेडी रवि तेजा | पदार्थ अभियांत्रिकी |
| 17310026 | भारती मालवी | पदार्थ अभियांत्रिकी |
| 18310043 | सिमरनजीत सिंह | पदार्थ अभियांत्रिकी |
| 18310053 | अदितिबेन दिनेशभाई सावलिया | गणित |
| 18310064 | प्रियांक कुमार | गणित |
| 19310086 | गंडाल सोमनाथ अशोक | गणित |
| 17350002 | ज्योतिषराज थौदम | यांत्रिक अभियांत्रिकी |
| 18210063 | राम बलहारा | यांत्रिक अभियांत्रिकी |
| 18310039 | जादव शैल वसंतकुमार | यांत्रिक अभियांत्रिकी |
| 18350008 | योगेश सिंह | यांत्रिक अभियांत्रिकी |
| 15510056 | शास्त्री राहुलकुमार किशोरभाई | भौतिक विज्ञान |
| 16510039 | कौसिक लोहो | भौतिक विज्ञान |
| 17330017 | मधुसूदन पी | भौतिक विज्ञान |
| 17330029 | शांबली सो मोंडल | भौतिक विज्ञान |
| 17510060 | राजेश घोष | भौतिक विज्ञान |
| 18310022 | ललित पाठक | भौतिक विज्ञान |
| 18310026 | मकानी निशा हीरालाल | भौतिक विज्ञान |
| 18330001 | सुश्री आकांक्षा खंडेलवाल | भौतिक विज्ञान |
| 18330002 | अंजू रानी | भौतिक विज्ञान |
| 18330003 | अनुपम घोष | भौतिक विज्ञान |
| 18330004 | अरिजीत रॉय | भौतिक विज्ञान |
| 18330006 | पटेल बिनल दिनेशकुमार | भौतिक विज्ञान |
| 18330007 | मिश्र दयानंद किशन कुमार बेबी | भौतिक विज्ञान |
| 18330008 | दीपक गौड | भौतिक विज्ञान |
| 18330011 | मेघना सोनी | भौतिक विज्ञान |
| 18330013 | मोनिका देवी | भौतिक विज्ञान |
| 18330015 | नमिता उपल | भौतिक विज्ञान |
| 18330016 | नवल किशोर भडारी | भौतिक विज्ञान |
| 18330019 | संदीप सिंह | भौतिक विज्ञान |
| 18330022 | सुनील कुमार | भौतिक विज्ञान |
| 18330023 | सुप्रिया पान | भौतिक विज्ञान |
| 18330025 | विकास सोनी | भौतिक विज्ञान |
| 18330028 | योगेश | भौतिक विज्ञान |
| 19310051 | गौतम के के | भौतिक विज्ञान |

प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर की डिग्री के प्राप्तकर्ता जैविक अभियांत्रिकी

| रोल नं. | नाम |
|----------|--------------|
| 22210032 | प्रतीक्षा आर |
| 22210035 | सफ्या नासिर |
| 22210047 | श्रीतमा साहा |

| | |
|----------|----------------------|
| 22210048 | शर्मा राहा |
| 22250013 | दवे हर्षिल केतनकुमार |
| 22250033 | ओझा साक्षी हितेश |
| 22250034 | सम्पूर्ण गुहा |
| 22250049 | विद्युषी अग्रवाल |

रसायन अभियांत्रिकी

| रोल नं. | नाम |
|----------|----------------------------|
| 21270001 | सिंह रोहित कैलाश (प्रमिला) |
| 21270005 | सुभी गुप्ता |
| 21270006 | चाहत संदीपकुमार जैन |
| 22210021 | कुटे कौशिक राजेंद्र |
| 22210030 | शिगवान प्राजक्ता संजय |
| 22210053 | उथरा के आर |
| 22250019 | मुकुल स्वैन |
| 22250021 | नंदम हेमंत कुमार |
| 22250040 | शिवांगी मिश्रा |

सिविल अभियांत्रिकी

| रोल नं. | नाम |
|----------|-------------------|
| 21210023 | रण बीड़ीआर बिस्वा |
| 21270004 | आदर्श कुमार |
| 22210056 | अविनाश कुमार झा |
| 22250023 | पूनम राठौर |
| 22250036 | संजा जमतिया |
| 22250039 | शाओनली मिश्रा |
| 22250046 | सीमिक मजूमदार |

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

| रोल नं. | नाम |
|----------|-----------------------|
| 22210005 | अनंत पटेल |
| 22210006 | अनुपम शर्मा |
| 22210010 | आयुष श्रीवास्तव |
| 22210013 | एटिकिकोटा ऋषिकेश |
| 22210014 | सिद्धमं गंगाराम |
| 22210019 | हितेश लोदवाल |
| 22210023 | अवचार माधुरी गजाननराव |
| 22210024 | सालवी मनीष प्रभुलाल |
| 22210026 | नवनीत शर्मा |
| 22210028 | पिंकी कुमारी |
| 22210029 | पूजा गोयल |
| 22210034 | रितेश पाटीदार |
| 22210036 | साई कृष्णा अवुला |
| 22210040 | सत्यम भारद्वाज |
| 22210041 | सत्यम गुप्ता |
| 22210042 | शतरूपा बेपारी |
| 22210044 | शिवम मिश्रा |
| 22210045 | सिद्धेश दोसी |
| 22210049 | सुजीत कुमार यादव |

बीटेक-एमटेक दोहरी डिग्री प्राप्तकर्ता

| रोल नं. | नाम | डिग्री | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक और संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर |
|----------|---------------|--------|---|
| 19110123 | मोरे यश हिरेन | | |

विज्ञान स्नातकोत्तर डिग्री के प्राप्तकर्ता**रसायन विज्ञान**

| रोल नं. | नाम |
|----------|-----------------|
| 22510010 | अंकिता नायक |
| 22510013 | अर्का चक्रवर्ती |
| 22510028 | दीपानिता चौधरी |
| 22510032 | गौतम रावत |
| 22510035 | हरेंद्र |
| 22510037 | हिमांशु सोनिक |
| 22510045 | कल्पना |
| 22510053 | मयंक लूनीवाल |
| 22510063 | प्रियांशु सोरौत |
| 22510068 | राकेश गुलशन |
| 22510070 | ऋषभ कुमार |
| 22510072 | रूपेश नैन |

| | |
|----------|-----------------------|
| 22210050 | जायसवाल सुरज राजेंद्र |
| 22210055 | प्रसूज दास |
| 22210057 | आशीष कुमार साह |
| 22250006 | चैलेक्स सरमा |
| 22250011 | हरि हरि सुधन एस |
| 22250016 | कौसिक नंदगोपन डी |
| 22250030 | रोहित नारायण |
| 22250032 | रुशाली आर |

विद्युत अभियांत्रिकी

| रोल नं. | नाम |
|----------|-------------------------|
| 21210043 | शाश्वत दास |
| 21270003 | पुपुल कुमार दलबेहरा |
| 22210008 | आर्यन मणि झा |
| 22210011 | देवांगी |
| 22210018 | ज्ञानेन्द्र विमल |
| 22210039 | सरतापे आरती लहु |
| 22250002 | अंबिका लखेरा |
| 22250003 | अर्पित कुमार श्रीवास्तव |
| 22250004 | अश्विनी पाठक |
| 22250014 | करण कुमार |
| 22250017 | मेघा यादव |
| 22250020 | एन एस रामनाथन |
| 22250024 | प्रद्युम्न पांडे |
| 22250026 | प्रतीक शर्मा |
| 22250047 | सुखबीर सिंह |

पदार्थ अभियांत्रिकी

| रोल नं. | नाम |
|----------|--------------------|
| 21270002 | शिवम प्रमार |
| 22250015 | किशालय राज |
| 22250042 | सृति प्रकाश बेहेरा |

यांत्रिक अभियांत्रिकी

| रोल नं. | नाम |
|----------|------------------------|
| 21210016 | नितिन के |
| 21310044 | जसाफा शौकत |
| 22210004 | अक्षय कुमार महतो |
| 22210009 | चौकशी अवनीश प्रशांतभाई |
| 22210027 | पंकज खट्टी |
| 22250029 | ऋषभ कुमार |
| 22250043 | सोहम श्रीरंग पाठक |

| | |
|----------|--------------------------|
| 22510076 | साहिल सोनी |
| 22510077 | साक्षी |
| 22510078 | वाला संकितकुमार गोपालभाई |
| 22510082 | महला सत्यमकुमार बबनभाई |
| 22510083 | सायंतन धोष |
| 22510086 | शुभम कुमार |
| 22510089 | स्मृदि आनंद |
| 22510090 | स्नेहा नेगी |
| 22510107 | सुमित करमाकर |
| 22510110 | स्वप्निल सेन |
| 22570010 | कृतिका आर अग्रवाल |

संज्ञानात्मक विज्ञान

| रोल नं. | नाम |
|----------|--------------------|
| 22510001 | अवंती केदार करमरकर |

| | |
|----------|-------------------|
| 22510004 | अभिषेक बारला |
| 22510019 | बागमिश्र सभापंडित |
| 22510023 | चेरी सागर |
| 22510034 | हन्ना ग्रेस जैसन |
| 22510039 | इंचारा एम |
| 22510056 | निहाला बीमा सलाम |
| 22510061 | प्रीति आर |
| 22510065 | राजलक्ष्मी यू |
| 22510075 | साहेर सोनी |
| 22510087 | सिनचना वासंती |
| 22510094 | श्रीलक्ष्मी के. |
| 22510096 | श्रुति चौधूर्ण |
| 22510100 | शुभनारायण मिश्रा |
| 22510104 | सुकोमल एस कुमार |

गणित

| रोल नं. | नाम |
|----------|---------------------------|
| 21510022 | आबिदा कबीर |
| 21510068 | नैसी कुशवाह |
| 22510002 | अभिजीत मन्ना |
| 22510007 | अनामिका |
| 22510009 | अंजलि |
| 22510014 | आर्य हिरेनभाई पटेल |
| 22510016 | अविनाश पांडे |
| 22510020 | बालकेश |
| 22510029 | गौरव कुमार |
| 22510030 | गौरव कुमार |
| 22510042 | जिनेन्द्र कोठारी |
| 22510044 | काकली चौधूरी |
| 22510047 | केया घोष |
| 22510051 | महक जौहरी |
| 22510052 | मंगल सिंह |
| 22510055 | निधि पपनई |
| 22510062 | प्रियांशु छीपा |
| 22510066 | रजत सिंह |
| 22510073 | रूपम घोष |
| 22510079 | सार्वक विजय |
| 22510080 | सत्य प्रकाश |
| 22510091 | सोहिनी मंडल |
| 22510093 | सौविक पाल |
| 22510095 | सुचिं मौर्य |
| 22510101 | सुदर्शन दास |
| 22510108 | चौधरी सुमितकुमार सुरेशभाई |
| 22510111 | टीकम सैनी |
| 22510112 | उदित कुमार |
| 22510113 | उत्रमा कुमार शिट |
| 22570001 | चोडेनकर आर्यन अजीत |
| 22570004 | अथिरासुरेश |
| 22570008 | के वी अपर्णा |
| 22570013 | प्रियांशी अग्रवाल |
| 22570016 | रुचा तुषार सिद्धम |

भौतिक विज्ञान

| रोल नं. | नाम |
|----------|-------------------|
| 21510079 | प्रतीक सिंह सौद |
| 21510080 | प्रत्युष सिंह सौद |
| 21510109 | सुसांता बर्मन |
| 22510003 | अभिषेक |
| 22510006 | आकाश |
| 22510008 | अनिमेष पुजारी |
| 22510011 | अनुभव जना |
| 22510015 | आशीष कुमार गुप्ता |
| 22510017 | अयाज़ खान |

| | |
|----------|-----------------------|
| 22510018 | आयुष जैन |
| 22510022 | बृजेश भरतभाई ठक्कर |
| 22510024 | चेष्टा |
| 22510025 | चेतन बारला |
| 22510026 | देवदुलाल डे |
| 22510031 | गौरव कुमार |
| 22510033 | गुणेश्वर बेहरा |
| 22510038 | ऋषिकेश संतोष कथाले |
| 22510049 | कृष्णपौपायन प्रधान |
| 22510054 | मोहम्मद आसिफ जिया |
| 22510060 | पी प्रसन्ना वेंकटेशन |
| 22510064 | राहुल कुमार |
| 22510067 | राजदीप सरकार |
| 22510069 | रामानन अय्यर |
| 22510081 | सत्य रंजन पाधी |
| 22510084 | शोभनाश्री गणेशन |
| 22510085 | श्रीजया मैती |
| 22510099 | शुभम दास |
| 22510102 | सुधांशु सिंह |
| 22510105 | सुमन कुमार नाथ |
| 22510106 | सुमन कुमार नायक |
| 22510116 | विवेक वर्मा |
| 22510118 | योगिता परमार |
| 22570003 | आस्मा अख्तर शेख |
| 22570005 | बेबी सुप्रजा डी |
| 22570006 | देवेन दीपक बिरजे |
| 22570007 | गायत्री ख्वेन |
| 22570009 | ज़वेरी केरमान मरजाबान |
| 22570011 | मनस्ती गौतम |
| 22570012 | परमार प्रतीक मगनभाई |
| 22570014 | रिशव साहा |

कला स्नातकोत्तर डिग्री के प्राप्तकर्ता**समाज और संस्कृति**

| रोल नं. | नाम |
|----------|--------------------------|
| 21520008 | चंदन रॉय |
| 22520001 | अबिनया आर |
| 22520002 | आदर्श कुमार शाही |
| 22520003 | ऐश्वर्या पी राज |
| 22520005 | अन्वीक्षा मिश्रा |
| 22520007 | अतुल्य सी |
| 22520008 | आयशा थमन्ना के |
| 22520009 | गौतम अनिल वारियर |
| 22520010 | हाइफा मरियम |
| 22520012 | माने ईश्वर सुनील |
| 22520015 | मनीष मीना |
| 22520016 | मनमोहन |
| 22520018 | मोहित सिंह |
| 22520019 | मोनिका जैन |
| 22520020 | मुहम्मद अनीस टी ए |
| 22520021 | प्रियांशु जैन |
| 22520022 | राहुल बिश्वोई |
| 22520023 | रश्मि मल्होत्रा |
| 22520024 | श्रुति शर्मा |
| 22520025 | भीलारे स्वेहल सुनील |
| 22520026 | स्टीफन एल सिंगसिट |
| 22520027 | सुषुप्ति गुणवंत कालबांडे |
| 22520028 | सैयद फराज़ अहमद |
| 22520029 | तियाशी रॉय |
| 22520030 | वरदान नायर |
| 22520031 | वासु पीपल |

संस्थान के स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्तकर्ता

| रोल नं. | नाम | उपाधि |
|----------|-----------------------|--|
| 20310060 | सायंतोनी चौधरी | संस्थान से जीव विज्ञान अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा |
| 22310033 | रवि हंसराजभाई पिपरिया | संस्थान से रसायन अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा |
| 21210029 | शुभम सिंह | संस्थान से सिविल अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा |
| 22250008 | दिव्यांशु शुक्ला | संस्थान से सिविल अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा |
| 23410003 | अविनाश मिश्रा | पृथ्वी विज्ञान प्रणाली में संस्थान का स्नातकोत्तर डिप्लोमा |
| 23410005 | सुचिका यादव | पृथ्वी विज्ञान प्रणाली में संस्थान का स्नातकोत्तर डिप्लोमा |
| 19210081 | कुलदीप जाजोरिया | संस्थान से विद्युत अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा |
| 21310014 | जेनिस सैमूअल | संस्थान से पदार्थ अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा |
| 23410004 | सद्गुवाना साहू | संस्थान से पदार्थ अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा |
| 21310047 | गांधी नील परिमल | संस्थान से यांत्रिक अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा |
| 22310024 | एन राहल | संस्थान से यांत्रिक अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा |

दोहरी प्रमुख बीटेक उपाधि के प्राप्तकर्ता

| रोल नं. | नाम | उपाधि |
|----------|--------------------------|--|
| 19110009 | दीप समीर ठक्कर | जैविक अभियांत्रिकी और रसायन विज्ञान में माइनर्स के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक और संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 19110059 | रूबेन शिवू देवनेसन | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक और संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 19110020 | मुहम्मद यसुफ हसन | विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक और संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 19110024 | रामोलिया हर्षित मनसुखभाई | विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक और संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110099 | कुशाग्र जैन | विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक और संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 19110188 | मो. आमिर शोहेल | यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक और संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 19110206 | सोमेश प्रताप सिंह | यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक और संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |

प्रौद्योगिकी स्नातक उपाधि के प्राप्तकर्ता

रसायन अभियांत्रिकी

| रोल नं. | नाम | उपाधि |
|----------|------------------------|---|
| 19110073 | आकाश कुमार | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110001 | ए एम श्रीवद्दसा | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110006 | अदिति अग्रवाल | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110009 | अक्षक्त श्रीवास्तव | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110019 | अनुज उज्ज्वल बुच | रासायनिक अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी |
| 20110025 | मापारी आर्य किशोर | रासायनिक अभियांत्रिकी में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स में माइनर के साथ |
| 20110031 | आयुष गुप्ता | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110037 | भलाला आयुष जगदीशभाई | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110040 | भुजबल आदित्य रामदास | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110049 | डबलू कुमार | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110050 | डॉगे महेश सुरेश | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110057 | धीरेन अग्रवाल | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110064 | कूलकर्णी ईशा शिरीष | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110066 | गजभिये ऋषभ मधुकर | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110077 | हितेश जैन | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110096 | शाह केविन अमित | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110103 | माधव विस्वाम | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110105 | मानव गडपाले | प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110106 | मंडावेकर श्रीयश सुधाकर | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110107 | मनीष कुमार जांगिड | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110116 | मुमुक्षु तायल | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110119 | नायक साहिल प्रकाशकुमार | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110122 | नीलांशी पटेल | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110138 | पीयूष धीरवानी | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110153 | राहुल कुमार | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110161 | राजेश कुमार | रोबोटिक्स में माइनर के साथ रासायनिक रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110164 | ऋषभ जैन | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110166 | रितिका वर्मा | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110171 | रौनक कालरा | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110184 | कूलकर्णी संकरण धनंजय | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक |
| 20110191 | देवसरकार शांतनु शंकर | रासायनिक अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी |

| | | |
|----------|---------------------|---|
| 20110193 | शिखर अग्रवाल | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रैदौगिकी स्रातक |
| 20110201 | सोहन डामोर | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रैदौगिकी स्रातक |
| 20110212 | तन्वी दीक्षित | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रैदौगिकी स्रातक |
| 20110216 | थेजस आर विनोद | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रैदौगिकी स्रातक |
| 20110220 | वरद वी सरदेशपांडे | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रैदौगिकी स्रातक |
| 20110221 | वरुण चांदवानी | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रैदौगिकी स्रातक |
| 20110226 | विकाश विश्वर्मा | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रैदौगिकी स्रातक |
| 20110235 | अद्विया यश राजेशभाई | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रैदौगिकी स्रातक |
| 20110236 | यश खंडेलवाल | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रैदौगिकी स्रातक |
| 20110238 | पाटिल यशश्री दीपक | रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रैदौगिकी स्रातक |

सिविल अभियांत्रिकी

| रोल नं. | नाम | उपाधि |
|----------|---------------------------|--|
| 19110065 | शिवम राय | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110003 | अभिनव कुमार | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110012 | अमन चौधरी | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110013 | अमन राज | विद्युत अभियांत्रिकी में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110014 | अमन सामरिया | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110018 | अनुज त्रिपाठी | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110024 | आर्य प्रताप सिंह | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110027 | अशोक कुमार मीना | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110081 | जायसवाल भुवेश ओमप्रकाश | सिविल अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110087 | कदली हमसिनी | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110100 | सुश्री कुसुम | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110101 | लिम्बोरे प्रमोद सूर्यकांत | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110114 | मोहित सिंह राजपूत | प्रबंधन में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110115 | मुकुल राज | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110118 | नवल जग्गी | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110121 | उपासनी निधि भूषण | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110137 | पलं उमेशकुमार खरे | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110140 | प्रदीप | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110145 | प्रीतम छिम्पा | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110150 | पुलकित वर्मा | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110157 | राहुल राज | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110177 | सचिन जांगिड़ | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110179 | सक्षम | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110211 | जाधव तनया संगम | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110214 | तन्वी यादव | प्रबंधन में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110215 | तरुण यादव | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110223 | वीणा के | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110225 | वेंकटेश्वर सिंघल | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110228 | वीरेंद्र सिंह | सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110240 | युवराज गुप्ता | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

| रोल नं. | नाम | उपाधि |
|----------|-----------------------------|---|
| 19110075 | बसावला प्रशांत कुमार | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110023 | अरुण मणि | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110030 | असलालिया जुहिल अल्पेशभाई | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110036 | बालू कार्तिक राम | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110038 | भावेश जैन | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110039 | भाविनी कोर्थी | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110041 | बोम्मिसेट्टी शिवा साई | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110042 | चौधरी आयुष हर्षदभाई | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110043 | चौधरी तन्वी विजयभाई | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110047 | चिराग सारडा | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110052 | देसाई संदीप तेजा | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110054 | धैर्य शाह | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110056 | धीरज यादव | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110059 | थुमर ध्येयकुमार प्रवीणकुमार | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110071 | हाइकू अशोक खंडोरे | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110072 | हरेन्द्र खटीक | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110075 | हर्षवर्धन वाला | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |

| | | |
|----------|---------------------------|---|
| 20110076 | हेतवी नीलेशकुमार पटेल | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110080 | इंद्रजीत सिंह भुल्लर | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110086 | मकवाना जॉय राजेशकुमार | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110088 | कलश कांकिरिया | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110091 | कनिष्ठ सिंधल | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110102 | लिपिका राजपाल | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110104 | माधव कांडा | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110111 | मेधांश सिंह | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110112 | वानकर मीत मगनभाई | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110117 | नरला कर्तिकेय | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110124 | नितिन करकालिया | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110125 | परमार तेजस दिनेशभाई | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110129 | पटेल ध्रुव किरीटभाई | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110141 | पराक्रम सिंह राठौड | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110143 | प्रणव राठौड | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110149 | प्रोज्ञान दास | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110156 | राहुल राय | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110158 | राहुल विनोद चेम्बाकासेरिल | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110165 | ऋषभ पाटीदार | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110173 | नोकजेडी एस एयर | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110174 | एस श्री मनीष गौड़ | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110175 | सात्विक राव | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110178 | साहिल प्रशांत अग्रवाल | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110182 | समीक्षा कांबले | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110206 | सुकृता प्रकाश मिंदिगेशी | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110208 | सुतारिया मिहिरकुमार राजेश | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110219 | उत्कर्ष मित्तल | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110224 | वेंकट श्रीमन नारायण मल्लि | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110229 | विशाल घोनिया | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110231 | वोरुगोडा राजेश | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110242 | जीशन सेहिल भगत | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |

विद्युत अभियांत्रिकी

| | | |
|----------|---------------------------|---|
| 20110147 | प्रिया गुप्ता | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110155 | राहुल आर पट्ट | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110160 | राज कृष्ण दीपककुमार | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110162 | रवि प्रकाश धोराजिया | रोबोटिक्स में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110167 | बंसल रिया | मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी |
| 20110169 | रोहन नाइका | मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी |
| 20110176 | सचिन भारद्वाज | प्रबंधन में माइनर के साथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी |
| 20110186 | शांडिली वाजपेयी | मैकेनिकल इंजीनियरिंग में आनंद के साथ बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में माइनर |
| 20110188 | प्रजापति शैल जगदीश | मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी |
| 20110197 | श्रीजा राजेशकुमार अग्रवाल | कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में माइनर के साथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110204 | सुश्री सुहानी मितल | कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में माइनर के साथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110210 | तल्ला गनाना साई | कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में माइनर के साथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110222 | चव्हाण वेंदोंग जोतिराम | कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में माइनर के साथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग में प्रौद्योगिकी स्रातक |
| 20110233 | वाघ तन्मय मारुति | यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक |

अभियांत्रिकी में विज्ञान स्रातक उपाधि के प्राप्तकर्ता

| रोल नं. | नाम | उपाधि |
|----------|------------------|--|
| 20110241 | युवराज सिंह मीना | अभियांत्रिकी में तीन वर्षीय विज्ञान स्रातक |

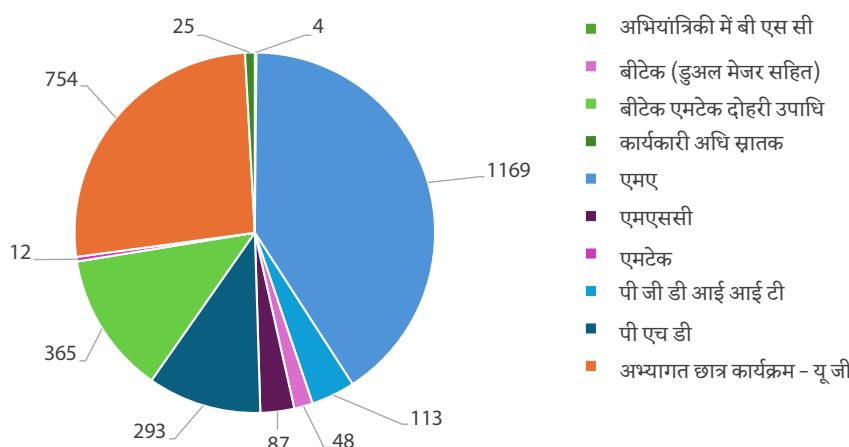
अभियांत्रिकी में डिप्लोमा के प्राप्तकर्ता

| रोल नं. | नाम | उपाधि |
|----------|-----------|---------------------------|
| 21110052 | दीपक मीना | अभियांत्रिकी में डिप्लोमा |

छात्र

आईआईटी गांधीनगर के छात्रों का कार्यक्रमवार संक्षिप्त विवरण

| कार्यक्रम | छात्रों की संख्या |
|---------------------------------|-------------------|
| अभियांत्रिकी में बी एस सी | 4 |
| बीटेक (ड्वअल मेजर सहित) | 1169 |
| बीटेक एमटेक दोहरी उपाधि | 113 |
| कार्यकारी अधि स्रातक | 48 |
| एमए | 87 |
| एमएससी | 293 |
| एमटेक | 365 |
| पी जी डी आई आई टी | 12 |
| पी एच डी | 754 |
| अभ्यागत छात्र कार्यक्रम - यू जी | 25 |
| कुल | 2870 |



लघु कार्यक्रम

आईआईटी गांधीनगर ने वर्ष 2010 से लघु पाठ्यक्रमों को प्रारंभ किया है। ये सामान्यतः 10 से 12 घंटे की अवधि वाले 1-क्रेडिट पाठ्यक्रम हैं। संस्थान प्रत्येक सेमेस्टर में औसतन 8-9 पाठ्यक्रम पेश करता है और शैक्षणिक वर्ष अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक कुल 25 ऐसे पाठ्यक्रम पेश किए गए हैं। इनमें डॉ. डेनिस फ्रेनेज, लेक्चरर, पडोवा विश्वविद्यालय (इटली) द्वारा 'हड्पा सभ्यता : बाह्य व्यापार और अंतर सांस्कृतिक संवाद' से लेकर डॉ. बिरंचिनाथ साहू, संस्थापक और निदेशक, ग्रीन वाट सेमीकंडक्टर प्राइवेट द्वारा "मिश्रित सिग्नल चिप अभिकल्प : सिद्धांत से प्रयोग तक" जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं जो इस रिपोर्ट की अवधि के दौरान पेश किए गए और जिससे विविध विषयों के 350 से अधिक छात्र लाभान्वित हुए।

लघु पाठ्यक्रम निम्नलिखित अवसर प्रदान करते हैं :

- यह वैश्विक स्तर पर पेशेवरों और शोधकर्ताओं के साथ सक्रिय अनुबंध को बढ़ावा देता है और पाठ्यक्रमों के आंतरिक वर्गों में विविधता लाता है।
- इसमें विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है जिन्हें पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया जा सकता है।
- यह सर्वसुलभ प्रस्तावों के माध्यम से छात्रों के बीच अंतःविषय सोच को बढ़ावा देता है।

अप्रैल 2024 - मार्च 2025 के दौरान आयोजित किए गए लघु पाठ्यक्रमों की सूची इस प्रकार है:

- डाटा आधुनिकीकरण और मुद्रीकरण - 6-7 अप्रैल 2024 - श्री मृगांक एम. पारिल, प्रबंध निदेशक, एक्सेनचर
- मिश्रित सिग्नल चिप अभिकल्प : सिद्धांत से प्रयोग तक - 6-7 अप्रैल 2024 - डॉ. बिरंचिनाथ साहू, संस्थापक और निदेशक, ग्रीन वाट सेमीकंडक्टर प्राइवेट
- भूदृश्य व्याख्या के लिए उपग्रह रिमोट सेसिंग - 5-9 अगस्त 2024 - डॉ. एक्टुला गुप्ता, ज्ञान डे ला सिएरवा फेलो, कैटलान इस्टिट्यूट ऑफ कॉम्प्यूटिंग आॅफ ऑलोजी (आई सी ए सी), स्पेन
- इम्यूनोटेक्नोलॉजी - 19-29 अगस्त 2024 - प्रो. देवी पी सरकार, अतिथि आचार्य, जैविक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, आईआईटी गांधीनगर
- डिजिटल ट्रैन मॉडलिंग फ्रॉम स्पेस बोर्न रीमोट सेसिंग - 21-26 अगस्त 2024 - प्रो. प्रदीप श्रीवास्तव, अवैतनिक संकाय, पृथ्वी विज्ञान, आईआईटी गांधीनगर
- 'हड्पा सभ्यता : बाह्य व्यापार और अंतर सांस्कृतिक संवाद' - 5-19 सितंबर 2024 - डॉ. डेनिस फ्रेनेज, लेक्चरर, पडोवा विश्वविद्यालय (इटली)
- क्वांटिकोप्टेर मॉडलिंग एण्ड सिमुलेशन - 12-27 सितंबर 2024 - डॉ. प्रणव लाड, सीनियर कस्टमर सर्क्सेस इंजीनियर, मैथ वर्क्स और श्री रोहित भट्टाचार्जी, कस्टमर सर्क्सेस इंजीनियर, एजुकेशन टीम, मैथ वर्क्स
- गिटार का परिचय: सिद्धांत और प्रयोग - 16-27 सितंबर 2024 - डॉ. श्रीनिवास रेडी, अतिथि आचार्य, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, आईआईटी गांधीनगर
- विलंबित प्रणाली की गतिकी - 7-9 अक्टूबर 2024 - डॉ. पंकज वाही, आचार्य, यांत्रिक अभियांत्रिकी, आईआईटी कानपुर
- प्रभावी सम्प्रेषण I का फाउंडेशन - 16-18 अक्टूबर 2024- आकॉक्षा वर्मा, निविड़ देसाई, रश्मि गुप्ता
- शैक्षणिक और शोध लेखन फाउंडेशन - 14-18 अक्टूबर 2024 - निविड़ देसाई, प्रोग्राम एक्जिक्यूटिव, राइटिंग स्टूडियो, आईआईटी गांधीनगर
- नेतृत्व, रणनीति और नवाचार : वैश्विक पाठ और भारतीय संदर्भ - 21-25 अक्टूबर 2024 - अजय मेहता
- यांत्रिक, आण्विकी और पदार्थ अभियांत्रिकी के लिए भौतिकी चालित और डीप लर्निंग कार्य प्रवाह - 4-8 नवंबर 2024 - डॉ. किरण शशिकुमार, अवन्न-ग्रेड मटेरियल सिमुलेशन (जर्मनी) में शोध वैज्ञानिक
- वेब विकास का परिचय - 5-19 नवंबर 2024 - विवेक राज, बीटेक छात्र, आईआईटी गांधीनगर; करण गांधी, बीटेक छात्र, आईआईटी गांधीनगर; रोमित मोहाणे, बीटेक छात्र, आईआईटी गांधीनगर
- कोड प्रोफाइलिंग और इष्टतमीकरण (optimization) - 4-18 नवंबर 2024 - शुभ्रजित दास (मुख्य प्रशिक्षक), एमटेक छात्र, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, आईआईटी गांधीनगर, प्रत्यूष चौधरी, (सह प्रशिक्षक), एमटेक छात्र, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, आईआईटी गांधीनगर
- पतंजलि का योग सूत्र - 12-21 नवंबर 2024 - श्रीनिवास रेडी, अतिथि आचार्य, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, आईआईटी गांधीनगर
- सूक्ष्म अभियांत्रिकी के प्रयोग द्वारा सेसर्स और ड्रांसडियूर्स का निर्माण - 2-13 दिसंबर 2024 - प्रो. हार्दिक जीतेंद्र पाण्ड्या, अतिथि सहयुक्त आचार्य, विद्युत अभियांत्रिकी, आईआईटी गांधीनगर
- प्रतिस्पर्धात्मक प्रोग्रामिंग और अलगोरियम का परिचय - 6-16 जनवरी 2025 - करण गांधी, बीटेक छात्र, आईआईटी गांधीनगर, निश्चय भुटोरिया, बीटेक छात्र, आईआईटी गांधीनगर, श्रीवत्स पी, बीटेक छात्र, आईआईटी गांधीनगर
- विधि और प्रौद्योगिकी की अंतर्वृष्टि - 14-30 जनवरी 2025 - प्रो. नूर एम. गिमरिस, आचार्य, आई एस सी टी ई, यूनिवर्सिटी इस्टिट्यूट ऑफ लिस्बन और स्कॉलर-इन-रेसिडेंस, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, आईआईटी गांधीनगर
- द शेल मिडेन्स ऑफ द अरेबियन सी : समस्या और परिप्रेक्ष्य - 20-03 फरवरी 2025 - प्रो. पातलो बियाजी, स्कॉलर-इन-रेसिडेंस, पृथ्वी विज्ञान, आईआईटी गांधीनगर
- डिवेलपिंग योर एक्जिक्यूटिव प्रजेन्स - 10-26 फरवरी 2025 - डॉ. रामचंद्रन वीनाकाजी, संयुक्त डॉक्टरेट होल्डर, आईआईटी मद्रास और यूनिवर्सिटी ऑफ दिसबर्ग - एस्सेन
- कार्ड जारू का गणित - 15-16 मार्च 2025 - डॉ. रामप्रसाद सप्तर्षि, संकाय सदस्य, स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी और कम्प्युटर साइंस, टाटा मूलभूत अनंतसंधान संस्थान (टी आई एफ आर)
- इनरैक्टिव थ्योरम प्रूफिंग इन सीओक्यू - 17-26 मार्च, 2025 - अनिकेत मिश्र, बीटेक छात्र, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी आईआईटी गांधीनगर
- उन्नत डब्ल्यूएलएन प्रौद्योगिकी - 17-23 मार्च 2025 - प्रो. सुमित रॉय, यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन, अतिथि आचार्य, आईआईटी गांधीनगर; डॉ. श्रीकांत सुब्रमनियन, चीफ नॉलेज ऑफिसर, नैनो सेल नेटवर्क्स
- मेकेनिक्स में स्थानीय बाइबिकेशन सिद्धांत का अनुप्रयोग - 21-28 मार्च 2025 - डॉ. बंसंत लाल शर्मा, सहयुक्त आचार्य, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी कानपुर







छात्र मामले

नियुक्ति, प्रशिक्षण और उच्च शिक्षा

कैंपस-नियुक्ति 2024

इस वर्ष करियर विकास सेवाओं ने लगभग 3000 संगठनों से संपर्क किया। इसके परिणामस्वरूप, विगत वर्षों की तुलना में अधिकतम नियुक्ति संख्या सहित सभी दृष्टिकोणों से बेहतर आंकड़े सामने आए हैं। कुल 200 विद्यार्थियों को नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। विगत वर्ष के 81% की तुलना में 82.39% पंजीकृत स्नातक छात्रों की नियुक्ति हुई थी।

मुख्य क्षेत्रों पर विशेष रूप से ध्यान रखते हुए हमारे छात्रों को रोजगार के अवसर प्रदान करने वाले औद्योगिक क्षेत्रों में विगत वर्ष की अपेक्षा कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ है। रोजगार के लगभग 80% प्रस्ताव निरंतर इन मुख्य क्षेत्रों से ही प्राप्त होते हैं। निम्नलिखित संगठनों ने वर्ष 2024 में निवर्तमान बैच को कैंपस नियुक्ति हेतु प्रस्ताव दिया है:-

संगठनों के नाम

एक्सेंचर इंडिया
एक्सेंचर जापान
एसीज (Acies)
अडानी ग्रुप
एडवर्ब
एलेन ओवरसीज
अमेजन
अमूल
आर्सेलर मित्तल निप्पन स्टील
आस्पेक्ट रेश्यो प्रा. लि.
एटलस कोपको
एक्सिस बैंक
एक्सट्रिया इंडिया प्रा. लि.

बार्कलेज
बी एन वाई मेलन
ब्रॉडरिज
कैडिला फार्मास्युटिकल्स लि.
सी-डॉट
सिटी बैंक
कोचबार आइएनसी
डी ई शॉ
डेसीमल पॉइंट एनालिटिक्स
देवधर क्लासेस
देवरेव
दृष्टि फाउंडेशन
ई क्लर्क्स

एस्टी एड्वाइजर्स
एफ एन जेड ग्रुप
फ्यूचर्स फर्स्ट
ग्रेवीटोन
हर्षा इंजीनियर्स
एच डी एफ सी बैंक
हीरो फिनकॉर्प
हिताची एनर्जी
एच पी सी एल
आई बी एम
जागुआर लैंड रोवर टेक
के पी आई टी टेक्नोलॉजीज
लार्सन एंड ट्रुब्रो

| | | |
|-----------------------------------|--|------------------------|
| महिंद्रा एंड महिंद्रा | सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट, दिल्ली | टेक्सास इंस्ट्रुमेंट्स |
| MAQ सॉफ्टवेयर | संस्कृति पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड | थौसेंट्रिक |
| मैथवर्क्स | (IML ग्रुप) | टाइगर एनालिटिक्स |
| मिरेकल्स फिनेटेक प्राइवेट लिमिटेड | सियर्स इंक | ट्रेडिंग टेक्नोलॉजीज |
| म्यू सिंगा | सेडेमैक | ट्रूमाइंड्स |
| नारायण ग्रुप ऑफ एडु | शार्प मिंट | वालनट फोल्क्स |
| ओरेकल | सीमेंस | वाल्टर पी मूर |
| फीनिक्स इंस्टीट्यूट | सिम एडवाइजरी | वेबस्टाफ कंपनी लिमिटेड |
| पॉलीप्लेक्स | स्कैन.एआई | युव्या |
| पीपी सवानी यूनिवर्सिटी | स्कैन.एआई | जोमैटो |
| प्रिञ्ज जॉनसन लिमिटेड | स्मार्टसा | जेडएस एसोसिएट |
| प्रूटर | स्मार्टसेंस कंसल्टिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट | |
| पब्लिसिस सैपिएंट | लिमिटेड | |
| प्यूमा | स्प्रीह | |
| राम ग्रुप | स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज | |
| सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट, नोएडा | टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड | |
| | टीसीएस | |

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप 2024

वर्ष 2024 की ग्रीष्म ऋतु में, हमारे छात्रों ने 19 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा आयोजित शैक्षणिक और औद्योगिक प्रशिक्षण में भाग लिया है। चयनित समूह में से 28 विद्यार्थियों ने शैक्षणिक प्रशिक्षण पूरी की, जबकि 8 ने विभिन्न उद्योगों में औद्योगिक प्रशिक्षण पूरी की है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण के अवसरों का लाभ उठाने वाले विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है। 201 छात्रों में 93 स्रातक (तृतीय वर्ष), 48 स्रातक (द्वितीय वर्ष), 8 स्रातक (प्रथम वर्ष) और 52 स्रातकोत्तर के छात्रों ने विविध संगठनों से प्रशिक्षण प्राप्त की। कुल 92 संस्थाओं ने हमारे स्रातक/स्रातकोत्तर के छात्रों की मेजबानी की।

विदेशी संस्थाएँ/संगठन

| छात्र का नाम | विभाग | मेजबान संस्था/संगठन |
|---|-------------------------------|--|
| अंतर्राष्ट्रीय (संस्थान में प्रशिक्षण) | | |
| नमन धर्माणी | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान |
| आशुतोष कृष्ण अमराम | पदार्थ अभियांत्रिकी | कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान |
| यश दिलीप अहिरे | यांत्रिक अभियांत्रिकी | फेडरल यूनिवर्सिटी ऑफ गोइआस (यू एफ जी) |
| दक्ष जैन | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान (एफ एस आई अल प्रयोगशाला) |
| ऋषि ग्लासवाला | पदार्थ अभियांत्रिकी | जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान (एफ एस आई अल प्रयोगशाला) |
| शकीरा एस | विद्युत अभियांत्रिकी | आई एन आर आई ए पेरिस |
| गौरव जोशी | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | पर्द्यू यूनिवर्सिटी |
| अनुगु अरुण रेड्डी | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | पर्द्यू यूनिवर्सिटी |
| नरेंद्र प्रसाद के | विद्युत अभियांत्रिकी | पर्द्यू यूनिवर्सिटी |
| स्मित मेहता | यांत्रिक अभियांत्रिकी | पर्द्यू यूनिवर्सिटी |
| आर्यन गोसावी | यांत्रिक अभियांत्रिकी | पर्द्यू यूनिवर्सिटी |
| युवराज सोनी | रासायनिक अभियांत्रिकी | टेक्सास ए एण्ड एम यूनिवर्सिटी |
| दिया महेश | रासायनिक अभियांत्रिकी | टेक्सास ए एण्ड एम यूनिवर्सिटी |
| श्रेय जोशी | विद्युत अभियांत्रिकी | टेक्सास ए एण्ड एम यूनिवर्सिटी |
| अदिति रंभिया | पदार्थ अभियांत्रिकी | टेक्सास ए एण्ड एम यूनिवर्सिटी |
| शशांक घोष | यांत्रिक अभियांत्रिकी | टेक्सास ए एण्ड एम यूनिवर्सिटी |
| रीतिश वर्मा | भौतिक विज्ञान | यूनिवर्सिटी पेरिस सिटे |
| अटल गुप्ता | सिविल अभियांत्रिकी | यूनिवर्सिटी एट बफेलो |
| ईशिका राज | सिविल अभियांत्रिकी | यूनिवर्सिटी एट बफेलो |
| आद्या | विद्युत अभियांत्रिकी | यूनिवर्सिटी ऑफ बाथ |
| अदिति गर्ग | सिविल अभियांत्रिकी | यूनिवर्सिटी ऑफ मियामी |
| बालगोपाल मोहरण | रासायनिक अभियांत्रिकी | यूनिवर्सिटी ऑफ मियामी |
| शीतिका कोठारी | रासायनिक अभियांत्रिकी | यूनिवर्सिटी ऑफ मियामी |

| | | |
|--|-------------------------------|-----------------------------------|
| अनुराग जे विशाल | पदार्थ अभियांत्रिकी | यूनिवर्सिटी ऑफ मियामी |
| यश कोकने | पदार्थ अभियांत्रिकी | यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन |
| दिव्य चिंचोले | पदार्थ अभियांत्रिकी | यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन |
| विहान झावेरी | पदार्थ अभियांत्रिकी | यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन |
| श्रेयस धरमटी | यांत्रिक अभियांत्रिकी | यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन |
| अंतर्राष्ट्रीय (उद्योग में प्रशिक्षण) | | |
| फरहान ओबैद | यांत्रिक अभियांत्रिकी | डेलॉयट |
| शांभवी बागची | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | जीआईआरएल केंद्र, पॉपुलेशन काउंसिल |
| जेराज धुलांगे | विद्युत अभियांत्रिकी | गूगल समर ऑफ कोड |
| साक्षी कटकुर | रासायनिक अभियांत्रिकी | हियोशी कॉर्पोरेशन |
| मिहिर अग्रवाल | विद्युत अभियांत्रिकी | आईडम कास टेक्नोलॉजी (जापान) |
| केतन सागर गांधी | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | काबाल रिसर्च |
| हेत त्रिवेदी | विद्युत अभियांत्रिकी | स्टार्लसी |
| तनय दास | विद्युत अभियांत्रिकी | स्टार्लसी |

विद्यार्थियों के एक अन्य समूह ने भारत के विभिन्न प्रमुख संगठनों और संस्थानों में अपनी इंटर्नशिप की है:

भारतीय संगठन/संस्थान राष्ट्रीय प्रशिक्षण (ग्रीष्मकालीन)

संस्थान में प्रशिक्षण

| छात्र का नाम | विभाग | मेजबान संस्थाएँ/संगठन |
|-----------------------|----------------------------------|--|
| मुहम्मद सुहail सीए | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | अहमदाबाद यूनिवर्सिटी |
| रिमझिम राजपूत | भौतिक विज्ञान | अहमदाबाद यूनिवर्सिटी |
| सुचेतना डे | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | एशोपोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया |
| राहुल गौतम | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | राष्ट्रीय संग्रहालय का पुरातत्व विभाग, नई दिल्ली |
| सैयद अरशद खान पी | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | लोक नीति अनुसंधान केंद्र |
| ऐतिह्या कर | जैविक विज्ञान और अभियांत्रिकी | सीएसआईआर राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला |
| मानसी कुलकर्णी | रासायनिक अभियांत्रिकी | सीएसआईआर राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला |
| पृथ्वीश्री | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | पॉन्डिचेरी फ्रेंच इंस्टिट्यूट |
| आर्ष शाह | सिविल अभियांत्रिकी | आईआईएम अहमदाबाद |
| अक्षत बरनवाल | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईटी बॉम्बे |
| ऋषि हरसोरा | पदार्थ अभियांत्रिकी | आईआईटी बॉम्बे |
| श्रेता आनंद | संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान | आईआईटी बॉम्बे |
| हर्षिता सिंह | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | आईआईटी दिल्ली |
| मानस कवल | रासायनिक अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| ओम गुप्ता | रासायनिक अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| राहुलकुमार पांचाल | रासायनिक अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| पंकज | रासायनिक अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| वंश जानी | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| जयदेव संजय खलाने | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| अनुरा मंत्री | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| बिरुदुगड्हा श्रीविभव | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| पराग सर्वोदय साहू | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| ममता भंभानी | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| हितेशी मीशेरी | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| आदित्य मिथिलेश रौय | पदार्थ अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| कैला उदय वर्धन रेड्डी | रासायनिक अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| शिवानी सारस्वत | रसायन विज्ञान | आईआईटी गांधीनगर |
| मानसी पवार | रसायन विज्ञान | आईआईटी गांधीनगर |
| परीक्षित मोदी | रसायन विज्ञान | आईआईटी गांधीनगर |
| सन्ती कुमार रजक | रसायन विज्ञान | आईआईटी गांधीनगर |

| | | |
|----------------------------|-----------------------------------|---------------------------------------|
| इशानी एम कुमार | सिविल अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| दिशांत | संज्ञानात्मक एवं मस्तिष्क विज्ञान | आईआईटी गांधीनगर |
| श्रीवत्स वामसि चतुर्वेदुला | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| नीरजा कस्तूरे | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| निशि शाह | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| आशीष चिटाला | गणित | आईआईटी गांधीनगर |
| श्रेयांश कुमार | पदार्थ अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| निश्चय सिंह | संज्ञानात्मक एवं मस्तिष्क विज्ञान | आईआईटी गांधीनगर |
| नेतराम चौधरी | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| चांदनी | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | आईआईटी गांधीनगर |
| तमीझनबन ए जी | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| पूर्व कौशलभाई शाह | रासायनिक अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| आदित्य मेहता | रासायनिक अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| कृष्णकांत सिंह | रसायन विज्ञान | आईआईटी गांधीनगर |
| गुंतास सिंह सरण | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| आयुष परमार | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| रोशन सावियो ए | भौतिक विज्ञान | आईआईटी गांधीनगर |
| सुभिता आर | रासायनिक अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| प्रतीक सरकार | रसायन विज्ञान | आईआईटी गांधीनगर |
| लाली | रसायन विज्ञान | आईआईटी गांधीनगर |
| आकाश कुशवाह | सिविल अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| श्रीनिवास कुलकर्णी | सिविल अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| राजदीप व्रज अल्पेश कुमार | सिविल अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| निखिलेश म्याणापुरी | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| कैलाश दुसाद | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| ओंकार राजीव प्रभु | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| मिहिका देसाई | यांत्रिक अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| तपनांशु मनोज गांधी | यांत्रिक अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| पार्थ दांगी | संज्ञानात्मक एवं मस्तिष्क विज्ञान | आईआईटी गांधीनगर |
| दीया मेहता | यांत्रिक अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| श्री देवी रवि | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | आईआईटी गुवाहाटी |
| सिद्धार्थ राजन्डेकर | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | आईआईटी हैदराबाद |
| अंतरी पात्र | गणित | आईआईटी हैदराबाद |
| मयूर ज्ञानेश्वर पाटिल | यांत्रिक अभियांत्रिकी | आईआईटी हैदराबाद |
| जयदीप कानूनगो | रासायनिक अभियांत्रिकी | आईआईटी जम्मू |
| नवीन पाल | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | आईआईटी जम्मू |
| हिमांशु सिंह | गणित | आईआईटी कानपुर |
| मिशा कुमारी | रसायन विज्ञान | आईआईटी कानपुर |
| सिया शालिन पाटिल | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईटी कानपुर |
| अर्थर्द दपसे | रासायनिक अभियांत्रिकी | आईआईटी खड़गपुर |
| सुभद्रीप सिन्हा | भौतिक विज्ञान | आईआईटी खड़गपुर |
| काव्या गोटेचा | पदार्थ अभियांत्रिकी | आईआईटी मद्रास |
| श्री हिवंज | यांत्रिक अभियांत्रिकी | आईआईटी मद्रास |
| प्रथम सामंत | यांत्रिक अभियांत्रिकी | आईआईटी रुड़की |
| सारंग राठी | भौतिक विज्ञान | आईआईटी रुड़की |
| रैना जैन | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | आईआईटी तिरुपति और अशोका विश्वविद्यालय |
| सायक दासगुप्ता | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | आईआईएम बैंगलोर |
| अर्जुन शेखर | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईएससी बैंगलोर |
| सांखो बर्धन | पदार्थ अभियांत्रिकी | आईआईएससी बैंगलोर |
| महक | रसायन विज्ञान | आईआईएससी बैंगलोर |
| गौरव शाह | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईएससी बैंगलोर |
| नूरुदीन पी | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | आईआईएसईआर भोपाल |

| | | |
|---------------------------|-------------------------------|---|
| सौम्यदीप घोष | पृथ्वी विज्ञान | भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम् |
| मुहम्मद लुकमान ओ पी | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान बैंगलोर |
| स्वेहा स्वार्द्ध | जैविक विज्ञान और अभियांत्रिकी | जीव विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर |
| रूपक बनर्जी | यांत्रिक अभियांत्रिकी | Invention Factory Maker Bhavan आईआईटी गांधीनगर |
| आयुषी जैन | रसायन विज्ञान | जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र |
| आगस्त्य नारायण मंगलमपल्ली | पदार्थ अभियांत्रिकी | जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र |
| पुरबाली पॉल | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | दिल्ली विश्वविद्यालय |
| विशाल राठौड़ | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | हैदराबाद विश्वविद्यालय |
| मोहम्मद जाबिर एम | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | उत्तर भारत अभियान परियोजना आईआईटी गांधीनगर |
| अनुष्का मुखर्जी | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन |
| अंबरीश सिंह गौतम | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | नेहू, शिलांग |

उद्योग में इंटर्नशिप (घरेलू)

| छात्र का नाम | विभाग | मेजबान संस्था/संगठन |
|-----------------------------|-------------------------------|--|
| रोहित राज | रासायनिक अभियांत्रिकी | एकसेंचर |
| आयुष मोदी | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एकसेंचर |
| दर्शी गौरांग दोषी | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एकसेंचर |
| कार्णिक अनीश नीतीश | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एकसेंचर |
| प्रथम नीलेशकुमार सागर | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एकसेंचर |
| आदित्य संतोष देशमुख | यांत्रिक अभियांत्रिकी | एकसेंचर |
| सुनील जाटव | विद्युत अभियांत्रिकी | एकमेग्रेड |
| आर्यन दराद | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एटलसियन |
| अमन सिंह | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एटलसियन |
| गुप्ता भ्रुत अमित | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एटलसियन |
| लक्ष्य मेहता | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एटलसियन |
| सूजन कुमार शेट्टी | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एटलसियन |
| यशराज जे देशमुख | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एटलसियन |
| अंजना एस ए | सिविल अभियांत्रिकी | एटीएससी |
| अरिहंत जैन | यांत्रिक अभियांत्रिकी | एटीएससी |
| हेत पाठक | विद्युत अभियांत्रिकी | एटीएससी |
| पारख पुष्कर दीपक | रासायनिक अभियांत्रिकी | एक्सेला रिसर्च एंड एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड |
| हर्षिंत भाविन कोठारी | विद्युत अभियांत्रिकी | एक्सेला रिसर्च एंड एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड |
| श्रीमन रेड्डी | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | आयुध ए.आई |
| सिद्धर्थ राजेश शाह | रासायनिक अभियांत्रिकी | बार्कलेज़ |
| दिशा चोपडा | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | बार्कलेज़ |
| शुभ अग्रवाल | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | बार्कलेज़ |
| दर्श दलाल | विद्युत अभियांत्रिकी | बार्कलेज़ |
| विस्लावथ साईराम | रासायनिक अभियांत्रिकी | भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) |
| चंद्रभान पटेल | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | बायोटेक विजन केयर लिमिटेड |
| गौरीभाटला अनिरुद्ध शास्त्री | यांत्रिक अभियांत्रिकी | भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) |
| ओम खर्चे | विद्युत अभियांत्रिकी | केंडेंस डिजाइन सिस्टम |
| विकल्प अग्रवाल | सिविल अभियांत्रिकी | कलंस (Calance) |
| सौम्या जयसवाल | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | सिटी बैंक |
| प्रांशु शरण | विद्युत अभियांत्रिकी | सिटी बैंक |
| ऐश्वर्या उमर | यांत्रिक अभियांत्रिकी | सिटी बैंक |
| अक्षय कुमार मिश्रा | यांत्रिक अभियांत्रिकी | सिटी बैंक |
| हर्षिता रामचंद्रानी | सिविल अभियांत्रिकी | सिटी बैंक |
| साक्षी जैन | रासायनिक अभियांत्रिकी | सिटी बैंक |
| कोठिया कौशल प्रफुल्लभाई | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | डी.ई. शॉ |

| | | |
|--------------------------|-------------------------------|--|
| आदित्य नाम | विद्युत अभियांत्रिकी | डेसिमल प्वाइंट एनालिटिक्स |
| जीवितेश सोनीजी | विद्युत अभियांत्रिकी | डेसिमल प्वाइंट एनालिटिक्स |
| सिद्धि राजपुरोहित | पदार्थ अभियांत्रिकी | डेसिमल प्वाइंट एनालिटिक्स |
| केशव कृष्ण | सिविल अभियांत्रिकी | डीएमआई फाइनेंस |
| मानस अग्रवाल | सिविल अभियांत्रिकी | डीपी पल्वराइज़र |
| गौरव महेंद्र | सिविल अभियांत्रिकी | ईएलजीआई |
| राहुल मधुकर | रासायनिक अभियांत्रिकी | ईएलजीआई |
| अभिषेक मीना | विद्युत अभियांत्रिकी | ईएलजीआई |
| हर्षित त्रिपाठी | यांत्रिक अभियांत्रिकी | ईएलजीआई |
| शुभ सिंघल | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एस्टी एडवाइजर्स |
| ध्रुव दोशी | यांत्रिक अभियांत्रिकी | फोर्ड सानंद |
| शाह नित्य जनक | यांत्रिक अभियांत्रिकी | फोर्ड सानंद |
| अक्षत | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | फोर्ड सानंद |
| किशन मनीष वेद | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | गूगल समर ऑफ कोड, न्यूमफोकस |
| निर्मल सोलंकी | विद्युत अभियांत्रिकी | ग्रीन पीएमयू सेमी |
| रुद्र रवीन्द्र वेगुरेंकर | रासायनिक अभियांत्रिकी | हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड |
| ईश्वर पटेल | यांत्रिक अभियांत्रिकी | हाईटेक डिजिटल सॉल्यूशंस एलएलपी |
| हर्ष राजेश जाधव | रासायनिक अभियांत्रिकी | जे.एस.डब्ल्यू.ग्रूप |
| मांडलिक अभिषेक निरंजन | विद्युत अभियांत्रिकी | जे.एस.डब्ल्यू.ग्रूप |
| राहुल कुमार सिंह | यांत्रिक अभियांत्रिकी | जे.एस.डब्ल्यू.ग्रूप |
| ट्रिक्ल प्रेमजी देवड़ा | यांत्रिक अभियांत्रिकी | जे.एस.डब्ल्यू.ग्रूप |
| अभिनव मंडल | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | कबाल रिसर्च |
| मर्यंक गुलाटी | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | कपिध्वज एआई |
| मोदी चिराग संतोषकुमार | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | कपिध्वज एआई |
| आदित्य मेहता | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | कपिध्वज एआई |
| अनिशा कांबले | जैविक विज्ञान और अभियांत्रिकी | काशिव बायोसाइंसेज |
| अन्वेषा बेहरा | जैविक विज्ञान और अभियांत्रिकी | काशिव बायोसाइंसेज |
| हिमानी वर्मा | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | कोआन सलाहकार समूह |
| भव्या परमार | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | लेजी ट्रंक |
| पुलकित गौतम | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | मीडिया.नेट |
| पटेल श्रेया नवीनभाई | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | मेटाक्षकी टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड |
| करण खजांची | विद्युत अभियांत्रिकी | मेटाक्षकी टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड |
| अपूर्वा ओछावर | विद्युत अभियांत्रिकी | एमआरएसएसी |
| कनिष्ठा वर्षिनी एल पी | यांत्रिक अभियांत्रिकी | नुन्नरी लैब्स |
| देवेन प्रकाश पाटिल | विद्युत अभियांत्रिकी | एनवीआईडीआईए |
| आशू सिंघल | विद्युत अभियांत्रिकी | एनवीआईडीआईए |
| वैभवी शर्मा | विद्युत अभियांत्रिकी | एनवीआईडीआईए |
| मिथिल पेचिमुथु | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | ओरेकल |
| पटेल हिरवा पंकजकुमार | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | ओरेकल |
| गौरव कुमार रावत | विद्युत अभियांत्रिकी | ओरेकल |
| विश्वति शाह | यांत्रिक अभियांत्रिकी | परसेप्टिव एनालिटिक्स |
| खुशाल रमानी | रासायनिक अभियांत्रिकी | परसेप्टिव एनालिटिक्स |
| नकुल एस राज | यांत्रिक अभियांत्रिकी | प्रोडोक्राफ्ट ईकॉर्मस |
| श्रीमय शाह | विद्युत अभियांत्रिकी | प्यूमा स्पोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड |
| पार्थ अजीत देशपांडे | यांत्रिक अभियांत्रिकी | प्यूमा स्पोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड |
| अमेय रंगारी | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | आरएचवाईएम टेक्नोलॉजीज |
| मानवेन्द्र सिंह | यांत्रिक अभियांत्रिकी | सजीवन फाउंडेशन |
| मानव संदीप परमार | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | सैमसंग आर एंड डी इंस्टीट्यूट, नोएडा |
| रचित वर्मा | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | सैमसंग आर एंड डी इंस्टीट्यूट, नोएडा |
| साहिल दास | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | सैमसंग आर एंड डी इंस्टीट्यूट, नोएडा |
| वेदांत कुम्भार | यांत्रिक अभियांत्रिकी | शेल्फ लाइफ |

| | | |
|---------------------|-------------------------------|---|
| अदित कौशिक | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | स्कैनाई लैब्स प्राइवेट लिमिटेड |
| सचिन जालान | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | स्कैनाई लैब्स प्राइवेट लिमिटेड |
| विपुल मर्गु | यांत्रिक अभियांत्रिकी | स्प्रिंह |
| लक्ष्य घोष | विद्युत अभियांत्रिकी | सन मोबिलिटी |
| अर्थव सूर्यारा | यांत्रिक अभियांत्रिकी | सनराइज इंडस्ट्रीज |
| महकप्रीत | यांत्रिक अभियांत्रिकी | टाटा पैसेजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सानंद |
| कनामार्लापुडी हेमा | विद्युत अभियांत्रिकी | टाटा स्टील |
| प्रियम कुमार | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | टीसीएस |
| तहसीन मिर्जा | विद्युत अभियांत्रिकी | टीसीएस इनोवेशन लैब - बैंगलोर |
| नीलांश शर्मा | रासायनिक अभियांत्रिकी | टीसीएस आर एंड आई लैब्स |
| ईशा नारंग | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | टीसीएस आर एंड आई लैब्स |
| -हिमांशु काटोलकर | विद्युत अभियांत्रिकी | टेक्सास इस्ट्रॉमेंट्स |
| काटा लोकेश पवन | विद्युत अभियांत्रिकी | टेक्सास इस्ट्रॉमेंट्स |
| यश वासुदेव पाटिल | विद्युत अभियांत्रिकी | टेक्सास इस्ट्रॉमेंट्स |
| अंशिका सिंह | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नई |
| मदीनेनी दिव्या | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड |
| अधिक रुत्विक बबूवान | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड |
| अनिशा गढ़ानी | रासायनिक अभियांत्रिकी | अल्ट्रोटेक सीमेंट लिमिटेड, बिडला व्हाइट यूनिट |
| हर्ष जैतवाल | रासायनिक अभियांत्रिकी | वडोदरा गैस लिमिटेड |
| जय भटेरिया | विद्युत अभियांत्रिकी | वर्टिव एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड |
| कुणाल सातपुते | पदार्थ अभियांत्रिकी | विविधता |

शीतकालीन प्रशिक्षण

| छात्र का नाम | विभाग | मेजबान संस्था/संगठन |
|---------------------------|-------------------------------|---|
| सुनील जाटव | विद्युत अभियांत्रिकी | एक्मेग्रेड |
| नरुदीन पी | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | बुकप्लस पब्लिशर्स |
| शांतनु शेषेकर | रासायनिक अभियांत्रिकी | देवधर क्लासेस |
| नकुल एस राज | यांत्रिक अभियांत्रिकी | डायनालाइज टेक्नोलॉजीज |
| अक्षत | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | फॉर्च्यून इंडिया |
| कुणाल सातपुते | पदार्थ अभियांत्रिकी | ग्रोफिनीटी कंसल्टिंग |
| अगस्त्य नारायण मंगलमपल्ली | पदार्थ अभियांत्रिकी | आईआईटी बॉम्बे |
| हेत त्रिवेदी | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| प्रांशु कौशिक | रासायनिक अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| वैभवी शर्मा | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| आशीष गिठाला | गणित | आईआईटी गांधीनगर |
| आशू सिंघल | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| अभिषेक मीणा | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| शारिका एस | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| ओम खर्चे | विद्युत अभियांत्रिकी | आईआईटी गांधीनगर |
| रितीश वर्मा | भौतिक विज्ञान | आईआईटी जम्मू |
| सारंग राठी | भौतिक विज्ञान | आईआईटी रुडकी |
| आद्या | विद्युत अभियांत्रिकी | अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान |
| देवेन प्रकाश पाटिल | विद्युत अभियांत्रिकी | नैनोडीसी लैब - आईआईटी गांधीनगर |
| शुभ अग्रवाल | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | गेमिफिकेशन कंपनी |
| अंजना एस ए | सिविल अभियांत्रिकी | यूनिफाइड मेंटर प्राइवेट लिमिटेड |

विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे वर्ष 2024 के छातकों की श्रेणी

जुलाई 2024 में स्नातक होने वाले 530 छात्रों में से 55 छात्रों ने आगे की पढ़ाई जारी रखने का निर्णय लिया है। अनुमान है कि इनमें से 25 छात्र विदेश में और 30 छात्र घरेलू संस्थानों में दाखिला ले सकते हैं। छात्रों के बारे में अधिक जानकारी नीचे दी गई है।

| नाम | विभाग | कार्यक्रम | संस्थान | देश |
|--|-----------------------------------|-----------|--|--------------------|
| बी टेक | | | | |
| दीप ठक्कर | रासायनिक अभियांत्रिकी | पीएचडी | फ्लोरिडा विश्वविद्यालय, गेन्सविले | यूएसए |
| राजेश कुमार | रासायनिक अभियांत्रिकी | एमएस | केटीएच रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी | स्वीडन |
| श्रीवत्सा ए एम | रासायनिक अभियांत्रिकी | एमएस | जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय | यूएसए |
| शांतनु देवसरकर | रासायनिक अभियांत्रिकी | एमएस | पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय | यूएसए |
| अनुज उज्जवल बुच | रासायनिक अभियांत्रिकी | पीएचडी | पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय | यूएसए |
| युवराज गुप्ता | सिविल अभियांत्रिकी | एमएस | स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय | यूएसए |
| ध्येयकुमार थुम्मर | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एमएस | जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी | यूएसए |
| उत्कर्ष मित्तल | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एमएस | न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय | यूएसए |
| ध्रुव पटेल | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एमएस | टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय | यूएसए |
| हाइकू खेड़ेर | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एमएस | टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय | यूएसए |
| माधव कांडा | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एमएससीएस | यूआईयूसी | यूएसए |
| तन्वी सानांदिया | विद्युत अभियांत्रिकी | एमएस | इंडियाना विश्वविद्यालय इंडियानापोलिस | यूएसए |
| श्रेया शुक्ला | पदार्थ अभियांत्रिकी | पीएचडी | प्रिंस्टन विश्वविद्यालय | यूएसए |
| अर्चित बहिरत | पदार्थ अभियांत्रिकी | एमएस | कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय लॉस एंजिल्स | यूएसए |
| आशुतोष गोयल | यांत्रिक अभियांत्रिकी | एमएस | हैम्बर्ग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (TUHH) | जर्मनी |
| रवि प्रकाश धोरजिया | यांत्रिक अभियांत्रिकी | एमएस | हैम्बर्ग तकनीकी विश्वविद्यालय | जर्मनी |
| कुश पटेल | यांत्रिक अभियांत्रिकी | एमएस | मिशिगन विश्वविद्यालय, एन आर्बर | यूएसए |
| बीटेक-एमटेक दोहरी उपाधि | | | | |
| यश मोरे | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | पीएचडी | बर्गेन विश्वविद्यालय | नॉर्वे |
| एमएससी | | | | |
| साक्षी | रसायन विज्ञान | पीएचडी | नानयांग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय | सिंगापुर |
| ऋषभ कुमार | रसायन विज्ञान | पीएचडी | सुगक्यंकवान विश्वविद्यालय | दक्षिण कोरिया |
| इंचारा मंजुनाथ | संज्ञानात्मक एवं मस्तिष्क विज्ञान | पीएचडी | बर्लिन का हम्बोल्ट विश्वविद्यालय | जर्मनी |
| सेहा नेगी | रसायन विज्ञान | पीएचडी | मासारिक विश्वविद्यालय | चेक गणराज्य, ब्रनो |
| बागमिशा सभापंडित | संज्ञानात्मक एवं मस्तिष्क विज्ञान | पीएचडी | फ्री यूनिवर्सिटीट बर्लिन | जर्मनी |
| एमटेक | | | | |
| साक्षी | जैविक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एमटीएसएच | यूसीएलए | यूएसए |
| सफ्या नासिर | जैविक विज्ञान और अभियांत्रिकी | पीएचडी | कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय | यूके |

भारत में उच्चतम शिक्षा ग्राम कद द्वारे वर्ष 2024 के छानातकों की श्रेणी

| नाम | विभाग | कार्यक्रम | संस्थान | देश |
|-------------------|-------------------------------|--------------------------|-----------------------|------|
| बी टेक | | | | |
| थेजस आर विनोद | रासायनिक अभियांत्रिकी | एमटेक | आईआईएससी बैगलोर | भारत |
| कुमुम | सिविल अभियांत्रिकी | एमटेक | आईआईटी रुडकी | भारत |
| प्रीतम छोपा | सिविल अभियांत्रिकी | एमटेक | आईआईटी रुडकी | भारत |
| जीशान सेहिल भगत | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एमटेक | आईआईटी मद्रास | भारत |
| शनमुखी गणेश साई | विद्युत अभियांत्रिकी | एमटेक | आईआईटी बॉम्बे | भारत |
| आनंदु मुरलीधरन | पदार्थ अभियांत्रिकी | एमटेक | आईआईटी मद्रास | भारत |
| श्रीजा अग्रवाल | यांत्रिक अभियांत्रिकी | पीजीपीएम | आईआईएम इंदौर | भारत |
| गौतम बीजू | यांत्रिक अभियांत्रिकी | एमबीए | आईआईएम इंदौर | भारत |
| एमएससी | | | | |
| अंकिता नायक | रसायन विज्ञान | पीएचडी | आईआईटी गांधीनगर | भारत |
| उदित कुमार | गणित | पीएचडी | आईआईटी गांधीनगर | भारत |
| प्रियांशी अग्रवाल | गणित | पीएचडी | आईआईटी गांधीनगर | भारत |
| आभिजीत मन्ना | गणित | पीएचडी | आईआईटी गांधीनगर | भारत |
| गौरव कुमार | गणित | प्रीडॉक्टोरल रिसर्च फेलो | आईआईटी गांधीनगर | भारत |
| आविदा कबीर | गणित | पीएचडी | आईआईएसईआर कोलकाता | भारत |
| ब्रिजेश ठक्कर | भौतिक विज्ञान | पीएचडी | आईआईएसईआर पुणे | भारत |
| गौरव कुमार | भौतिक विज्ञान | JRF | आईआईएसईआर तिरुवनतपुरम | भारत |
| सुभम दास | भौतिक विज्ञान | पीएचडी | आईआईटी गांधीनगर | भारत |
| शोभनाश्री गणेशन | भौतिक विज्ञान | पीएचडी | आईआईएसईआर पुणे | भारत |
| सुमन कुमार नाथ | भौतिक विज्ञान | पीएचडी | टीसीजी क्रेस्ट | भारत |
| एम टेक | | | | |
| संपूर्ण गुहा | जैविक विज्ञान और अभियांत्रिकी | पीएचडी | आईआईटी गांधीनगर | भारत |
| हर्षिल दवे | जैविक विज्ञान और अभियांत्रिकी | पीएचडी | आईआईटी गांधीनगर | भारत |
| उत्तरा के आर | रासायनिक अभियांत्रिकी | पीएचडी | आईआईटी गांधीनगर | भारत |
| शाओनली मिश्रा | सिविल अभियांत्रिकी | पीएचडी | आईआईटी गांधीनगर | भारत |
| सौमिक मजूमदार | सिविल अभियांत्रिकी | पीएचडी | आईआईटी गांधीनगर | भारत |
| आयुष श्रीवास्तव | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | पीएचडी | आईआईटी गांधीनगर | भारत |
| रोहित नारायणन | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | पीएचडी | आईआईटी गांधीनगर | भारत |
| अनुपम शर्मा | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | पीएचडी | आईआईटी गांधीनगर | भारत |
| देवांगी | विद्युत अभियांत्रिकी | पीएचडी | आईआईटी दिल्ली | भारत |
| एन एस रामनाथन | विद्युत अभियांत्रिकी | पीएचडी | आईआईटी गांधीनगर | भारत |
| अक्षय कुमार महतो | यांत्रिक अभियांत्रिकी | पीएचडी | आईआईएससी बैगलोर | भारत |

शोध प्रकाशनों के लिए नकद पुस्तकाएँ

28 मार्च, 2013 को अपनी नौवीं बैठक में, शासक मण्डल ने स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशन हेतु प्रोत्साहन के रूप में एक नकद पुरस्कार योजना को मंजूरी दी थी। वर्ष 2024-25 के दौरान निम्नलिखित छात्रों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

| | |
|--------------------------|-------------------------------------|
| अक्षय मंगल | द्वि-विषयक विषय बीटेक (पूर्व छात्र) |
| आनंदु मुरलीधरन | बीटेक (पूर्व छात्र) |
| अनिमेष पुजारी | एमएससी (पूर्व छात्र) |
| अंकेश कुमार | एमटेक (ऑन रोल) |
| अश्विन राजीव | एमटेक (ऑन रोल) |
| अंकित यादव | एमटेक (ऑन रोल) |
| अनुपम शर्मा | एमटेक (पूर्व छात्र) |
| भुवेश जयसवाल | बीटेक (पूर्व छात्र) |
| चौहान चेतनसिंह केसरीसिंह | एमएससी (पूर्व छात्र) |
| दानिश मंसूर | बीटेक (पूर्व छात्र) |
| दीक्षा गौतम | एमए (पूर्व छात्र) |
| डेनिश त्रिवेदी | एमएससी (पूर्व छात्र) |
| गौतम वशिष्ठ | बीटेक (पूर्व छात्र) |
| हरि हर सुधन स | एमटेक (पूर्व छात्र) |
| हर्षिल दवे | एमटेक (पूर्व छात्र) |
| ईशा बयाद | बीटेक (पूर्व छात्र) |
| कौशिक कांगसाबनिक | एमएससी (पूर्व छात्र) |
| केवल पटाडिया | बीटेक (पूर्व छात्र) |
| खंतील पटेल | एमएससी (पूर्व छात्र) |
| कौशिक नंदगोपन डी | एमटेक (पूर्व छात्र) |
| कृतिका अग्रवाल | एमएससी (पूर्व छात्र) |
| मिथिल पेचिमुथु | बीटेक (ऑन रोल) |

| | |
|----------------------|--|
| मुकुल स्वाइ | एमटेक (पूर्व छात्र) |
| निचिकेत किशोर प्रधान | एमएससी (पूर्व छात्र) |
| नितिन कामराज | एमटेक (पूर्व छात्र) |
| पार्थ सचन | बीटेक (पूर्व छात्र) |
| पारस गुप्ता | एमएससी (पूर्व छात्र) |
| प्रियांशु सोरौत | एमएससी (पूर्व छात्र) |
| प्रियाश वर्मा | बीटेक (पूर्व छात्र) |
| राहुल गुप्ता | एमएससी (पूर्व छात्र) |
| राहुल कुमार | एमएससी (पूर्व छात्र) |
| राजप्रीत कौर | एमटेक (पूर्व छात्र) |
| राकेश चौधे | एमएससी (पूर्व छात्र) |
| ऋषभ कुमार सिंह | एमटेक (पूर्व छात्र) |
| साई कृष्णा अवूला | एमटेक (ऑन रोल) |
| सेविका पांजा | एमटेक (पूर्व छात्र) |
| शोएब आलम | एमटेक (पूर्व छात्र) |
| सोहम् श्रीराग पाठक | एमटेक (ऑन रोल) |
| सौम्यरल्न देबनाथ | एमएससी (पूर्व छात्र) |
| श्रीसाई राकेश कोट्टू | एमएससी (पूर्व छात्र) |
| सुधांशु सिंह | एमटेक (पूर्व छात्र) |
| उत्तरा के आर | बीटेक - एमटेक दोहरी डिग्री (पूर्व छात्र) |
| यश हिरेन मोरे | बीटेक (पूर्व छात्र) |



छात्रवृत्तियाँ

छात्रों को छात्रवृत्तियाँ और वित्तीय सहायता

आईआईटी गांधीनगर का मानना है कि वित्तीय समस्याएँ किसी भी छात्र की शैक्षणिक प्रगति में बाधा नहीं बननी चाहिए। संस्थान की उदार वित्तीय सहायता और छात्रवृत्ति कार्यक्रम यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी छात्र अपनी वित्तीय स्थिति के कारण वंचित महसूस न करे। इस प्रकार, संस्थान ने कई छात्रवृत्तियाँ और वित्तीय सहायता प्रणालियाँ प्रारंभ की हैं जैसे दानदाता छात्रवृत्तियाँ, उत्कृष्टता छात्रवृत्तियाँ, टीएमएल-एफएपी (टाटा मोटर्स लिमिटेड वित्तीय सहायता कार्यक्रम), शिक्षण शुल्क में छूट, आदि। इनके अलावा, संस्थान योग्य छात्रों को उनकी ज़रूरतों जैसे कि शिक्षण शुल्क, छात्रावास और भोजनालय शुल्क, पुस्तकें, कंप्यूटर, जेब खर्च, चिकित्सा आपात स्थिति (बीमा द्वारा कवर की गई राशि के अलावा) सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ, इंटर्नशिप और शैक्षणिक भ्रमण आदि के लिए वित्तीय अनुदान और ब्याज-मुक्त अल्पकालिक/दीर्घकालिक ऋण के रूप में वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है।

ब्याज-मुक्त ऋण और अनुदान छात्र कल्याण निधि से प्रदान किए जाते हैं। दीर्घकालिक ऋणों की वापसी की अवधि प्राप्तकर्ता छात्र की स्रातक की तिथि से अधिकतम 36 महीने तक बढ़ाई जा सकती है। अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऋणों के विपरीत, वित्तीय अनुदान के रूप में प्राप्त सहायता को लाभार्थी छात्रों द्वारा वापस किया हुआ नहीं माना जाता है।

छात्रों को समग्र छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता

| | | 2024-25 | |
|---|--|-----------------------|--------------------------|
| क्र. सं. | छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता का प्रकार | लाभार्थियों की संख्या | छात्रवृत्ति की राशि (₹.) |
| 1 | दस महीनों के लिए 250 रुपये प्रति माह का निःशुल्क बेसिक मेसिंग और पॉकेट भत्ता | 104 | 42,74,400 |
| 2 | दानकर्ता छात्रवृत्तियाँ | 88 | 90,55,000 |
| 3 | उत्कृष्टता छात्रवृत्तियाँ | 29 | 4,95,000 |
| 4 | टीएमएल-एफएपी सहायता | 21 | 9,10,306 |
| 5 | ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन सत्र सहित शिक्षण शुल्क माफ़ी (स्रातकोत्तर) | 231 | 3,94,95,052 |
| 6 | शिक्षण शुल्क माफ़ी (स्रातकोत्तर) | 88 | 17,60,000 |
| 7 | ब्याज-मुक्त ऋण और अनुदान (छात्र कल्याण निधि से आईआईटी गांधीनगर के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई) | 30 | 13,82,080 |
| 8 | अंतर्राष्ट्रीय/घरेलू ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए छात्रों को वित्त पोषण | 13 | 19,70,000 |
| 9 | अंतर्राष्ट्रीय/घरेलू ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए छात्रों को ब्याज-मुक्त ऋण | 20 | 10,90,000 |
| 10 | मिलाक्रॉन से प्राप्त सीएसआर निधियों के माध्यम से दिव्यांग छात्रों को वित्तीय सहायता | 16 | 5,00,000 |
| 11 | जीएसईसीएल से प्राप्त सीएसआर निधियों के माध्यम से आईआईटी गांधीनगर के छात्रों को वित्तीय सहायता | 77 | 30,00,000 |
| छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता की कुल राशि रु. | | 717 | 6,39,31,838 |

छात्रों को वित्तीय सहायता

स्रातक छात्रों के लिए वित्तीय सहायता

मंत्रालय के मानदंडों के अनुसार, जिन छात्रों के माता-पिता की आय 1 लाख रुपये से कम है, उन्हें दृयूशन फीस में पूरी छूट मिलती है, जबकि 1 लाख रुपये से 5 लाख रुपये के बीच की माता-पिता की आय वाले छात्रों को फीस का दो-तिहाई हिस्सा माफ़ किया जाता है। आईआईटी गांधीनगर, 1 लाख रुपये से 2.5 लाख रुपये के बीच की माता-पिता की आय वाले छात्रों को अतिरिक्त एक-तिहाई दृयूशन फीस प्रतिपूर्ति प्रदान करता है। इस प्रकार, उन्हें आईआईटी गांधीनगर में अपनी शिक्षा के लिए प्रभावी रूप से पूरी दृयूशन फीस में छूट मिलती है। यह सहायता छात्र हितैषी एवं कल्याण कोष या एंडोमेंट में उत्कृष्टता कोष से प्रदान की जाती है।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 50 बीटेक छात्रों को एक-तिहाई दृयूशन फीस की यह अतिरिक्त छूट प्राप्त हुई।

परास्नातक छात्रों के लिए वित्तीय सहायता

जिन छात्रों के माता-पिता की आय 2.5 लाख रुपये तक है, उन्हें आईआईटी गांधीनगर में उनकी शिक्षा के लिए पूरी ट्र्यूशन फीस प्रतिपूर्ति प्रदान की जाती है। यह सहायता छात्र हितैषी एवं कल्याण कोष या एंडोमेंट में उत्कृष्टता कोष से प्रदान की जाती है।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 88 अधिसातक (एमटेक, एमएससी और एमए) छात्रों को पूरी ट्र्यूशन फीस में छूट मिली।

निःशुल्क बेसिक मेसिंग और पॉकेट भत्ता सहायता

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के सभी छात्रों को शिक्षण शुल्क में पूर्ण छूट का लाभ मिलता है। इसके अतिरिक्त, संस्थान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उन छात्रों को, जिनके माता-पिता की वार्षिक आय 4.5 लाख रुपये तक है, निःशुल्क बेसिक मेसिंग और 10 महीने के लिए 250 रुपये प्रति माह का नाममात्र पॉकेट भत्ता प्रदान करता है। यह सहायता बीटेक, एमएससी और एमए के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों को प्रदान की जाती है।

कुल 74 सातक और 30 सातकोत्तर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्रों, जिनकी माता-पिता की वार्षिक आय इस सहायता के लिए निर्धारित सीमा के भीतर थी, को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान दस महीने के लिए निःशुल्क बेसिक मेसिंग और 250 रुपये प्रति माह का नाममात्र पॉकेट भत्ता प्रदान किया गया।

शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

बीटेक 2021 बैच के शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं - अटल गुप्ता, रुद्र रवींद्र वेंगुर्लेकर, मिथिल पेचिमुथु, काटा लोकेश पवन, टिंकल प्रेमजी देवड़ा और आशुतोष कृष्ण अमरम।

बीटेक 2022 बैच के देवेश कुमार, पूर्वा कौशलभाई शाह, जयदेव संजय खलाने, शांभवी अग्रवाल, दीया भाविन मेहता और हर्ष दीपक कुमार जैन ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की है।

बीटेक 2023 बैच से अंतरिक्ष मिलिंद डोंगरे, नील अनल शाह, यशवर्धन सोनी, गोरल प्रीतेश मशरू, जसकीरत सिंह मसकीन, अनन्या बालिके, विवेक कुमार और सांखो बर्धन ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति पाई है।

खेलकूद में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

अदित अतुल राम्भिया, निधि कुमारी, बुक्के अश्विनी शंकर, सिया शालिन पाटिल, अनन्या बालिके और प्राजस कुलकर्णी ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए खेलकूद में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की है।

कला एवं संस्कृति में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए कला एवं संस्कृति में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं - अनय सिंह सिसोदिया और गरिमा नामा।

सामाजिक कार्य एवं नेतृत्व में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति अर्थन दराद और सिद्धार्थ सचिन दोशी ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए सामाजिक कार्य एवं नेतृत्व में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति पाई है।

छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

प्रोफेसर एम.एच. दिवेकर छात्रवृत्ति

प्रोफेसर एम.एच. दिवेकर छात्रवृत्ति वर्ष 2014 में शुरू की गई थी और यह रासायनिक अभियांत्रिकी के बी.टेक तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए है। छात्रवृत्ति की राशि 40,000 रुपये है और यह हर साल तीसरे वर्ष के अंत में रासायनिक अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम में सर्वोच्च ग्रेड प्राप्त करने वाले छात्र को प्रदान की जाती है। रुद्र रवींद्र वेंगुर्लेकर ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए यह छात्रवृत्ति प्राप्त की है।

सत्यराम छात्रवृत्ति

सत्यराम छात्रवृत्ति की शुरूआत पूर्व भारतीय क्रिकेटर और समाजसेवी वी.वी.एस. लक्ष्मण ने वर्ष 2016 में की थी। न्यूनतम सीपीआई 6.5 वाले और जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय 3 लाख रुपये या उससे कम है, वे छात्र इस छात्रवृत्ति के पात्र हैं। छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्र 1 लाख रुपये प्रति वर्ष है और वर्ष 2024-25 में कुल 2 छात्रों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई। पात्रता के मानदंडों को पूरा करने पर, छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्र को आईआईटी गांधीनगर में अपने बी.टेक. कार्यक्रम के पूरा होने तक छात्रवृत्ति सहायता मिलती रहेगी। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए आकाश कुशवाह और बोथकुरवर साई कृष्णा को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

एरक और मेहेरु मेहता मेधा छात्रवृत्ति

एरक और मेहेरु मेहता मेधा छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में शुरू की गई थी और यह आईआईटी गांधीनगर में वित्तीय वर्ष 2019-20, वित्तीय वर्ष 2020-21 और वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्रवेश लेने वाले बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की कुल राशि 8 लाख रुपये प्रति छात्र है जो चार वर्षों की अवधि के लिए प्रति छात्र 2 लाख रुपये प्रति वर्ष है। यह छात्रवृत्ति आईआईटी गांधीनगर में बीटेक कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले शीर्ष पांच छात्रों को प्रदान की जाती है जिन्होंने या तो जेर्झी एडवांस्ड में 1000 या उससे बेहतर रैंक प्राप्त किया हो या किसी मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो। संतोषजनक शैक्षणिक प्रगति के आधार पर {8.5 का एसपीआई या न्यूनतम 8.00 का सीपीआई (कम से कम सामान्य शैक्षणिक भार और कोई अनुत्तीर्ण ग्रेड नहीं)} छात्रवृत्ति का हर साल नवीनीकरण किया जाता है बशर्ते सम्बंधित छात्र को किसी भी प्रकार का अनुशासनात्मक दंड न मिला हो। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए यह छात्रवृत्ति गौरव जोशी, नमन धर्माणी, आर्यन दराद, आदित कौशिक और सचिन जालान को प्रदान की गई है।

महाबीर प्रसाद सुल्तानिया छात्रवृत्ति और दुर्गा देवी सुल्तानिया छात्रवृत्ति

ये छात्रवृत्तियाँ वर्ष 2016 में शुरू की गई और सभी बी.टेक छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये है और यह इंटर्नीशिप (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि के लिए सहयोग के

रूप में प्रतिवर्ष प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए महाबीर प्रसाद सुल्तानिया छात्रवृत्ति भोसले शिवराजसिंह संदीप को और दुर्गा देवी सुल्तानिया छात्रवृत्ति राजपूत विवेक अनारसिंह को प्रदान की गई है।

बिपिन और रेखा शाह छात्रवृत्ति

बिपिन और रेखा शाह छात्रवृत्ति वर्ष 2018 में शुरू की गई और विद्युत अभियांत्रिकी के सभी बी.टेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये है और यह इंटर्नशिप (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि के लिए सहयोग के रूप में प्रतिवर्ष प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं - पराग सर्वोदय साहू और तमिङ्गनबन एजी।

भाई सुरेश मोहन मित्तल छात्रवृत्ति और भाई कृष्ण चंद्र मित्तल छात्रवृत्ति

ये छात्रवृत्तियाँ वर्ष 2018 और 2019 में शुरू की गई और सभी बी.टेक. छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये है और यह इंटर्नशिप (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि के लिए सहयोग के रूप में प्रतिवर्ष प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए भाई सुरेश मोहन मित्तल छात्रवृत्ति सचिन कुमार को और भाई कृष्ण चंद्र मित्तल छात्रवृत्ति पवनी खले को प्रदान की गई है।

संतोष रानी टंडन छात्रवृत्ति

संतोष रानी टंडन छात्रवृत्ति वर्ष 2018 में शुरू की गई थी और यह सिविल इंजीनियरिंग के सभी बी.टेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और यह इंटर्नशिप (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। संरचनात्मक अभियांत्रिकी में रुचि रखने वाली छात्राओं को इसमें प्राथमिकता दी जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए पेट्रोलियम इंजिनियरिंग को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

प्रोफेसर एस पी सुखाते छात्रवृत्ति

प्रोफेसर एस पी सुखाते छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में शुरू की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये प्रति वर्ष है और यह इंटर्नशिप (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहायता के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता है - धूमेंद्रसिंह सिसोदिया।

विमला श्रीनिवास छात्रवृत्ति

विमला श्रीनिवास छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में शुरू की गई थी और यह सभी बी.टेक. छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये प्रति वर्ष है और यह इंटर्नशिप (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहायता के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए यह छात्रवृत्ति श्रीरामगढ़ी को प्राप्त हुई है।

अशोक जैन छात्रवृत्ति

अशोक जैन छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में शुरू की गई थी और यह सभी बी.टेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये प्रति वर्ष है और यह इंटर्नशिप (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहायता के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए यह छात्रवृत्ति ईशान अग्रवाल को प्रदान की गई है।

प्रोफेसर नितीश ठाकोर छात्रवृत्ति

प्रोफेसर नितीश ठाकोर छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में शुरू की गई थी और सभी बीटेक के छात्र इसके पात्र हैं। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये प्रति वर्ष है और यह इंटर्नशिप (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहायता के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए यह छात्रवृत्ति देवांश सिंह चंदेल को प्रदान की गई है।

चंद्रकांत एवं पेट्रोसिया देसाई छात्रवृत्ति

चंद्रकांत एवं पेट्रोसिया देसाई छात्रवृत्ति की स्थापना डॉ. चंद्रकांत एस. देसाई ने वर्ष 2017 में की थी और यह सभी बी.टेक. छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये प्रति वर्ष है और यह इंटर्नशिप (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहायता के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए यह छात्रवृत्ति जाधव शिवम साहेबराव को प्रदान की गई है।

प्रोफेसर के वी वेंकटेश मूर्ति छात्रवृत्ति

प्रोफेसर के वी वेंकटेश मूर्ति छात्रवृत्ति की स्थापना प्रोफेसर केवीवी मूर्ति द्वारा वर्ष 2017 में की गई थी और यह विद्युत अभियांत्रिकी के सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये प्रति वर्ष है और यह इंटर्नशिप (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहायता के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए यह छात्रवृत्ति पंगा विश्वनाथम को प्राप्त हुई है।

डॉ. जे.एल. नैयर छात्रवृत्ति

डॉ. जे. एल. नैयर छात्रवृत्ति वर्ष 2017 में शुरू की गई थी और यह सभी बी.टेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये प्रति वर्ष है और यह इंटर्नशिप (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहायता के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए यह छात्रवृत्ति मोमिन मोहम्मदज़ाकी शब्बीरअली को प्रदान की गई है।

ललिता जे शाह एवं जयंतीलाल बी शाह छात्रवृत्ति

ललिता जे शाह एवं जयंतीलाल बी शाह छात्रवृत्ति वर्ष 2016 में शुरू की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये प्रति वर्ष है और यह इंटर्नशिप (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहायता के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए यह छात्रवृत्ति हृदय विराज रूपरेल को प्राप्त हुई है।

पी के केलकर छात्रवृत्ति

पी के केलकर छात्रवृत्ति वर्ष 2016 में शुरू की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये प्रति वर्ष है और यह इंटर्नशिप (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहायता के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए चिंतलापुडी श्री जाह्वी इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

एस सी मेहरोत्रा छात्रवृत्ति

एससी मेहरोत्रा छात्रवृत्ति की स्थापना 2010 में हुई थी और यह सभी बी.टेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। यह इंटर्नशिप (अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू दोनों), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं और अन्य संबंधित स्वर्चों के लिए प्रति वर्ष 1 लाख रुपये का पुरस्कार प्रदान करती है। कुलकर्णी श्रीनिवास जगदीश को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

श्रीमती सीता झा मेमोरियल स्कॉलरशिप

श्रीमती सीता झा मेमोरियल स्कॉलरशिप की स्थापना 2018 में हुई थी और यह सभी बी.टेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। यह स्कॉलरशिप प्रतिवर्ष 1 लाख रुपये की राशि प्रदान करती है और इंटर्नशिप (अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू दोनों), विशेष परियोजनाओं, अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहायता के लिए प्रदान की जाती है। आमतौर पर महिला छात्रों को प्राथमिकता दी जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए माही अग्रवाल इस स्कॉलरशिप की प्राप्तकर्ता हैं।

नेहा और विनय गुप्ता छात्रवृत्ति

नेहा और विनय गुप्ता छात्रवृत्ति 2019 में शुरू की गई थी और यह सभी बी.टेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। इस छात्रवृत्ति में प्रतिवर्ष 1 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है और इंटर्नशिप (अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू दोनों), विशेष परियोजनाओं, अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहायता के लिए प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए देवेश कुमार को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

दया शंकर और शकुंतला छात्रवृत्ति

दया शंकर और शकुंतला छात्रवृत्ति 2020 में शुरू की गई थी और यह सभी बी.टेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। इस छात्रवृत्ति में प्रतिवर्ष 1 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है और इंटर्नशिप (अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू दोनों), विशेष परियोजनाओं, अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहायता के लिए प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए निमित्त को यह छात्रवृत्ति मिलेगी।

कंकुबेन बरथीरामभाई गेलोट छात्रवृत्ति

कंकुबेन बरथीरामभाई गेलोट छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और वित्तीय जरूरतों का समर्थन करने, इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों आदि में सहायता के लिए हर साल प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए हर्षिता सिंह को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

सीमा जैन छात्रवृत्ति

सीमा जैन छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और हर साल इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहयोग करने के लिए प्रदान की जाती है। मेहता कुशल जयेश शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

एनके जैन स्कॉलरशिप

एनके जैन छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहयोग करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। आदित्य मिथिलेश राय शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्री अर्जुन राज मेहता छात्रवृत्ति

श्री अर्जुन राज मेहता छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहयोग के लिए हर साल प्रदान की जाती है। केशव बंसल शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

अजोद्याबाई गुलाबचंदजी रांडड स्कॉलरशिप

अजोद्याबाई गुलाबचंदजी रांडड स्कॉलरशिप वर्ष 2019 में शुरू की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहयोग के लिए हर साल प्रदान की जाती है। मोहम्मद हुसैन मालवत शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्री शांति सरथ अग्रवाल छात्रवृत्ति

श्री शांति सरथ अग्रवाल छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहयोग करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। मंगलमपल्ली नारायण अगस्त्य शैक्षणिक वर्ष 2024 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्रीमती सुमित्राबाई मनोहर कनाडे छात्रवृत्ति

श्रीमती सुमित्राबाई मनोहर कनाडे छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और हर साल इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए प्रदान की जाती है। अभिजीत वेंकट पल्लापोथु शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

कच्छ छात्रवृत्ति

कच्छ छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में आईआईटी गांधीनगर के एक शुभचिंतक द्वारा प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। प्रांजल गौड़ शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

ચેતન ધાંડે છાત્રવૃત્તિ

वेतन धांडे छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में 2013 के बीटेक वर्ग के पंद्रह पूर्व छात्रों द्वारा प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और इन्टर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घेरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। मेहता आदित्य अरविंद शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

गौरी सुगन अग्रवाल स्कॉलरशिप

गौरी सुगन अग्रवाल स्कॉलरशिप वर्ष 2021 में शुरू की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। **सुस्मिता आर शैक्षणिक वर्ष 2024-25** के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता है।

रामानूजन छात्रवृत्ति

रामानुजन छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहयोग करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। **हर्ष दीपक कुमार जैन** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

ડૉ ટી જી વિશ્વેશવરેયા છાત્રવૃત્તિ

डॉ टी जी विश्वेश्वरैया छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और हर साल इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहयोग करने के लिए प्रदान की जाती है। आदित्य प्रसाद शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

लक्ष्मी वडाली उत्कृष्टता छात्रवृत्ति

लक्ष्मी वडाली उत्कृष्टता छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में शुरू की गई थी। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और प्राप्तकर्ता महिला छात्र को अपने बीटेक कार्यक्रम के पूरा होने तक छात्रवृत्ति सहायता प्राप्त करना जारी है, बशर्ते कि वह न्यूनतम 7.0 सीपीआई प्राप्त करे। रेयानी वेदांशी संजय शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

क्लास ऑफ 2013 छात्रवृत्ति

क्लास ऑफ 2013 छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और हर साल इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए प्रदान की जाती है। **हर्ष राजेश जाधव** और **सिद्धि राजपुरोहित** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

क्लास ऑफ 2014 छात्रवृत्ति

क्लास ऑफ 2014 छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और हर साल इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए प्रदान की जाती है। युवराज सोनी और मानस कवाल शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

क्लास ऑफ 2015 छात्रवृत्ति

क्लास ऑफ 2015 छात्रवृत्ति 2015 की कक्षा द्वारा प्रारंभ की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और हर साल इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए प्रदान की जाती है। **शारिका** एस और **इंदिरा गढ़वी** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

क्लास ऑफ 2016 छात्रवृत्ति

क्लास ऑफ 2016 छात्रवृत्ति, 2016 की कक्षा द्वारा प्रारंभ की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और हर साल इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए प्रदान की जाती है। **दर्श दलाल** और **उमा शंकर सचान** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

क्लास ऑफ 2017 छात्रवृत्ति

क्लास ऑफ 2017 छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में प्रारंभ की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहयोग करने के लिए हर साल प्रदान की जाती है। **अण्य सिंह सिसोदिया** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्री औंकारप्रसाद टंडन छात्रवृत्ति

श्री ओंकारप्रसाद टंडन छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को प्रदान किया जाता है। गौरव बुधवानी शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्री सत्यनारायण काकरनिया छात्रवृत्ति

श्री सत्यनारायण काकरनिया छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और हर साल इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए प्रदान की जाती है। **हरि बालाजी** और **जोविट जयन** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

कंडोई-डेयरकी-गौरव स्कॉलरशिप

कंडोई-डेयरकी-गौरव छात्रवृत्ति आईआईटी गांधीनगर में पायनियर बैच (2012 के बीटेक स्नातक) के तीन पूर्व छात्रों: श्री अभिषेक कंडोई, श्री मैसुम अली डेयरकी और श्री अंचित गौरव द्वारा प्रारंभ की गई थी। यह मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति बीटेक के दूसरे या तीसरे वर्ष के छात्र को प्रदान की जाती है जो संस्थान की गैर-शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल है और सर्वांगीण विकास की दिशा में अग्रगामी है। सभी स्रोतों से छात्र की सकल वार्षिक माता-पिता की आय 8 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। छात्रों को न्यूनतम सीपीआई 6.0 सुरक्षित करना चाहिए। छात्रवृत्ति राशि 50,000 रुपये प्रति शैक्षणिक वर्ष है। रूपक बनर्जी शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

अमलथिया छात्रवृत्ति

अमलथिया छात्रवृत्ति वर्ष 2016 में प्रारंभ की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये तक है। **गुन्तास सिंह सरन, सुजन कुमार शेंदी, शशांक घोष** और **आदित्य मेहता** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

निशा और विपिन जैन छात्रवृत्ति

निशा और विपिन जैन छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **गमरे केतकी शैलेंद्र** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता है।

आचार्य एककिराला भारद्वाज छात्रवृत्ति

आचार्य एककिराला भारद्वाज छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **मुकेश देवांगन** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

सेवा छात्रवृत्ति

सेवा छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में प्रारंभ की गई है और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू),

विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **हार्दिक जैन** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

प्रोफेसर बी एल झा मेमोरियल स्कॉलरशिप

प्रोफेसर बीएल झा मेमोरियल स्कॉलरशिप वर्ष 2022 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को प्रदान किया जाता है। **वेनिगल्ला हर्षित** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्रीमती मगन जैन छात्रवृत्ति

श्रीमती मगन जैन छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में शुरू की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्रवृत्ति वर्ष 1 लाख रुपये है और यह इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहयोग के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए **कट्टा रेवती** को यह छात्रवृत्ति दी गई है।

आशा और चंद्रकांत नावरकर छात्रवृत्ति

आशा और चंद्रकांत नावरकर छात्रवृत्ति श्री अभिषेक नावरकर द्वारा वर्ष 2022 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और यह इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को प्रदान किया जाता है। **शाह निहार धर्मेश** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

देविका और प्रशांत नाडकर्णी छात्रवृत्ति

देविका और प्रशांत नाडकर्णी छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में डॉ नील नाडकर्णी द्वारा प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और यह इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **श्रेयांस जैन** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

नीलोम फाउंडेशन छात्रवृत्ति

नीलोम फाउंडेशन स्कॉलरशिप वर्ष 2022 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और यह इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **कुशल भावेश राठौड़** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्रीमती सीता और श्री कामेश्वर राव कोटेटी उत्कृष्टता छात्रवृत्ति

श्रीमती सीता और श्री कामेश्वर राव कोटेटी उत्कृष्टता छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में प्रारंभ की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य आईआईटी गांधीनगर में बीटेक कार्यक्रम में भर्ती शीर्ष रैंकिंग वाली महिला छात्र को, जिसे पाठ्यक्रम के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता है, उन्हें उत्कृष्टता छात्रवृत्ति प्रदान करना है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और प्राप्तकर्ता महिला छात्र को बीटेक कार्यक्रम पूरा होने तक छात्रवृत्ति सहायता मिलती रहती है। सभी स्रोतों से महिला छात्र के माता-पिता की वार्षिक आय 9 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए और बाद के वर्षों में छात्रवृत्ति जारी रखना न्यूनतम 7.0 का सीपीआई प्राप्त करने के अधीन है। **लावण्या शैक्षणिक वर्ष 2024-25** के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

एराच और मेहरू मेहता दक्षिण मेमोरियल स्कॉलरशिप

एराच और मेहरू मेहता मेमोरियल स्कॉलरशिप वर्ष 2022 में प्रारंभ की गई थी और इसका उद्देश्य पांच छात्रों का समर्थन करना है। छात्रवृत्ति का पुरस्कार प्रवेश की अपनी श्रेणी (ओपन, जनरल-इंडब्ल्यूएस, ओबीसी-एनसीएल, एससी, एसटी) के भीतर छात्र के जेईई एडवांस रैंक पर आधारित होगा, और आईआईटी गांधीनगर विभिन्न प्रवेश श्रेणियों में पुरस्कार विजेताओं का एक समान वितरण करने का प्रयास करेगा। यदि दक्षिण विद्वानों के समूह के भीतर से पर्याप्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं हैं, तो अप्रयुक्त धन का उपयोग किसी भी प्रथम वर्ष के स्रातक छात्रों को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित वित्तीय आवश्यकता के साथ समर्थन देने के लिए किया जाएगा। **पन्नाला नागा शेषुरेड्डी** और **नंदकिशोर कुमार पंडित** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

नितिन पी संत छात्रवृत्ति

नितिन पी संत छात्रवृत्ति वर्ष 2014 में प्रारंभ की गई थी। सिविल अभियांत्रिकी या पदार्थ अभियांत्रिकी के बीटेक के छात्र - जो अपने दूसरे वर्ष में हैं, जिनकी न्यूनतम सीपीआई 6.5 है और माता-पिता की अधिकतम आय 4.5 लाख रुपये प्रति वर्ष है - इस मेरिट-कम-साधन छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। छात्रवृत्ति राशि 20,000 रुपये प्रति शैक्षणिक वर्ष है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए देवेश द्विवेदी को यह छात्रवृत्ति दी गई है।

श्री TEMASEK@IIT गांधीनगर छात्रवृत्ति

श्री Temasek@IIT गांधीनगर छात्रवृत्ति 2016 में प्रारंभ की गई थी। यह मेरिट-कम-मीन्स स्कॉलरशिप हर साल एक स्रातक छात्र को प्रदान की जाती है (दूसरे, तीसरे और चौथे वर्ष के छात्रों के लिए उपलब्ध)। 6.5 की न्यूनतम सीपीआई वाले छात्र और जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय 8 लाख रुपये से अधिक नहीं है, इस छात्रवृत्ति का लाभ उठाने के पात्र हैं। छात्रवृत्ति राशि 20,000 रुपये प्रति शैक्षणिक वर्ष है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए चक्रधर बसानी इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

सुशीला प्रभा और सतीश सिंगला छात्रवृत्ति

सुशीला प्रभा और सतीश सिंगला छात्रवृत्ति वर्ष 2023 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप

(अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र की प्रदान की जाती है। **निमेश गोयल** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्री आनंदीलाल बुबना छात्रवृत्ति

श्री आनंदीलाल बुबना छात्रवृत्ति सुश्री नगान ले द्वारा वर्ष 2023 में प्रारंभ की गई है और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहयोग करने के लिए छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्र 1 लाख रुपये है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए अर्थव्यवस्था डापसे इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्री जनार्दन तलदेवकर छात्रवृत्ति

श्री जनार्दन तलदेवकर छात्रवृत्ति वर्ष 2023 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए आकाश कुशवाह इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

प्रोफेसर जी वी राव छात्रवृत्ति

प्रोफेसर जीवी राव छात्रवृत्ति वर्ष 2023 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए तिलक माहेश्वरी इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

प्रोफेसर केवीवी मूर्ति छात्रवृत्ति

प्रोफेसर केवीवी मूर्ति छात्रवृत्ति वर्ष 2023 में प्रारंभ की गई थी और विद्युत अभियांत्रिकी के दूसरे वर्ष के स्रातक छात्रों के लिए उपलब्ध है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्युत अभियांत्रिकी के दूसरे वर्ष के बीटेक छात्र को वित्तीय आवश्यकता, इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), या विशेष परियोजनाओं और अवसरों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल 1 लाख रुपये की एक छात्रवृत्ति प्रदान करना है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए गोसिके रवि तेजा को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

प्रोफेसर डीवी पाई छात्रवृत्ति

प्रोफेसर डी वी पाई छात्रवृत्ति वर्ष 2023 में प्रारंभ की गई थी और यह विद्युत अभियांत्रिकी के दूसरे वर्ष के स्रातक छात्रों के लिए उपलब्ध है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्युत अभियांत्रिकी के बीटेक द्वितीय वर्ष के छात्र को वित्तीय आवश्यकता, इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), या विशेष परियोजनाओं और अवसरों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल 1 लाख रुपये की एक छात्रवृत्ति प्रदान करना है। **मंगलसिंह ठाकरे** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

प्रोफेसर रमेश गांवकर छात्रवृत्ति

प्रोफेसर रमेश गांवकर छात्रवृत्ति अमेये जोशी द्वारा प्रारंभ की गई थी और विद्युत अभियांत्रिकी के दूसरे वर्ष के सातक छात्रों के लिए उपलब्ध है। इसका मुख्य उद्देश्य वित्तीय आवश्यकता, इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), या विशेष परियोजनाओं और अवसरों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल 1 लाख रुपये की एक छात्रवृत्ति प्रदान करना है। **पेहिन्ने अमृता शैक्षणिक वर्ष 2024-25** के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

डॉ. माया एवं डॉ. विश्वनाथ तिवारी छात्रवृत्ति

डॉ. माया और डॉ. विश्वनाथ तिवारी छात्रवृत्ति वर्ष 2023 में प्रारंभ की गई थी और यह पदार्थ अभियांत्रिकी की महिला स्नातक छात्रों के लिए उपलब्ध है। इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए प्रति छात्र 1 लाख रुपये की छात्रवृत्ति है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए पद्म प्रिया कन्नन को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

मालिनी विजय देसाई छात्रवृत्ति

मालिनी विजय देसाई छात्रवृत्ति वर्ष 2023 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी पूर्वस्नातक और अधिस्नातक छात्रों के लिए उपलब्ध है। इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहयोग करने के लिए प्रति छात्र 1 लाख रुपये की छात्रवृत्ति है। प्राप्तकर्ता छात्र को आईआईटी गांधीनगर में कम से कम एक संस्कृत पाठ्यक्रम में नामांकित होना चाहिए या पूरा करना चाहिए। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए जगेदरा रुचित हितेशभाई को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

गिरीश कुमार शर्मा छात्रवृत्ति

गिरीश कुमार शर्मा छात्रवृत्ति वर्ष 2024 में प्रारंभ की गई थी। छात्रवृत्ति राशि 1 लाख रुपये है और उच्चतम सीपीआई वाले पुरुष स्नातक छात्र को प्रदान की जाती है, जिसने तीसरे वर्ष की पढ़ाई पूरी कर ली है और अपनी पढ़ाई के चौथे वर्ष में प्रवेश कर रहा है, और जिसके माता-पिता वार्षिक की आय 5 लाख रुपये से 8 लाख रुपये के बीच है। दो पुरुष छात्रों के बीच सीपीआई टाई के मामले में, उस छात्र को प्राथमिकता दी जाती है जिसके माता-पिता की आय कम है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए रोहित राज को यह छात्रवृत्ति दी गई है।

मीरा शर्मा छात्रवृत्ति

मीरा शर्मा छात्रवृत्ति वर्ष 2024 में प्रारंभ की गई थी। 1 लाख रुपये की छात्रवृत्ति उच्चतम सीपीआई वाली महिला स्नातक छात्र को प्रदान की जाती है, जिसने तीसरे वर्ष की पढ़ाई पूरी कर ली है और अपनी पढ़ाई के चौथे वर्ष में प्रवेश कर रही है, और जिसके माता-पिता की वार्षिक आय 5 लाख रुपये से 8 लाख रुपये के बीच है। दो महिला छात्रों के बीच सीपीआई टाई के मामले में, उस छात्र को प्राथमिकता दी जाती है जिसके माता-पिता की आय कम है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए सौम्या जायसवाल को यह छात्रवृत्ति दी गई है।

धर्मनाथ प्रसाद छात्रवृत्ति

धर्मनाथ प्रसाद छात्रवृत्ति वर्ष 2024 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी पूर्वस्नातक (बीटेक) छात्रों के लिए उपलब्ध है।

छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहयोग करने के लिए हर साल एक पूर्वस्नातक (बीटेक) छात्र को प्रदान किया जाता है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं - **किशन मनीष वेद**।

डॉ. बिभा झा मेमोरियल स्कॉलरशिप

डॉ. बिभा झा मेमोरियल स्कॉलरशिप वर्ष 2024 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी यूजी (बीटेक) छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल एक पूर्वस्नातक (बीटेक) छात्र को प्रदान किया जाता है। **रोमित देवेंद्र मोहन** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

शैल गोयल छात्रवृत्ति

शैल गोयल छात्रवृत्ति श्रीमती कुमुद कुमार और श्री विपिन कुमार द्वारा वर्ष 2024 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी महिला पूर्वस्नातक (बीटेक) छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति महिला छात्र 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहयोग करने के लिए हर साल एक यूजी (बीटेक) छात्र को प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए पूर्वा कौशलभाई शाह को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

पीजी छात्रवृत्ति

अंजना और अनिल तारा चंद्र छात्रवृत्ति

अंजना और अनिल तारा चंद्र छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में प्रारंभ की गई थी और यह सभी स्नातकोत्तर छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय आवश्यकताओं आदि में सहयोग करने के लिए हर साल एक अधिस्नातक छात्र को प्रदान की जाती है। **विकास कुमार गुप्ता** शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

ललिता और श्याम बिहारी छात्रवृत्ति

ललिता और श्याम बिहारी छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में प्रारंभ की गई थी। प्रति वर्ष 1 लाख रुपये की छात्रवृत्ति राशि आईआईटी गांधीनगर में छात्रों का सहयोग करेगी। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में यह छात्रवृत्ति किशन देवनाथ को प्रदान की गई है।

राज किशोर छात्रवृत्ति

राज किशोर छात्रवृत्ति वर्ष 2022 में आईआईटी गांधीनगर के एक शुभचिंतक द्वारा प्रारंभ की गई थी और यह सभी पूर्वस्नातक (बीटेक) और अधिस्नातक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र 1 लाख रुपये है और इंटर्नशिप (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि में सहयोग करने के लिए हर साल एक यूजी (बीटेक) या मास्टर छात्र को प्रदान किया जाता है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए मुहम्मद लुकमान ओपी को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

प्रोफेसर डी वी पाई छात्रवृत्ति

प्रोफेसर डी वी पाई छात्रवृत्ति 2018 में शुरू की गई थी और यह आईआईटी गांधीनगर में एमएससी कार्यक्रम के दूसरे वर्ष के सभी छात्रों के लिए उपलब्ध है, जिनकी सकल पैतृक आय 8 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक नहीं है और न्यूनतम सीपीआई 7.0 है। छात्रवृत्ति राशि 25,000 रुपये प्रति शैक्षणिक वर्ष है। इसके अलावा, प्राप्तकर्ता छात्र द्वारा किए गए वास्तविक खर्च के स्विलाफ कुल 5,000 रुपये तक के पुस्तक अनुदान का दावा किया जा सकता है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए नेहा प्रतिहस्त को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

दिव्यांग छात्रों के लिए छात्रवृत्ति, मिलाक्रॉन इंडिया प्राइवेट

लिमिटेड से सीएसआर फंड प्राप्त किया

आईआईटी गांधीनगर को मिलाक्रॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

के अपने सीएसआर फंड से कुल 25 लाख रुपये का योगदान प्राप्त हुआ, जिसमें संस्थान में विकलांग छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए 5 लाख रुपये का उपयोग किया गया था। प्राप्त राशि से कुल 16 दिव्यांग छात्रों को लाभ हुआ।

GSECL वित्तीय सहायता कार्यक्रम

आईआईटी गांधीनगर को संस्थान में छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए गुजरात राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (जीएसईसीएल) के अपने सीएसआर फंड से 30 लाख रुपये का योगदान प्राप्त हुआ। कुल 77 छात्रों (54 बीटेक, 10 एमए, 13 एमएससी) को यह वित्तीय सहायता मिली।





अनुसंधान और विकास

प्रकाशन:

शोध प्रकाशन: अप्रैल 2024 - मार्च 2025

| दस्तावेज़ का प्रकार | प्रकाशनों की संख्या |
|---------------------------------|---------------------|
| पुस्तक अध्याय | 46 |
| पुस्तकें | 8 |
| संपादित पुस्तकें | 4 |
| ई-प्रिंट अभिलेखागार | 143 |
| जर्नल लेख | 606 |
| पत्रिका/समाचार पत्र लेख/लघु कथा | 7 |
| अन्य | 15 |
| सम्मेलन में प्रदर्शित पेपर | 235 |
| प्रदर्शित पोस्टर | 23 |
| रिपोर्ट | 1 |
| समीक्षाएँ | 7 |
| कुल | 1095 |

प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं:

वर्ष 2024-25 के दौरान स्वीकृत परियोजनाएं:

- “गिलोबलस्टोम उपचार, में लक्षित प्रतिपादन के लिए डीएनए आधारित नैनो जैल का डिजाइन, निरूपण और जैविक मूल्यांकन (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर धीरज देवीदास भाटिया, जैविक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- खगोलीय वातावरण में ब्लैक होल: गुरुत्वाकर्षण तरंगों में अवलोकन संबंधी संकेत (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अर्पण भट्टाचार्य, भौतिकी
- काइरल ऑक्सेटिक मेटामटेरियल्स का ध्वनि-विज्ञान, प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर जयप्रकाश केआर, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- भारी/उत्कृष्ट धातु का पता लगाने, हटाने और पुनर्प्राप्ति के लिए धातु स्टैप से एक पुनःप्रयोज्य, बहुक्रियाशील धातु कार्बनिक फ्रेमवर्क आधारित प्रोटोटाइप विकसित करना, प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर सुपर्ब कुमार मिश्र, पदार्थ अभियांत्रिकी
- प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी (डीआईए-आरएई) (आरएई)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर सौम्या कांति खट्टुआ, रसायन विज्ञान
- जीएसबीटीएम ग्रीष्मकालीन अनुसंधान इंटर्नशिप (जीएसबीटीएम)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर धीरज देवीदास भाटिया, जैविक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- टेंडन संचालित वैरिएबल स्टिकेनेस सॉफ्ट रोबोटिक ग्रिपर, (SERB)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर वेंकट मधुकांत वडाली, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- सजीव के अंदर लक्षित, प्राकृतिक स्थान में, बहुसंकेतित, उच्च-शुपृष्ठ जैविक-मानचित्रण और डीएनए नैनो टेक्नॉलॉजी के साथ वितरण, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर धीरज देवीदास भाटिया, जैविक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- ब्लैक से ब्लैन तक: ब्लैक होल भौतिकी की पूर्णविविधि (होलोग्राफिक) समझ, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर सुदीप्त सरकार, भौतिकी
- सक्रिय यौगिक बूंदों की गतिशीलता: सिद्धांत और संख्यात्मक, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर उद्धीप्त घोष, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- पीसीएम (चरण परिवर्तन सामग्री) थर्मल मॉड्यूल, का उपयोग करके एयर-कूल्ड डेटासेटर में आपातकालीन शीतलन की व्यवहार्यता अध्ययन (आईएनएई)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अतुल भार्गव, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- डीएसटी - नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में राष्ट्रीय पोस्टडॉक्टोरल फैलोशिप (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर धीरज देवीदास भाटिया, जैविक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- लियथिम-सल्फर बैटरीयों के लिए पॉलिमर/ग्राफीन आधारित डिवाइस ग्रेड नैनोकम्पोजिट सेपेटर मेंड्रेन का विकास और अनुकूलन (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर सुधांशु शर्मा, रसायन विज्ञान
- गुजरात में स्वास्थ्य परिषद की पहल, (SHSRC), प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर जैसन ए मांजली, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- सरकार की नीति और कार्रवाई की तुलना में भारत में पेयजल की स्थिति की समीक्षा - जमीनी वास्तविकता, चुनौतियां और आगे का रास्ता, (एनएचआरसी), प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर छवि नाथ पांडे, सतत विकास केंद्र

- माइक्रोसॉफ्ट शोध ग्रांट, (MRLI)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर निपुण बत्रा, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी
- सहयोगी निर्माण कार्यों में सीखने में सहयोग करने हेतु सामाजिक रोबोट इंटरैक्शन डिजाइन करना, (एमओई)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अदिति कोट्याल, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- पार्किंसंस रोग के रोगियों के लिए पहनने योग्य इंटरएक्टिव सहायक उपकरण, (डीबीटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विनीत वशिष्ठ, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- भाला और शॉट-पुट जैसे फेंकने वाले खेलों में अभिजात वर्ग-एथलीट का प्रदर्शन बढ़ाने के लिए एआई-सक्षम वीडियो विश्लेषण प्रणाली, (एमवाईएसस), प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर रवि सदानन्द हेंगड़े, विद्युत अभियांत्रिकी
- [ADEPT] क्षमता और शर्करा का विश्लेषण एवं अध्ययन, (एईएल)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर वी एन प्रभाकर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- सीएसआर का अन्वेषण करें: कंप्यूटिंग के माध्यम से डिजिटल डिवाइस को पाठना, (GOOGLE)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर निपुण बत्रा, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
- [CEFIPRA] अक्षय ऊर्जा-समृद्धि ग्रिड प्रबंधन (CEFIPRA) के लिए AI-असिस्टेट एन्जीनीयरिंग एवं डिजिटल डिजिटल डिवाइस को पाठना, (एईएल)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर नरन मानजी पिंडोरिया, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- DIGIFEST: तकनीकी मानक संगठन के लिए डिजिटल पहचान व्यवहार्यता अध्ययन, (MEITY)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर उदित भाटिया, सिविल इंजीनियरिंग
- टीएचजे अनुप्रयोग (इसरो) के लिए सुपर कंडक्टर - इंसुलेटर - सुपरकंडक्टर (एसआईएस) पतली फिल्म स्टैक का विकास। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर एमिला पांडा, सामग्री इंजीनियरिंग
- NSF-MeitY: मौलिक वसूली योग्य सीमा कंपन ऊर्जा संचयन: डिजाइन, विश्लेषण और कार्यान्वयन, (MEITY)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर माधव किरीटकुमार पाठक, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- प्रयोगशाला में विकसित संवेदी किटों द्वारा मूल संक्रमण का पता लगाना (आईसीएमआर)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर बिस्वजीत साहा, केमिकल इंजीनियरिंग
- उच्च चमक और वर्णक्रमीय शुद्धता के साथ ऑन-चिप आधारित एकल फोटोन स्रोत, (इसरो)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर झूमा साहा, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- डिजिटिंग ट्यूरिंग मॉफेजेनेसिस पॉलिमर - 2 डी सामग्री ज़िल्लों विलवणीकरण और ईंधन सेल अनुप्रयोगों के लिए, (एएनआरएफ)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर गोपीनाथन कलोन, भौतिकी
- हैड्रॉन क्षय के माध्यम से डार्क मैटर को उजागर करना, (बीआरएनएस)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर रुसा मंडल, भौतिकी
- होनहार चिकित्सा विज्ञान के लिए गुजरात जनसंख्या के ड्यूकेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी हॉटस्पॉट में प्रोटीटोम प्रोफैक्सल का मूल्यांकन, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर शरद गुप्ता, जैविक इंजीनियरिंग
- RES-URSC-2022-024: सौर सेल अनुप्रयोगों के लिए MOCVD प्रक्रिया में III-V सेमीकॉडक्टर पतली फिल्मों की वृद्धि, (इसरो) का संख्यात्मक सिमुलेशन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर तरुण कुमार अग्रवाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- अनुठान और दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया (डब्ल्यूजीएफ) में लाक्षणिक विविधता का संगठन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर निशांत चोकसी, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- रोबोट के लिए द्विमूल फैलोशिप, प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर हरीश पलान्धंडलम मदापुसी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- झरझरा भीडिया में प्रतिक्रियाशील मिश्रण:

यंत्रवत मॉडलिंग से भू-विद्युत संवेदन, (सीईएफआइटीआरए) तक। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर उद्धीष्ठ घोष, मैकेनिकल इंजीनियरिंग

चाल प्रायोजित परियोजनाएं

- भारत के लिए नदी बेसिन जल विज्ञान और चरम सीमाओं के लिए एक प्रयोगात्मक परिचालन हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग और पूर्वानुमान प्रणाली, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, (आईआईटीएम)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग
- लीशैमैनियासिस के उपन्यास उपचार के लिए रसायन विज्ञान का नेतृत्व करने के लिए हिट, (डीएनडीआई)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर शिवप्रिया किरबाकरन, रसायन विज्ञान
- गांधीनीडिया: गांधीवादी साहित्य, जीवन-घटनाओं और उनके सामाजिक नेटवर्क (एनसीएसएम) को ब्राउज़ करने के लिए वनस्टोप एआई-सक्षम पोर्टल। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर मयंक सिंह (सह-पीआई के रूप में), कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
- परिवर्तन के लिए पार्श्वी: तेजी से बढ़ो रहने योग्य शहरों के लिए एकीकृत और फिट-फॉर-उद्देश्य जल संवेदनशील डिजाइन ढांचा, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर प्रणब महापात्रा, सिविल इंजीनियरिंग
- स्केलेबल न्यूमेरिकल मल्टीलिनियर बीजगणित, (GOOGLE) के लिए यादृच्छिक एल्गोरिदम। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अनिबन दासगुप्ता, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
- तेज, मजबूत, ऊर्जा-जागरूक इन-मेमोरी कंप्यूटिंग आर्किटेक्चर, (एसआरसी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर जॉयसी मेकी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- COVID से संबंधित द्वितीयक एक्ससेंसेशन पर वायू प्रदूषण का प्रभाव, (GOOGLE)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर निपुण बत्रा, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
- भारत के केविड-19 प्रेरित लॉकडाउन (SSRC) के बाद स्वदेशी समुदायों पर रिवर्स माइग्रेशन का प्रभाव। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर निशांत चोकरी, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- "स्मार्ट adsorbents, (SERB) के तक्संसंगत डिजाइन की सहायता के लिए थमोडायनामिक मॉडल और मैटे कार्लों सिमुलेशन का उपयोग करके एक तरल चरण में विलय के सह-विलेय सहायता सोखना या विशेषण पर adsorbent की रासायनिक प्रकृति की भूमिका को समझना। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर कौस्तुभ राणे, केमिकल इंजीनियरिंग
- "अगली पीढ़ी के केमो-फोटो-थेरेपी, (एसईआरबी) के लिए कैंसर में पावरहाउस के छोटे अणु-मध्यस्थाता लक्षणोंकरण।" प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर सुदीप बसु, रसायन विज्ञान
- उच्च शक्ति हाइड्रोजेन - संश्लेषण, रियोलॉजी और अनुप्रयोग, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर प्राची थेरेजा, केमिकल इंजीनियरिंग
- गर्म चूंबकीय और चिपचिपा क्यूसीडी माध्यम, (एसईआरबी) में भारी-क्वार्क गतिशीलता पर जांच। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विनोद चंद्रा, भौतिकी
- AMR प्रवाह: रोगाणुरोधी और लोगों के लिए विनिर्माण प्रवाह से प्रतिरोध - प्रयोगों, गणितीय मॉडलिंग और जोखिम विलेषण, (DBT) में शामिल हुए। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर प्रणब कुमार महापात्रा, सिविल इंजीनियरिंग
- विशेष फोटोकैटलिटिक रेडॉक्स प्रतिक्रियाओं (एसईआरबी) को चलाने के लिए प्लास्मोनिक उत्प्रेरक डिजाइन का अनुकूलन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर सौम्यकंति खुदुआ, रसायन विज्ञान
- विकास और रोग में वायरस, (CISCO)। प्रधान
- अन्वेषक: प्रोफेसर शर्मिष्ठा मजूमदार, जैविक इंजीनियरिंग
- चम पक्की समीकरणों और संबंधित समरूपता और लिउलिवल प्रकार के परिणामों, (एसईआरबी) के लिए अतिनिर्धारित समस्याएं। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर जगपोहन त्याग, गणित
- टेस प्रदूषकों को हटाने के लिए चुंबकीय उत्प्रेरक लेपिंग सूक्ष्म बुलबुले का संश्लेषण, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर समीर दलवी, केमिकल इंजीनियरिंग
- संरचनाओं के भूकंप संरक्षण के लिए एक स्लाइडिंग असर का विकास, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर मनीष कुमार (सीई), सिविल इंजीनियरिंग
- शिकारी शिकार बातचीत: हेमिट्रोरा में रासायनिक रक्षा: पेटाटोमिडे बग (गोंधी बग) और इसके ग्रंथियों का साव, (डीबीटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर धीरज भाटिया, जैविक इंजीनियरिंग
- उभरती हुई मेमोरी टेक्नोलॉजीज, (एसईआरबी) का उपयोग करके अगली पीढ़ी के वर्कलोड के लिए मेमोरी कंप्यूटिंग में। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर जॉयसी मेकी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- मात्रात्मक अल्ट्रासाउंड और लीच इमेजिंग, (जीएसटीटीएम) का उपयोग करके मौखिक कैंसर के घावों का मूल्यांकन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर कार्ला पेट्रेसिया मर्कार्डो-शेखर, जैविक इंजीनियरिंग
- मैपिंग कपड़वंज ग्लास: द लास्ट सर्वाइविंग ट्रेडिशनल टैक्फ फर्नेस इन इंडिया, (CMOG)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर आलोक कानूनगो, पुरातत्व विज्ञान
- प्रमुख पर्यावरणीय मापदंडों की नवीन लेजर-आधारित निगरानी - भारत के विकासशील क्षेत्रों में कल्याण, आजीविका और स्वस्थ पर्यावरण को संबोधित करना, (आरआई)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अरुण लाल चक्रवर्ती, इलेक्ट्रिकल स्टेटिकल इंजीनियरिंग
- स्तन कैंसर के उपचार के लिए अल्ट्रासाउंड-सक्षम आँकोट्रिप्सी, (डीबीटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर हिमांशु शेखर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- मिश्रित चरणों के संस्थागत रसायन विज्ञान (डीएसटी) का उपयोग करके रासायनिक लॉपिंग दहन के लिए उपन्यास ऑक्सीजन वाहक विकसित करना। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर सुधांशु शर्मा, रसायन विज्ञान
- गुजरात में मैप्रोव कहानियां, (एसएसआरसी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अंबिका अव्यादुर्झ, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- गुजरात के लिए एकीकृत वास्तविक समय हाइड्रोक्लाइमेटिक फ्रेमवर्क और पूर्वानुमान प्रणाली, (यूनिसफ)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग
- कॉम्पैक्ट क्वांटम समूहों और उनके सजातीय रिक्त स्थान की टोपोलॉजिकल अपरिवर्तन, (एनबीएचप्याएम)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर बिपुल सौरभ, गणित
- स्मार्ट वियर - पार्किंसंस गैट डिसऑर्डर, (डीबीटी) की निगरानी और पता। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर उत्तमा लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- शृंखला लोचदार एक्ट्यूएटर और नियंत्रण इकाई, (इसरो) का विकास। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर हरीश पलान्थंडलम मादापुसी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- स्तनधारी सैकेंडियन घड़ी परिसरों का एकीकृत और नेटवर्क मॉडलिंग, (डीबीटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर आशुतोष श्रीवास्तव, जैविक इंजीनियरिंग
- क्वांटम सूचना का उपयोग करके क्वांटम गुरुत्वार्थण को डिक्रिप्ट करना, (CSE-FIST (AI/ML रिसर्च के लिए हाई-एंड कम्प्यूटेशनल सुविधा), (FIST))। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर महापात्रा मादापुसी, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग

- मानव अंतरिक्ष यान कार्यक्रम, (**इसरो**) के लिए अल्ट्रा-उच्च संवेदनशीलता ट्यूबेल लेजर-आधारित स्पेक्ट्रोस्कोपिक गैस डिटेक्शन सिस्टम। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर अरुप लाल चक्रवर्ती**, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- CHE-FIST (उत्तर माइक्रोस्कोपी और स्पेक्ट्रोस्कोपी प्रयोगशाला), (**DST**)। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर प्राची थेरेजा**, केमिकल इंजीनियरिंग
- डिस्क्रिप्शन के फैसर में लंबे गैर-कोडिंग आरएनए (एलएनसीआरएनए) में आरएनए जी-क्वाइलेक्स संरचना की पहचान, (**जीएसबीटीएम**)। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर भास्कर दत्ता**, रसायन विज्ञान
- उच्च अंत रणनीतिक अनुप्रयोगों (एक्सटूडेड / खींची गई ट्यूब), (**एमओएम**) के लिए मध्यम शक्ति अल-एमजी-सी (एए 6082 आधारित) मिश्र धातु का विकास। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर अमित अरोड़ा**, सामग्री इंजीनियरिंग
- बन्यजीव अनुसंधान और संरक्षण में फील्ड सहायक: अरुणाचल प्रदेश से केस स्टडी, (**एनटीसीए**)। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर अंविका अच्यादुरई**, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- प्रोटीन आधारित चिकित्सा विज्ञान के विकास की ओर फोटो-दरार आधारित आत्मीयता शुद्धिकरण, (**जीएसबीटीएम**)। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर कार्तिक पुष्पवनम सुब्रमण्यम**, केमिकल इंजीनियरिंग
- एस्ट्रोजन रिसेप्टर लक्षित मेटालोकोरोल-ड्रग संयुक्त: स्तन कैसर में संश्लेषण, ऑटिकल अध्ययन और जैविक अनुप्रयोग, (**एसईआरबी**)। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर इति गुप्ता**, रसायन विज्ञान
- स्विंग चाल प्रशिक्षण और एक केलब चालित रोबोट, (**डीएसटी**) का उपयोग कर स्ट्रोक रोगियों की सहायता। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर विनीत वशिष्ठ**, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- व्युत्पन्न श्रेणियों, (**एसईआरबी**) के माध्यम से सकारात्मक विशेषता में अलधुकरणीय सिम्प्लेक्टिक किस्में और हाइपरकहलर एनालॉग्स। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर तान्या कौशल श्रीवास्तव**, गणित
- सतह पर स्थिताकृतिक और जलवायु नियंत्रण - भूजल गतिशीलता, खड़े भूमि विकास और सामाजिक कल्याण और विकास योजना पर इसके निहितार्थ, (**डब्ल्यूआईएनएफ**)। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर विक्रान्त जैन**, पृथ्वी विज्ञान
- क्रिस्टलीकरण के दैरान सिक्युरिटी दवा सामग्री (**एपीआई**) के बहुपाली व्यवहार को स्पष्ट करना: प्रयोगात्मक और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन अध्ययन का एक संयुक्त वृत्तिकोण, (**सीईएफआईपीआर**)। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर समीर विश्वनाथ दलवी**, केमिकल इंजीनियरिंग
- मल्टी-एक्सल कम्प्यूटेशन, (**एसईआरबी**) का उपयोग करके कार्बनिक अर्थचालकों के रासायनिक स्थान की खोज। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर अनिर्बन मंडल**, रसायन विज्ञान
- हाइड्रोजन के सह-उत्पादन (**एसईआरबी**) के साथ हल्की परिस्थितियों में बायोमास ऑक्सीकरण के लिए एनोडिक कॉपर उत्प्रेरक का विकास। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर बिस्वजीत मंडल**, रसायन विज्ञान
- उत्तरी हिंद महासागर होलोसीन यूस्टेटिक समुद्र-स्तरीय रिकॉर्ड (लक्ष्यद्वीप द्वीपसमूह), (**एसईआरबी**)। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर पंकज खन्ना**, पृथ्वी विज्ञान
- यूकेरियोटिक मोबाइल आनुवंशिक तत्वों का विनियमन, (**एसईआरबी**)। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर शर्मिष्ठा मजूमदार**, जैविक इंजीनियरिंग
- धोलावीरा, गुजरात, भारत के विश्व धरोहर हड्डप्पा स्थल पर मानव-पशु अंतःक्रियाओं का पुनर्निर्माण: पुरातात्त्विक हड्डी और दातों के अवशेषों की समस्थानिक संरचना से निष्कर्ष, (**एसईआरबी**)। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर शारदा विशेषज्ञ चत्तारायपटना**, पूरातत्त्व
- परिचालन अनिश्चितताओं (**एसईआरबी**) के तहत एक ऊर्जा प्रणाली के लिए स्पष्ट स्टोकेसिटिक मॉडल भविष्य कहनेवाला नियंत्रण। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर हरि साई गोण**, केमिकल इंजीनियरिंग
- पौधे के प्रजनन के आनुवंशिक और आणविक नियंत्रण को समझना, (**डीबीटीआरएल**)। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर सुब्रमण्यम शंकरनारायणन**, जैविक इंजीनियरिंग
- उत्प्रेरक असमिति β -trifluoromethylation और झारना α , α के β -difunctionalization, β -असंतुरुप एल्डिहाइड, (**SERB**)। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर चंद्रकुमार अप्पेयी**, रसायन विज्ञान
- “CRISPR-Cas9 जीन एडिटिंग, (**GSBTM**) का उपयोग करके पॉलीअनसेरुरेटेड फैटी एसिड समुद्र मूंगफलों की खेती का विकास। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर सुब्रमण्यम शंकरनारायणन**, जैविक इंजीनियरिंग
- आयन ने औद्योगिक प्रासंगिकता, (**एसईआरबी**) की तरल-ठोस विषम प्रतिक्रियाओं के लिए नैनोपोरस जियोपैलिमर का आदान-प्रदान किया। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर सुधांशु शर्मा**, रसायन विज्ञान
- ऐतिहासिक शहर वडनगर, गुजरात, (**जीएसए**) से पुरातात्त्विक मिट्टी के बरतन, मोती, शैल वस्तुओं और बाहरी व्यापार संबंधों का बहुआयामी विश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर वेल्लोर नंदगोपाल प्रभाकर**, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- प्राचीन भारतीय प्रौद्योगिकियों के लिए आइकेएस सेल, (**आइकेएससीएआई**)। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर वेल्लोर नंदगोपाल प्रभाकर**, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- कम जटिलता एकल परत तंत्रिका नेटवर्क, (**एसईआरबी**) का विकास और विश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर नितिन वी जॉर्ज**, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- प्रोटीन फोल्डिंग/अनफोल्डिंग, (**एसईआरबी**) का अध्ययन करने के लिए संशोधित गैर-बोल्ड्जमैन मोर्टे कार्लों सिमुलेशन। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर मिथुन राधाकृष्ण**, केमिकल इंजीनियरिंग
- कुछ अभियंता परिवर्तनों के लिए स्पष्ट और माइक्रोलोकल उलटा प्रश्न, (**एसईआरबी**)। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर रोहित कुमार मिश्रा**, गणित
- “बायोएंट्रिक्ट प्राकृतिक उत्पादों के कुल संश्लेषण के लिए साइक्लोहेक्सेन डेरिवेटिव और उनके अनुप्रयोगों के दोहरे एमिनोकैटेलिटिक असमिति संश्लेषण, (**एसईआरबी**)”。 प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर चंद्रकुमार अप्पायी**, रसायन विज्ञान
- “माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकूलोसिस (**एसईआरबी**) के लेबलिंग और ट्रैकिंग के लिए सोलावटोक्रोमिक जांच का संश्लेषण और मूल्यांकन”। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर वेंकट श्रीराम काण्वा गुणीमेडा**, रसायन विज्ञान
- स्मैटीइड गढ़िया, (**एसईआरबी**) के लिए लंबे समय से अभियंता इंट्रा-आर्टिकुलर थेरेपी के लिए अनुवादनीय, स्व-चंगा, ड्रग क्रिस्टल एनैक्सुलेटेड हाइड्रोजेल प्लेटफार्म। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर मुकेश धनका**, जैविक इंजीनियरिंग
- जटिल तरल पदार्थ में गैर-समान रूप से चार्ज किए गए कणों का वैद्युतकणसंचलन, (**एसईआरबी**)। प्रधान अन्वेषक: **प्रोफेसर उद्दीप**

भाटिया, सिविल इंजीनियरिंग

- भाटिया, सिविल इंजीनियरिंग
 - अनिसोट्रोपिक कोलाइड्स, (डीएसटी) के तर्कसंगत डिजाइन की सुविधा के लिए टीएमएसी-आधारित सिमुलेशन पैकेज। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर कौस्तुभ सुनील राणे, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
 - संवर्धित शैक्षिक पॉडकास्ट की प्रभावशीलता, (आईसीएसएसआर)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर समीर सहसुख, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
 - “आयर्वेदिक औषधीय योगों” में फाइटोमेकिल्स की रूपरेखा और उनके एकत्रीकरण व्यवहार को समझाना, (सीएआरआई)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर साईराम स्वरूप मल्लाजोस्युला, रसायन विज्ञान
 - बज़े: भारतीय जलवायु परिस्थितियों के लिये सतत और ऊर्जा कुशल भवन (SERB)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अतुल भार्गव, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
 - चैनल रखरखाव: स्वयं प्रभा, (एमएचआरडी) के लिए सिविल इंजीनियरिंग प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर उदित भाटिया, सिविल इंजीनियरिंग
 - स्वायत्त लक्षित दवा वितरण वाहक, (एमएचआरडी) के रूप में बायोएक्टिव माइक्रोबल। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर कृष्ण कांति डे, भौतिकी
 - द्विआयामी धातु-कार्बनिक फ्रेमवर्क, (आईएनएई) में उप-एनएम चैनलों के माध्यम से आयन परिवहन और आसामाटिक ऊर्जा संचयन की जांच। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर गोपीनाथन कलोन, भौतिकी
 - सामूहिक अपव्यय (मैट्रिक्स), (एसईआरबी) के तहत मापन प्रेरित चरण संक्रमण। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर प्रसन्ना वेंकटेश बालासुब्रमण्यम, भौतिकी
 - हाल के कोलाइडर, (एसईआरबी) में सुंदर स्वाद भौतिकी। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर रूसा मंडल, भौतिकी
 - गुहा आधारित स्क्रैमजेट दहन, (डीआरडीओ) में मिश्रण और दहन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विनोद नारायणन, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
 - फ्रिटियर क्षेत्रों (डीआरडीओ) में मानव रहित हवाई-निगरानी अनुप्रयोगों के लिए एक नए कॉम्पैक्ट, हल्ले 10 कीवीई ईंधन सेल आधारित पावर पैक लेटरफॉर्म का प्रदर्शन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अतुल भार्गव, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
 - युवा और बुजु़ग स्वस्थ व्यक्तियों में शांत रुख के नियंत्रण में सीएनएस द्वारा नियोजित आंतरायिक रणनीति की प्रायोगिक जांच, (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर हरीश पलान्यंडलम मादापुसी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
 - सीखना-आधारित नियन्त्रक जो पर्यावरण के साथ अस्थि रोबोट-एंड-पॉइंट इंटरैक्शन को स्थिर करता है: एलोरियम विकास और हार्डवेयर सत्यापन, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर हरीश पलान्यंडलम मादापुसी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
 - इंटरियोटेल स्लिप प्रोटोकॉल, (GUJCOST) के साथ एक बल-संवेदनशील रोबोटिक गिपर। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर हरीश पलान्यंडलम मादापुसी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
 - टेक्स्टाइल आधारित सॉफ्ट लेग एक्सोस्ट (DRDO) का उपयोग करके मानव प्रदर्शन संवर्द्धन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विनीत वशिष्ठ, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
 - “केबल-चालित रोबोट एक्सोस्टेन, (गुजरातोस्ट) का उपयोग करके विकलांग व्यक्तियों की सहायता के लिए मांसपेशियों की गतिविधि-आधारित नियंत्रण रणनीति। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विनीत वशिष्ठ, मैकेनिकल
 - इंजीनियरिंग
 - धातु-आधारित प्रशीतित और गेल्ड समग्र प्रणोदक, (एसईआरबी) के प्रणोदन प्रदर्शन का एक कम्प्यूटेशनल अध्ययन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर दिलीप श्रीनिवास सुंदरम, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
 - थर्मल विलवणीकरण प्रक्रियाओं के लिए वाष्प संघनन की जांच, (बीआरएनएस)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर सौम्यदीप सेट, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
 - लोचदार छड़, (एसईआरबी) में स्थानीय और वैश्विक संपर्क समस्याएं। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर हरीमति सिंह, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
 - एफिन मोनोमियल वक्रों का प्रोजेक्टिव क्लोजर, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर इंद्रनाथ सेनगुप्ता, गणित
 - बीजगणितीय सुपरजियोमेट्री में भागफल, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर संजयकुमार हंसराज अमृतिया, गणित
 - स्विचिंग मार्केव प्रक्रियाओं के लिए मल्टीस्केल विश्लेषण, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर चेतन देवकिशन पहलाजानी, गणित
 - जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों (डीआरडीओ) के लिए 3डी प्रिटेड टीआई-एएल-4वी इम्प्लांट्स पर स्वदर्शी कोटिंग्स का विकास। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर एमिला पांडा, सामग्री इंजीनियरिंग
 - सोशल एक्शन एड पॉलिसी लैब और यूनिसेफ पार्टनरशिप 2023-25, (यूनिसेफ)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर जैसन ए मंजाली, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
 - कच्छ के महान रण (GRK) का लैंडस्केप और टेक्टोनिक विकास: मानव निपटान और संसाधनों (MoES) पर अल्पकालिक (होलोसीन) और दीर्घकालिक (50-100 KA) प्रभाव। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर वेल्लोर नंदगोपाल प्रभाकर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
 - वडनगर ग्लास और समुद्री नेटवर्क में इसकी भूमिका, (जीएसए)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर आलोक कुमार कानूनगो, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
 - सुरक्षित और ऊर्जा कुशल मिश्रित डोमेन मेमोरी-आधारित एआई त्वरक चिप फॉर एज प्लिकेशन, (एमईआईटीवाईई) में गणना। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर जॉयसी एम मेकी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
 - भारतीय वाचाधात बैटरी (आईएबी), (डीबीटी) का विस्तार और डिजिटलीकरण। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर उत्रमा लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
 - डीएसटी पीएसी बैठक (अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाएं), (डीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विक्रात जैन
 - आईओडीपी 389, (एनसीपीओआर)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर पंकज खन्ना, पृथ्वी विज्ञान (Mg, Fe)2GeO4 का उच्च दबाव-तापमान व्यवहार: गहरे एक्सोप्लैनेट अंदरूनी (SERB) के सिलिकेट के लिए एनालॉग्स। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर राजकृष्ण दत्ता, पृथ्वी विज्ञान
 - सर्ब-तारे, (सर्डी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अनिर्बन दासगुप्ता, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
 - सक्रिय वायु: वायु गुणवत्ता स्टेशन परिनियोजन के लिए सक्रिय शिक्षा, (GUJCOST)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर निपुण बत्रा, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
 - उपयोगकर्ता डेटा की गोपनीयता को समझना और सुनिश्चित करना, (SERB)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अभिषेक बिछावत, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
 - समूह संदेश प्रोटोकॉल के सुरक्षा गुणों की पुष्टि

- मॉडल, (एसईआरबी) विकसित करके शुष्क भूमि नदियों के नदी स्वास्थ्य को परिभाषित करना। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विक्रांत जैन, पृथ्वी विज्ञान
- प्रोग्रामेबल नेटवर्किंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, (एसईआरबी) के साथ विकेंड्रीकृत सुरक्षा ऑर्केस्ट्रेशन और प्रबंधन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर समीर कुलकर्णी, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
- समर्थित और प्रतिस्थापित धातु औंसाइड, (एसईआरबी) के तुलनात्मक द्रृष्टिकोण का उपयोग करके कोक प्रतिरोधी बायोगेस सुधार उत्प्रेरक विकसित करना। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर सुशांशु शर्मा, रसायन विज्ञान
- सी-नारमदा, (एमओडब्ल्यूआर)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर प्रणब कुमार महापात्र, सिविल इंजीनियरिंग
- 3डी प्रिंटेड टिशू इंजीनियर्ड आइलेट ट्रांसप्लांट सिस्टम (3डी-पिट्स)-विभेदित आइलेट जैसे समूहों की व्यवहार्यता और कार्यक्षमता की रक्षा और बढ़ाने के लिए बाहरी कारकों और माइक्रोएन्वायरमेंट का प्रभाव, (आईसीएमआर)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर कार्ला पेट्रीसिया मर्काडो-शेखर, जैविक इंजीनियरिंग
- अगली पीढ़ी के अल्ट्रा-मजबूत और अल्ट्रा-टफ लाइट-वेट प्रोटीक्टिव बायोमिमेटिक कंपोजिट की ओर: नैक्री और डैक्टाइल कलब, (एसईआरबी) से प्रेरणा। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर राधवन रंगनाथन, सामग्री इंजीनियरिंग
- खगोलीय वातावरण में ब्लैक होल: गुरुत्वाकर्षण तरंगों में अलोकन संबंधी हस्ताक्षर, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: शैलेश कुमार (गुरु: अर्पण भट्टाचार्य), भौतिकी
- टूकड़े-टूकड़े रैखिक संरचनाओं की गतिशीलता और ध्वनिकी, (एसईआरबी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर जयप्रकाश केआर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- टीडीपी-43 का लक्षित प्रोटीन क्षण: ट्रिप्ल नेगेटिव स्तन कैंसर, (जीएसटीटीएम) के खिलाफ चिकित्सीय सत्यापन और विकास का लक्ष्य। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर शरद गुप्ता, जैविक इंजीनियरिंग
- आईआईटी गांधीनगर के जैविक इंजीनियरिंग विभाग (डीएसटी-एफआईएसटी) में प्रोटीोमिक्स और मास सेक्ट्रोमेट्री सुविधा की स्थापना। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर शरद गुप्ता, जैविक इंजीनियरिंग
- (NiCoCr) (TiAl) मल्टीकंपोनेट मिश्र धातुओं, (SERB) के यांत्रिक गुणों पर स्थिरता और उनके महत्व की अवक्षेपित करें। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर प्रदीप घोष, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग
- स्तरित धातु डाइबोराइड्स, (एसईआरबी) से प्राप्त बोरेन आधारित नैनोशीट्रिस (एक्सबेस्स) के एक नए परिवार के अर्धचालक गुणों की जांच करके रासायनिक सेंसर की एक नई श्रेणी विकसित करना। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर कबीर जसूजा, केमिकल इंजीनियरिंग

परामर्श परियोजनाएं

- गोकुलपुरी मेट्रो स्टेशन (दिल्ली मेट्रो रेल निगम) पर प्लेटफार्म चारदीवारी के डिजाइन की प्रूफ-जॉन्च। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर गौरव श्रीवास्तव, सिविल इंजीनियरिंग
- कुछ बिटुमिनस कंक्रीट मिक्स डिजाइन, (आरकेसी इंफ्राबिल्ट प्राइवेट लिमिटेड) का सत्यापन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर सुशोभन सेन, सिविल इंजीनियरिंग
- शकराल गांव और ढल्ली खंड के बीच एनएच - 5

- बैलैंस कैटिलीवर ब्रिज और पधार और बिजनी सेक्षन (गवार कंस्ट्रक्शन लिमिटेड) के बीच पांच एनएच (ओ) आर्क प्रमुख पुलों के विश्लेषण के लिए साइट-विशिष्ट प्रतिक्रिया स्पेक्ट्रा और संगत ग्राउंड मोशन का विकास। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर मनीष कुमार, सिविल इंजीनियरिंग
- प्रेरणा स्कूल परिसर, वडनगर, मेहसाणा, (नवोदय विद्यालय समिति) के लिए हाउसकीपिंग, बागवानी, रासन, भोजन, रखरखाव आदि का संचालन और संचालन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर गौरव श्रीवास्तव, सिविल इंजीनियरिंग
- घड़ी डायल, घड़ी के हाथ और घड़ी कंगन के रंग और उक्तिनी में लेजर का उपयोग करने की व्यवहार्यता अध्ययन, (कमला डायल और डिवाइसेस लिमिटेड)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर वैकट मधुकांत वडाली, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- एक गहरे छेद उबाल उपकरण के लिए कंगन अवशोषक का डिजाइन, विश्लेषण और परीक्षण, (उपकरण और उपकरण निगम)। प्रधान अन्वेषक: जयप्रकाश केआर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- ईआईई रिपोर्ट का प्रूफिंग और भारत में ई-वेस्ट और क्यू-स्कैप स्थिति का अध्ययन करना, (हिंडल्कॉ इंडस्ट्रीज लिमिटेड)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर समीर पटेल, सिविल इंजीनियरिंग
- बहिस्त्राव उपचार संयंत्र, (आशिमा लिमिटेड) में गंध के स्रोतों, रोकथाम और नियंत्रण की पहचान करने के लिए अध्ययन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर समीर पटेल, सिविल इंजीनियरिंग
- प्रणालीयों विरर्वतन के साथ जलवायु जोखिम-सूचित प्रोग्रामिंग के माध्यम से आपदा लचीलापन प्रबंधन, (भारत में एसडीजी के लिए सीएसआर दस्ट)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग
- दूध और दूध-वासा से बचाने वाली क्रीम एचडीपीई की बोतलें, (प्रॉम्प्ट इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर श्रीहरिता रोश, सामग्री इंजीनियरिंग
- एसवीपीआई हवाहाँ अड्डा भवनों, (अदानी अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड) के टी 1 और टी 2 की संरचनात्मक स्थिरता का तकनीकी मूल्यांकन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर गौरव श्रीवास्तव, सिविल इंजीनियरिंग
- गैर-विनाशकारी परीक्षण अनुप्रयोगों के लिए चरणबद्ध सर्पी अल्ट्रासाउंड सिस्टम का सह-विकास, (मोडोसोनिक लिमिटेड)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर हिमांशु शेखर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग और डीप लॉन्ग का उपयोग करके कर्नाटक के लिए एक पहनावा जलाशय प्रवाह और हाइड्रोलॉजिकल आउटलुक पूर्वानुमान प्रणाली का विकास, (एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन के लिए उन्नत केंद्र)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग
- जीआईटीसीएल, नानी नरोली, (गुजरात इंडस्ट्रीज पावर कंपनी लिमिटेड) में राख उपयोग और निपटान लेखा परीक्षा। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर एस आर गांधी, सिविल इंजीनियरिंग
- एप्पमसी, (अहमदाबाद नगर निगम) में आग के विभिन्न पदों के लिए उम्मीदवारों के चयन के लिए परामर्श। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर गौरव श्रीवास्तव, सिविल इंजीनियरिंग
- हीटिंग तत्व या हीटिंग रोकनेवाला के रूप में एक उपकरण का वर्गीकरण, (ए ओ स्मिथ इंडिया वाटर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर मनीष कुमार, सिविल इंजीनियरिंग
- S1 प्रशासन भवन में दरारों का दृश्य मिरीक्षण - ग्राउंड फ्लोर स्लैब (प्रिंड X2-X4/Y7-Y8 के बीच 2A और 8B डालें) (MAHSR D-2 निर्माण

- का हिस्सा), (L&T)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर कृष्ण शिंव तेजा चापरला, सिविल इंजीनियरिंग
- कौनी योजना, गुजरात, (मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड) का सर्ज विश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर प्रणब कुमार महापात्र, सिविल इंजीनियरिंग
 - रारा-ई के एक खंड (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, राजकोट) से 24 कंक्रीट कोर का परीक्षण। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर सुशोभन सेन, सिविल इंजीनियरिंग
 - स्पार्क मिंडा समूह, (मिंडा कॉर्पोरेशन लिमिटेड) द्वारा उपयोग किए जाने वाले मौजूदा प्रोसेटिक्स और ऑंथोटिक्स का संवर्धन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विनीत वशिष्ठ, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
 - लेकवाड़ा परिसर में बाढ़ प्रबंधन (भारतीय तटरक्षक बल) (वेणु कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर प्रणब कुमार महापात्र, सिविल इंजीनियरिंग
 - उत्तर प्रदेश में 300 इंटर कॉलेजों (समग्र शिक्षा माध्यमिक उत्तर प्रदेश) को खोजी बॉक्स प्रदान करना। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर मनीष जैन, सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग
 - भू-संरक्षणक प्रबलित मृदा संरचनाओं के निर्माण के लिए एसओपी, (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, अहमदाबाद)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अमित प्रशांत, सिविल इंजीनियरिंग
 - निविदा टेनिरेंसों के अनुसार खंडला में तेल भंडारण टैंकों के लिए निर्मित पाइल फाउंडेशनों के अनुपालन का संवर्तन मूल्यांकन (इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अमित प्रशांत, सिविल इंजीनियरिंग
 - आर एंड बीडी गुजरात - ब्रिज एक्सपर्ट्स कमेटी के सदस्य, (एलईएसीसिएट्स साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अमित प्रशांत, सिविल इंजीनियरिंग
 - भूकंपीय और अग्नि सुरक्षा में वृद्धि के लिए सिविल इंजीनियरिंग संरचनाओं का डिजाइन (पाठ्यक्रम कोड: ईईपी सी 2 / 24-25), (एसोसिएशन ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर इंडस्ट्री (ईडिया))। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर धीमान बसु, सिविल इंजीनियरिंग
 - जमीन की गति की स्थानिक परिवर्तनशीलता पर विचार करते हुए शिमला, हिमाचल प्रदेश में एक प्रमुख पुल के संरचनात्मक विश्लेषण पर तकनीकी इन्पुट (वीजेज: 146 + 800)। (गवार कंस्ट्रक्शन लिमिटेड)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर मनीष कुमार, सिविल इंजीनियरिंग
 - आराम रोड, अहमदाबाद (सीपीडब्ल्यूडी) में "आईटीओ प्लैट्स" की संरचनात्मक लेखा परीक्षा। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर धीमान बसु, सिविल इंजीनियरिंग
 - जलवायु परिवर्तन के ट्रॉपिकोन से गुजरात राज्य पर कोविड-19 के निहितार्थ, (गुजरात ऊर्जा विकास एजेंसी) प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग
 - लिफ्ट दरवाजे के लिए ऐरिक्व इलेक्ट्रिक मशीन, (कोन लिफ्ट)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर राघवन के, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
 - सीडी त्रिअक्षीय परीक्षण (आईजीएस) के लिए इंजीनियरों का प्रशिक्षण। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अरंजता सचान, सिविल इंजीनियरिंग
 - अनुकूलन एपीआई और 3 डी-संरचना पहचान, (पीईएल) के लिए क्रिस्टलीकरण परीक्षण। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विजय थिरुवेंकटम, जैविक इंजीनियरिंग
 - प्रोटीन (ओं) का अनुकूलन और शुद्धिकरण, (एसएमपीएल)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विजय थिरुवेंकटम, जैविक इंजीनियरिंग
 - भू-सैलों (आरवीएनएल) का उपयोग करके सेतु पहुंच मार्गों के सुट्टीकरण के लिए प्रायोगिक अध्ययन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अमित प्रशांत, सिविल इंजीनियरिंग
 - इलेक्ट्रिकल ट्रॉस-लिंकिंग डिवाइस का डिजिटलीकरण और स्वचालन, (वीवीसी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर उत्रमा लाहिड़ी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
 - आरटीओ ड्राइविंग लाइसेंस परीक्षणों (एसटीटीएल) को स्वचालित करने के लिए एक कॉम्प्यूटर बुद्धिमता उपकरण। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर षणमुग्नाथन रमन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
 - स्मार्ट बॉलर सॉफ्टवेयर (आईआईटीएमएस) का विकास। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर रवि सदानंद हेगड़े, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
 - पुरुष और महिला पैटर्न बालों के झड़े-अवलोकन अध्ययन, (MARICO)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर हिमांशु शेखर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
 - ए-स्कैन इमेजिंग, (एमएसएल) के लिए डेटा और आर्टिफिक्ट हटाने का विघटन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर हिमांशु शेखर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
 - गैर-विनाशकारी परीक्षण अनुप्रयोगों के लिए चरणबद्ध सरणी अल्ट्रासाउड सिस्टम, (एमएसएल)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर हिमांशु शेखर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
 - टेराट्यूज़ बैंड का डिजाइन 6G, (QTI) के लिए भविष्य के बायोलेस सिस्टम के लिए ऑन-चिप सिग्नल जेनेरेटर। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर तरुण कुमार अग्रवाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
 - कम जड़ता ग्रिड समाधान समीक्षा, (EUK)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर पल्लवी भारद्वाज, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
 - माइक्रोग्रिड ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली विकास, (आरईपीएल)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर पल्लवी भारद्वाज, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
 - इलेक्ट्रिक वाहन अनुप्रयोग के लिए तीन चरण प्रेरण मोटर ड्राइव विकास, (ईआरडीए)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर पल्लवी भारद्वाज, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
 - गुजरात और पश्चिमी महाराष्ट्र में डेवकन बेसलॉट में अनुकूलित CO2 का आकलन, (APTRI)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर पंकज खन्ना, पृथ्वी विज्ञान
 - बायोटेक विजन केयर उत्पाद, (पीआर) से फेको मशीन के लिए सॉफ्टवेयर और प्रौद्योगिकी अद्यतन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर समीर जी कुलकर्णी, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
 - उपभोक्ता अनुसंधान में शारीरिक उपाय, (डीईसीआर)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर कृष्ण प्रसाद मियापुरम, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग (सामाजिक विज्ञान के साथ संयुक्त रूप से)
 - खावड़ा, गुजरात (पीजीसीआईएल) में दो सबस्टेशनों पर संरचनाओं के लिए नींव प्रणालियों का डिजाइन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अमित प्रशांत, सिविल इंजीनियरिंग
 - अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेसवे (एनएचएआईए) का पर्यवेक्षण, निरीक्षण और लेखा परीक्षा। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अमित प्रशांत, सिविल इंजीनियरिंग
 - पालनपुर, (एल एंड टीसी) के निकट रेलवे उपरियोग परियोजना में जीआरएस दीवारों में खराबी के लिए उपचारी उपाय। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अमित प्रशांत, सिविल इंजीनियरिंग
 - मुंद्रा, गुजरात में जमीन के ऊपर कच्चे तेल भंडारण टैंकों के लिए नींव प्रणाली का डिजाइन, (आईआईटीएमएस)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर नरन मानजी पिंडोरिया, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
 - एनआईडी परिसर (एनआईडी) में दो ऊर्जी

- इमारतों के निर्माण के लिए भू-तकनीकी जांच। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर अंजता सचान, सिविल इंजीनियरिंग
- कनर्टिक के लिए उच्च विभेदन फसल मानचित्रण और सिंचाई मानचित्रण, (एसीआईडब्ल्यूआरएल)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग
 - बड़नगर वाटरशेड क्षेत्र (डीएमजी) का हाइड्रो-जियोमॉर्फिक विश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विमल मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग
 - आईओसीएल अंबावाड़ी आवासीय कॉलोनी: भाग 1- संरचनात्मक लेखा परीक्षा और विशेषज्ञ राय, (आईओसीएल)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर धीमान बसु, सिविल इंजीनियरिंग
 - आरसीसी फ्रेम स्ट्रक्चर एसवीआईएलडी बिल्डिंग सेक्टर -11, गांधीनगर, (एसवीआई) की संरचनात्मक स्थिति का आकलन और निरीक्षण। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर धीमान बसु, सिविल इंजीनियरिंग
 - एचएसआर संरेखण के 502654 कीमी वैनेज में नीलमबाग सोसाइटी भवनों पर पाइपिंग कार्य के कारण कंपन के निहितार्थ का आकलन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर गौरव श्रीवास्तव, सिविल इंजीनियरिंग
 - बायुसेना स्टेशन पालम (सीपीबीपीएल) में बोइंग विमान के संचालन के लिए कतिपय अवसंरचना के प्रावधान के लिए अग्रि शमन प्रणाली की जाइन समीक्षा। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर गौरव श्रीवास्तव, सिविल इंजीनियरिंग
 - अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेसवे (एचएसआईए) का पर्यवेक्षण, निरीक्षण और लेखा परीक्षा। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर गौरव एस, सिविल इंजीनियरिंग

- एनपीसीआईएल, (आईआईटीके) के रावतभट्ट स्थल के लिए बांध ब्रेक प्रवाह विश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर प्रणब कुमार महापात्र, सिविल इंजीनियरिंग
- नमनीय लोहे के पाइप के लिए हेजन-विलियम्स गुणांक का निर्धारण, (डब्ल्यूसीएल)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर प्रणब कुमार महापात्र, सिविल इंजीनियरिंग
- “भूकंप-सुरक्षित भवनों, (EERI) का अनुवाद। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर मनीष कुमार (सीई), सिविल इंजीनियरिंग
- गोंडल शहर (डब्ल्यूआर) में भारतीय रेलों द्वारा निमत एलएचएस 35 और 36 में जल प्रवेश और रिसाव की समस्या का समाधान। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर उदित भाटिया, सिविल इंजीनियरिंग
- जीआईडीसी पम्पिंग स्टेशन रूड, (जीआईडीसी) में इनटेक कृपण क्षमता विस्तार के लिए परामर्श। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर उदित भाटिया, सिविल इंजीनियरिंग
- “रेटिना कैसर में संभावित अनुप्रयोग के लिए फोटोसेंसिटाइज़ेर अणु का संश्लेषण और लक्षण वर्णन, (बीवीसी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर इति गुप्ता, रसायन विज्ञान
- एमसीएफ 7, (केबीएस) के साथ सेलुलर परख। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर शिवप्रिया किरुबाकरन, रसायन विज्ञान
- कच्चे हीं के ऑप्टिकल फाइबर-युग्मित पोर्टेबल स्पेक्ट्रोमीटर-आधारित रंग माप और मौजूदा विधि, (एसआरई) के साथ तुलना। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर सौम्या कांति खटुआ, रसायन विज्ञान
- आग प्रतिरोधी नैनो-समग्र तैयारी, (ओएमईसी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर चिन्मय घोरई,
- केमिकल इंजीनियरिंग
- पीएमएमए आधारित कॉपोलीमर, (वीटीआईएल) का रासायनिक विश्लेषण। प्रधान अन्वेषक: प्रो प्रत्यूष दयाल, केमिकल इंजीनियरिंग
- सिलिको अध्ययन में ली आयन बैटरी (ओईटी) में विद्युत, यांत्रिक और परिवहन गुणों पर बहुल बाइंडरों के भवाव को समझने के लिए। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर मिथुन राधाकृष्ण, केमिकल इंजीनियरिंग
- मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, (एमएनएसआईएल) का उपयोग करके निरंतर कास्टिंग के दौरान अनुप्रस्थ दरार गठन की भविष्यवाणी। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर हरि साई गणेश, केमिकल इंजीनियरिंग
- गर्मी हस्तांतरण में सुधार और थर्मल भंडारण के समय को कम करने के लिए पीसीएम का संशोधन, (पीआईपीएल)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर बिस्वजीत साहा, केमिकल इंजीनियरिंग
- मध्य प्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद, (एमपीसीएसटी)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर मनीष जैन, सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग सर्व शिक्षा अभियान, (एसएसए)। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर मनीष जैन, सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग
- काशिव बायोसाइंसेज, (केबीएस) के साथ परामर्श परियोजना। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर धीरज देवीदास भाटिया, जैविक इंजीनियरिंग
- लिंगैड्स - रिसेप्टर्स, (एसपीआईएल) के कम्प्यूटेशनल और मॉडलिंग अध्ययन। प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर विजय यिशुवेंकटम, जैविक इंजीनियरिंग



बौद्धिक सम्पदा

2024-25 के दौरान दिए गए पेटेंट

- सहायक श्रवण उपकरणों में सबवैड फ़िडबैक रद्दीकरण: आविष्कारकों में प्रोफेसर नितिन जॉर्ज, सोमनाथ प्रधान और विनल पटेल शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 543818
- समग्र प्रणोदक: आविष्कारकों में प्रोफेसर कबीर जसूजा, प्रोफेसर चिन्मय घोरई और हरिनी शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 546674
- अपशिष्ट जल शोधन के लिए एक प्रणाली और एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में अर्नब दत्ता, प्रोफेसर चिन्मय घोरई और अफसर अली शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 550658
- फ्लोरोफोरे यैगिक और उसके तैयार होने की प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रोफेसर श्रीराम काण्वा, तरुश्याम मुखर्जी और प्रोफेसर सोपिना विरुपाक्षी शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 552102
- एक उत्प्रेरक संरचना और इसकी तैयारी के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रोफेसर सुधांशु शर्मा और प्रदीप कुमार शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 555317
- एंटी-वायरल सरफेस कोटिंग और कोटिंग के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रोफेसर एमिला पांडा, प्रोफेसर सोपिना विरुपाक्षी, डॉ रवि तेजा मित्तर्तेंद्री और डॉ निशाबेन एम पटेल शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 466023
- लुटिंग फ्लोरोफोर्स और उनके संश्लेषण के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रोफेसर श्रीराम काण्वा गुण्डीमेडा, दीपमाला सिंह और प्रोफेसर सोपिना विरुपाक्षी शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 562690
- अमोनिया गैस का पता लगाने के लिए सेंसर और सेंसर के निर्माण के लिए एक विधि: आविष्कारकों में प्रोफेसर रूपक बनर्जी, तुफान पॉल, अविसेक मैती और अदित साहू शामिल हैं। पेटेंट संख्या है: 562981



2024-25 के दौरान दायर पेटेंट

- व्यक्तिगत चाल पुनर्वास की पेशकश के लिए पहनने योग्य प्रणाली: आविष्कारकों में प्रोफेसर उत्रमा लाहिड़ी और शशि रंजन शामिल हैं
- Fe²⁺ का पता लगाने के लिए स्टाइलिल एन-ऑक्साइड फ्लोरोफोर्स और स्टाइलिल एन-ऑक्साइड फ्लोरोफोर्स की तैयारी की प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रोफेसर श्रीराम काण्वा, योगेश दुबे और शबनम मंसूरी शामिल हैं
- अधिशोषक और दुर्लभ मृदा तत्वों की पुनर्प्राप्ति की प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रथमेश भद्राने, प्रतीक गोयल, प्रिया महतो और प्रोफेसर सुपर्ब मिश्रा शामिल हैं।
- एक कम वोल्टेज इलेक्ट्रोस्टैटिक डिस्चार्ज प्रोटेक्शन डिवाइस: आविष्कारक में प्रोफेसर संदीप लक्ष्मण शामिल हैं।
- हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए एक सब्सट्रैट और उसकी एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रोफेसर सौम्यकांति खटुआ, प्रोफेसर सौम्यदीप सेट, गायत्री जोशी और आकांक्षा शर्मा शामिल हैं।
- इंजेक्शन योग्य हाइड्रोजेल और इसकी तैयारी के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रोफेसर मुकेश धनका, हर्षिल दवे और हिताशा विठलानी शामिल हैं।
- जाल-प्रबलित कंक्रीट संरचनाओं को मुद्रित करने के लिए एक प्रणाली और एक विधि: आविष्कारकों में प्रोफेसर मधुकांत वेंकट वडाली, प्रोफेसर मनीष कुमार और चमन मोदी शामिल हैं।
- असमित स्थानांतरण हाइड्रोजेनकरण के लिए एक चिरल गैर-सिलिल साइकिल माध्यमिक अमाइन उत्प्रेरक: आविष्कारकों में प्रोफेसर चंद्रकुमार अप्पायी, डॉ रोहताश कुमार और अविनाश शामिल हैं।
- फेनोथियाजिन-आधारित अणु: आविष्कारकों में प्रोफेसर शिवप्रिया किरुबाकरन, प्रोफेसर विजय तिरुवेंकटम, गौरव राय और भानु प्रिया शामिल हैं।
- ड्राइवर का ध्यान बढ़ाने के लिए अनुकूली वॉल्यूम नियंत्रण के लिए एक प्रणाली: आविष्कारकों में प्रोफेसर नितिन जोनाथन मायर्स और प्रोफेसर मीरा मैरी सनी शामिल हैं।
- विवाजोलिन-आधारित एटीआर किनेज इनहिबिटर और उनकी तैयारी के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रोफेसर शिवप्रिया किरुबाकरन और प्रणव उमेश भागवत शामिल हैं।
- अपशिष्ट जल उपचार के लिए उपकरण और विधि: आविष्कारकों में प्रोफेसर भास्कर दत्ता, डॉ सिमरनजीत सिंह, विशाखा तखर और प्रोफेसर रूपक बनर्जी शामिल हैं।
- एक अनुकूली बैटरी चार्जिंग अनुकूलन प्रणाली: आविष्कारकों में प्रोफेसर पल्लवी भारद्वाज और पार्थ सचान शामिल हैं।
- पानी का इलेक्ट्रोलिसिस: आविष्कारकों में प्रोफेसर रूपक बनर्जी, विशाखा तखर, मधुरिमा बर्मन और प्रोफेसर अर्नब दत्ता शामिल हैं।
- विरल डेटा पर प्रतिनिधित्व सीखने के साथ सुपर-रिज़ॉल्यूशन अल्ट्रासाउंड पुनर्निर्माण के लिए एक प्रणाली और विधि: आविष्कारकों में रुचिका धवन, मिहिर अग्रवाल, श्रेयांस जैन, रुपारेल हृदये विराज और प्रोफेसर हिमांशु शेखर शामिल हैं।
- सैरेस-एन्हांस्ड रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी सब्सट्रैट और इसकी तैयारी के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रोफेसर सौम्यकांति खटुआ और गायत्री जोशी शामिल हैं।
- एक सामयिक सूत्रीकरण और इसकी तैयारी के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रोफेसर मुकेश धनका, हिताशा विठलानी, गरिमा गुप्ता और हर्षिल दवे शामिल हैं।
- Papaverine लोडेड Berberine माइक्रोक्रिस्टल और उनकी तैयारी के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों प्रोफेसर मुकेश धनका, सेबिका पांजा, ऋषि सूरी, श्रेयस बालचंद्र अपोटिकर, और अनिरुद्ध दान शामिल हैं।
- एक हाइड्रोजेल फॉर्मूलेशन और इसकी तैयारी के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रोफेसर मुकेश धनका, प्रसन्न कुमारी बरनी, डॉ इंदु यादव और अनिरुद्ध दान शामिल हैं।
- एक पायलक और इसकी तैयारी के लिए एक प्रक्रिया: आविष्कारकों में प्रोफेसर प्राची थेरेजा और पंचमी पटेल शामिल हैं।



अनुसंधान गतिविधियाँ: घटनाएँ और आउटटीय

सम्मेलनों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और सेमिनारों जैसे अनुसंधान और सहयोगी कार्यक्रम अकादमिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनते हैं जो महत्वपूर्ण विषयों की एक विस्तृत शृंखला पर चर्चा को प्रोत्साहित करने में मदद करते हैं। इनमें से कई गतिविधियाँ अन्य संगठनों से भागीदारी को आमंत्रित करती हैं और विभिन्न स्तरों पर संस्थान की दृश्यता को बढ़ाती हैं। 2024-25 के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया:

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाएँ:

एसआरआईपी 2024



समर रिसर्च इंटर्नशिप प्रोग्राम (एसआरआईपी) 5 मई, 2024 को आईआईटी गांधीनगर में शुरू हुआ। आठ सप्ताह के इस प्रमुख कार्यक्रम के चौदहवें संस्करण में देश भर के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिभाशाली छात्रों की भागीदारी देखी गई। इंटर्न ने आईआईटी गांधीनगर में आठ सप्ताह बिताए और आईआईटी गांधीनगर संकाय सदस्यों की सलाह के तहत 134 अनुसंधान परियोजनाओं को अंजाम दिया। इंटर्न ने 9 जुलाई, 2024 को पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता के साथ अपनी इंटर्नशिप का समापन किया।

आविष्कार फैक्टरी

आईआईटी गांधीनगर ने आविष्कार फैक्टरी के पांचवें संस्करण की मेजबानी की, जो आविष्कार में एक अनूठा कार्यक्रम है। छह सप्ताह तक चलने वाला यह गहन कार्यक्रम 27 मई से 5 जुलाई, 2024 तक आईआईटी गांधीनगर में, 3 जून से 12 जुलाई तक

आईआईटी बॉम्बे में और 3 जून से 14 जुलाई तक आईआईटी जम्मू में आयोजित किया गया था। विभिन्न आईआईटी और एनआईटी के छात्रों ने विभिन्न सामाजिक और उपभोक्ता जरूरतों को पूरा करने के लिए गर्भ धारण करने, प्रोटोटाइप बनाने और अद्वितीय आविष्कार करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया।

पायथन प्रोग्रामिंग पर कार्यशाला

कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग ने 5 अप्रैल, 2024 को 'पायथन प्रोग्रामिंग और एआई एप्लिकेशन' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस हैड्स-ऑन वर्कशॉप ने पायथन प्रोग्रामिंग फंडामेंटल में दक्षता प्रदान की, और प्रतिभागियों को एक संरचित और इंटरैक्टिव वातावरण में एआई में इसका अनुप्रयोग प्रदान किया। प्रतिभागियों ने हाथों पर निर्देशित अभ्यास और केस स्टडी का भी अनुभव किया।

3 डी प्रिंटिंग पर कार्यशाला

टिकरस लैब, आईआईटी गांधीनगर ने 6 अप्रैल, 2024 को एक दिवसीय कार्यशाला, 'लेट्स प्रिंट 3डी: अनलीशिंग द वर्ल्ड ऑफ 3डी प्रिंटिंग' का आयोजन किया। इस व्यापक कार्यशाला ने प्रतिभागियों के लिए सैद्धांतिक समझ और व्यावहारिक हाथों के अनुभव के बीच संतुलन सुनिश्चित किया, जिन्होंने 3 डी प्रिंटिंग तकनीक, सामग्री, डिजाइन सिद्धांतों और हाथों पर अनुभव में अंतर्दृष्टि प्राप्त की।





प्रोटोटाइप प्रदर्शन- इंजीनियरिंग में सतत डिजाइन

प्रोफेसर अनेज़का सेबेक, विजिटिंग प्रोफेसर (डिजाइन इनोवेशन सेंटर) के मार्गदर्शन में, विभिन्न छात्रों ने 26 अप्रैल, 2024 को 'स्टेनेबल डिजाइन इन इंजीनियरिंग विद ह्यूमन फैक्टर्स' पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में पूरा किया गया अपना काम प्रस्तुत किया। यह परियोजना विन फाउंडेशन के भागीदारों साथ, चेतना और समर्थ एनजीओ और न्यूट्रिप्रेन्योर्स, महिलाओं के साथ एक सहयोग था, जो बच्चों और उनके अहमदाबाद पड़ोसियों के लिए पौष्टिक स्कैक्स बनाने के लिए व्यवसाय बना रही है।

21-दिवसीय डीएसटी समर स्कूल

डॉ किरण सी पटेल सेंटर फॉर स्टेनेबल डेवलपमेंट (KPCSD) आईआईटी गांधीनगर ने 1 से 21 जुलाई, 2024 तक भू-स्थानिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर 21-दिवसीय DST समर स्कूल की मेजबानी की, जो भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के राष्ट्रीय भू-स्थानिक कार्यक्रम (NGP) द्वारा समर्थित है। विभिन्न ढोमेन में काम करने वाले देश भर के कुल 25 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

मारेंगो सिस्स अस्पताल के साथ बोलचाल

आईआईटी गांधीनगर ने 28 सितंबर, 2024 को मारेंगो CIMS अस्पताल के साथ एक बोलचाल की मेजबानी की, जहां दोनों संस्थान भारत में 'इंजीनियरिंग के साथ चिकित्सा' की विशाल क्षमता का पता लगाने के लिए एक साथ आए। इस आयोजन ने शिक्षा और अभ्यास के एक अद्वितीय संगम को चिह्नित किया, जो देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में मौलिक सुधार करने में इसके महत्व को रेखांकित करता है। इस कार्यक्रम में अहमदाबाद और दिल्ली-एनसीआर के अस्पतालों में एमसीआईएमएस समूह के 20 से अधिक डॉक्टरों ने भाग लिया।



राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

आईआईटी गांधीनगर ने अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC) ISRO के सहयोग से 10 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024 मनाने के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन किया। अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के कई प्रख्यात वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने कई विषयों पर बातचीत की और स्कूल और कॉलेज के छात्रों के साथ बातचीत की।

पाक इतिहास पर सम्मेलन

आईआईटी गांधीनगर ने 5-6 अक्टूबर, 2024 को 'पाक इतिहास और संस्कृति: दक्षिण एशिया से अंतर्रूप्ति' पर एक सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन ने इतिहासकारों और पुरातत्वविदों को एक क्षेत्र के विभिन्न पाक इतिहास और परंपराओं पर अपने विचार साझा करने की अनुमति दी, और यह पता लगाया कि भोजन पहचान, जाति, प्रवास और अन्य सामाजिक गतिशीलता के साथ कैसे प्रतिच्छेद करता है।

अपना खुद का स्टार्टअप बनाएं



आईआईटी गांधीनगर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेंटर ने 'बीबी जगदीश' के साथ अपना स्टार्टअप बनाएं' नामक पांच दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। 18-22 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व प्रसिद्ध उद्यमी और एंजेल निवेशक श्री बी वी जगदीश ने किया था। इच्छुक उद्यमियों, छात्रों और शुरुआती चरण के स्टार्टअप के लिए डिज़ाइन किया गया, कार्यशाला के छठे संस्करण ने उत्पाद विकास, बाजार फिट, बिक्री रणनीतियों, विपणन और धन उगाहने को कवर करते हुए उद्यमशीलता की यात्रा में आवश्यक अंतर्दृष्टि प्रदान की।

एक्सपोजर विजिट और क्यूरियोसिटी प्रदर्शनी

सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग (सीसीएल), आईआईटी गांधीनगर ने 19-20 दिसंबर, 2024 को 'एक्सपोजर विजिट' और 'क्यूरियोसिटी प्रदर्शनी' की मेजबानी की। इस कार्यक्रम ने पूरे गुजरात के 24 कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीबी) का स्वागत किया, जिसमें लगभग 200 प्रतिभाशाली छात्रों को एक साथ लाया गया, जिन्होंने गर्व से अपने अभिनव मॉडल और प्रस्तुतियों का प्रदर्शन किया।

आईआईटी गांधीनगर ने क्यूरियोसिटी कार्निवल और

सम्मेलन की मेजबानी की

सेंटर फॉर क्यूरियोसिटी, Art@आईआईटी गांधीनगर और सोशल एक्शन एंड पॉलिसी लैब के सहयोग से आईआईटी गांधीनगर की क्यूरियोसिटी लैब द्वारा आयोजित क्यूरियोसिटी सम्मेलन को स्कूल और विश्वविद्यालय दोनों के छात्रों में जिज्ञासा की भावना को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया था। इसने शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, कलाकारों, उद्यमियों, नीति-निर्माताओं और छात्रों के एक उदार मिश्रण को एक साथ लाया, और जिज्ञासा, कला, शिक्षा और इसी तरह के विषयों पर मुख्य वार्ता, विचारोत्तेजक पैनल चर्चा और पोस्टर प्रस्तुतियों को चित्रित किया। कार्निवल के हिस्से के रूप में, विभिन्न प्रकार की कला और खिलौनों का प्रदर्शन किया गया, जो शिक्षा के लिए नवीन दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

गणित सम्मेलन

आईआईटी गांधीनगर ने 19 से 22 जनवरी, 2025 तक एक व्यक्तिगत रूप से चार दिवसीय सम्मेलन-सह-कार्यशाला, गणित सम्मेलन की मेजबानी की, जिसमें विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम शामिल थे: प्रतिष्ठित विशेषज्ञों (प्रोफेसर मंजुल भार्गव, डॉ एमडी श्रीनिवास, प्रोफेसर एम एस श्रीराम, प्रो के रामसुब्रमण्यम, प्रो अमर्त्य के दत्ता सहित) द्वारा पूर्ण वार्ता, विभिन्न विद्वानों द्वारा प्रस्तुतियां, तीन नई पुस्तकों का विमोचन, विशाल विद्वान की याद में एक सत्र, स्वर्गीय प्रोफेसर आरसी गुप्ता, और अन्य गतिविधियों के बीच स्कूली छात्रों (मस्ती और खेल सहित) के साथ इंटरैक्टिव सत्र।

आईआईटी गांधीनगर ने PANIIT वर्ल्ड ऑफ टेक्नोलॉजी (PIWOT) 2025 के सैटेलाइट इवेंट की मेजबानी की

आईआईटी गांधीनगर ने परिसर में प्रतिष्ठित PanIIT वर्ल्ड ऑफ टेक्नोलॉजी (PIWOT) 2025 के उपग्रह कार्यक्रम की मेजबानी की। सभा ने 100 से अधिक प्रमुख उद्योगपतियों को एक साथ लाया, और भविष्य को आकार देने में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर नवाचार, सहयोग और आगे की सोच वाली चर्चाओं के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।



आईआईटी गांधीनगर ने बेसाल्ट में कार्बन कैप्चर एंड स्टोरेज (CCS) पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की मेजबानी की
 आईआईटी गांधीनगर ने अपने परिसर में 3-4 फरवरी, 2025 को बेसाल्ट में अंतर्राष्ट्रीय 'कार्बन कैप्चर एंड स्टोरेज (CCS) पर EAGE कार्यशाला' की मेजबानी की। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे (IITB), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, और तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ONGC) ने क्रमशः इस आयोजन के सह-मेजबान प्रायोजक, गोल्ड प्रायोजक और डोरी प्रायोजक के रूप में कार्य किया। कार्यशाला ने बेसाल्ट संरचनाओं में वाणिज्यिक उपस्तह कार्बन भंडारण के लिए अभिनव दृष्टिकोण पर चर्चा करने के लिए दुनिया भर के कई देशों के विभिन्न सरकारी एजेंसियों, उद्योग के नेताओं और शिक्षाविदों सहित 35 संगठनों के 70 प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों को एक मंच पर एकत्रित किया।

वैक्यूम दिवस

आईआईटी गांधीनगर ने Pfeiffer वैक्यूम के साथ साझेदारी में, 7 फरवरी, 2025 को 'वैक्यूम डे' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में वैक्यूम प्रौद्योगिकी के महत्व पर जोर दिया गया, जिसमें सैद्धांतिक व्याख्यान और व्यावहारिक प्रदर्शन शामिल थे। गुजरात के शैक्षणिक संस्थानों के सौ प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

कोलैब 2025

आईआईटी गांधीनगर ने 22 फरवरी, 2025 को अपने वार्षिक उद्योग ओपन हाउस कार्यक्रम CoLab के दूसरे संस्करण की मेजबानी की। उद्योग और शिक्षा के बीच स्थायी सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, इस आयोजन ने देश भर से 246 से अधिक उद्योग पेशेवरों को आकर्षित किया, जिससे ज्ञान विनिमय और नवाचार के लिए एक रोमांचक मंच तैयार हुआ।

विकलांग लोगों के सशक्तिकरण और प्रोस्थेटिक्स प्रौद्योगिकी कार्यशाला के लिए शिविर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर (आईआईटी गांधीनगर) ने मिंडा समूह की CSR शाखा, स्पार्क मिंडा फाउंडेशन के साथ साझेदारी में, 5-9 मार्च, 2025 तक प्रोस्थेटिक्स तकनीक पर एक व्यापक 'विकलांग लोगों के सशक्तिकरण के लिए शिविर' और एक कार्यशाला की मेजबानी की। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग, वॉकर, बैसाखी, हाथ की छड़ी, और विकलांगता प्रमाण पत्र के लिए सुलभ और सहायक सहायता प्रदान करके सशक्ति बनाना है। 8-9 मार्च, 2025 को आयोजित प्रोस्थेटिक्स टेक्नोलॉजी पर कार्यशाला ने भारत में प्रमुख शैक्षणिक और उद्योग विशेषज्ञों की अंतर्राष्ट्रिय के साथ प्रोस्थेटिक्स तकनीक में नवीनतम प्रगति की खोज की।

आईआईटी गांधीनगर ने स्ट्रोक पुनर्वास पर उन्नत कार्यशाला की मेजबानी की

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर (आईआईटी गांधीनगर) ने उल्स्टर विश्वविद्यालय के सहयोग से, 10-11 मार्च, 2025 को सुरेंद्र सी शेठ लर्निंग थिएटर में 'एडवांसेज इन न्यूरोरिहैबिलिटेशन एंड असिस्टिव टेक्नोलॉजीज वर्कशॉप ऑन ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस (BCI)-ड्रिवेन स्ट्रोक रिहैबिलिटेशन' की मेजबानी की। इस कार्यक्रम ने मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआई) प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, स्ट्रोक पुनर्वास में नवीनतम नवाचारों का पता लगाने के लिए न्यूरोलॉजिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, शोधकर्ताओं और उद्योग के पेशेवरों के एक विविध समूह को एक साथ। इसमें विचारोत्तेजक वार्ता और प्रायोगिक लाने का कार्य किया प्रदर्शनों की एक शृंखला भी शामिल थी, जिसका उद्देश्य न्यूरोरिहैबिलिटेशन तकनीकों को आगे बढ़ाना और स्ट्रोक बचे लोगों की देखभाल बढ़ाना था।

एआई-संचालित नवाचारों पर भारत-थाईलैंड कार्यशाला

आईआईटी गांधीनगर ने 24 से 28 मार्च, 2025 तक AI-संचालित नवाचारों (AIDI) पर इंडो-थाईलैंड कार्यशाला की मेजबानी की। इस पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्देश्य अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से बढ़ते क्षेत्र में ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना था और इसमें थाईलैंड के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया था।



कार्यशालाएँ

- 4 मई, 2024 को आईआईटी गांधीनगर में भौतिकी लैब द्वारा बेसिक इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और Arduino प्रोग्रामिंग कार्यशाला।
- आरओएस के साथ रोलिंग प्राप्त करें: 8-9 जून, 2024 को आईआईटी गांधीनगर रोबोटिक्स लैब द्वारा हैंड्स-ऑन लर्निंग वर्कशॉप।
- 14-16 मई, 2014 को मेकर भवन द्वारा तीन दिवसीय ऐपिड प्रोटोटाइप कार्यशाला।
- 3 मई, 11 को मेकर भवन द्वारा 2024 डी स्कैनिंग पर कार्यशाला।
- सामान्य सापेक्षता के परीक्षण पहलू- III- भौतिकी विभाग द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला 15-16 मई, 2024।
- सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग (CCL) द्वारा 21-24 मई, 2024 तक क्रिएटिव लर्निंग एंड एक्सपेरिमेंटल पेडागॉजी पर कार्यशाला।
- 4 मई, 2024 को भौतिकी विभाग द्वारा बेसिक इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और Arduino प्रोग्रामिंग पर कार्यशाला।
- क्राफ्टिंग कनेक्शन- 15 जून, 2024 को लीडरशिप डेवलपमेंट इनिशिएटिव (LDI) द्वारा खेलों के माध्यम से संचार।
- सीसीएल और लाइब्रेरी द्वारा ज्यामितीय डिजाइन की कला, 4 अगस्त, 2024।
- वैज्ञानिक और अकादमिक अनुसंधान कार्यशाला के लिए सीएएस स्किफाइंडर विनीत कुंटे, एससीआई इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा, अगस्त 30, 2024।
- उद्देश्य का विवरण (एसओपी) लेखन कार्यशाला लेखन स्टूडियो द्वारा, 13 सितंबर, 2024।
- स्कोपस और मेंडली के साथ उच्च गुणवत्ता वाली पत्रिकाओं में प्रकाशन के मार्गों को नेविगेट करना विनीता सरोहा द्वारा, 13 सितंबर, 2024।
- एपिस्टेम: TEDxIITGandhinagar द्वारा सहयोगात्मक कार्यशालाओं की एक शृंखला, 27 अक्टूबर, 2024।
- नैनोमटेरियल्स: हाल की प्रगति और भविष्य की संभावनाएं आईआईटी गांधीनगर और मियामी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय द्वारा, 10-11 दिसंबर, 2024।
- आईआईटी गांधीनगर द्वारा गणित शिक्षक अभिविन्यास शिविर (एमटीओसी) 2025 जनवरी 13-17, 2025
- आईआईटी गांधीनगर द्वारा ऊर्जा, संवेदन और शिक्षा कार्यशाला के लिए फोटोनिक्स जनवरी 6-17, 2025
- नर्मदा: आईआईटी गांधीनगर द्वारा 2-3 मार्च, 2025 को हितधारकों की बैठक
- आईआईटी गांधीनगर फ्लेवर फिजिक्स वीक: क्वार्क और

लेप्टन फ्रंटियर्स की खोज 3-9 मार्च, 2025 को

- ARPIT कार्यशाला और कार्ड जादू का गणित आईआईटी गांधीनगर द्वारा 14-16 मार्च, 2025 को
- 24 मार्च, 2025 को आईआईटी गांधीनगर द्वारा 5G संचार से परे के लिए प्रतिमानों पर कार्यशाला
- 24-28 मार्च, 2025 को आईआईटी गांधीनगर में सीएनसी मशीनों के साथ सीएडी/सीएएम एकीकरण पर कार्यशाला

पुस्तक विमोचन:

आईआईटी गांधीनगर ने 19 अक्टूबर, 2024 को प्रोफेसर श्रीनिवास रेड्डी द्वारा 'इल्यूमिनेटिंग वर्ल्ड्स: एन एंथोलॉजी ऑफ क्लासिकल इंडियन लिटरेचर' की पुस्तक विमोचन की मेजबानी की। पुस्तक एक संकलन है जो भारतीय साहित्यिक इतिहास के ढाई सहस्राब्दियों तक फैला है और इसमें वेद, महाभारत और संगम कविताओं जैसे महत्वपूर्ण ग्रंथों के अंश शामिल हैं।

विशिष्ट आगंतुक:

- डीएसटी के वैज्ञानिक-सी श्री शार्दूल राव ने 26 जून, 2024 को आविष्कार कारखाने के अतिथि मूल्यांकनकर्ता के रूप में परिसर का दौरा किया
- श्री अजय मेहता, उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया में फैले एक प्रतिष्ठित 55-वर्षीय प्रबंधन कैरियर के साथ, जिसमें ज़ेरॉक्स और हनीवेल में प्रमुख भूमिकाएँ शामिल हैं, ने 19 अप्रैल, 2024 को IIEC में स्टार्टअप्स के साथ एक खुली चर्चा की मांग की
- डीएसटी के वैज्ञानिक जी डॉ अनीता गुप्ता ने 24 जुलाई, 2024 को रिसर्च पार्क और आईआईटी का दौरा किया
- आईआईटी मद्रास के एक प्रमुख शिक्षाविद प्रोफेसर अशोक झुनझुनवाला को भारत में दूरसंचार, ऊर्जा और ईवी नवाचारों के लिए जाना जाता है। प्रोफेसर झुनझुनवाला ने अपने विचार साझा किए और बताया कि 22 अक्टूबर, 2024 को स्टार्टअप को भविष्य के विकास के लिए कैसे आगे बढ़ना चाहिए
- न्यू जर्सी की माननीय उपराज्यपाल सुश्री ताहेशा वे ने 13 दिसंबर, 2024 को परिसर का दौरा किया
- ग्रीष्म कॉटन लिमिटेड के अध्यक्ष श्री करण थापर ने 4 अक्टूबर, 2024 को भारत में एक उच्च श्रेणी के डिजाइन कार्यक्रम/स्कूल का समर्थन करने की संभावना तलाशने के लिए आईआईटी गांधीनगर का दौरा किया।
- श्री राजीव मिश्रा, प्रबंध निदेशक, अप्रवा एनर्जी ने 10 मार्च, 2025 को आईआईटी गांधीनगर का दौरा किया

आमंत्रित व्याख्यान:

- आज भारत में सामाजिक विज्ञान कितने उदाहर हैं? प्रोफेसर टंका बी सुब्बा, नृविज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर, एनईएचयू, शिलांग और पूर्व कलपति, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा गुलबेनकियन आयोग की रिपोर्ट, 1996 को याद करते हुए, 3 अप्रैल, 2024
- स्क्रिप्टलेस माइनर लैग्वेजेज के लिए रचनात्मक लेखन: पूर्वी अरुणाचल प्रदेश के अनुभव श्री सत्यनारायण मुंडपूर, या अंकल मूसा, संस्थापक, लोहित यूथ लाइब्रेरी नेटवर्क द्वारा, 12 अप्रैल, 2025
- कर्नेटिंग केमिस्ट्री प्रोफेसर हितेश पटेल द्वारा, गुजरात विश्वविद्यालय, 13 अप्रैल, 2024
- प्लास्टिक चिप इलेक्ट्रोड प्लेटफॉर्म की बहुक्रियाशील क्षमताओं की खोज डॉ दिवेश एन श्रीवास्तव, सीएसएसीआरआई, 13 अप्रैल, 2024
- प्रोफेसर आदित्य कर्नटिंग, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई गणितीय संस्थान, चेन्नई, 04 अप्रैल, 2024 द्वारा ईजेनकर्व की सीमा पर गैलोइस प्रतिनिधित्व, 04 अप्रैल, 2024
- डॉ. दसराधी पालकोडेटी, प्रधान अन्वेषक, DBT- inStem (इस्टीटट्यूट फॉर स्टेम सेल साइंस एंड रीजेनेटिव मैडिसिन), बैंगलोर, 10 अप्रैल, 2024 द्वारा प्लेनेरिया में प्लूरिपोटेंसी और पुनर्जनन को नियंत्रित करने वाले तंत्रों की एक झलक देखें।
- केमिकल इंजीनियरिंग में चुनौतियां और अवसर प्रोफेसर विलास गायकर, प्रोफेसर, आईसीटी मुंबई, 18 अप्रैल, 2024
- एवी मुख्योपाध्याय द्वारा ज़्येगर्स प्रमेय का एक नया प्रमाण, फ्लॉरिडा विश्वविद्यालय, 25 अप्रैल, 2024।
- अशोकन अध्ययन: प्रोफेसर सुमिता बसु मजूमदार द्वारा हालिया शोष, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, 27 अप्रैल, 2024
- डॉ वासु तिवारी, टोरंटो मिसिसांगा विश्वविद्यालय, सहायक प्रोफेसर (नॉन टेन्योर-ड्रैक), गणितीय और कम्प्यूटेशनल विज्ञान विभाग, 14 मई, 2024 द्वारा रीमिक्स यूलेरियन नंबर, 14 मई, 2024
- ताम्रपाणी गुजरात से पत्तर के औजारों का महत्व: डॉ. चारूसिता गाडेकर, अशोक फेलो, पुरातत्व अनुसंधान केंद्र, अशोक विश्वविद्यालय, हरियाणा, 25 मई, 2024 द्वारा हाल के परिप्रेक्ष्य, 25 मई, 2024
- डॉ नीर भारद्वाज, पेस्टडॉक्टरल फेलो, वीज़मैन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस द्वारा पूर्णक-मूल्यवान ओ-मिनिमल फँकर्शंस, 30 मई, 2024
- रमन रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और सामग्री विज्ञान के लिए एक आदर्श उपकरण by डॉ चंद्रभास नारायण, आरजीआईबी त्रिवेंद्रम, 9 जून, 2024
- आश्वितोष बेडेकर, एमएसयू, बड़ौदा द्वारा ऑटिकली प्योर द्रास-2-एरिलोक्सी साइक्लोहेक्सानोल्स का संश्लेषण और अनुप्रयोग, 9 जून, 2024
- कैस्केड प्रतिक्रियाओं के लिए एक विषम उत्प्रेरक के रूप में चार्ज-असिस्टेड हाइड्रोजन-बंधुआ प्रणाली जांय मित्रा, सीएसएसीआरआई, भावनगर, 9 जून, 2024 द्वारा
- न्यूक्लियोफिलिक सल्फर ने एस और एन बॉन्ड और उम्पोलुंग सीएन (एस) बॉन्ड फॉर्मेशन के संयोजन को सक्षम किया, डॉ गुरुराजा जीएन, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, 9 जून, 2024
- 9 जून, 2024 तक डॉ सुभादीप नियोगी, सीएसएसीआरआई, भावनगर द्वारा सतत उत्प्रेरण और सुरक्षा अनुप्रयोग के लिए क्रिस्टलीय
- हरित विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान के पथ को नेविगेट करना: अनुसंधान और उद्योग में विश्लेषण के लिए सतत क्रोमैटोग्राफिक तरीके डॉ हार्मिंदर भट्ट, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, 9 जून, 2024 द्वारा
- ट्यूमर थेरेपी में आकार-चयनात्मक नैनोटैटरियल्स के अनुप्रयोग डॉ पौलोमी सेनगुप्ता, इंद्रशील यनिवर्सिटी अहमदाबाद, 9 जून, 2024 द्वारा
- डॉ विष्यिस्मिता साहू द्वारा सुपरमॉलिक्यूर असेंटों से थेरेपी तक स्कॉरामाइड की जांच, एनआईपीईआर-अहमदाबाद, 9 जून, 2024
- डॉ अनु मन्हास, पीडीईयू, गांधीनगर, 9 जून, 2024 द्वारा मिथाइलनेटेड्राइड्रोफेलेट डिहाइड्रोजेनेज 2 (एमटीएचएफडी) एंजाइम के एलाईटरिक बाइंडिंग साइट को लक्षित करने वाले प्राकृतिक उत्पादों की पहचान करने के लिए संरचना-आधारित कम्प्यूटेशनल ट्रूस्टिकोण, 9 जून, 2024
- शिलालेखों की 'फुसफुसाहट': प्रारंभिक भारत के सामाजिक-आर्थिक प्रोफ़ाइल में व्यावसायिक समझों का पता लगाना (पहली शताब्दी सीई से 13वीं शताब्दी सीई) डॉ सुचन्द्र घोष, प्रोफेसर, हैदराबाद विश्वविद्यालय, तेलंगाना, 29 जून, 2024
- वन-कार्बन मेटाबॉलिज्म में 50 साल पुरानी पहलियों को हल करना: प्रोफेसर आनंद बच्छावत, प्रोफेसर, बायोलॉजिकल साइंसेज, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एज्युकेशन एंड रिसर्च, मोहाली, 4 जूलाई, 2024 की दो लघु कथाएं, 4 जूलाई, 2024
- जीवित कोशिकाओं में बायोमोलेक्यूल्स का तेजी से पता लगाने के लिए माइटोकान्ड्रियल लक्ष्यीकरण फ्लोरोसेंट जांच और प्रोफेसर एस वेलमार्थी, एनआईटी त्रिवी द्वारा इन-विवो अध्ययन, 15 जूलाई, 2024
- श्री श्रीधर हरिहरप्रत्न द्वारा अनुसंधान की एक ओडिसी, अन्ना विश्वविद्यालय, 26 जूलाई, 2024
- आइकोनोग्राफिकल स्टडीज - डॉ टी एस रविशंकर, पूर्व निदेशक (एपिग्राफी), भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा एक पुरालेखीय परिप्रेक्ष्य, 27 जूलाई, 2024
- कम्प्यूटेशनल गैस्ट्रोनॉमी: ए डेटा-ड्रिवेन साइंस ऑफ फूड प्रोफेसर गणेश बागलर, प्रोफेसर, इंफोसिस सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी विभाग, आईआईआईटी-दिल्ली, नई दिल्ली, 29 जूलाई, 2024
- सकारात्मकता परिरक्षकों को विकर्ण ब्लॉकों पर काम करने से मना किया गया है डॉ प्रतीक कुमार विश्वकर्मा, आईआईएससी बैंगलोर, Aug 6, 2024
- ब्राजील में जलवायु परिवर्तन, सख्त और कृषि उत्पादन प्रोफेसर स्टीवन हेलफैड, प्रोफेसर, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, रिवरसाइड, अगस्त 7, 2024 द्वारा
- ह्यूमन माइक्रोबायोम: एनएप्युचारों के लिए अवसरों का महासागर डॉ योगेश शौचे, मानद वैज्ञानिक, नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंस (एनसीसीएस), पुणे और प्रोफेसर, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, अगस्त 9, 2024 द्वारा
- सुपरकॉन्यूएंस, अंकगणितीय डेरिवेटिव, और जीटा मान प्रोफेसर दिनेश ठाकुर, प्रोफेसर, रोचेस्टर विश्वविद्यालय, अगस्त 12, 2024 द्वारा
- अतीत से गूँज़: स्वदेशी अभिलेखागर और कथाएँ प्रोफेसर राहीं सोरेन, सहायक प्रोफेसर, जादवपुर विश्वविद्यालय, अगस्त 20, 2024 द्वारा
- तेलंगाना के प्रारंभिक बौद्ध मठ स्थलों की एक पुरातात्विक प्रोफाइल by डॉ श्रीकांत गणवीर,
- सहायक प्रोफेसर, डेक्कन कॉलेज पीजी एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे, Aug 24, 2024
- समय-समय पर गुणक कार्यों और भाजक समस्या का कनवल्शन by डॉ प्रयमवद श्रीवास्तव, अगस्त 28, 2024
- औपनिवेशिक बंगाल में साम्राज्य और कुष्ठ रोग ये अपलाय दास, सहायक प्रोफेसर, रानी बिडला गर्ल्स कॉलेज, Aug 30, 2024
- हिल्टर्ट के नलस्टेलेसात्ज और कायर्टिंग मैट्रिसेस के ईजेनवैल्यू का उपयोग करके जटिल बहुपद समीकरणों को हल करना प्रोफेसर जुगल के वर्मा, विजिटिंग फैकल्टी, आईआईटी गांधीनगर, 2 सितंबर, 2024
- डॉ. शॉन प्रायर, अंग्रेजी के एसोसिएट प्रोफेसर, न्यू साउथ वेस विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, 5 सितंबर, 2025 द्वारा डब्ल्यूएस ग्राहम में डिक्शन एंड वर्क
- डॉ. गैरर जेरथ, सहायक प्रोफेसर, चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात जैव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सितंबर 6, 2024 द्वारा अनुकूलित जैव गतिविधियों के लिए स्टीरियोकैमिकल इंजीनियर ऐप्टाइड आर्किटेक्चर, 6 सितंबर, 2024
- उदारीकरण के बाद भारतीय कृषि प्रोफेसर आर रामकुमार, प्रोफेसर, विकास अध्ययन, टीआईएसएस मुंबई, सितंबर 9, 2024 द्वारा
- पारिवारिक मामले: राजनीति, जनता और उचित नाम By डॉ शेफाली झा, सहायक प्रोफेसर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, विद्यालय, श्रीए-आईआईसीटी गांधीनगर, 20 सितंबर, 2024
- नेपाल में युवा, गतिशीलता और राज्य पुनर्गठन द्वारा प्रोफेसर जीवन आर शर्मा, 11 सितंबर, 2025
- माइक्रोफैब्रिकेशन में एलपीसीटी तकनीक डॉ वेन चौ, सीईओ, ट्राईस्टार कॉर्पोरेशन द्वारा, 16 सितंबर, 2024
- सामान्यीकृत भाजक फँक्शन, लियोविल लैम्डा फँक्शन और ओमेगा बाउंड्स ऑन एर के उत्पाद के लिए वोरोनोइस योग सूची आईआईटी गांधीनगर में पोस्ट-डॉक्टोरल फेलो डॉ. शशांक चौरागे द्वारा, 12 सितंबर, 2024
- शोर में दफन कमज़ोर संकेतों की संवेदी धारणा के लिए तंत्रिका आधार प्रोफेसर राम रत्नम, प्रोफेसर, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, 19 सितंबर, 2024
- पेरियार की विरासत पर एक बात: वी गीता, नारीवादी इतिहासकार और कार्यकर्ता द्वारा उनके तर्कवादी और वैज्ञानिक विश्वदृष्टि का पुनरीक्षण, 19 सितंबर, 2024
- बैंक इंटेलिजेंस के वास्तविक प्रभाव डॉ विवेक शर्मा, विजिटिंग रिसर्चर, लैकेस्टर विश्वविद्यालय, 19 सितंबर, 2024
- पैकेजिंग सिस्टम डिजाइन इंटीग्रेटेड स्मार्ट मैन्यूफैक्चरिंग डॉ. गोकुल कुमार, सीनियर डायरेक्टर, सेमीकंडक्टर पैकेज डेवलपमेंट एंड इंजीनियरिंग, माइक्रोन टेक्नोलॉजी, सितंबर 20, 2024 द्वारा
- एंटीबॉडी-ड्रग-कंजुगेट (एडीसी) पर विशेष जोर देने के साथ बायोसिमिलर उत्पाद विकास by डॉ संजय बंद्योपाध्याय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, जाइडस रिसर्च सेंटर, 20 सितंबर, 2024
- प्रोफेसर इन्द्रनील विस्वास, वरिष्ठ प्रोफेसर, शिव नादर इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेस स्ट्रार झूठ बीजगणितीय कनेक्शन के लिए एक मानदंड, 23 सितंबर, 2024
- धार्मिक रूपांतरण और स्वदेशी पहचान: छोटानागपुर में उरावों का संदर्भ डॉ. जोसेफ मारियानस कुचूर एसजे, निदेशक, जैवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस, रांधी, 23

- सितंबर, 2024 द्वारा
 - आर्टिफिशियल जनरलाइज्ड इटेलिजेस (एजीआई) के उभरते युग को सक्षम करने में इटेलिजेट मेमोरी की भूमिका डॉ समीर मित्तल, कॉर्पोरेट उपाध्यक्ष, माइक्रोन टेक्नोलॉजी, 25 सितंबर, 2025 द्वारा
 - बोर्डमिंट में भारतीय: मिस के लाल सागर तट पर एक टॉलेमिक-रोमन एम्पेरियम प्रोफेसर स्टीवन साइड्बोथम द्वारा, इतिहास विभाग, डेलावेर विश्वविद्यालय, 28 सितंबर, 2024
 - लाल नदी पर पुस्तक चर्चा: डॉ सोमनाथ बटाब्याल, व्याख्याता, मीडिया इन डेवलपमेंट एंड इंटरनेशनल जर्नलिज्म, स्कूल ऑफ ओरिएटल एंड अफ्रीकन स्टडीज, (एसआईएस), लंदन, 24 अक्टूबर, 2024
 - व्हेदर एआई: आर्टिफिशियल या ऑपरेटेड इटेलिजेस प्रोफेसर रवींद्र डी गुडी, प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे द्वारा, 11 अक्टूबर, 2024
 - वैकल्पिक साइन मैट्सेस और प्लेन पार्टीशन by डॉ मंजिल सैकिया, सहायक प्रोफेसर, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, 16 अक्टूबर, 2024
 - ऊर्जा भंडारण के लिए वैन डेर वाल्स गैप इंजीनियरिंग के अवेदन डॉ विजयमोहन हन के पिल्लई, आईआईएसईआर तिरुपति द्वारा, 18 अक्टूबर, 2024
 - डिजाइन इंजिंग के माध्यम से प्रौद्योगिकी को बदलना केतन चतुर्मुख, पीएचडी स्कॉलर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद, Oct 21, 2024 द्वारा
 - अरुणव सिंहा, सह-निदेशक, अनुवाद केंद्र, अशोक विश्वविद्यालय, Oct 22, 2024 द्वारा संदीपन चट्टोपाध्याय का अंग्रेजी में अनुवाद
 - उच्च डिग्री बहुपदों के परिवार की स्थिरता पर प्रोफेसर शांता लैशराम, प्रोफेसर, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली, 24 अक्टूबर, 2024 द्वारा
 - इंटरफेशियल साइंस एंड इंजीनियरिंग: बेसिक्स, केमिस्ट्री एंड एप्लिकेशं by प्रोफेसर सुनील भागवत, निदेशक, आईआईएसईआर पुणे, 25 अक्टूबर, 2024
 - अरब सागर के खोल और क्षेत्र के पुरातत में उनका महत्व प्रोफेसर पाओलो बियागी, पूर्व में पूर्ण प्रोफेसर, सीए 'फोस्करी यूनिवर्सिटी' ऑफ वेनिस, इटली और स्कॉलर-इन-रिजिडेंस, आईआईटी गंगधरीनगर में, 26 अक्टूबर, 2024
 - फ्रेटोपायरिटल मर्टीपल-डिमांड नेटवर्क को समझना डॉ. सेहा शशिधर, सीनियर रिसर्च फेलो, अशोक विश्वविद्यालय, 30 अक्टूबर, 2024 द्वारा
 - वैज्ञानिक लेखन और विद्वतापूर्ण प्रकाशन में आर्टिफिशियल इटेलिजेस (एआई) का जिम्मेदार उपयोग डॉ परेश के माझी, वैज्ञानिक संपादक, एस्ट्रोवियर, 4 नवंबर, 2024
 - संगोष्ठी आधारित सिमुलेशन द्वारा सिमुलेशन और प्रक्रिया गणना समस्या समाधान का परिचय प्रोफेसर कन्नन मौदगल्या, प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे, 7 नवंबर, 2024
 - स्मार्ट ग्रिड में ऊर्जा भंडारण के रूप में इलेक्ट्रिक वाहन By डॉ शिवेन्सन बाला कृष्णन, एसोसिएट प्रोफेसर, उप निदेशक, एसआईटी टीचिंग एंड लर्निंग अकादमी, सिंगापुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, 7 नवंबर, 2024
 - आवश्यक अभी तक अपर्याप्त: 21वीं सदी के भारत में सामाजिक न्याय के लक्ष्य के लिए एक उपकरण के रूप में जाति जनगणना प्रोफेसर सतीश देशपांडे, समाजशास्त्र के पूर्व प्रोफेसर, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, 11 नवंबर, 2024
 - डॉ कौशिक राजशेखरा, सदस्य एनएई, फेलो आईईईई, फेलो एनएआई, फेलो एसएई, इंजीनियरिंग के प्रतिष्ठित प्रोफेसर, हास्टन विश्वविद्यालय, 14 नवंबर, 2024 द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए डीसी फास्ट चार्जिंग टेक्नोलॉजीज
 - प्रोफेसर अरिमा मिश्रा, प्रोफेसर और निदेशक, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, 1 जनवरी, 2025
 - हेके के कार्यात्मक समीकरण से जुड़ा सारांश सूत्र डॉ रजत गुप्ता, मैन विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा, जनवरी 03, 2025
 - अगली पीढ़ी के नैनोप्लाज्मोनिक बायोसेंसर का उपयोग करके नैदानिक कैसर निदान डॉ राजसा सरकार, प्रोफेसर, इंडियाना यूनिवर्सिटी इंडियाना पोर्टलैस, यूएसए, 9 जनवरी, 2025 द्वारा
 - प्रारंभिक ऐतिहासिक पश्चिमी भारत: प्रोफेसर प्रतापचंद्रन एस, एसोसिएट प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), एमएसयू बड़ीदा द्वारा हालिया शोध और अंतर्दृष्टि, 23 नवंबर, 2024
 - मेमोरी टेक्नोलॉजी का भविष्य by डॉ गुरुताज सिंह संधू, सीनियर फेलो और मास्टर आविष्कारक, माइक्रोन, Dec 3, 2024
 - डॉ अदिति हलदर, आईआईटी मंडी द्वारा जल इलेक्ट्रोलाइज़र के लिए इलेक्ट्रोकैटिलिस्ट के रूप में 2डी-स्टरिट उपलब्ध, Dec 6, 2024
 - ग्रीन हाइड्रोजेन: ड्राइविंग द ट्रांजिशन टू ए स्टेनेबल एनर्जी लैंडस्केप by डॉ रोहित श्रीवास्तव, पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय, 6 दिसंबर, 2024
 - व्यापक अनुसंधान और विकास परिस्थितिकी तंत्र विकास के लिए ग्रीन हाइड्रोजेन वैल्यू चेन प्रबंधन: आईआईटी जोधपुर की कहानी डॉ पराग देशपांडे, आईआईटी जोधपुर, 6 दिसंबर, 2024
 - उच्च दबाव वाले जहाजों में हाइड्रोजेन के भंडारण के लिए नई सामग्री और प्रक्रियाएं डॉ एम एस संतोष, सीएसआईआर सीईएफआर द्वारा, Dec 6, 2024
 - एसिड-बेस प्रक्रिया के माध्यम से हाइड्रोजेन ईंधन शोधन के साथ इलेक्ट्रिक पावर डिलीवरी को जोड़ा गया डॉ मुहम्मद मुस्तफा, आईआईएसईआर पुणे, 6 दिसंबर, 2024
 - एक स्थायी भविष्य के लिए हरित ऊर्जा रूपांतरण प्रणाली डिजाइन करना डॉ थरामणी सीएन, आईआईटी रोपड़ द्वारा, 8 दिसंबर, 2024
 - ऑक्सीजन इवोल्यूशन रिएक्शन को प्रभावित करने वाले कारक by डॉ सौनक रॉय, बिट्स पिलानी, 27 जनवरी, 2025
 - बायोमेडिकल अनप्रयोगों के लिए पॉलिमर सामग्री की सिलाई: यह सब रसायन विज्ञान में है प्रोफेसर अमिताव सान्याल, प्रोफेसर, बोगाजिसी विश्वविद्यालय, तुर्की, 31 जनवरी, 2025 द्वारा
 - एक पुरुष की महिला में मासिक धर्म वाली महिलाएं(I)d: औपनिवेशिक असम में प्रिंट, लिंग और महिला स्वास्थ्य by डॉ रक्तिमा भुयान, सहायक प्रोफेसर, तेजपुर विश्वविद्यालय, Feb 3, 2025
 - एजाई क्रांति में अमेरिकी नेतृत्व: जनरल अल्फा के लिए सबक डॉ माइकल हसीह, अनिवासी साथी, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा और सहयोग केंद्र, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, 5 फरवरी, 2025
 - वॉकिंग द टॉक: लोकाचार और एथोस फाउंडेशन की संस्थापक गीता बालकृष्ण द्वारा समग्र विकास पर जीमी से सीख, 10 फरवरी, 2025
 - हाइड्रोजेन उत्पादन के लिए एसएन-आधारित इलेक्ट्रोकैटिलिस्ट के गुणों को तैयार करना, डॉ कौशिक घोष, आईएनएसटी मोहाली, 10 फरवरी, 2025
 - आणविक गतिशीलता का तुलनात्मक विश्लेषण प्रोफेसर संघा पी तिवारी, स्वतंत्र एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोटीन अनुसंधान संस्थान, ओसाका विश्वविद्यालय, जापान, फरवरी 10, 2025 द्वारा एक डिमेरिक ल्यूकोट्रियन अल्फा -4 हाइड्रोजेन होमोलॉग के अप्रत्याशित व्यवहार को प्रकट करता है
 - प्रोफेसर (डॉ) सुजीत के बिस्वास, आजीवन वरिष्ठ सदस्य, आईईईई, डीन (अकादमिक) और प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, एसटीसीईटी कोलकाता द्वारा इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड इलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्टेशन, फरवरी 12, 2025
 - मॉडल सिमुलेशन का उपयोग करके हृदय रोगों का निदान प्रोफेसर आनंद मोहन, प्रोफेसर, आईआईटी हैदराबाद द्वारा, Feb 14, 2025
 - रिक्त स्थान और नीले हंसों को देखते हुए: स्मृति संचार दृश्य ध्यान की जांच डॉ रूही भानाप, पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ता, ज्यूरिख विश्वविद्यालय, 14 फरवरी, 2025
 - दोष-मुक्त, स्थिर कोलाइडल नैनोक्रिस्टल बनाने के लिए नैनोस्केल में इंजीनियरिंग: प्रो निमाई

- मिश्रा, इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी मुंबई, आईआर्सी ओडिशा कैपस, फरवरी 16, 2025 द्वारा एलईडी और फोटोकैटलिटिक अनुप्रयोगों के लिए**
- उच्चेग 5.0 के लिए फाइबर ऑप्टिक सेंसर सिस्टम प्रोफेसर के नेतृत्व में ग्राटन, सिटी यूनिवर्सिटी लंदन, यूके, फरवरी 16, 2025 द्वारा
 - प्रोफेसर गौतम सामंत, पीआरएल, अहमदाबाद, 16 फरवरी, 2025 द्वारा एकल फोटोन के हांग-ओ-मैडेल इंटरफोरेमेट्री का उपयोग करके क्वांटम सेंसिंग**
 - प्रोफेसर प्रमोद पिल्लई, रसायन विज्ञान विभाग, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान पुणे द्वारा सौर ऊर्जा उपयोग के लिए प्लास्मोनिक हीटर, Feb 16, 2025**
 - मशीन लर्निंग फॉर माइक्रोस्कोपी दा एनालिटिक्स: ट्रूवर्ड्स रियल-टाइम ऑप्टिकल कैरेक्टराइजेशन ऑफ सेमीकंडक्टर नैनोक्रिस्टल्स by डॉ अमित्रजीत मुखर्जी, केय लुवेन, फरवरी 16, 2025
 - सक्रियण ऊर्जा भविष्यवाणी के लिए मशीन लर्निंग का उपयोग करके मेटल हैलाइड पेरोक्लाइट सिंगल क्रिस्टल का स्वचालित ईआईएस विश्लेषण प्रोफेसर पंकज यादव, सौर ऊर्जा और भौतिक विभाग, पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय, 16 फरवरी, 2025 द्वारा
 - प्रोफेसर सर्वेंद्र नाथ गुप्ता, AMOPH डिवीजन, PRL, Feb 16, 2025 द्वारा एकल क्वांटम उत्सर्जक की सीमा पर प्लास्मोनिक गुहाओं में मजबूत युग्मन का अवलोकन करते हुए।**
 - प्रोफेसर मुकेश रंजन, पीआरएल, अहमदाबाद, Feb 16, 2025 द्वारा एसईआरएस आधारित संवेदन अनुप्रयोग के लिए घने प्लास्मोनिक नैनोपार्टिकल ऐरे**
 - गैलेटो इनोवेशन: स्ट्रोक थेरेपी के लिए उत्तर तकनीक-संचालित समाधान डॉ. चंदन झा द्वारा, Feb 16, 2025
 - दोष-मुक्त, स्थिर कोलाइडल नैनोक्रिस्टल बनाने के लिए नैनोस्केल में इंजीनियरिंग: प्रो निमाई मिश्रा, इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी मुंबई, आईआर्सी ओडिशा कैपस, फरवरी 16, 2025 द्वारा एलईडी और फोटोकैटलिटिक अनुप्रयोगों के लिए
 - मल्टीपॉइंट असेंबली लैंडस्केप और लिपिड-रेगुलेटेड काइटीटिक असेंबली इंटरमीडिएट्स ऑफ बी-वैरल चैपरोन प्रोफेसर आर महालक्ष्मी, प्रोफेसर, जैविक विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर भोपाल, 17 फरवरी, 2025 द्वारा
 - जल का समाजशास्त्र - जल शासन के विविध प्रतिमान प्रोफेसर फरहत नाज़, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी जोधपुर द्वारा, 17 फरवरी, 2025
 - लारिसा के लिए सड़क पर धूमना: विश्लेषणात्मक महामारी विज्ञान पर सवाल उठाना डॉ हिमांशु पारचा, सहायक प्रोफेसर, कर्णावती विश्वविद्यालय, 20 फरवरी, 2025 द्वारा
 - सामाजिक अनुमान के लिए एक संज्ञानात्मक मानचित्र? प्रोफेसर अपूर्व भंडारी, सहायक प्रोफेसर (अनुसंधान), ब्राउन विश्वविद्यालय, 21 फरवरी, 2025 द्वारा।
 - फार्मास्यूटिकल्स का अध्ययन करने के लिए ब्रॉडबैंड ढांकता हुआ स्पेक्ट्रोस्कोपी का अनुप्रयोग प्रोफेसर नतालिया, प्रोफेसर, लिली विश्वविद्यालय, फ्रांस, फरवरी 21, 2025 द्वारा
 - पुरातत्व के लिए सिरेमिक पेट्रोलॉजी: एक भूविज्ञानी का परिप्रेक्ष्य डॉ रवि कांत प्रसाद, सहायक प्रोफेसर, राष्ट्रकृति रामधारी सिंह दिनकर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (आरआरएसईसीई) बेगूसराय, बिहार, 22 फरवरी, 2025
 - प्रोफेसर संतोष सतभाई, सहायक प्रोफेसर, जैविक विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर मोहल्ली द्वारा पौधों में फी-डेफिसिएंसी सिग्नलिंग और रूट ग्रोथ के मॉड्यूलेशन में डैमेज-एसोसिएटेड मॉल्क्यूलर पैटर्न (डीएमपी) की भूमिका, 27 फरवरी, 2025**
 - सरल रोजमर्ग के उत्पाद: एक भारक मुखैटा के पीछे जटिल भौतिक रसायन विज्ञान डॉ शिव एम शिवरामकृष्णन, प्रमुख, आर एंड डी और ज्ञाइडस वेलनेस इंस्टीट्यूट द्वारा, 28 फरवरी, 2025
 - पितृसत्तात्मक राजनीतिक व्यवस्था: भारत में लिंग भागीदारी अंतर का निर्माण और खुलासा प्रोफेसर सोलेदाद प्रिलैनैन, सहायक प्रोफेसर, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, 28 फरवरी, 2025 द्वारा
 - आयरलैंड में वैश्विक प्रवासन, बहुसंस्कृतिवाद और सांस्कृतिक संबंध: एक 21 वीं सदी का सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य वादिएल राज संदर्भ, संस्थान, सांस्कृतिक संश्लेषण, आयरलैंड, मार्च 17, 2025 द्वारा
 - मैक्सोहन जैसी क्यू-सीरीज के सीमित व्यवहार और मॉड्यूलर पूर्णता डॉ बद्री पांडे, पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता, कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी, 19 मार्च, 2025 द्वारा
 - प्रशंसा की बहुभाषी दुनिया और अभिलेखागार डॉ लीना धनानी, सहायक प्रोफेसर, यूनी डेविस और फुलब्राइट नेहरू सीनियर स्कॉलर द्वारा, 19 मार्च, 2025
 - बेहद उलझे हुए राज्य: अप्राप्य संचार और विश्वसनीय कंप्यूटिंग का रहस्य प्रोफेसर सौरिन दास, प्रोफेसर, आईआईएसईआर कोलकाता द्वारा, 20 मार्च, 2025
 - डॉ सुमित राय, संकाय सदस्य, इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग, वाशिंगटन विश्वविद्यालय और विजिटिंग फैकल्टी, आईआईटी गांधीनगर द्वारा 6C के लिए कनेक्टेड वाहन नेटवर्क सेसिंग
 - फाउंडेशन मॉडल: नए मॉडलिंग प्रतिमान और जैविक डोमेन में उनके अनुप्रयोग डॉ सुमित मुखर्जी, वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक, आईबीएम अनुसंधान, भारत, 21 मार्च, 2025 द्वारा
 - क्या हमें आज उत्तर औपनिवेशिक आलोचना की पवाह करनी चाहिए? डॉ सौरित भट्टाचार्य, व्याख्याता, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, 24 मार्च, 2025 द्वारा
 - प्रोफेसर स्वानंद खरे, सहायक प्रोफेसर, आईआईटी खड़गपुर द्वारा कई अपरिवर्तीय बहुपद मैट्रिक्स के जीसीआरडी की गणना, 25 मार्च, 2025**
 - वर्ग का कोई वर्गमूल क्यों नहीं होता? प्रोफेसर राजाराम भट, प्रोफेसर, भारतीय संस्कृति संस्थान, बैंगलोर, 27 मार्च, 2025
 - प्रोफेसर एंड्यू बाउर, एसोसिएट प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और निदेशक, स्टैनफोर्ड पुरातत्व केंद्र, 29 मार्च, 2025 द्वारा वैश्विक और स्थानीय परिप्रेक्ष्य में दक्षिणी भारतीय जल प्रबंधन प्रणालियों का भूपुरातत्व, 29 मार्च, 2025**





प्रयोगशाला और सुविधाएं:

पुरातत्व विज्ञान प्रयोगशाला

पुरातत्व विज्ञान प्रयोगशाला में पुरातात्विक कलाकृतियों की जांच की सुविधा है। उपर्युक्त सुविधा केन्द्र में नमूना तैयार करने की इकाई के साथ एक सिरेमिक पेट्रोलॉजी प्रयोगशाला भी उपलब्ध है। पतली खंड तैयारी मशीन अर्थात्, डिस्कोप्लानटीएस (कटर और ग्राइंडर) और लैबोपोल -30 (पॉलिशर) एएससी में पूरी तरह कार्यात्मक हैं। तैयार पतले वर्गों/सूक्ष्म नमूनों का अध्ययन पेट्रोग्राफी लैब में ध्रुवीकरण माइक्रोस्कोप (लीका डीएम-4) और स्टीरियो-माइक्रोस्कोप का उपयोग करके किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, पुरातत्त्वीय अनुसंधान में केन्द्रीय उपकरण सुविधा (सीआईएफ) में उपलब्ध एक्सआरडी, एक्सआरएफ, एफटीआईआर और एसईएम जैसे उपकरणों से व्यापक सहायता ली जाती है। रासायनिक विश्लेषण सीआईएफ के तहत क्यू-आईसीपीएमएस और आईसीपी-ओईएस का उपयोग करके भी किया जा सकता है। एएससी अन्य विषयों के संकाय के साथ भी सहयोग करता है, और संबंधित उपकरण जैसे ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर), लेजर स्कैनर और धातुकर्म सूक्ष्मदर्शी का उपयोग विभिन्न पुरातात्विक अनुसंधानों में किया जाता है।

जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग

विभाग ने अपने अनुसंधान हेतु बुनियादी ढांचे को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, विशेष रूप से आणविक और कोशिका जीव विज्ञान, पादप आणविक जीव विज्ञान, बायोमैट्रियल्स, दवा वितरण और सेल कल्चर प्रौद्योगिकियों में। नए उपकरण और उन्नत सुविधाएं वैज्ञानिक उत्कृष्टता के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, उच्च प्रभाव वाले अनुसंधान और अंतर्विषय सहयोग का समर्थन करेंगी।

विभाग ने प्लांट मॉलिक्यूलर एंड डेवलपमेंटल सेल बायोलॉजी लैब (PGC/S4-L3, SR लैब इंस्ट्रूमेंट) के हिस्से के रूप में एक प्लांट ग्रोथ चैबर की खरीद की है। यह उन्नत पादप विकास कक्ष पादप आणविक जीव विज्ञान पर अनुसंधान का समर्थन करता है, जो अनुकूलित पौधों की वृद्धि और विकास अध्ययनों के लिए पर्यावरणीय परिस्थितियों पर सटीक नियंत्रण प्रदान करता है।

आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशाला (MoBiL) जैव रसायन, आणविक जीव विज्ञान और कोशिका जीव विज्ञान में अनुसंधान गतिविधियों की एक विस्तृत शृंखला का समर्थन करता है। यह

उन्नत इंस्ट्रूमेंटेशन से लैस है, जिसमें शेकर इनक्यूबेटर, लैमिना फ्लो हुड, सोनिकेटर्स, रेफ्रिजेरेटेड सेंट्रीफ्यूज, एक ग्रेडिएंट थर्मोसाइक्लर, जेल डॉक्यूमेंटेशन सिस्टम, वाटर प्यूरीफायर, अल्ट्रालो और लो-टेम्परेचर फ्रीजर और एक रियल-टाइम थर्मोसाइक्लर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, प्रयोगशाला में एक नैनो-ड्रॉप यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, स्पेक्ट्रोफ्लोरीमीटर, मल्टीमोड माइक्रोप्लेट रीडर और एक तेज प्रोटीन तरल क्रोमैटोग्राफी (एफपीएलसी) प्रणाली है, जो व्यापक विश्लेषण के लिए विभिन्न प्रकार के स्तंभों के साथ पूर्ण है।

सेल कल्वर सुविधाएं (सीसीएफ) में तीन पूरी तरह से सुसज्जित सेल कल्वर प्रयोगशालाएं शामिल हैं, जिनमें जैव सुरक्षा बैंक, सीओ 2 इनक्यूबेटर, सेंट्रीफ्यूज, एक स्वचालित सेल काउंटर, एक सोनिकेटर, तरल नाइट्रोजन क्रायोप्रेसर्वर्स, एक उल्टे एपिफ्लोरेसेस माइक्रोस्कोप, और अल्फास्क्रीन परख क्षमताओं के साथ एक मल्टीमोड माइक्रोप्लेट रीडर शामिल हैं।

मैक्रोमोलेक्यूलर और केमिकल क्रिस्टलोग्राफी प्रयोगशाला क्रिस्टल विकास के लिए विभिन्न प्रकार के तापमान नियंत्रित इनक्यूबेटरों और क्रिस्टलीय तैयारी की स्क्रीनिंग के लिए एक स्टीरियोमाइक्रोस्कोप होस्ट करती है।

पेप्टाइड इंजीनियरिंग और प्रोटिओमिक्स (पीईपीआर) सुविधा पेप्टाइड्स के संश्लेषण, लक्षण वर्णन और विश्लेषण के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से लैस है। इसमें धुआं हुड, मैनुअल पेप्टाइड संश्लेषण सेटअप, अर्ध-स्वचालित पेप्टाइड सिथेसाइजर, फ्रीज ड्रायर, विश्लेषणात्मक और

प्रारंभिक एचपीएलसी सिस्टम, माइक्रोप्लेट रीडर, सेंट्रीफ्यूज, अल्ट्रासेंट्रीफ्यूज, नैनोपार्टिकल ट्रैकिंग विश्लेषक, अल्ट्रा-माइक्रोबैलेंस और प्रशीतन इकाइयां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इस सुविधा में मैट्रिक्स-असिस्टेड लेजर डिसोर्जन आयनीकरण-फ्लाइट मास स्पेक्ट्रोमीटर (MALDI TOF/TOF MS) का समय है, जो व्यापक जन लक्षण वर्णन, अनुक्रमण, पोस्ट-ट्रांसलेशनल संशोधन (PTM) पहचान, तुलनात्मक प्रोटिओमिक्स और बहुलक विश्लेषण के लिए सॉफ्टवेयर के साथ पूरा होता है। एसोसिएटेड प्रोटिओमिक्स वर्कफ़्लो इंस्ट्रूमेंट्स, जिनमें वैक्यूम कॉन्सेन्ट्रेटर, 2D-जेल वैद्युतकणसंचलन सेटअप, सोनिकेटर और सेंट्रीफ्यूज शामिल हैं, भी उपलब्ध हैं।

आयन मोबिलिटी-आधारित उच्च-रिज़ॉल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमीटर के अधिग्रहण के माध्यम से डीएसटी-एफआईएसटी कार्यक्रम के समर्थन से सुविधा को और उन्नत किया जा रहा है, जिससे प्रोटिओमिक्स, मेटाबोलॉमिक्स और लिपिडोमिक्स अनुसंधान के लिए हमारी क्षमताओं में वृद्धि हुई है।

क्लॉक लैब- कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी लैब कंटेनरीकृत प्लेटफॉर्म के साथ 64 कोर, 512 जीबी रैम, एनवीडिया ए 100 80 जीबी जीपीयू और 20 टीबी डेटा टियर के साथ एक उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग रैक सर्वर होस्ट करता है। इसके अलावा 48 कोर, 128 जीबी रैम, एनवीडिया आरटीएक्स ए5000 जीओयू और 16टीबी डेटा टियर वाला हाई एंड वर्कस्टेशन है। लैब में सिमुलेशन और डेटा विश्लेषण पर काम करने के लिए छात्रों के लिए पांच जीपीयू वर्कस्टेशन और एक डेस्कटॉप सिस्टम भी है।

डेटा बैकअप और भंडारण के लिए, 60 टीबी की कुल क्षमता वाला एक एनएस स्थापित किया गया है।

मेडिकल अल्ट्रासाउंड इंजीनियरिंग (एमयूएसई) लैब ऊतक लक्षण वर्णन और लोच इमेजिंग, आणविक और इसके विपरीत बढ़ाया इमेजिंग, अल्ट्रासाउंड-मध्यस्थता चिकित्सा, ध्वनिक मेट्रोलॉजी और संवेदन, और इमेजिंग और थेरेपी के लिए ऊतक-नकल प्रेत में नवाचार के लिए समर्पित इंस्ट्रूमेंटेशन से लैस है। सुविधा में 1 से 35 मेगाहर्ट्ज तक के अल्ट्रासाउंड क्षेत्रों को उत्पन्न करने और संवेदन करने के लिए एक प्रोग्राम करने योग्य अनुसंधान अल्ट्रासाउंड इमेजिंग सिस्टम और उपकरण हैं, जिसमें अल्ट्रासाउंड बीम मैपिंग और अंशांकन प्रणाली, अल्ट्रासाउंड ट्रांसड्यूसर, हाइड्रोफोन, पल्सर-रिसीवर, मनमाना तरंग जनरेटर, डिजिटल और मिश्रित सिग्नल ॲसिलोस्कोप, और पावर एम्पलीफायर शामिल हैं।

स्टेम सेल और टिशू इंजीनियरिंग लैब मेसेनकाइमल स्टेम सेल, प्राथमिक सेल संस्कृतियों और ऊतकों की हैंडलिंग के लिए बीएसएल1+ सुविधाओं से लैस है। प्रयोगशाला में दो जैव सुरक्षा अलमारियाँ, सीओ 2 इनक्यूबेटर, और विविध प्रयोगात्मक स्थितियों का समर्थन करने के लिए एक हाइपोक्सियाक्सिक केस के साथ एक समर्पित सेल संस्कृति क्षेत्र है। नमूना तैयार करने का कमरा कुशल नमूना प्रसंस्करण और विश्लेषण के लिए एक पीसीआर प्रणाली, एक छोटा माइक्रोस्कोप और जेल वैद्युतकण्संचलन तंत्र से सुसज्जित है। इसके अतिरिक्त, प्रयोगशाला रासायनिक धुआं हुड और विभिन्न प्रकार के नैनोमैटेरियल्स के संश्लेषण और लक्षण वर्णन के लिए विशेष सुविधाओं से सुसज्जित है, जिसमें क्वांटम डॉट्स और जैविक स्रोतों से प्राप्त 2 डी और 3 डी नैनोमैटेरियल्स शामिल हैं, जो नैनो टेक्नोलॉजी और ऊतक इंजीनियरिंग में अत्याधुनिक अनुसंधान को सक्षम करते हैं।

प्लांट आणविक और विकासात्मक सेल बायोलॉजी प्रयोगशाला सफल परागण के लिए महत्वपूर्ण सेलुलर सिग्नलिंग घटनाओं को समझने पर केंद्रित है। प्रयोगशाला पीसीआर मशीनों, शेकर इनक्यूबेटरों, लामिना का प्रवाह हुड, वैद्युतकण्संचलन इकाइयों, यूवी transilluminators, सूक्ष्म और मिनी centrifuges, पीएच मीटर, गर्मी ब्लॉक, विच्छेदन सूक्ष्मदर्शी, एक epifluorescent माइक्रोस्कोप, और संयंत्र विकास कक्षों सहित उन्नत सुविधाओं की एक किस्म से सुसज्जित है, सभी संयंत्र आणविक जीव विज्ञान और विकास में अत्याधुनिक अनुसंधान का समर्थन करते हैं।

बायोमैटेरियल्स और ड्रग डिलीवरी लेबोरेटरी सामग्री के संश्लेषण, उपन्यास दवा वितरण प्लेटफार्मों के विकास, बायोमैटेरियल लक्षण वर्णन, और जीवाणुरोधी और स्तनधारी सेल संस्कृतियों पर शोध के लिए उन्नत उपकरणों से लैस है। प्रमुख उपकरणों में शेकर इनक्यूबेटर, लामिना का प्रवाह हुड, सीओ 2 इनक्यूबेटर, सेंट्रीफ्यूज, पीएच मीटर, हीट ब्लॉक, माइक्रोस्कोप

और अनुसंधान और प्रयोग की एक विस्तृत श्रृंखला का समर्थन करने के लिए अन्य आवश्यक उपकरण शामिल हैं।

डीएनए अनुक्रमण और विश्लेषण सुविधा ॲक्सफोर्ड नैनोपोर टेक्नोलॉजीज से एक मिनियन डीएनए अनुक्रमक से लैस है। यह उन्नत मंच लंबे समय तक पढ़े जाने वाले अनुक्रमों को उत्पन्न करने में सक्षम है, जो इसे व्यापक जीनोमिक और एपिजेनोमिक विश्लेषण के लिए आदर्श बनाता है।

केमिकल इंजीनियरिंग

केमिकल इंजीनियरिंग विभाग में अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, आधुनिक अनुसंधान सुविधाओं और बुनियादी ढांचों ले युक्त है। वर्षों से, विभाग ने अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में काम करना शुरू कर दिया है जिसमें कोर केमिकल इंजीनियरिंग समस्याओं के साथ-साथ अन्य उभरते क्षेत्र शामिल हैं जो केमिकल इंजीनियरिंग के सिद्धांत जैसे नैनो टेक्नोलॉजी, बायोकेमिकल इंजीनियरिंग, सॉफ्ट और एडवांस्ड मैटेरियल, कम्प्यूटेशनल केमिकल इंजीनियरिंग, फार्मास्युटिकल इंजीनियरिंग और पर्यावरण इंजीनियरिंग आदि का उपयोग करते हैं। विभाग स्रातक कार्यक्रम (बीटेक), और स्रातक कार्यक्रम (एमटेक और पीएचडी) प्रदान करता है। कई अनुसंधान गतिविधियों को विभिन्न सरकारी एजेंसियों जैसे एफआईएसटी ग्रांट, डीबीटी, डीएसटी, डीआरडीओ, सीईएफआईपीआरए (इंडो-फ्रेंच रिसर्च कोलेबोरेशन) आदि द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। विभाग उद्योग-शिक्षा जगत सहयोग के हिस्से के रूप में विभिन्न उद्योगों के साथ सक्रिय रूप से काम कर रहा है। स्रातक छात्रों के अलावा, विभिन्न शोध परियोजनाओं में काम करने वाले स्रातक छात्र भी इस शोध सुविधा का लाभ उठाते हैं।

नई सुविधाएं जोड़ी गई

- एफआईएसटी सुविधा का विकास:** “फंड फॉर इम्प्रूवमेंट ऑफ एस एंड टी इन्फ्रास्ट्रक्चर (एफआईएसटी) अनुदान” के हिस्से के रूप में, विभाग ने हाल ही में इस सुविधा के लिए दो उच्च अंत उपकरण खरीदे हैं: फूरियर ट्रांसफॉर्म इनफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (मेक: ब्रुकर, एटीआर और सहायक उपकरण के साथ एफटीआईआर) और जेल पारगम्य क्रोमैटोग्राफी (जीपीसी: आरआई, यूवी और ईएलएसडी डिटेक्टरों के साथ वार्टर्स 1500 श्रृंखला)। इन उपकरणों का उपयोग सामग्री के लक्षण वर्णन के लिए किया जाता है। यह सुविधा न केवल आईआईटी गांधीनगर अनुसंधान समुदाय के लिए बल्कि संस्थान के बाहर के शोधकर्ताओं के लिए भी खुली है।
- स्मार्ट सामग्री और ग्रीन उत्प्रेरक प्रयोगशाला सुविधा का विकास:** यह सुविधा पहले स्रातक प्रयोगशाला में काम कर रही थी। हालांकि, इसे हाल ही में एक नई शोध सुविधा के रूप में एबी 5/205 में एक नया स्थान मिला है। इस सुविधा को नए स्थापित अत्याधुनिक अनुसंधान उपकरणों और बुनियादी ढांचे के साथ उन्नत किया जा रहा है।

खरीदे गए प्रमुख उपकरण

केमिकल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला ने इस शैक्षणिक अवधि के दौरान नए शोध उपकरणों को बुनियादी ढांचे से जोड़ा है। इनमें से कुछ उपकरण पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं, कमीशन किए जा चुके हैं और अनुसंधान कार्यकलापों में योगदान दे रहे हैं, जबकि शेष की सुपुर्दगी शीघ्र ही की जानी है। स्थापित या आदेशित प्रमुख उपकरणों में से हैं:

1. मास स्पेक्ट्रोमीटर (मेक: फ़िफ़र वैक्यूम, मॉडल: ओमनीस्टार जीएसडी 350 ओ 2)
2. लियोफिलिज़र (मेक: लैबोजीन, मॉडल: कूलसेफ टच 110-4)
3. स्कैनस्पीड 40 (मेक: लैबोजीन)
4. जैविक सुरक्षा कैबिनेट कक्षा II प्रकार A2 (Make: IMSET)
5. थर्मो मैकेनिकल विश्लेषक (मेक: मेसर्स लिनसिस, मॉडल: टीएमए पीटी-1000): जल्द ही वितरित किया जाएगा
6. कॉन्फोकल रमन स्पेक्ट्रोमीटर (Make: M/s Renishaw, Model: Renishaw Reflex Spectrometer System): जल्द ही वितरित किया जाएगा

कोलाइडल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला: प्रयोगशाला नैनोपार्टिकल संश्लेषण, क्रिस्टलीकरण, दवा बहुरूपता, और दवा और जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए माइक्रोबबल इंजीनियरिंग में सक्रिय अनुसंधान में शामिल है। प्रयोगशाला में एक जांच सोनिकेटर (सोनिक्स वीसी 505), एक कण आकार विश्लेषक (बेकमैन कूल्टर एलएस 13320) 40 एनएम - 2 माइक्रोन और कण आकार देने वाले सिस्टम (पीएसएसएस) जीटा विश्लेषक (NICOMP380 जेडएलएस) की सीमा में कण आकार के माप के लिए नैनोकणों के जलीय निलंबन की जीटा क्षमता का आकलन करने के लिए, मार्टिन क्राइस्ट फ्रीज ड्रायर (अल्फा 1-4 एलडी प्लस और अल्फा 2-4 एलएससी, मार्टिन क्राइस्ट, जर्मनी) उच्च दबाव पोत (परिचालन की स्थिति: 200 बार, और 1000 C), कण आकार विश्लेषक (PSS NICOMP अभियोजक 780 AD), ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप (NIKON TS 100F), उच्च गति कैमरा (फोट्रॉन यूरोप, मॉडल: IIT गांधीनगर 67 FASTCAM मिनी), इन-सीटू रमन जांच (कैसर यूएसए, मॉडल: RXN-1 785), समाधान कैलोरीमीटर (पार यूएसए, मॉडल: 6755EE), पानी स्नान, ग्लास जैकेट रिएक्टर, स्वच्छ बैच कैबिनेट, कंप्यूटर वर्कस्टेशन, आदि।

शीतल पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी प्रयोगशाला: प्रयोगशाला प्रतिबल एवं तनाव-नियंत्रित घूर्णी रियोमीटर, प्रकाशिक सूक्ष्मदर्शी, कोलॉइडी लक्षण वर्णन के लिए उपकरणों में प्रायोगिक अनुसंधान करती है। प्रयोगशाला में उपकरण हैं; रियोमीटर, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, टेस्सियोमीटर, प्रशीतित और गर्म संचार स्नान (मॉडल: IC301-K3), डीएलएस और

जीटा संभावित माप उपकरण (ब्रुकहेवन), प्रशीतित टेबलटॉप अपकेंट्रिव, सर्वों स्टेबलाइज़र के साथ एक कंप्यूटर वर्कस्टेशन।

ड्राई प्रोसेस टेक्नोलॉजी (ड्राईप्रोटेक) प्रयोगशाला: प्रयोगशाला ठीक कणों और पाउडर सामग्री पर काम करती है। अत्याधुनिक ड्राईप्रोटेक लैब में कई परिष्कृत उपकरण हैं जैसे सतह ऊर्जा विश्लेषक (उल्टे गैस क्रोमेटोग्राफी), नेट्जश से एक साथ टीजीडीएससी, एफटी 4 पाउडर रियोमीटर (फ्रीमैन टेक्नोलॉजी), लैजर विवर्तन कण आकार विश्लेषक (सीआईएलएस) शुष्क और गीले मोड में लक्षण वर्णन के लिए। इसके अलावा, प्रयोगशाला वी-ब्लेंडर और शंकु-मिल (प्रिज्म फार्मा), इलेक्ट्रोस्टैटिक चार्ज माप सुविधा के साथ आर्द्रता-नियंत्रित दस्ताने बॉक्स और फैराडे कप, ग्रहों की गेंद मिलों, भट्टी कक्ष, ट्यूब भट्टियों, उत्प्रेरक पाउडर के प्रदर्शन का अध्ययन करने के लिए उत्प्रेरक रिएक्टर आदि से सुसज्जित है। लैब में एक स्किड-माउंटेड फैब्रिकेटेड CO₂ कैचर सेट अप भी शामिल है जो CO₂ शोषण अध्ययन के लिए कुछ ग्राम नमूनों को संभाल सकता है।

अग्नि अनुसंधान प्रयोगशाला: प्रयोगशाला विभिन्न नई सामग्रियों का उपयोग करके अग्नि शमन और प्रतिरोधी सामग्री के लिए नई तकनीक की खोज कर रही है। प्रयोगशाला में एक शंकु कैलोरीमीटर (एफएफटी, यूके; मॉडल: iCone मिनी), जिसे अग्नि परीक्षण में सबसे महत्वपूर्ण बैच-स्केल उपकरण माना जाता है। इस उपकरण को अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ 5660-1) द्वारा आपतित ऊष्मा प्रवाह के तहत सामग्री की ताप उत्सर्जन दर (एचआरआर) को मापने के लिए अपनाया गया है। नमूने को अधिकतम 100 kW/m² हीट फ्लक्स के संपर्क में लाया जा सकता है। यह उपकरण दहन गैसों का विश्लेषण करता है और परीक्षण नमूने से उत्पन्न धुएं को इसके प्रज्वलन और द्रव्यमान दर के समय के साथ मापता है। इस बैच-स्केल परीक्षण से एकत्र किए गए डेटा का उपयोग फायर मॉडलिंग, वास्तविक पैमाने पर आग व्यवहार की भविष्यवाणी, पास/फेल टेस्ट आदि के लिए किया जा सकता है।

पॉलिमर इंजीनियरिंग रिसर्च लैब (पर्ल): प्रयोगशाला स्व-दोलन रासायनिक प्रतिक्रियाओं, आकार मेमोरी पॉलिमर, स्मार्ट नरम सामग्री, बहुलक प्रसंस्करण, बहुलक जैल और कंपोजिट और पैटर्न गठन के क्षेत्रों में प्रयोगात्मक और कम्प्यूटेशनल दोनों कार्यों में शामिल है। प्रयोगशाला कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से लैस है जिसमें अत्याधुनिक वर्कस्टेशन और उच्च प्रदर्शन समूहों तक पहुंच शामिल है। प्रायोगिक सुविधाओं में फ्रीज-सुखाने, अपकेंट्रिव, प्रशीतित और गर्म परिसंचारी शीतलन स्नान (आईसी 301- के 3), स्नान सोनिकेटर, चुंबकीय उत्तेजक (तापमान सेंसर के साथ), वैक्यूम पंप, स्वच्छ बैच कैबिनेट आदि के लिए लियोफिलाइज़र (मार्टिन क्राइस्ट, अल्फा 2-4

एलएससी बेसिक) शामिल हैं। हम छर्झे या पाउडर के रूप में बहुलक सम्मिश्रण पॉलिमर के लिए एक बहुलक एक्सट्रूडर/मिक्सर की खरीद की प्रक्रिया में हैं, गर्म प्रेस मशीन और एक जेल पारगम्य क्रोमैटोग्राफी उपकरण।

कम्प्यूटेशनल तर्कसंगत डिजाइन प्रयोगशाला: प्रयोगशाला तर्कसंगत रूप से ठोस सामग्री को डिजाइन करने के लिए कम्प्यूटेशनल तरीकों को विकसित करने में शामिल है जो प्रक्रिया की स्थिति के लिए वांछित प्रतिक्रिया दिखाते हैं। प्रयोगशाला चार उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूटर वर्कस्टेशन से लैस है जिनका उपयोग आणविक और नैनो तराजू पर सिमुलेशन करने के लिए किया जाता है। वर्कस्टेशन आणविक गतिशीलता और जैविक और कृत्रिम प्रणालियों के मोटे कार्लों सिमुलेशन करने के लिए सॉफ्टवेयर से लैस है, और सिमुलेशन-परिणामों के दृश्य के लिए ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) से लैस हैं। वर्कस्टेशन का उपयोग उन्नत मोटे कार्लों सिमुलेशन करने के लिए उपयोग किए जाने वाले कंप्यूटर प्रोग्राम को विकसित करने और परीक्षण करने के लिए भी किया जाता है।

सीआरटीडीएच लैब: सीआरटीडीएच लैब रासायनिक प्रक्रिया और अपशिष्ट जल से संबंधित अनुसंधान के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं में से एक है। प्रयोगशाला परिष्कृत उपकरणों से लैस है जैसे कि आगमनात्मक युग्मित प्लाज्मा - मास स्पेक्ट्रोमेट्री (आईसीपी-एमएस), मौलिक विश्लेषण के लिए ऑप्टिकल उत्सर्जन स्पेक्ट्रोमेट्री (आईसीपी-ओईएस), कार्बन सामग्री के लिए कुल कार्बनिक कार्बन (टीओसी) विश्लेषक, माइक्रोबियल अध्ययन के लिए मल्टी-मोड प्लेट रीडर, उत्पादों और कच्चे माल के ऑप्टिकल गुणों का निर्धारण करने के लिए प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रोमीटर और यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, यौगिक पहचान के लिए उच्च प्रदर्शन पतली परत क्रोमैटोग्राफी (एचपीटीएलसी)। गैस विश्लेषण के लिए गैस क्रोमैटोग्राफी और पाउडर के रूप में ठोस प्रसंस्करण के लिए तरल के लिए स्प्रेड्रायर, त्वरित सीओडी और किण्वक, अपकेंद्रित मशीन आदि। इस सुविधा में जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी), रासायनिक ऑक्सीजन मांग (सीओडी), कुल बाध्य नाइट्रोजन (टीएनबी) और कुल घुलनशील ठोस (टीडीएस) जैसी जल गुणवत्ता परीक्षण सुविधाएं भी हैं।

पायलट प्लांट सुविधाएं: अनुशासन में एक पायलट प्लांट सुविधा भी है जो प्रक्रिया स्केल-अप के लिए कई सेट-अप से सुसज्जित है। सुविधा में उपलब्ध कुछ उपकरण हैं 20 एल आसवन कॉलम (ग्लास), उच्च दबाव रिएक्टर, धूर्णन डिस्क निष्कर्षण कॉलम (ग्लास), 1100 एल एसएस रिएक्टर (टेफ्लॉन लेपिट) आंदोलनकारी के साथ, हीटिंग और कूलिंग व्यवस्था के साथ 50 एल जैकेट रिएक्टर, एसएस 316 बास्केट सेंट्रीफ्यूज, स्प्रेड्रायर, एनएल डीएक्स्यू, 30 एल टेफ्लॉन लेपिट दो चरण एसएस रिएक्टर, 1000 एल स्किड माउंटेड एसटीपी प्लांट,

झिल्ली आसवन और आगे परासरण (एफओ) के लिए स्किड, 1 केएल एमबीआर प्लांट, रिवर्स ऑस्मोसिस सेट अप (~ 10 एलएम प्रवाह दर) टीडीएस कमी के लिए, 5 एल अनुक्रमिक निरंतर हलचल टैंक रिएक्टर, 1000 एल एचडीपीई टैंक, 150 एल ग्लास लाइन रिएक्टर, 22 एल फोटोबायोरिएक्टर। उद्योग भागीदारों के लिए सुविधाएं भी खुली हैं।

स्मार्ट सामग्री प्रयोगशाला: स्मार्ट सामग्री प्रयोगशाला (एसएमएल) बहु-विषयक परियोजनाओं के लिए उन्नत समाधान प्रदान करने के लिए केमिकल इंजीनियरिंग, पदार्थ विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार से प्रौद्योगिकियों के एकीकरण की खोज कर रही है। एसएमएल अलग-अलग परिस्थितियों में पदार्थ के व्यवहार के पीछे मौलिक विज्ञान की व्यापक समझ हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। पदार्थों के अद्वितीय गुणों का लाभ उठाकर, एसएमएल पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स, बायोसेंसर, नियंत्रित खेती और माइक्रोफ्लूइडिक डिवाइस फैब्रिकेशन प्रौद्योगिकियों जैसे संवेदन अनुप्रयोगों के लिए अभिनव उपकरण बनाने का प्रयास कर रहा है।

ग्रीन कैटैलिसीस (जीसी) प्रयोगशाला: जीसी प्रयोगशाला गतिज अध्ययन के साथ-साथ सीटू स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों द्वारा निर्देशित उत्प्रेरक डिजाइन पर केंद्रित है। हम “हरे” उत्प्रेरक विकसित करना चाहते हैं जो मूल्य वर्धित रसायनों और ईंधन के उत्पादन के लिए पर्यावरणीय रूप से सौम्य अभिकारक का उपयोग करते हैं। विभिन्न बैच और निरंतर रिएक्टरों का उपयोग करके विभिन्न विषम प्रतिक्रियाओं की एक विस्तृत यंत्रवत समझ विकसित की जाती है। इसके अलावा, हम नैनोपार्टिकल संश्लेषण, लक्षण वर्णन और गतिज अध्ययन के लिए उपकरणों से लैस हैं। वर्तमान में, हम टाइम-ऑन-स्ट्रीम दर डेटा एकत्र करने के लिए मास स्पेक्ट्रोमीटर से जुड़े प्रवाह रिएक्टर के साथ एक सुविधा स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं।

रसायन विज्ञान

रसायन विज्ञान प्रयोगशाला विभाग में स्रातक और स्रातकोत्तर छात्रों के विभिन्न शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। इलेक्ट्रॉन से लैस धूआं हुड गीले रासायनिक सिथेटिक काम के एक बड़े खंड को पूरा करते हैं। संस्थान में परिष्कृत उपकरणों में 500 मेगाहर्ट्ज एनएमआर, स्नैप्ट जी 2 एस ईएसआई-क्यू-टीओएफ मास स्पेक्ट्रोमीटर, स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसईएम), सिंगल-क्रिस्टल एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर (एससीएक्सआरडी), फ्लो साइटोमीटर, मल्टीप्लेट रीडर, होमोजेनाइजर और मल्टी-एंगल डायनेमिक लाइट स्कैटरिंग (एमएडीएलएस) शामिल हैं। अन्य शोध उपकरणों में एक चक्रीय वोल्टामीटर, परिपत्र डाइक्रोइज्म स्पेक्ट्रोमीटर, फ्लोरोलॉग -3 स्पेक्ट्रोफ्लोरोमीटर, बीईटी सतह क्षेत्र विश्लेषक, इजोटेर्मल अनुमापन कैलोरीमीटर, फास्ट

प्रोटीन तरल क्रोमैटोग्राफी, गैस क्रोमैटोग्राफी, एफटीआईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, निकटआईआर यूवी-विज़ एवं स्पेक्ट्रोमीटर, और यूवी-विज़ उपकरण (प्रतिबिंब और तापमान सहायक उपकरण के साथ), साथ ही विश्लेषणात्मक और प्रारंभिक एचपीएलसी शामिल हैं। इन उपकरणों का उपयोग शिक्षण और अनुसंधान दोनों के लिए किया जाता है। विभाग में एक अत्याधुनिक ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी सेटअप भी है जो एकल अणुओं और नैनोकणों को कॉफ्कोकल और वाइड-फील्ड डिटेक्शन में इमेजिंग करने में सक्षम है। इन उपकरणों ने रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, सामग्री विज्ञान और नैनोफोटोनिक्स को कवर करने वाले अंतःविषय क्षेत्रों में विभाग की क्षमताओं में काफी वृद्धि की है। विभाग चालू वित्त वर्ष में एक दस्ताना बॉक्स और एक सीएचएन विश्लेषक खरीदने और शिक्षण और अनुसंधान आवश्यकताओं के लिए अन्य विश्लेषणात्मक उपकरणों के साथ बुनियादी ढांचे को विकसित करने की योजना बना रहा है। विभाग ने अतिरिक्त 500 वर्ग फुट के साथ छात्रों और शोधकर्ताओं की बढ़ती संख्या को समायोजित करने के लिए भौतिक प्रयोगशाला स्थान का भी विस्तार किया है।

सिविल अभियांत्रिकी

सिविल अभियांत्रिकी अनुशासन ने संरचनात्मक इंजीनियरिंग, भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, जल संसाधन इंजीनियरिंग और सर्वेक्षण / जीआईएस के क्षेत्रों में प्रयोगशालाएं विकसित की हैं।

संरचनात्मक इंजीनियरी प्रयोगशाला संरचनात्मक इंजीनियरी प्रयोगशाला में स्रातक विद्यार्थियों के लिए निम्नलिखित सामग्री परीक्षण सुविधाएं हैं मानक स्थिरता, सीमेंट पेस्ट का प्रारंभिक/अंतिम सेटिंग समय; सीमेंट की सुदृढता; रेत का बल्किंग; कंक्रीट की कार्यशीलता के लिए स्लंप परीक्षण; संघनन कारक परीक्षण; वी बी कंसिस्टोमीटर परीक्षण; सीमेंट का विशिष्ट गुरुत्व; सीमेंट की महीनता; उत्कृष्टता मापांक, विशिष्ट गुरुत्व, ठीक/मोटे समुच्चय का थोक घनत्व; बढ़ाव और परतदारपन सूचकांक मोटे समुच्चय की; कुल प्रभाव मूल्य; कुल घर्षण मूल्य (लॉस एंजिल्स परीक्षण); सीमेंट क्यूब और मोर्टार क्यूब की संपीड़न शक्ति 73; कंक्रीट क्यूब की संपीड़न शक्ति (नाममात्र मिश्रण के अनुसार); कंक्रीट क्यूब की संपीड़न शक्ति (मिश्रण डिजाइन के अनुसार); अल्ट्रासोनिक पल्स वेग परीक्षण द्वारा कंक्रीट की संपीड़न शक्ति; कंक्रीट में वायु सामग्री की खोज; ठोस प्रवेश प्रतिरोध; बिटुमेन की प्रवेश गहराई; बिटुमेन का फ्लैश और फायर प्वाइंट; टार की चिपचिपाहट; ईट का पुष्पक्रम; लकड़ी का जल अवशेषण; पेंट की चिपचिपाहट; पेंट की सुंदरता। प्रयोगशाला में उन्नत कंडीशनिंग और परीक्षण उपकरण भी हैं जैसे कि 300 टन संपीड़न परीक्षण मशीन, आटोक्लेव, मध्यम आकार की भट्टी, भाप कक्ष, कंक्रीट स्क्रू पंप और संरचनात्मक विश्लेषण के लिए कुशल कंक्रीट स्कैनर डिवाइस और ऑब्जेक्ट

स्थानीयकरण के लिए अधिकतम पहचान गहराई के साथ कई परतों में एम्बेडेड वस्तुओं का पता लगाने के लिए: 300 मिमी।

भू-तकनीकी इंजीनियरिंग प्रयोगशाला: भू-तकनीकी इंजीनियरिंग प्रयोगशाला बुनियादी मिट्टी परीक्षण के साथ उच्च अंत अनुसंधान उपकरणों से लैस है। मृदा गतिशीलता प्रयोगशाला बड़े (भूकंप) और छोटे तनाव (थरथानेवाला) परीक्षण से सुसज्जित है। बड़े तनाव गतिशील लोडिंग: चक्रीय त्रिअक्षीय परीक्षण सेटअप (0.01 - 2 हर्ट्ज, तनाव नियंत्रित); इलेक्ट्रो-मैकेनिकल डायनेमिक त्रिअक्षीय परीक्षण सेटअप (0.01 - 10 हर्ट्ज, तनाव और तनाव नियंत्रित, K0, तनाव-पथ, उपयोगकर्ता परिभाषित तरंग, 10000 चक्र चलने की क्षमता), चक्रीय सरल कतरनी सेटअप (0.001 - 5 हर्ट्ज, तनाव और तनाव नियंत्रित) द्रवीकरण, कतरनी मापांक और 10,000 लोडिंग चक्रों तक मिट्टी के भिगोना अनुपात का मूल्यांकन करने के लिए। छोटे तनाव गतिशील लोडिंग: K0, तनाव पथ, आइसोट्रोपिक, UU, CU, CD संपीड़न और विस्तार लोडिंग स्थितियों के तहत कतरनी मापांक निर्धारित करने के लिए बेंडर तत्व प्रणाली। अपरूपण शक्ति सुविधा में संसक्त मिट्टी के लिए प्रत्यक्ष अपरूपण सेटअप, एकजुट मिट्टी के लिए असीमित संपीड़न (यूसी) परीक्षण, नरम मिट्टी के लिए फलक कतरनी परीक्षण, और डीएक्यू के साथ त्रिअक्षीय सेटअप और सभी मिट्टी के प्रकारों के लिए विश्लेषण सॉफ्टवेयर शामिल हैं। ताकना दबाव और मात्रा परिवर्तन माप सुविधाएं संपीड़न/विस्तार लोडिंग (यूयू, सीयू, सीडी परीक्षण), के 0 समेकन और तनाव पथ परीक्षण के लिए उपलब्ध हैं। विभिन्न प्रकार के जियोसिंथेटिक्स मिट्टी प्रणाली के इंटरफेस व्यवहार का अध्ययन करने के लिए बड़े प्रत्यक्ष कतरनी सेटअप भी उपलब्ध हैं। ओस बिंदु पोटेंशियोमीटर महीन दाने वाली मिट्टी के कुल चूषण (0 - 300 एमपीए), मोटे अनाज वाली मिट्टी के लिए पारंपरिक टेन्सियोमीटर और सभी प्रकार की मिट्टी के मैट्रिक्च चूषण के लिए फिल्टर पेपर सेटअप निर्धारित करने के लिए उपलब्ध हैं। सुविधा में ठीक और मोटे अनाज वाली मिट्टी की पारगम्यता के लिए गिरने और निरंतर सिर उपकरण, चार 3-गिरोह ओडोमीटर (1 डी समेकन) सेटअप, प्रॉक्टर सेटअप, सबग्रेड मिट्टी की ताकत के लिए सीबीआर, छलनी शेकर, हाइड्रोमीटर, एटरबर्ग सीमा (एलएल, पीएल, एसएल), प्रफुल्लित दबाव, विशिष्ट गुरुत्वार्कषण, सापेक्ष घनत्व, कोर कटर, रेत प्रतिस्थापन, कार्बनिक पदार्थ मूल्यांकन के लिए मफल भट्टी (9000C) शामिल हैं, ऑप्टिकल और डिजिटल एलसीडी माइक्रोस्कोप। क्षेत्र परीक्षण प्रयोगशाला में मोटराइज्ड एंकरिंग सिस्टम के साथ 300 केएन क्षमता का प्लेट लोड टेस्ट, स्टैंडर्ड पेनेट्रेशन टेस्ट (एसपीटी), ऑटोमैटिक फ्रीफॉल हैमरिंग सिस्टम के साथ डायनेमिक कोन पेनेट्रेशन टेस्ट (डीसीपीटी), आईईएलडी संघनन के लिए वाइब्रेटरी प्लेट कॉम्पेक्टर, फील्ड पारगम्यता सेटअप, मोनोस्टैटिक और बाइस्टैटिक ऑपरेशंस के साथ ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) है, जिसमें आवृत्तियों

के एंटीना के साथ सुविधा है। (ख) सरकार ने द्विस्यैतिक प्रचालन के साथ 400 मेगाहर्ट्ज और मोनोस्टैटिक प्रचालन के साथ 200 मेगाहर्ट्ज और 900 मेगाहर्ट्ज जिसमें 20-80 बहु आवृत्ति एंटीना, भूकंपीय अपवर्तन/परावर्तन सर्वेक्षण और डाउनहोल/क्रॉसहोल परीक्षणों के प्रावधान के साथ सतही तरंगों (एमएसडब्ल्यू) सेटअप का मल्टीचैनल विश्लेषण शामिल है। प्रयोगशाला में निम्नलिखित उपकरण विकसित किए गए थे: मिट्टी के सच्चे-त्रिअक्षीय और विमान तनाव परीक्षण करने में सक्षम रीयलटाइम फीडबैक नियंत्रण प्रणाली के साथ लचीली सीमा प्रणाली के साथ बहुअक्षीय घनाकार उपकरण, तनाव की निरंतर दर (सीआरएस) समेकन सेटअप, ठीक दाने वाली मिट्टी के रीमोल्ड किए गए नमूनों को तैयार करने के लिए घोल समेकन सेटअप।

जल संसाधन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला: जल संसाधन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला में शिक्षण उद्देश्यों के लिए निम्नलिखित उपकरण हैं: एक हाइड्रोलिक बैंच, पिटोट ट्र्यूब, रेनॉल्ड का उपकरण, तेज-क्रेस्टेड वियर (पायदान), बनीली का उपकरण, वेंचुरीमीटर और छिद्रमापी, नोजल मीटर, हाइड्रोलिक झुकाव फ्लूम, बुनियादी जल विज्ञान उपकरण, मुक्त और मजबूर भंवर एफ कम उपकरण। उपर्युक्त के अलावा, लेवी ब्रीच सुविधा वाली एक नदी ट्रे, एक स्वचालित हाइड्रोलिक टिल्टिंग फ्लूम और यात्रियों का अध्ययन करने के लिए एक पाइपिंग प्रणाली का उपयोग अनुसंधान उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। एक 3 डी वेग माप उपकरण, ध्वनिक डॉपलर वेलोसिमीटर, फ्लूम प्रयोगों में उपयोग किया जाता है।

सर्वेक्षण और जीआईएस प्रयोगशाला: सर्वेक्षण और जीआईएस प्रयोगशाला को विभिन्न उच्च अंत सर्वेक्षण उपकरण और जीआईएस सॉफ्टवेयर की खरीद के साथ विकसित किया गया है। सर्वेक्षण उपकरण में उन्नत एकीकृत सर्वेक्षण किट शामिल है जिसमें कीनेमेटिक जीपीएस, रोबोटिक कुल स्टेशन और संबंधित क्षेत्र और कार्यालय सॉफ्टवेयर शामिल हैं। यह जीपीएस और कुल स्टेशनों के लिए एक सामान्य फाइल और यूजर इंटरफ़ेस प्रदान करता है जो एक दूसरे के पूरक है। एकीकृत सर्वेक्षण एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहां जीपीएस तकनीक व्यापक ट्रैवर्सिंग की आवश्यकता के बिना कुल स्टेशन सर्वेक्षण का विस्तार कर सकती है। इसके अलावा कई कुल स्टेशन, ऑटो स्तर, डिजिटल स्तर और हैंडहेल्ड जीपीएस भी खरीदे जाते हैं, जिनका उपयोग उन्नत एकीकृत सर्वेक्षण किट के अलावा किया जाएगा। शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में जीआईएस विश्लेषण करने के लिए बहुउपयोगकर्ता आर्कजीआईएस इन्फो किट की खरीद की जाती है। आर्कजीआईएस पैकेज उपग्रह डेटा को संभालने के लिए पहले से मौजूद इमेज प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर को जोड़ देगा।

संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान

संज्ञानात्मक विज्ञान प्रयोगशाला में उपलब्ध अनुसंधान सुविधाएं अत्याधुनिक हैं और क्षेत्रों की एक विस्तृत शृंखला को कवर करती हैं। सुविधाएं अंतःविषय अनुसंधान और सहयोग के लिए एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती हैं। ये सुविधाएं संस्थान को अनुसंधान और नवाचार का केंद्र बनने में मदद करेंगी, जहां छात्र और संकाय दुनिया की कुछ सबसे अधिक दबाव वाली समस्याओं को हल करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। Tobii TX 300 आई-ट्रैकिंग सुविधा आंखों की गतिविधियों को ट्रैक करने, saccades, निर्धारण अवधि, पुतली के आकार और ब्लिंक को मापने के लिए सबसे उन्नत सुविधाओं में से एक है। यह टोबी ट्रूलबॉक्स से भी लैस है जो MATLAB का उपयोग करके डेटा संग्रह का समर्थन करता है।

128-चैनल जियोडेसिक सेंसर नेट और एकीकृत ई-प्राइम और MATLAB क्षमताओं के साथ उच्च घनत्व ईईजी प्रणाली शामिल हैं। उपलब्ध सबसे परिष्कृत ईईजी प्रणालियों में से एक है। मस्तिष्क उत्तेजना सुविधा में एक ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना (टीएमएस) प्रणाली और एक न्यूरोनेविगेशन प्रणाली शामिल है, जो उत्तेजना के मस्तिष्क क्षेत्रों को स्थानीय बनाने के लिए एकल या दोहराव वाले चुंबकीय दालों का सटीक लक्ष्यीकरण प्रदान करती है। Transcranial प्रत्यक्ष वर्तमान उत्तेजना (tDCS) भी मस्तिष्क के गैर इनवेसिव उत्तेजना के लिए प्रयोग किया जाता है।

मस्तिष्क उत्तेजना सुविधा में एक ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना (टीएमएस) प्रणाली और एक न्यूरोनेविगेशन प्रणाली शामिल है, जो उत्तेजना के मस्तिष्क क्षेत्रों को स्थानीय बनाने के लिए एकल या दोहराव वाले चुंबकीय दालों का सटीक लक्ष्यीकरण प्रदान करती है। Transcranial प्रत्यक्ष वर्तमान उत्तेजना (tDCS) भी मस्तिष्क के गैर इनवेसिव उत्तेजना के लिए प्रयोग किया जाता है।

रोबोटिक सिस्टम, डिजिटाइजिंग टैबलेट और मोशन कैप्चर सिस्टम हाथ और हाथ की गतिविधियों का विश्लेषण करने के लिए उत्कृष्ट उपकरण हैं। रोबोट प्रणाली अंतर-बांह प्रदर्शन की तुलना के लिए दोनों रोबोटों के एक साथ नियंत्रण की अनुमति देती है, जिससे यह द्विवार्षिक समन्वय का अध्ययन करने के लिए एक आदर्श उपकरण बन जाता है। डिजिटाइजिंग टैबलेट एंडपॉइंट आर्म मूवमेंट रिकॉर्ड करता है, और मोशन कैप्चर सिस्टम एक वर्चुअल रियलिटी वातावरण प्रदान करता है और विभिन्न कार्य स्थितियों के तहत आर्म मोशन डेटा की रिकॉर्डिंग की अनुमति देता है।

व्यवहार क्यूबिकल्स निर्णय लेने, ध्यान, एजेंसी और अन्य संज्ञानात्मक कार्यों पर प्रयोग करने के लिए एक ध्वनि-क्षीण वातावरण प्रदान करते हैं। साइकोफिजियोलॉजी लैब एक

वायरलेस फिजियोलॉजी-आधारित डेटा अधिग्रहण प्रणाली से लैस है जो ईसीजी, ईएमजी और ईडीए जैसे शारीरिक संकेतों के वास्तविक समय डेटा अधिग्रहण की सुविधा प्रदान करता है।

मल्टीसेंसरी लैब में एक ड्राइविंग सिम्युलेटर है जो सराउंड-साउंड स्पीकर के साथ सक्रिय शोर रद्दीकरण उपकरण के परीक्षण के लिए पूरी तरह से इन-हाउस बनाया गया है।

टैक्टाइल परसेप्शन लैब में कस्टम-निर्मित अरुडिनो-आधारित डिवाइस हैं जो बनावट भेदभाव, गीलेपन की धारणा और पीजोइलेक्ट्रिक वाइब्रेटर के साथ स्पर्श उत्तेजना के लिए साइकोफिजिक्स प्रयोगों के संचालन के लिए 3 डी प्रिंटिंग द्वारा पूरक हैं।

पृथ्वी विज्ञान

आईआईटी गांधीनगर में पृथ्वी विज्ञान अपने प्रमुख घटकों जैसे स्थलमंडल, जलमंडल, वायुमंडल और जीवमंडल के बहु-विषयक अध्ययन के माध्यम से पृथ्वी प्रणाली की समग्र समझ और विभिन्न स्थानिक पैमानों पर उनकी बातचीत की कल्पना करता है। हम न केवल इन क्षेत्रों के अध्ययन से संबंधित अनुसंधान और प्रयोग करने के लिए समर्पित हैं, बल्कि उन प्रक्रियाओं को भी जो उन्हें नियंत्रित करते हैं। आईआईटी गांधीनगर में, वर्तमान में हमारे पास दो पृथ्वी विज्ञान प्रयोगशालाएं हैं - प्रयोगशाला 1 और प्रयोगशाला 2 जो विभिन्न बहु/अंतःविषय परियोजनाओं और गतिविधियों का घर हैं, जो संदूषकों के भाग्य और परिवहन अध्ययन से शुरू होकर हाइड्रोजियोकेमिकल मॉडलिंग, नैनोपार्टिकल संश्लेषण और उनके आगे के पर्यावरणीय अनुप्रयोगों, "अपशिष्ट से धन" प्रौद्योगिकी, अपशिष्ट जल आधारित महामारी विज्ञान, भू-तकनीकी सामग्रियों का सतत उपयोग, पृथ्वी की सतह की प्रक्रियाएं और विवर्तनिक भू-आकृति विज्ञान, कार्बोनेट तलछत विज्ञान, और भूगतिकी। ये प्रयोगशालाएं कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सहयोगी परियोजनाओं के केंद्र हैं, जो विख्यात फंडिंग एजेसियों (जैसे एमएचआरडी, एसईआरडी, डीएसटी, डीएसटी-यूकेरी, इंस्पायर, एमओईएस, एमओईएफ, सीसी, केपीसीएसडी, जीएसबीटीएम)। प्रयोगशाला कई दर्जी परामर्श परियोजनाओं/सेवाओं के माध्यम से सार्वजनिक/निजी भागीदारी को भी बढ़ावा देती है।

पृथ्वी विज्ञान प्रयोगशाला 1 पानी और मिट्टी रसायन विज्ञान के प्राथमिक और उन्नत स्तरों का संचालन करने के लिए बुनियादी और परिष्कृत अनुसंधान सुविधाओं / उपकरणों से लैस है। इसका उद्देश्य पर्यावरणीय विकृतियों को संबोधित करना और जमीनी स्तर पर समाज को एक वैज्ञानिक स्थायी समाधान प्रदान करना है। पृथ्वी विज्ञान प्रयोगशाला में आयन-क्रोमैटोग्राफी (आईसी), हन्त्रा (H17698194) मल्टीपैरामीटर पीएच/ईसी/

डीओ जांच, उच्च शुद्धता मिली-क्यू ग्रेड पानी (18.2 एमओ सेमी-1, मिली-क्यू[®] डायरेक्ट 8) शुद्धिकरण प्रणाली, लामिना प्रवाह हुड, desiccators, जैविक सुरक्षा कैबिनेट, इनक्यूबेटर, रेफ्रिजरेटर, जैसे विभिन्न उपकरणों की मदद से मैक्रोमोलेक्युलर स्तर से अल्ट्रा-ट्रेस स्तर तक अनुसंधान की सहायता के लिए कई प्रयोगात्मक सेटअप हैं। अल्ट्रासेट्रीफ्यूज, इलेक्ट्रिक मफल फर्नेस, हॉट एयर ओवन, मैकेनिकल मिश्रण, सोनिकेटर, हॉट प्लेट, तापमान नियंत्रित चुंबकीय स्टिरर, आटोक्लेव, पोर्टेंबल पीएच और चालकता मीटर और थर्मोसाइंटिफिक आयन चयनात्मक इलेक्ट्रोड। हाल ही में आयन क्रोमैटोग्राफी के लिए ऑटो सैपलर, जीएनएसएस रिसीवर के साथ एडीसीपी और हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण के लिए रिमोटली ऑपरेटेड इंटीग्रेटेड फ्लोटिंग डिवाइस (बोट), तलछत कटाव मॉडलिंग के लिए टेबल टॉप सर्कुलर फ्लूम, कार्बाइड सीटे और सीबीएन सीटे, फिल्ट्रेशन यूनिट, प्रोग्रामेबल मफल फर्नेस और ड्रोन भी जोड़े गए हैं। प्रयोगशाला बहु-विषयक अध्ययन के लिए एक सच्चा उदाहरण है, परास्नातक और पीएचडी अनुसंधान कार्य के रूप में।

पृथ्वी विज्ञान प्रयोगशाला 2 में प्रमुख उपकरणों में विश्लेषण करने के लिए एक नमूना तैयार करने की सुविधा शामिल है। पृथ्वी विज्ञान प्रयोगशाला का उद्देश्य सूखे और गीले नमूने तैयार करना है। प्रयोगशाला रॉक क्रशिंग और पीसने की सुविधा, छलनी, हाथ से आयोजित मजबूत चुंबकीय पृथक्करण, अल्ट्रासोनिक सफाई और रेत अनाज की लीचिंग और सामान्य और एचएफ विश्लेषण के लिए पूरी तरह कार्यात्मक धूआं हुड के माध्यम से रासायनिक विश्लेषण से सुसज्जित है। इसके अलावा, पृथ्वी विज्ञान अनुशासन ने एक कोर लैब विकसित करना शुरू कर दिया है, जो वर्तमान में कोर को होस्ट करता है जो शिक्षण के साथ-साथ पेलियोक्लाइमेट और उपसतह जलाशय अध्ययन से संबंधित अनुसंधान के लिए उपयोग किया जाता है। प्रयोगशाला में वर्तमान में एक कोर प्लगिंग मशीन है, और एक हाथ से आयोजित डिल (9 मीटर तक अधिकतम प्रवेश के साथ)। पृथ्वी विज्ञान में जांच किए जा रहे अधिकांश प्रश्नों के लिए फील्ड वर्क की आवश्यकता होती है। आईआईटी गांधीनगर में पृथ्वी विज्ञान अनुशासन वर्तमान में भारतीय उपमहाद्वीप के बड़े हिस्सों में विशेष रूप से गंगा, यमुना (कई अन्य लोगों के बीच), साथ ही गुजरात और महाराष्ट्र में बेसाल्ट, लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स और लक्ष्मीपुरी और अंडमान में आधुनिक कार्बोनेट सहित विभिन्न नदी प्रणालियों में काम कर रहा है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग अनुशासन वर्तमान में स्नातक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम प्रदान करता है और प्रयोगशाला मानक परीक्षण और माप उपकरण जैसे डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप, दोहरे चैनल मनमाना फंक्शन जनरेटर, डिजिटल मल्टीमीटर, एलसीआर मीटर, मल्टी आउटपुट डीसी विनियमित बिजली की

आपूर्ति, चार चैनल डिजिटल पावर स्कोप, आठ चैनल स्कोप कोडर, स्रोत और माप इकाइयों, सटीक चुंबकीय विश्लेषक, आरएफ स्पेक्ट्रम विश्लेषक, एसी और डीसी डिजिटल बिजली मीटर। इसके अलावा, प्रयोगशाला सुविधा में Xilinx FPGA किट और ISE सॉफ्टवेयर शामिल हैं जिनका उपयोग कई स्रातक प्रयोगशालाओं और परियोजना के काम के लिए किया जा रहा है। प्रयोगशाला एआरएम, पीआईसी नियंत्रक, एवीआर और माइक्रोकंट्रोलर बोर्ड, डिजिटल स्टोरेज ॲसिलोस्कोप, डिजिटल मल्टी-मीटर और आईसी परीक्षक, सार्वभौमिक आईसी प्रोग्रामर, स्कोपकॉर्डर और प्रैसिजन मैट्रेटिक्स विश्लेषक से लैस है। इसके अलावा, पावर सिस्टम सिमुलेशन प्रयोगशाला ने पीएससीएडी सॉफ्टवेयर को लाइसेंस दिया है। नीचे हम अनुसंधान की अनुसंधान सुविधाओं को प्रस्तुत करते हैं जो विशेष प्रयोगशालाओं में रखे जाते हैं।

नैनोडीसी प्रयोगशाला: नैनो उपकरण और सर्किट (नैनोडीसी) प्रयोगशाला एनालॉग/डिजिटल वीएलएसआई डिजाइन और अर्धचालक उपकरणों में अनुसंधान के लिए समर्पित है। यह उद्योग-मानक CAD टूल जैसे Cadence, Mentor Graphics, Synopsys, Xilinx ISE और GTS TCAD टूल के लिए 72 बहु-उपयोगकर्ता लाइसेंस से लैस है। इसके अतिरिक्त, लैब में एक हाई-एंड FPGA बोर्ड (Xilinx Virtex Ultrascale+ FPGA VCU118 Evaluation Kit), एक 80-कोर सर्वर, कई उच्च-प्रदर्शन वर्कस्टेशन और उन्नत अनुसंधान के लिए CAD टूल होस्ट करने वाली मशीनें हैं।

वेफर लक्षण वर्णन प्रयोगशाला: वेफर लक्षण वर्णन प्रयोगशाला में वर्तमान में एक 6 "वेफर जांच स्टेशन, एक अर्धचालक पैरामीट्रिक विश्लेषक (6 एसएमयू, 1 एलसीआर मीटर, 1 पल्स यूनिट के साथ), एक पावर डिवाइस विश्लेषक, एक 20 गीगाहर्ट्ज वेक्टर नेटवर्क विश्लेषक, एक गतिशील सिग्नल विश्लेषक, एक कम शोर वर्तमान प्रीम्प्लीफायर, आईसीसीएपी मॉडलिंग सॉफ्टवेयर और पैकेज्ड उपकरणों को मापने के लिए सेट-अप। इस प्रयोगशाला में एक और जांच स्टेशन (8 "-60 से 300 डिग्री सेल्सियस तक तापमान रेज के साथ) और 43.5GHz वेक्टर नेटवर्क विश्लेषक है।

पावर सिस्टम्स और स्मार्ट ग्रिड प्रयोगशाला: पावर सिस्टम्स और स्मार्ट ग्रिड प्रयोगशाला बिजली प्रणालियों, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण और स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकियों में अत्याधुनिक अनुसंधान के लिए समर्पित है। प्रयोगशाला में उन्नत बुनियादी ढांचा है, जिसमें पावर इलेक्ट्रॉनिक्स इंटरफेस, रीयल-टाइम सिमुलेशन टूल और ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली शामिल हैं। प्रयोगशाला के लिए हाल ही में जोड़ा गया है EV चार्जिंग और ऊर्जा बिक्री के लिए एक द्विदिश परिवर्तक है, जो इलेक्ट्रिक वाहन-ग्रिड इंटरैक्शन में अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाता है।

सरिता गेलोट लेबोरेटरी फॉर इंटेलिजेंट रिहैबिलिटेशन एंड अफेक्टिव कंप्यूटिंग सिस्टम्स (IRACS) आंदोलन विकारों और संज्ञानात्मक हानि वाले व्यक्तियों के लिए उन्नत एआई-संचालित पुनर्वास तकनीकों को विकसित करने पर केंद्रित है। प्रयोगशाला ने पांच अभिनव प्रणालियों पर पेटेंट के लिए आवेदन किया है: (i) संज्ञानात्मक हानि निदान के लिए स्मार्टआई, (ii) चाल लक्षण वर्णन के लिए इंस्ट्रस्ट्रॉल, (iii) स्वास्ती, पार्किंसंस रोगियों में चाल (एफओजी) की ठंड को रोकने के लिए एआई-सक्षम चलने वाली छड़ी, (iv) नॉनविनसिव शारीरिक निगरानी के लिए ऑनकॉलडॉक्टर, और (v) पीटीरेडएक्स, एक फिजियोलॉजी-संवेदनशील, वीआर-आधारित चाल व्यायाम मंच। प्रयोगशाला अत्याधुनिक अनुसंधान उपकरणों से लैस है, जिसमें स्प्लॉट-बेल्ट ट्रेडमिल प्लेटफॉर्म, रिमोट और पहनने योग्य आई-ट्रैक्स, शारीरिक डेटा अधिग्रहण के लिए ईईजी और बायोपैक सिस्टम, कार्यात्मक विद्युत उत्तेजक, साइबरगलोव और वीआर हेडसेट शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, खरीदे गए नए उपकरणों में Creality K1 3D प्रिंटर, LattePanda, एक वर्कस्टेशन और एक उच्च-प्रदर्शन GPU शामिल है, जो लैब की अनुसंधान क्षमताओं को और मजबूत करता है।

कंप्यूटर विजन, इमेजिंग और ग्राफिक्स (सीवीआईजी) प्रयोगशाला: कंप्यूटर विजन, इमेजिंग और ग्राफिक्स (सीवीआईजी) लैब 3 डी स्कैनिंग, डिजिटल विरासत संरक्षण और कम्प्यूटेशनल इमेजिंग के लिए अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। प्रयोगशाला में बड़ी संरचनाओं और कलाकृतियों को स्कैन करने के लिए फ़ारो फोकस 3डीएक्स330 और आइंस्कैन प्रो+ लेजर स्कैनर हैं, साथ ही उन्नत इमेजिंग अनुप्रयोगों के लिए इसरो-सैक के साथ विकसित कोडित एपर्चर कैमरे भी हैं। इसमें कंप्यूटर द्रुष्टि में गहन शिक्षण अनुसंधान के लिए जीपीयू-सक्षम वर्कस्टेशन भी है और जल्द ही मानव गतिशीलता का अध्ययन करने के लिए मानव गति कैम्प्यूटर सिस्टम की मेजबानी करेगा।

फोटोनिक सेंसर प्रयोगशाला: आईआईटी गांधीनगर में फोटोनिक सेंसर प्रयोगशाला निकट-आईआर और मध्य-आईआर ट्यूनेबल डायोड लेजर अवशोषण स्पेक्ट्रोस्कोपी, फोटोकॉस्टिक अवशोषण स्पेक्ट्रोस्कोपी, प्लास्मोनिक नैनोबायोसेंसिंग, माइक्रोबियल विकास अध्ययन और फाइबर-ऑप्टिक बायोमेडिकल इंजीनियरिंग पर केंद्रित है। प्रयोगशाला मध्य-अवरक्त क्वांटम कैस्केड लेजर (एल्प्स लेजर), एज-एमिटिंग लेजर डायोड (1392 एनएम, 1533 एनएम, 1650 एनएम - एल्लाना, टॉपिटिका), एक 100 मेगावाट, 4.3-4.7 माइक्रोन क्वांटम कैस्केड लेजर (डेलाइट सॉल्यूशंस), वीसीएसईएल (1278 एनएम, 2004 एनएम - वर्टिला), और ठंडा और बिना ठंडा फोटोडायोड से लैस है। इसमें 50 मेगाहर्ट्ज ड्युअल-चैनल लॉक-इन एम्पलीफायर (ज्यूरिख इंस्ट्रूमेंट्स), लेजर डायोड करंट और तापमान नियंत्रक (थोरलैब्स, एसआरएस),

एक मनमाना तरंग जनरेटर (एजिलेंट), एक 500 मेगाहर्ट्ज, 1 जीएस/एस डिजिटल फॉस्फोर ऑसिलोस्कोप (टेक्ट्रोनिक्स), एक डिजिटल देरी और पल्स जनरेटर (एसआरएस), और एक 3 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम विश्लेषक (एजिलेंट) भी है।

कम्प्यूटेशनल नैनोफोटोनिक्स प्रयोगशाला: कम्प्यूटेशनल नैनोफोटोनिक्स प्रयोगशाला इमेजिंग, संवेदन और ऊर्जा कार्टाई में अनुप्रयोगों की दिशा में एक आंख के साथ नैनोस्ट्रक्चर्च सामग्री के साथ प्रकाश बातचीत के मौलिक भौतिकी की जांच करती है। प्रयोगशाला जिन असंख्य अनुप्रयोगों की जांच करती है, उनमें उच्च-रिज़ॉल्यूशन और बहुत व्यापक क्षेत्र-दृश्य माइक्रोस्कोप, मोनोलिथिक एकीकृत अल्ट्रामिनिएचर कैमरे, नैनोस्केल पर वस्तुओं और गतिशीलता की जांच के लिए अल्ट्रासेंसिटिव गैर-विनाशकारी ऑप्टिकल माप तकनीक, बायोइंस्पार्यर्ड टिकाऊ ऊर्जा संचयन और भंडारण तकनीक शामिल हैं। प्रयोगशाला ब्रॉडबैंड सुपरकॉन्ट्रिनम लेजर, यूवी-विज़ एनआईआर स्पेक्ट्रोमीटर और ऑप्टिकल नैनोस्ट्रक्चर और मेटासर्फेस के लक्षण वर्णन के लिए अन्य उपकरणों से लैस है।

इलेक्ट्रिकल मशीन और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला: आईआईटी गांधीनगर में इलेक्ट्रिकल मशीन और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला ट्रांसफार्मर, घूर्णन मशीन और पावर कन्वर्टर्स सहित इलेक्ट्रिक मशीनों के डिजाइन, नियंत्रण और निदान पर शोध के लिए सुसज्जित है। प्रयोगशाला उपन्यास और मैजूदा टोपोलॉजी के डिजाइन और विश्लेषण के लिए Ansys मैक्सवेल में 2 डी और 3 डी विद्युत चुम्बकीय परिमित तत्व विश्लेषण का उपयोग करती है। इसमें स्थायी चुंबक ब्रशलेस डीसी मोटर्स, स्थायी चुंबक तुल्यकालिक मोटर्स और स्विच अनिच्छा मोटर्स के लिए प्रयोगात्मक सेटअप शामिल हैं। एक एकीकृत परीक्षण बेंच डीसी, प्रेरण और तुल्यकालिक मशीनों के विश्लेषण का समर्थन करता है, जबकि एक एडी वर्तमान डायनेमोमीटर मोटर लोडिंग और टोक़ तरंग माप को सक्षम बनाता है। मशीन स्वास्थ्य निदान के लिए, प्रयोगशाला एक सटीक चुंबकीय विश्लेषक और आवृत्ति प्रतिक्रिया विश्लेषण (एफआरए) के लिए एक आवेग जनरेटर को नियोजित करती है।

प्रयोगशाला में हाल ही में परिवर्धन में एक शंट एक्टिव पावर फिल्टर, प्रेसिजन मैग्नेटिक एनालाइजर, एडी करंट डायनेमोमीटर, हाई पावर डीसी सप्लाई और इनवर्टर शामिल हैं, जो बिजली की गुणवत्ता में सुधार, मशीन डायग्नोस्टिक्स और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोगों में अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाते हैं। प्रयोगशाला में एसी-डीसी, एसी-एसी, डीसी-एसी और डीसी-डीसी रूपांतरण के लिए फैब्रिकेटेड पावर कन्वर्टर्स के साथ-साथ संतुलित और असंतुलित ग्रिड स्थितियों का अनुकरण करने के लिए प्रोग्राम करने योग्य बिजली की आपूर्ति भी है। ये संसाधन इलेक्ट्रिक ड्राइव, ऊर्जा रूपांतरण और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स में उन्नत प्रयोग का समर्थन करते हैं।

मेडिकल अल्ट्रासाउंड इंजीनियरिंग (एमयूएसई)

प्रयोगशाला: एमयूएसई प्रयोगशाला बायोमेडिकल अल्ट्रासाउंड इमेजिंग, थेरेपी और मेट्रोलॉजी में उन्नत अनुसंधान के लिए सुसज्जित है। प्रयोगशाला में एकल-तत्व ट्रांसड्यूसर (1-20 मेगाहर्ट्ज), उच्च तीव्रता केंद्रित अल्ट्रासाउंड ट्रांसड्यूसर (2 मेगाहर्ट्ज), पल्स रिसीवर (1-50 मेगाहर्ट्ज), एक आरएफ पावर एम्पलीफायर, एक प्रोग्राम करने योग्य अल्ट्रासोनिक डेटा अधिग्रहण प्रणाली और एक ब्रॉडबैंड हाइड्रोफोन है। इसमें एक 3-अक्ष मोटर चालित ध्वनिक बीम मैपिंग सिस्टम, एक कैलिब्रेटेड ऊतक-नकल करने वाला प्रेत और एक उच्च अंत जीपीयू वर्कस्टेशन भी शामिल है। हाल के परिवर्धन में जैविक नमूना भंडारण के लिए एक रेफ्रिजरेटर शामिल है। प्रयोगशाला पूर्व विवो ऊतकों और जैविक सामग्री के साथ प्रयोगों का समर्थन करती है।

ऑडियो सिग्नल प्रोसेसिंग प्रयोगशाला: ऑडियो सिग्नल प्रोसेसिंग प्रयोगशाला सक्रिय शोर नियंत्रण हेडफोन, श्रवण यंत्र और श्रवण योग्य जैसे ऑडियो उपकरणों के लिए उन्नत सिग्नल प्रोसेसिंग एल्गोरिदम विकसित और कार्यान्वित करती है। लैब में अत्याधुनिक उपकरण हैं, जिनमें स्पीडगोट ऑडियो परफॉर्मेंस रियल-टाइम टारगेट मशीन, न्यूमैन KU100 डमी हेड माइक्रोफोन, GRAS 45CA ईयर प्रोटेक्टर टेस्ट मॉड्यूल, माप माइक्रोफोन, ऑडियो इंटरफेस और स्टूडियो मॉनिटर स्पीकर शामिल हैं।

स्मार्ट पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला: स्मार्ट पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला (SPELab) अक्षय ऊर्जा ग्रिड एकीकरण और परिवहन विद्युतीकरण के लिए कुशल बिजली इलेक्ट्रॉनिक कन्वर्टर्स और नियंत्रण प्रणाली विकसित करने पर केंद्रित है। लैब में 10kW रूफटॉप फोटोवोल्टिक सिस्टम है जिसमें नवीनतम बाइफेशियल मोनोपरक तकनीक है। इसमें मैटलैब-प्रोग्राम्ड एफपीजीए-आधारित डब्ल्यूएडब्ल्यूएसीटी रैपिड कंट्रोल प्रोटोटाइप उपकरण पावर इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए और मशीन-लर्निंग-आधारित सिस्टम मॉडलिंग और नियंत्रण के लिए उच्च अंत कम्प्यूटेशनल सुविधाएं भी हैं। अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने के लिए बैटरी थर्मल चैंबर, बैटरी परीक्षण प्रणाली, मोटर ड्राइव विश्लेषक, पोर्टेबल डेटा लॉगर और वेवसीटी रियल-टाइम कंट्रोलर जैसे नए उपकरण खरीदे गए हैं।

नैनोस्ट्रक्चर और कंपाउंड सेमीकंडक्टर डिवाइसेस लैब: नैनोस्ट्रक्चर एंड कंपाउंड सेमीकंडक्टर डिवाइसेस लैब (एनसीएसडी लैब) ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक और बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए यौगिक अर्धचालक उपकरणों और नैनोस्ट्रक्चर को डिजाइन और निर्माण करने के लिए समर्पित है। प्रयोगशाला प्रचुर मात्रा में हरे स्रोतों से कार्बन-आधारित क्वांटम डॉट्स विकसित करने के लिए हरित रसायन विज्ञान-

आधारित माइक्रोवेव संश्लेषण को नियोजित करती है, बायोमेडिकल इमेजिंग, ऑप्टिकल सेंसिंग और पौधों के अध्ययन में उनके अनुप्रयोगों की खोज करती है। इन नैनोस्ट्रक्चर को उच्च-रिज़ॉल्यूशन ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (एचआरटीईएम) और प्रतिदीप्ति इमेजिंग जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करके विशेषता है।

सामग्री इंजीनियरिंग

विभाग में चार सक्रिय शिक्षण प्रयोगशालाएं (मेटलोग्राफी, ड्राई एंड वेट प्रोसेसिंग, मैटेरियल्स कैरेक्टराइजेशन) और छह रिसर्च लेबोरेटरीज (फंक्शनल मैटेरियल्स लैब, एडवांस्ड मैटेरियल्स प्रोसेसिंग, वैक्यूम सिस्टम्स लैबोरेटरी, (ऑप्टो) इलेक्ट्रॉनिक्स एंड थिन फिल्म्स लैबोरेटरी, बायोनैनोमैटेरियल्स लैब, एंटीमाइक्रोबियल मैटेरियल्स लैब) शामिल हैं। मेटलोग्राफी लैब में नमूना तैयारी इकाइयों की एक विस्तृत श्रृंखला है जिसमें मैनुअल और स्वचालित पॉलिशिंग मशीन, अपर्घर्षक काटने की मशीन और ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप शामिल हैं। सूखी और गीली प्रसंस्करण प्रयोगशालाओं में सामग्री प्रसंस्करण से संबंधित उपकरण शामिल हैं, जैसे, मिश्र धातु संश्लेषण के लिए वैक्यूम आर्क मेल्टिंग और इंडक्शन मेल्टिंग यूनिट, गर्मी उपचार के लिए कम और उच्च तापमान भट्टियां, जोमिनी एंड क्वेच फर्नेस, पर्यावरण नियंत्रित ट्यूब फर्नेस, धूआं हुड, इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन और रासायनिक भंडारण सुविधा। सामग्री लक्षण वर्णन प्रयोगशाला में ऐसे उपकरण हैं जो सतह लक्षण वर्णन (संपर्क कोण गोनियोमीटर, प्रोफिलोमीटर, एफटीआईआर), थर्मल लक्षण वर्णन (टीजीए, डीएससी, एसटीए), और मौलिक संरचना लक्षण वर्णन (एएएस, आईसीपी-ओईएस, आईसीपी-एमएस और एक्सआरएफ) कर सकते हैं। कार्यात्मक सामग्री लैब में इन-सीट् प्रोफिलोमीटर के साथ एक उच्च तापमान ट्राइबोमीटर है। उन्नत सामग्री प्रसंस्करण अनुसंधान प्रयोगशाला में घर्षण हलचल वेल्डिंग मशीन, जीएएमआरआईजंग और विद्युत रासायनिक परीक्षण सेटअप, विभिन्न नमूना तैयारी सुविधाएं, मफल भट्टी, डबल डिस्क पॉलिशिंग मशीन और एक स्वचालित कठोरता परीक्षण मशीन है। प्रयोगशाला थर्मोकैल्क सॉफ्टवेयर का उपयोग करके ठोसकरण, चरण परिवर्तन और वर्षा के उच्च अंत थर्मोडायनामिक और गतिज सिमुलेशन करने में भी सक्षम है। वैक्यूम सिस्टम प्रयोगशाला में सामग्री विकास के लिए कस्टम-निर्मित और इकट्ठे वैक्यूम आधारित प्रसंस्करण और लक्षण वर्णन प्रणाली हैं। यह सुविधा मौलिक और साथ ही अनुप्रयुक्त अध्ययनों को पूरा करने के लिए वैक्यूम सिस्टम के संशोधन और अनुकूलन की अनुमति देती है। (ऑप्टो) इलेक्ट्रॉनिक्स और थिन फिल्म्स प्रयोगशाला में ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए पतली फिल्मों की तैयारी से संबंधित उपकरण हैं, जो मुख्य रूप से यूवी-विज़-एनआईआर, एचईएमएस और चार-बिंदु जांच के साथ स्पटरिंग, स्पिन कोटर का उपयोग करते हैं। बायोनैनोमैटेरियल्स लैब एक सकारात्मक

दबाव प्रयोगशाला (कक्षा 10,000) है जो (डीएलएस, सीपीएस, जिगो, हाइपरथर्मिया) नैनोकणों को संश्लेषित और चिह्नित करने के लिए उपकरणों से लैस है। प्रयोगशाला में विकसित नैनोमैटेरियल्स पर प्रारंभिक विषेश परख करने के लिए एक सेल कल्पर सुविधा भी है। रोगाणुरोधी सामग्री प्रयोगशाला में लामिना हुड, इनक्यूबेटर, लियोफिलाइज़र, सेंट्रीफ्यूज, जांच और स्नान सोनिकटर, प्रतिदीप्ति माइक्रोस्कोप और माइक्रोप्लेट रीडर हैं। ईडीएस, डब्ल्यूडीएस और ईबीएसडी की क्षमताओं के साथ हमारा एफआईएसटी-वित्त पोषित विश्लेषणात्मक एसईएम पूरी तरह से चालू है। सामग्री इंजीनियरिंग प्रयोगशालाओं की उपकरण क्षमताओं को नए उपकरणों को जोड़कर लगातार उन्नत किया जा रहा है और स्रातक छात्रों के लिए उनकी प्रयोगशाला और परियोजना पाठ्यक्रमों के लिए हाथों पर प्रशिक्षण और अभ्यास सत्र के लिए उपयोग किया जाता है। स्रातकोत्तर छात्र नियमित रूप से अपने शोध गतिविधियों के लिए इन उपकरणों का उपयोग करते हैं। इसके अलावा, सभी उपकरणों तक सुचारू पहुंच सुनिश्चित करने के लिए उपयोग के लिए टाइम स्लॉट की आसान बुकिंग को सक्षम करने के लिए एक ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट एक्सेस सिस्टम तैयार किया गया है। उपयोगकर्ता उपलब्ध स्लॉट और किसी विशेष उपकरण के लिए आवंटित संबंधित टीए पा सकते हैं।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग

विभाग व्यावहारिक अनुप्रयोगों के साथ सैद्धांतिक अवधारणाओं को एकीकृत करते हुए, एक व्यापक हाथों पर सीखने का माहौल प्रदान करता है। उन्नत सुविधाओं से लैस, यह द्रव यांत्रिकी, सामग्री की ताकत, थर्मल विज्ञान, विनिर्माण और रोबोटिक्स में प्रयोगों का समर्थन करता है। प्रयोगशाला में सीएनसी मशीन, 3 डी प्रिंटर, यूटीएस मशीन, प्रभाव परीक्षक और डेटा अधिग्रहण प्रणाली शामिल हैं। यह स्रातक और स्रातकोत्तर शोध, अनुसंधान परियोजनाओं और उद्योग सहयोग के लिए डिज़ाइन किया गया है। अनुभवात्मक सीखने पर एक मजबूत ध्यान देने के साथ, प्रयोगशाला छात्रों को समस्या सुलझाने के कौशल और तकनीकी विशेषज्ञता विकसित करने में सक्षम बनाती है, उन्हें शिक्षा और उद्योग दोनों में वास्तविक दुनिया की इंजीनियरिंग चुनौतियों के लिए तैयार करती है।

नई सुविधाएं जोड़ी गईं

- विभाग के तहत एक नए अनुशासन के रूप में डिजाइन के गठन द्वारा यांत्रिक विभाग का विस्तार।
- फ्लूइड मैकेनिक्स लैब में 07 नए प्रयोगात्मक परीक्षण सेटअपों की स्थापना, जिसमें श्रृंखला में फ्लो मीटर, पाइप प्रवाह तंत्र में प्रमुख और मामूली नुकसान, रेनॉल्ड के उपकरण, बनौली के उपकरण, पिटोट स्ट्रैतिक ट्यूब उपकरण, निःशुल्क और मजबूर भंवर

प्रवाह उपकरण और वेन्स उपकरण पर जेट का प्रभाव शामिल है।

खरीदे गए नए प्रमुख उपकरण

1. मध्यम-लिफ्ट और मध्यम धीरज ड्रोन निर्मित और परीक्षण; हाइड्रोजन ईंधन सेल प्रणाली का समावेश चल रहा है।
2. स्मार्ट एनर्जी और थर्मल ट्रांसपोर्ट लैब में सहायक उपकरण के साथ हाई पावर प्लाज्मा क्लीनर
3. रोबोटिक्स लैब में प्रोग्राम करने योग्य चौगुनी रोबोट कुत्ता
4. रोबोटिक्स लैब में रोबोटिक मैनिपुलेटर आर्म
5. रोबोटिक्स लैब में सहयोगात्मक रोबोट

मौजूदा उपकरणों/सुविधाओं में उन्नयन

1. अधिक स्टीक परीक्षण सुविधाओं के साथ दोनों यूटीएम मशीनों (10 टन और 20 टन क्षमता) के सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग का उन्नयन।
2. सीएनसी लकड़ी मिलिंग के लिए कार्वेंको सॉफ्टवेयर का उपयोग।
3. प्रयोगशाला में धूल के प्रसार को रोकने के लिए सीएनसी लकड़ी मिलिंग मशीनों के साथ धूल कलेक्टर स्थापित किए गए हैं। इसी तरह, वेल्डिंग स्पेस क्षेत्र के साथ एक धूआं हुड चिमटा स्थापित किया गया है।
4. वेल्डिंग प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला में 1 नई एकल चरण टीआईजी वेल्डिंग मशीन जोड़ी गई है।

ईंधन सेल सिस्टम और नवीकरणीय ऊर्जा प्रयोगशाला

फ्यूल सेल सिस्टम्स लेबोरेटरी उद्योग, सरकार और रक्षा क्षेत्रों के साथ साझेदारी करके एयरोस्पेस, स्थिर और ई-गतिशीलता में विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए कुशल, मूक और रसद-संगत ईंधन सेल सिस्टम विकसित करती है। वर्तमान में, प्रयोगशाला भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित हाइड्रोजन संचालित ड्रोन का निर्माण कर रही है, जबकि ग्रीन-मेथनॉल और जेपी 8 / सैन्य ग्रेड डीजल जैसे रसद ईंधन द्वारा संचालित ईंधन सेल सिस्टम में अत्याधुनिक को आगे बढ़ा रही है। प्रयोगशाला 200-kW हाइड्रोजन संचालित जेनसेट बनाने के प्रयास का भी नेतृत्व कर रही है जो लाइव कैंपस ग्रिड परिदृश्य में प्रयोगशाला की अनुसंधान क्षमताओं का प्रदर्शन करेगी।

नवीकरणीय ऊर्जा प्रयोगशाला का उद्देश्य व्यावहारिक रूप से शामिल अक्षय ऊर्जा का व्यापक ज्ञान प्रदान करना है। प्रयोगशाला की प्रमुख विशेषता उपकरण पवन ऊर्जा प्रणाली, थर्मल स्टोरेज सिस्टम, सौर सांद्रक ऊर्जा प्रणाली और सौर पीवी सेल है।

द्रव यांत्रिकी और हीट ट्रांसफर लैब

इस साल फ्लूइड मैकेनिक्स लैब ने छात्रों को बेहतर समझ प्रदान करने के लिए श्रृंखला में फ्लॉ मीटर, मेजर और माइनर लॉस उपकरण, बनौली के उपकरण और कई अन्य सहित विभिन्न नए शिक्षण उपकरण शामिल किए हैं। ये परिवर्धन छात्रों को प्रवाह माप, दबाव वितरण और पाइपलाइनों में ऊर्जा हानि पर प्रयोग करने की अनुमति देकर सीखने पर हाथ बढ़ाते हैं। उन्नत प्रयोगशाला सेटअप सैद्धांतिक अवधारणाओं के पूरक व्यावहारिक प्रदर्शनों के माध्यम से द्रव व्यवहार की गहरी समझ सुनिश्चित करता है। उन्नत उपकरणों और बेहतर सुविधाओं के साथ, प्रयोगशाला का उद्देश्य व्यापक सीखने का अनुभव प्रदान करना है, छात्रों को द्रव यांत्रिकी अनुप्रयोगों में वास्तविक दुनिया की इंजीनियरिंग चुनौतियों के लिए तैयार करना है। प्रयोगशाला में पवन सुरंग और केएच अस्थिरता सेटअप भी है जो वायुगतिकीय प्रवाह के क्षेत्रों में स्रातक छात्रों और उन्नत अनुसंधान और तरल पदार्थ में अस्थिरता कतरनी बल के दृश्य का समर्थन करता है। हीट ट्रांसफर लैब में सामान्य मॉड्यूल नियंत्रक के साथ 4 सेटअप भी होते हैं, अर्थात् 1) विकिरण गर्मी हस्तांतरण मॉड्यूल, 2) तरल पदार्थ और गैसों मॉड्यूल की तापीय चालकता, 3) अस्थिर राज्य गर्मी हस्तांतरण मॉड्यूल और 4) विस्तारित गर्मी हस्तांतरण मॉड्यूल। द्रव यांत्रिकी और गर्मी हस्तांतरण के तकनीकी ज्ञान को और बढ़ाने के लिए, छात्रों को स्व-परियोजना कार्य भी आवंटित किए गए थे।

ठेस यांत्रिकी लैब

पिछले एक साल में, सॉलिड मैकेनिक्स लैब ने नमूना परीक्षण के लिए स्टीक रीडिंग प्रदान करने के लिए नवीनतम एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर के साथ यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन 10 टन और यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन 20 टन के उन्नयन में योगदान दिया। प्रयोगशाला में विभिन्न प्रयोगात्मक सेटअप भी शामिल हैं, जिनमें झुकने वाले क्षण, कतरनी बल, बीम विक्षेपण, झुकने वाला तनाव, असमित झुकने, स्ट्रॉट्स का बकलिंग और अनिश्चित बीम शामिल हैं। ये रिंग्स वैचारिक समझ को बढ़ाने के लिए कक्षा में प्रदर्शनों और छात्र परियोजनाओं का समर्थन करते हैं। प्रमुख उपकरणों में 450 जे चार्टी प्रभाव परीक्षक, रॉकवेल और विकर्स कठोरता परीक्षक शामिल हैं। डेटा अधिग्रहण प्रणालियों के साथ तनाव गेज व्यावहारिक सीखने को मजबूत करते हुए, हाथों पर प्रयोग को सक्षम करते हैं।

विनिर्माण प्रयोगशाला

विनिर्माण प्रयोगशाला खराद, मिलिंग मशीन, सीएनसी, शीट मेटल झुकने की मशीन, वेल्डिंग मशीन और टिन स्मिथी उपकरण से सुसज्जित है। यह विनिर्माण प्रथाओं और एकीकृत डिजाइन और विनिर्माण पर पाठ्यक्रमों का समर्थन करता है। इसके अतिरिक्त, प्रयोगशाला स्रातक परियोजनाओं और अनुसंधान से संबंधित उपकरणों के निर्माण के लिए एक कार्यशाला के

रूप में कार्य करती है, जो मशीनिंग और निर्माण में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती है।

रोबोटिक्स लैब

हाल के वर्षों में, रोबोटिक्स ने आईआईटी गांधीनगर में शिक्षण और अनुसंधान दोनों में महत्व प्राप्त किया है। प्रोग्राम करने योग्य इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सिस्टम के रूप में, रोबोट कई विषयों को एकीकृत करते हैं, छात्रों और शिक्षकों के बीच रुचि को बढ़ावा देते हैं। संस्थान कई नियमित और वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो रोबोटिक सिस्टम के विकास और परीक्षण में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है। रोबोटिक्स टीम ने अभिनव परियोजनाओं पर काम किया है, जिसमें स्वायत्त वाहन, क्रमादेशित चौगुनी रोबोट कुत्ते, रोबोटिक मैनिपुलेटर आर्म, सहयोगी रोबोट और कई अन्य शामिल हैं। इसने इसरो, डीआरडीओ, भारतीय नौसेना सहित कुलीन संगठनों के साथ उनकी प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए भी सहयोग किया।

स्मार्ट ऊर्जा और थर्मल ट्रांसपोर्ट लैब

स्मार्ट एनर्जी एंड थर्मल ट्रांसपोर्ट लैब का शोध चरण परिवर्तन, गर्मी हस्तांतरण और इंटरफेसियल घटनाओं के लिए सूक्ष्म / नैनोस्ट्रक्चर्ड सतहों पर केंद्रित है, जो लागू अनुसंधान के साथ मौलिक अध्ययनों का संयोजन करता है। प्रयोगशाला जांच करती है कि सतह इंजीनियरिंग, रासायनिक विषमता, और तरल-वाष्प चरण परिवर्तन गीलापन को कैसे प्रभावित करते हैं, जो गर्मी हस्तांतरण अनुप्रयोगों में द्रव और थर्मल परिवहन को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, सुपर हाइड्रोफिलिक सतहें उबलते और पतली फिल्म वाष्पीकरण को बढ़ाती हैं, जबकि सुपरहाइड्रोफोबिक सतहें संक्षेपण गर्मी हस्तांतरण की क्षमता दिखाती हैं।

डायनेमिक्स और वाइब्रेशन लैब

यह सुविधा शाफ्ट सेटअप, फ्री और फोर्स वाइब्रेशन सेटअप, गियर बॉक्स डायनेमिक्स सेटअप, स्टैटिक और डायनेमिक बैलेंसिंग सेटअप, विभिन्न जंगम भागों पर स्वैतिक और गतिशील बलों की भूमिका सिखाने के लिए कैम उपकरण के चक्कर से सुसज्जित है। अनुसंधान सुविधा में पीजोइलेक्ट्रिक सेंसर भी शामिल है, जिसमें एक्सेलेरोमीटर और अलग-अलग संवेदनशीलता के गतिशील बल सेंसर और विविध अनुप्रयोगों के लिए फॉर्म कारक शामिल हैं। इसमें पोस्ट-प्रोसेसिंग के लिए समर्पित डेटा अधिग्रहण हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की सुविधा है। इसके अतिरिक्त, प्रभाव हथैडे नियंत्रित मोडल और संरचनात्मक परीक्षण को सक्षम करते हैं, जबकि समर्पित नियंत्रक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के साथ 1.6kN कंपन शेकर और 200N मोडल एक्साइटर, कंपन परीक्षण का समर्थन करते हैं। एक उच्च-निष्ठा स्ट्रोबोस्कोप संरचनात्मक गतिशीलता प्रयोगों की सुविधा प्रदान करता है, और उच्च परिशुद्धता सतह

प्लेटें प्रयोगात्मक सेटअप के लिए स्थिर बढ़ते प्रदान करती हैं।

भौतिक विज्ञान:

भौतिकी प्रयोगशाला स्रातक और स्रातकोत्तर स्तरों पर प्रयोगों के संचालन के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। एमएससी प्रयोगशाला में प्रकाशिकी, ठोस-राज्य भौतिकी, स्पेक्ट्रोस्कोपी, आधुनिक भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स में विषयों को कवर करने वाले कई प्रयोग शामिल हैं। तर्क गेट्स के साथ प्रयोग छात्रों को गणितीय ऑपरेटरों और एम्पलीफायरों के रूप में तर्क सर्किट के कार्यों को समझने में सक्षम बनाता है। स्रातक भौतिकी प्रयोगशाला में आधुनिक भौतिकी, प्रकाशिकी और ध्वनिकी के विषयों को कवर करने वाले प्रयोग हैं। पाठ्यक्रम में नियमित प्रयोग करने के अलावा, छात्रों को समूहों में अल्पकालिक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की सलाह दी जाती है। यह टिंकरिंग लैब अभ्यास सेमेस्टर के अंत में एक ओपन-टू-ऑल पोस्टर सत्र के साथ समाप्त होता है, जिसके दौरान छात्र आईआईटी गांधीनगर समुदाय को अपनी परियोजनाओं का प्रदर्शन करते हैं, और अपने निष्कर्षों का प्रदर्शन करते हैं।

भौतिकी विभाग में अनुसंधान प्रयोगशालाएं कई विशेष प्रयोगशालाओं में प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी और नैनोमैटेरियल्स में अत्याधुनिक अनुसंधान में लगी हुई हैं, जिनमें 2 डी सामग्री नैनोफ्लूइडिक्स और क्रायोजेनिक्स लैब, नैनोमटेरियल्स, ऊर्जा और भूतल विज्ञान लैब, सॉफ्ट और लिविंग मैटेरियल्स लैब, और प्रायोगिक जटिल तरल पदार्थ लैब शामिल हैं। ऊर्जा अनुसंधान के लिए नैनोमैटेरियल्स के क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित अनुसंधान सुविधाएं स्थापित की गई हैं। सतहों और इंटरफेस की भौतिकी, नैनोमैटेरियल्स और पतली फिल्मों का विकास और लक्षण वर्णन, ग्राफीन-आधारित नैनोफ्लूइडिक्स / अलवणीकरण तकनीक, आयन/प्रोटॉन परिवहन, 2 डी हेटरोस्ट्रक्चर, सक्रिय पदार्थ, स्व-असेंबली और एकल-कण रिज़ॉल्यूशन पर कोलाइड की गतिशीलता, कोलाइडल सुपरकूल्ड तरल पदार्थ और चश्मा। अनुसंधान के साथ-साथ शिक्षण उद्देश्यों के लिए प्रयोगात्मक सुविधाओं में एक भौतिक वाष्प जमाव प्रणाली, रासायनिक वाष्प जमाव (सीवीडी) प्रणाली, थर्मल बाष्पीकरणकर्ता, आरएफ-स्पटरिंग सिस्टम, यूवी दृश्यमान स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, स्पेक्ट्रोफ्लॉरोमीटर, क्वांटम दक्षता माप प्रणाली, ऑप्टिकल लिथोग्राफी प्रणाली, सॉफ्ट-लिथोग्राफी, लैगमुझ ब्लोडेट गर्त, ब्रूस्टर कोण माइक्रोस्कोप, स्पिन कोटर, उच्च परिशुद्धता वजन संतुलन, एकल चौगुनी उच्च परिशुद्धता द्रव्यमान स्पेक्ट्रोमीटर, ऑप्टिकल और हाई-स्पीड कॉन्फोकल माइक्रोस्कोप, रियोमीटर, प्रोब सोनिकेटर, डेड एंड और क्रॉस-फ्लो फिल्ट्रेशन सिस्टम, सोर्स-माप यूनिट, मिली-क्यू सिस्टम, प्लाज्मा क्लीनर, इमल्शन होमोजेनाइज़र, परिष्कृत नमूना भंडारण और सेंट्रीफ्यूज़ेशन सुविधाएं। हमने डीएसटी-एफआईएसटी अनुदान के तहत भौतिक गुण मापन

प्रणाली (पीपीएमएस) की खरीद और कमीशन किया है। अंतःविषय अनुसंधान के लिए भौतिकी विभाग में एक केंद्र बनाने की व्यापक दृष्टि के तहत छात्रों में अनुसंधान योग्यता को सुविधाजनक बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए अनुसंधान और शिक्षण सुविधाओं को लगातार उन्नत किया जा रहा है।

केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा (सीआईएफ)

सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी (सीआईएफ) की स्थापना आईआईटी गांधीनगर के भीतर शोधकर्ताओं के साथ-साथ भारत भर के विभिन्न शैक्षणिक अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों और उद्योगों को परिष्कृत लक्षण वर्णन सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। सीआईएफ में कई उच्च अंत विश्लेषणात्मक उपकरण हैं जैसे एसईएम, एक्सआरडी, एफएम, एनएमआर, एलसी-एमएस, बायो-एफएम, एमएएलडीआई-टीओएफ, आईसीपी-एमएस और आईसीपी-ओईएस, कॉन्फोकल माइक्रोस्कोप, सिंगल क्रिस्टल, एक्सआरडी, टीईएम, उन्नत विश्लेषणात्मक एसईएम, फ्लो साइटोमीटर सेल सॉर्टर, बहुउद्देशीय एक्सआरडी, क्रायोजेनिक सिस्टम, और वेफर जांच स्टेशन। हमने हाल ही में तीन नए उपकरण जोड़े हैं: इन-सीटू मैकेनिकल परीक्षण / एनीलिंग सुविधा, उच्च तापमान यांत्रिक परीक्षण सुविधा, और एक्स-रे सीटी। देश भर के उपयोगकर्ता राष्ट्रीय आई-एसटीईएम पोर्टल के माध्यम से सीआईएफ सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। भारतीय अनुसंधान नियमित रूप से कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है जहां सीआईएफ सुविधा, कर्मचारी और छात्र सीआईएफ इंस्ट्रूमेंटेशन के तकनीकी और अनुप्रयोग पहलुओं के बारे में लघु व्याख्यान देने में शामिल होते हैं।

सीआईएफ का एक नया पता है

सीआईएफ ने हाल ही में नए शैक्षणिक भवन (एबी 13) में स्थानांतरित कर दिया है, जो इसके संचालन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस कदम से इसकी सेवाओं की पहुंच और दक्षता में वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे उपयोगकर्ताओं को अत्याधुनिक उपकरण और अपना काम करने के लिए अधिक विशाल वातावरण प्रदान किया जा सकेगा। बेहतर बुनियादी ढांचे और उन्नत उपकरणों के साथ, सीआईएफ विभिन्न डोमेन में अभूतपूर्व अनुसंधान और नवाचार का समर्थन जारी रखने के लिए तैयार है।

उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के साथ आईआईटी

गांधीनगर सीआईएफ कनेक्शन

सीआईएफ विभिन्न उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों की जरूरतों को पूरा कर रहा है। सन फार्मा, पीरामल फार्मा, जाइडस रिसर्च सेंटर, कैडिला हेल्थकेयर, टोरेंट फार्मा और सूद-केमी जैसे कई फार्मास्युटिकल उद्योग हमारी सुविधा के नियमित उपयोगकर्ता हैं। लगभग 30 प्रमुख उद्योग सीआईएफ आईआईटी गांधीनगर के उपयोगकर्ता हैं। कुछ छोटे और मध्यम स्तर के उद्योग सामग्री

लक्षण वर्णन, कठोरता परीक्षण, मौलिक विश्लेषण आदि के लिए हमारी सुविधा का उपयोग करते हैं। विश्लेषणात्मक एफईएसईएम, ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (टीईएम), बहुउद्देशीय एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर, क्रायोजेनिक सिस्टम, इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज्मा (आईसीपीएमएस/ओईएस) और बायो-एफएम जैसे नए उपकरणों के साथ, हम उद्योग से उपयोगकर्ताओं की संख्या में वृद्धि देख रहे हैं।

सीआईएफ विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों को नियमित सेवाएं भी प्रदान कर रहा है। कुछ संस्थान जो सीआईएफ के नियमित उपयोगकर्ता हैं, वे हैं एनआईपीईआर, आईआईआईटी-आरएएम, निर्मा विश्वविद्यालय, इंद्रशील विश्वविद्यालय, एनआईटी सूरत, गुजरात विश्वविद्यालय, आईआईएआर, सीयूजी, पीआरएल, आईपीआर, सीएसएमसीआरआई, एमएसयू, एसपी विश्वविद्यालय, पीडीईयू आदि। हम अहमदाबाद-गांधीनगर क्षेत्र के कई विश्वविद्यालयों और संस्थानों से जुड़ने में सक्षम हैं। प्रमुख लक्ष्य एक ऐसे वातावरण का निर्माण करना है जो गुजरात और उसके आसपास संस्थानों, विश्वविद्यालयों के बीच उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को सक्षम बनाता है और शैक्षणिक संस्थानों के बीच बड़े सहयोग का नेतृत्व करता है।

नए उपकरण

इन-सीटू मैकेनिकल परीक्षण / एनीलिंग सुविधा: इन-सीटू मैकेनिकल / एनील परीक्षण सुविधा (कम्मारथ और वीस, जर्मनी से) स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप के अंदर इन-सीटू तन्यता परीक्षण और हीटिंग (500 सी तक) कर सकती है। यह सुविधा यांत्रिक परीक्षण और हीटिंग के दौरान माइक्रोस्ट्रक्चर विकास की निगरानी को सक्षम बनाती है। सेटअप क्रिस्टलीय धातु के नमूनों पर इलेक्ट्रॉन बैकस्कैटर विर्तन माप के साथ संगत है।

उच्च तापमान यांत्रिक परीक्षण सुविधा: उच्च तापमान यांत्रिक परीक्षण सुविधा 100SS-CF (ज़िक्र रोएल ऑस्ट्रिया से) कमरे के तापमान तन्यता, संपीड़न और 3-बिंदु झुकने वाले परीक्षण कर सकती है। इसमें एक उच्च तापमान भट्टी भी है जो तच्यता के लिए अपनी क्षमता का विस्तार करती है, और 1000 सी तक संपीड़न परीक्षण करती है। एक्स्टेंसोमीटर के साथ बंद लूप ऑपरेशन आगे रेंगने और तनाव-विश्राम परीक्षणों के लिए गैर-संपर्क तनाव माप की अनुमति देता है।

एक्स-रे सीटी: एक्स-रे सीटी सुविधा (एक्सराडिया 620 वर्सा) 600 एनएम तक के संकल्प के साथ आंतरिक दरार का पता लगाने, दरार प्रसार जांच और झारझारा संरचना विश्लेषण सहित ठोस सामग्री की आंतरिक संरचना का गैर-विनाशकारी निरीक्षण कर सकती है।



पुस्तकालय:

पुस्तकालय, एक शिक्षण संसाधन केंद्र अकादमिक और शोध कार्य का एक अभिन्न अंग है, प्रिंट और डिजिटल दोनों रूपों में अपने संग्रह का विस्तार करना जारी रखता है। यह शिक्षण, सीखने, अनुसंधान और अन्य विद्वानों की गतिविधियों का समर्थन करने के लिए नवीन सेवाओं को डिजाइन और वितरित भी करता है। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने कई महत्वपूर्ण गतिविधियों और सेवाओं की शुरुआत की है।

प्रिंट और ऑडियो-विज़ुअल संग्रह:

पुस्तकालय के शोध मोनोग्राफ, पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों, सम्मेलन की कार्यवाही और दृश्य-श्रव्य सामग्रियों का संग्रह तेजी से बढ़ रहा है। इस संग्रह में संस्थान के शैक्षणिक और अनुसंधान हितों को शामिल किया गया है। नीचे दी गई तालिका वर्ष 2024-25 के दौरान संग्रह में हुई बढ़ोतरी को दर्शाती है।



मार्च 31, 2025 तक कुल संग्रह

तालिका 1: नया संग्रह जोड़ा गया 2024-2025

| संग्रह का प्रकार | 2024-25 में परिवर्धन | 31.03.2025 तक कुल संग्रह |
|-------------------|----------------------|--------------------------|
| पुस्तकें | 1047 | 34078 |
| बाउंड वॉल्यूम | 54 | 990 |
| बच्चों की किताबें | 364 | 2006 |
| हिंदी पुस्तकें | 148 | 1294 |
| सीडी | 3 | 999 |
| डीवीडी | 2 | 623 |
| तकनीकी रिपोर्ट | 0 | 456 |
| शोध और शोध प्रबंध | 155 | 1286 |
| कुल | 1773 | 41732 |

परिसंचरण और सूचना सेवाएं:

पुस्तकों का परिचालन: पिछले वर्ष के 20015 की तुलना में इस वर्ष के दौरान हमारे उपयोगकर्ताओं को जारी किए गए दस्तावेजों की कुल संख्या 18793 है।

अवकाश कालीन मुद्रा: पुस्तकालय ने सर्दियों और गर्मियों दोनों के दौरान छुट्टी के लिए किताबें जारी करने की सुविधा जारी रखी है, जिससे छात्रों को अपनी रुचि की सामान्य पुस्तकें उधार जारी करने और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। सेमेस्टर ब्रेक (3 मई, 2024 - 31 जुलाई, 2024) और शीतकालीन अवकाश (27 नवंबर, 2024- 3 जनवरी, 2025) के दौरान कुल 1420 पुस्तकें जारी की गईं।

प्रिंट जर्नल और पत्रिकाएं: पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के बीच ढीले प्रिंट पत्रिकाओं / पत्रिकाओं को प्रसारित करता है। वर्ष के दौरान 243 प्रिंट पत्रिकाओं/पत्रिकाओं का परिचालन किया गया, जबकि पिछले वर्ष में यह संख्या 289 थी।

सूचना/संदर्भ सेवाएं:

पुस्तकालय सक्रिय रूप से अपने उपयोगकर्ता समुदाय के लिए संदर्भ और सूचना सेवाओं (व्यक्तिगत रूप से और वस्तुतः) को बढ़ावा दे रहा है और वर्ष के दौरान निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की हैं।

ग्रंथ सूची संकलित और अद्यतन:

पुस्तकालय विभिन्न विषयों पर पुस्तकों की सूची संकलित करता रहता है जो अकादमिक रुचि के हैं या वर्तमान मामलों से संबंधित हैं। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक, पुस्तकालय ने पुस्तकों की 40 नई ग्रंथ सूची बनाई है और कई मौजूदा ग्रंथ सूची को अद्यतन किया है।

ग्रामरली (प्रीमियम खाते):

सुविधा का विस्तार करने और पुस्तकालय के सभी उपयोगकर्ताओं को सुविधा उपलब्ध करने के लिए, लेखन उपकरण 'ग्रामरली' तक पहुंचने के लिए खातों की संख्या 3000 तक बढ़ा दी गई है। यह बहुत अच्छी तरह से प्राप्त किया गया है और संस्थान समुदाय द्वारा बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया है।

ओवरलीफ (व्यावसायिक समूह सदस्यता)

पुस्तकालय में अब ओवरलीफ के लिए एक समूह सदस्यता की व्यवस्था है, जो लाटेक्स दस्तावेजों को लिखने और संपादित करने के लिए एक सहयोगी मंच है। चूंकि हमारी वर्तमान सदस्यता में सीमित संख्या में खाते शामिल हैं, इसलिए शुरू करने के लिए केवल संकाय सदस्यों को यह सुविधा प्रदान की गई है। हालांकि, वे सहयोगी के रूप में अधिकतम 10 छात्रों को जोड़ सकते हैं।

साहित्यिक चौरी की जाँच

पुस्तकालय टर्निटिन सॉफ्टवेयर का उपयोग करके साहित्यिक चौरी-जाँच सेवाएं प्रदान कर रहा है। वर्ष के दौरान जांचे गए दस्तावेजों की संख्या 2023-3079 की तुलना में 3081 है।

पढ़ें, समीक्षा करें और रोल करें!

रीड, रिव्यू एंड रोल पहल समुदाय में पढ़ने की आदतों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी, खासकर छात्रों के बीच जब वे परिसर से दूर थे। वर्तमान में कुल 11 विचारों के साथ इस पहल के लिए 7594 प्रस्तुतियाँ हैं।

पुस्तकालय संसाधन साझाकरण

पुस्तकालय अन्य प्रमुख स्थानीय पुस्तकालयों (यथा (क) देश के साथ पुस्तकालय संसाधन साचा करने का लाभ उठाने में भाग ले रही है। डेलनेट सदस्य पुस्तकालयों के साथ-साथ अहमदाबाद और गांधीनगर शहरों में आईआईटी, आईपीआर, पीआरएल, सीईपीटी, एनआईडी, डीए-आईआईसीटी (आईआईएमए, पीआर, पीआरएल, सीईपीटी, एनआईडी, डीए-आईआईसीटी) नामक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएमए), आईपीआर, पीआरएल, सीईपीटी, एनआईडी, डीए-आईआईसीटी (आईआईटी), आईपीआर, पीआरएल, सीईपी, डीए-आईआईसीटी (आईआईटी), आईपीआर, पीआरएल, सी.आई.आर., सी.आई.आर. यह मुख्य रूप से अंतर पुस्तकालय ऋण और दस्तावेज़ वितरण सेवाओं के माध्यम से किया गया है।

सदस्यता:

संगठनात्मक सदस्यता

लाभ प्राप्त करना जारी रखने के लिए, डेवलपमेंट लाइब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट), अहमदाबाद लाइब्रेरी नेटवर्क (एडीआईएनईटी) के साथ-साथ 11 अन्य पुस्तकालय और पेशेवर संगठनों जैसे एएआई, एसीआई, एएमएस, यूरोग्राफिक्स, एफआईबी, आईएएचआर, आईएटीयूएल, आईबीएएसई, एमएए और अमेरिकन लाइब्रेरी की सदस्यता का नवीनीकरण किया गया है।

ई-शोध सिंधु कंसोर्टियम (एमओई) सदस्यता

पुस्तकालय ईएसएस कंसोर्टियम के मुख्य सदस्य के रूप में जारी रहा और ई-संसाधनों की सदस्यता से संबंधित सभी बैठकों में सक्रिय रूप से योगदान दिया। पुस्तकालय को 2024 के अंत तक 17 प्रमुख ई-संसाधनों की सदस्यता के रूप में समर्थन प्राप्त करना जारी है।

पुस्तकालय बाहरी सदस्यता

संस्थान के बाहर व्यक्तियों और संस्थानों के साथ एक मजबूत संबंध और बातचीत बनाने के लिए संस्थान की समग्र रणनीति का समर्थन करने के लिए, पुस्तकालय ने मामूली शुल्क पर पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं तक पहुंच (ऑनसाइट) प्रदान करने वाली छह श्रेणियों के तहत अधिक सदस्यता को आकर्षित करने और नामांकन करने के अपने प्रयास को जारी रखा।

लाइब्रेरी प्रोफेशनल ट्रेनीशिप/इंटर्नशिप:

लाइब्रेरी प्रोफेशनल ट्रेनीशिप

पहले की तरह, लाइब्रेरी ने जुलाई 2024 के दौरान मासिक वेतन के साथ एक वर्ष के लिए अनुबंध के आधार पर पांच नए लाइब्रेरी प्रोफेशनल ट्रेनी लिए।

लाइब्रेरी प्रोफेशनल ट्रेनी के पूर्व छात्र समूह (LIB-TAN)

पुस्तकालय ने अब तक 60+ से अधिक पुस्तकालय पेशेवरों को प्रशिक्षित किया है। पूर्व प्रशिक्षुओं के लिए एक साथ आने और अपनी बातचीत जारी रखने के लिए एक मंच बनाया गया था।

छात्र सहायक

पुस्तकालय ओसीईओ, सोशल सर्विस के छात्रों और शिक्षण सहायकों के लिए एक मंच के रूप में काम करना जारी रखता है ताकि पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने

के साथ-साथ हमारे दैनिक कार्यों में सहायता करते हुए अपना समय व्यतीत किया जा सके। यह पहल एक तरह से लाइब्रेरी को उपयोगकर्ता की जरूरतों को समझने में मदद कर रही है।

ग्रीष्मकालीन अनुसंधान इंटर्नशिप कार्यक्रम (एसआरआईपी)

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के हमारे बीटेक छात्रों में से एक को एसआरआईपी के तहत पुस्तकालय के साथ काम करने के लिए चुना गया था। 8 सप्ताह की इंटर्नशिप के दौरान, इस छात्र ने लाइब्रेरी मोबाइल ऐप को फिर से डिजाइन करने पर काम किया जिसे अब उपयोग में लाया गया है।

पुस्तकालय स्टाफ गतिविधियाँ:

कर्मचारी प्रशिक्षण

लाइब्रेरी टीम पुस्तकालयों में सहायक प्रौद्योगिकियों, आरएसटूडियो के साथ डेटा विजुअलाइज़ेशन, पुस्तकालयों में एआई, विद्वानों के प्रकाशन में एआई नीतियां, पुस्तकालयों, पुस्तकालयों और संयुक्त राष्ट्र एसडीजी में डेटा एनालिटिक्स, लिंक्ड डेटा, सर्च इंजन ऑप्टिमाइज़ेशन (एसईओ), स्मार्ट लाइब्रेरी आदि जैसे विषयों पर विचार-मंथन सत्र आयोजित करना जारी रखती है।

सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भाग लिया:

- पुस्तकालय के छह स्टाफ सदस्यों ने 24 अगस्त, 2024 को गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ADINET द्वारा 'डिजिटल युग में लाइब्रेरियन की भूमिका' पर एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- हार्दी शाह, ने आईआईटी भुवनेश्वर लाइब्रेरी द्वारा आयोजित 03-07 जून, 2024 तक ओपन सोर्स लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर (Koha & DSpace) पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- रघुवीर कुमार, ने आईआईटी भुवनेश्वर लाइब्रेरी द्वारा आयोजित 03-07 जून, 2024 तक ओपन सोर्स लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर (कोहा और डीस्पेस) पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- हितेश छतानी, ने बीसी रॉय मेमोरियल लाइब्रेरी, आईआईएम कलकत्ता द्वारा आयोजित 01 से 05 जुलाई, 2024 तक पुस्तकालयों के लिए डेटा कारपेंटरी और एआई/एमएल टूल्स पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- साबरमती भट्टाचार्य, और मुछाडिया, अर्चिताबेन ने 26 जुलाई, 2024 को क्लेरिकेट अवेयरनेस एंड एंगेजमेंट प्रोग्राम 2024 में भाग लिया।

कर्मचारी प्रकाशन:

- पन्ना चौधरी, ने 24 अगस्त, 2024 को डिजिटल युग में लाइब्रेरियन की भूमिका पर ADINET संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ता के रूप में "AI अनुकूलनशीलता और मानक" पर प्रस्तुति किया।
- टैक, शीतल ने 24 अगस्त, 2024 को गुजरात विश्वविद्यालय पुस्तकालय और पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, गुजरात, भारत के सहयोग से एक दिवसीय संगोष्ठी, एडीआईएनईटी में पैनलिस्ट के रूप में "डिजिटल युग में पुस्तकालयों की भूमिका" पर प्रस्तुति दी।

- **शीतल टैंक**, ने सैनिक स्कूल शिक्षक प्रशिक्षण (एक राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम), प्रशिक्षण केंद्र, भारतीय शिक्षक शिक्षा संस्थान, गांधीनगर, भारत में आमंत्रित वक्ता (ऑनलाइन) के रूप में “अवधारणात्मक सोच और कहनी कहने की तकनीक” पर प्रस्तुत किया, भारत 10 सितंबर, 2024।
- **शीतल टैंक**, ने 21 सितंबर, 2024 को लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड डिजिटलाइजेशन पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड डिजिटलाइजेशन पर आमंत्रित वक्ता के रूप में “लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड डिजिटलाइजेशन : प्लानिंग, इम्प्लीमेंटेशन एंड अपग्रेडेशन” पर प्रस्तुत किया।
- **शीतल टैंक**, ने 19 अक्टूबर, 2024 को स्त्री शक्ति, एसोसिएशन ऑफ वीमेन एलआईएस प्रोफेशनल्स द्वारा आयोजित आमंत्रित व्याख्याता (ऑनलाइन) के रूप में “सूचना और डिजिटल साक्षरता के लिए एक क्रेडिट कोर्स डिजाइनिंग” पर प्रस्तुत किया।
- **शीतल टैंक**, ने “पुस्तकालय और विद्वानों के संचार: पुस्तकालय अपने शोध प्रयासों में संकाय का समर्थन कैसे कर सकते हैं” पर छवि निर्माण पर एक दिवसीय संगोष्ठी में साथ हे। आमंत्रित वक्ता के रूप में प्रस्तुत किया (श्रृंखला - 1): 21 वीं सदी में पुस्तकालयों और पुस्तकालयाध्यक्षों की भूमिका को फिर से परिभाषित करना विषय पर, एडीआईएनईटी और मारवाड़ी विश्वविद्यालय, 8 फरवरी, 2025 में राजकोट, भारत को प्रस्तुत किया।

संस्थान अभिलेखवागार:

संस्थान अभिलेखवागार टीम ने सामग्रियों को व्यवस्थित और संरक्षित करने में प्रगति की है। इसके हिस्से के रूप में, पुस्तकालय ने दो पायलट परियोजनाएं शुरू की हैं। पहला COVID-19 आर्काइव है, जिसमें महामारी से संबंधित 300 से अधिक डिजिटल आइटम हैं। दूसरी परियोजना लाइब्रेरी फोटो आर्काइव है, जिसे ओमेका का उपयोग करके बनाया गया है। इसमें 125 से अधिक आइटम शामिल हैं, जिनमें 8 मुख्य श्रेणियों में 1,200 से अधिक फ़ोटो और वीडियो शामिल हैं, जो वर्षों से लाइब्रेरी की घटनाओं और मील के पथर को प्रदर्शित करते हैं। पुस्तकालय ने एक मौखिक इतिहास परियोजना भी शुरू की है, और प्रोफेसर मिशेल डैनिसो के साथ पहला मौखिक इतिहास साक्षात्कार आयोजित किया है। पुस्तकालय ने अब तक 3,790 से अधिक डिजिटल आइटम और 766 प्रिंट आइटम एकत्र किए हैं, जिनकी समीक्षा और प्रसंस्करण किया जा रहा है।

आउटरीच गतिविधियाँ:

- गांधीनगर के बोरिज में पास के एक सरकारी स्कूल के बच्चों के लिए न्यासा समर कैंप के दौरान, आईआईटी गांधीनगर लाइब्रेरी ने 3 - 4 जून, 2024 को दो घंटे के आकर्षक सत्रों की मेजबानी की।
- अहमदाबाद और गांधीनगर के विभिन्न इलाकों की 25 महिलाओंने 25 अक्टूबर, 2024 को संचेनताना (एनजीओ) और मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग के सहयोग से अपने परिसर के दौरे के एक भाग के रूप में पुस्तकालय का दौरा किया।
- 20 दिसंबर, 2024 को, पुस्तकालय ने दशेला गांव और धरमपुर शहर के स्कूली छात्रों के लिए न्यासा द्वारा

आयोजित उन्नत भारत अभियान के हिस्से के रूप में एक विशेष शीतकालीन शिविर कार्यक्रम की मेजबानी की। मजेदार कार्यशालाओं और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से, इस कार्यक्रम ने सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देते हुए टीम वर्क, समस्या-समाधान और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया।

नई पहल:

इस रिपोर्ट की अवधि के दौरान, पुस्तकालय ने निम्नलिखित नई पहल की हैं।

- **पीएचडी थीसिस कैटलॉग**: पुस्तकालय ने एक कैटलॉग (800+ पृष्ठ) बनाने का प्रयास किया है जिसमें संस्था द्वारा बचाव और सम्मानित किए गए सभी पीएचडी शोध शामिल हैं। इस कैटलॉग का उद्देश्य थीसिस विवरण और सार को एक व्यापक प्रारूप में समेकित करके शोधकर्ताओं के काम की दृश्यता को बढ़ाना है। अब तक, 347 पीएचडी शोध एकत्र किए गए हैं, और इस संकलित सूची को पुस्तकालय वेबसाइट पर समुदाय के लिए सुलभ बनाया जा रहा है।
- **पेटेंट संग्रह**: बौद्धिक संपदा उत्पादन के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में, पुस्तकालय ने 84 पेटेंटों की एक सूची तैयार की है और वेबसाइट पर प्रदर्शित की है। इनमें से 35 पेटेंट मंजूर किए गए हैं, जिनमें एक अमेरिकी कार्यालय से है, जबकि शेष 49 पेटेंट दायर किए गए हैं और आगे की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं।
- **ब्रूज़ एंड चैट्स (रिसर्च स्कॉलर्स के साथ ओपन हाउस)**: लाइब्रेरी ने ब्रूज़ एंड चैट्स की मेजबानी की, जो विभागों से जुड़ने और उनकी शोध सहायता आवश्यकताओं को समझने के लिए शोध विद्वानों के साथ एक ओपन हाउस सत्र था। पृथक् विज्ञान, सामग्री इंजीनियरिंग, गणित, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, जैविक इंजीनियरिंग, रसायन अभियंत्रिको, और संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान जैसे विभागों के लिए 7 सत्र आयोजित किए गए थे।
- **इनोवेट एंड इंस्पायर**: लाइब्रेरी मासिक समाचार पत्र के रूप में एंटरप्रेन्योरियल रीड्स का दिलचस्प संकलन प्रस्तुत करती है। यह सेवा फरवरी 2025 में शुरू की गई थी और 31 मार्च, 2025 तक 2 मुद्दों को प्रसारित किया गया है।

फेन्डः

संस्थान ने इस रिपोर्ट की अवधि के दौरान दो नए केंद्र स्थापित किए हैं। सेंटर फॉर एआई डिवेन इनोवेशन का उद्देश्य अंतःविषय सहयोग के लिए एक केंद्र के रूप में सेवा करना, एआई प्रौद्योगिकियों में नवीन अनुसंधान, शिक्षा और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देना और विभिन्न डोमेन में उनके अनुप्रयोगों का उद्देश्य है। एआई के विभिन्न क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान करने के अलावा, केंद्र सातक और सातकोत्तर स्तरों पर विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम भी विकसित और प्रदान करता है। दूसरी ओर, सेंटर फॉर रिसर्च कर्मशियलाइजेशन का उद्देश्य एक केंद्र के रूप में सेवा करना है जो बाजार के रुझानों का विश्लेषण करता है, नीतियों को विकसित करता है, उद्योग-अकादमिक सहयोग की सुविधा प्रदान करता है, और अनुसंधान प्रोटोटाइप को बाजार के लिए तैयार उत्पादों में बदलने के लिए हितधारकों को सलाह देता है। इसकी पहल से उद्योग-अकादमिक जुड़ाव बढ़ेगा, तेजी से प्रोटोटाइप और लैब-टू-मार्केट रूपांतर और व्यवसाय विकास के लिए एक अधिक गतिशील वातावरण होगा।

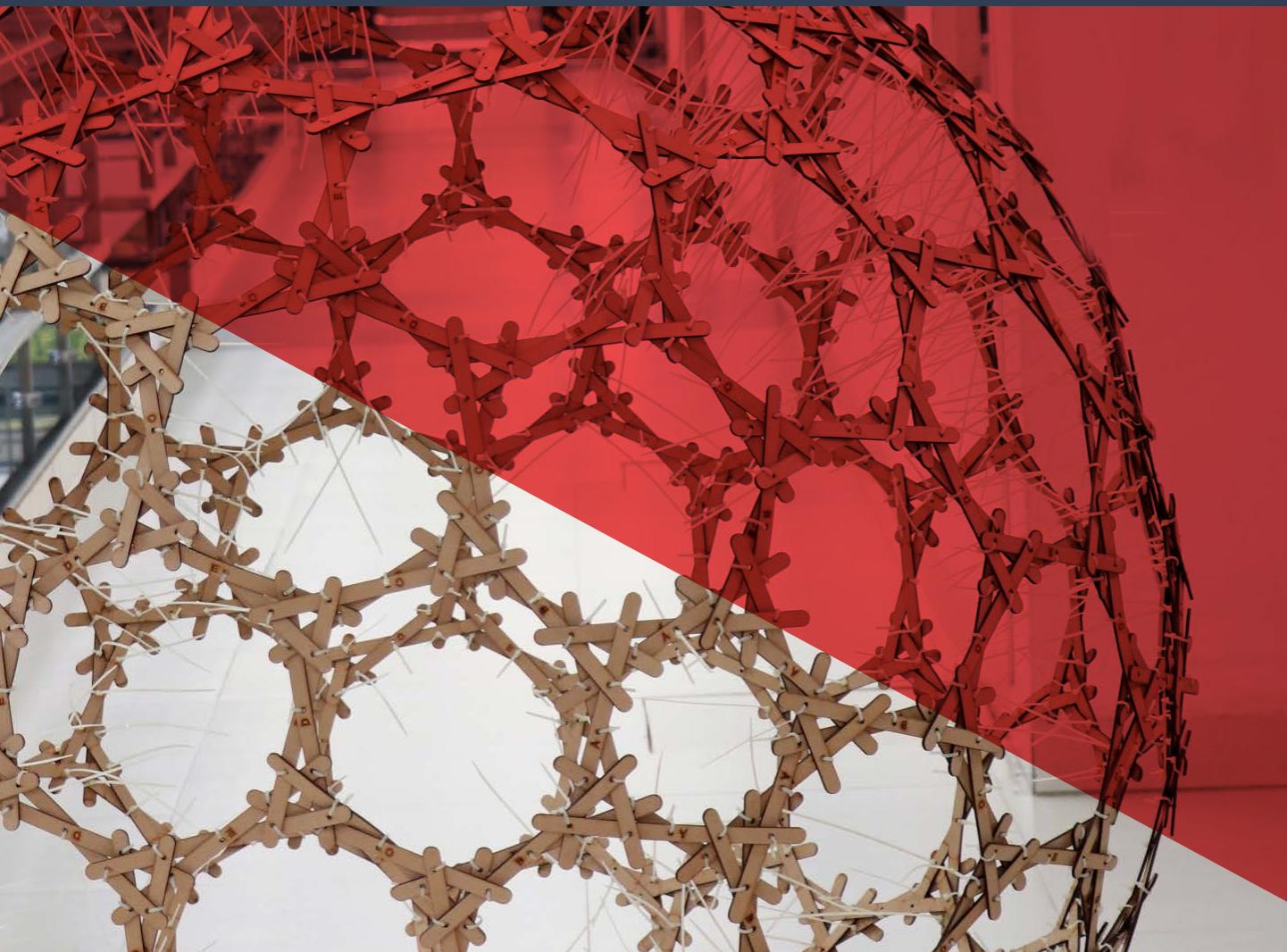
पुरातत्व विज्ञान केंद्रः

पुरातत्व विज्ञान केंद्र (एएसी) की स्थापना दिसंबर 2012 में पुरातत्व में विज्ञान के अनुप्रयोग में अनुसंधान की सुविधा और कार्य करने के लिए की गई थी। केंद्र का उद्देश्य इस तरह के अनुसंधान का संचालन करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और पुरातत्व के राज्य विभागों सहित विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग करना है।

केंद्र की परियोजनाएँ

- सितंबर 2024 से 4.5 वर्ष की अवधि के लिए दक्षिण एशिया में पुरातत्व विरासत (एमएचएसए) परियोजना के मानचित्रण के तहत कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित दक्षिण एशिया की पुरातत्व विरासत (एमएचएसए) का मानचित्रण (पीआई: प्रो वी एन प्रभाकर)
- सोलंकियों के दौरान जल प्रबंधन: दिसंबर 2024 से शुरू होने वाले 5 वर्षों की अवधि के लिए अदानी एंटरप्राइजेज द्वारा वित्त पोषित जल निकायों/जलाशयों और धार्मिक संरचनाओं का विश्लेषण (पीआई: प्रो वीएन प्रभाकर)
- एक राष्ट्रीय सांस्कृतिक परिदृश्य सूचना प्रणाली की ओर: एनआईएस, बैंगलोर के साथ वित्त पोषित समावेशी योजना के लिए विरासत स्थलों का मानचित्रण (पीआई: प्रो वीएन प्रभाकर)
- धोलावीरा, गुजरात, भारत के विश्वधरोहर हड्डपा स्थल पर मानव-पशु संपर्क का पुनर्निर्माण: डीएसटी सिर्फ धारणा द्वारा वित्त पोषित पुरातात्विक हड्डी और दांतों के अवशेषों की समस्थानिक संरचना से निष्कर्ष (पीआई: प्रो शारदा चन्नारायपटना और सह-पीआई: प्रोफेसर देवज्योति पॉल, आईआईटी कानपुर)
- पश्चिमी भारत के गुजरात के कछ के महान रण में पैलियो-लैंडस्केप, पैलियो-ड्रेनेज और संभावित भूजल जांच। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित (एक 3 साल की परियोजना, अप्रैल 2023 में शुरू हुई) (पीआई: प्रो देवज्योति पॉल, आईआईटी कानपुर, सीओपीआई: प्रो वीएन प्रभाकर)
- गुजरात के ऐतिहासिक शहर वडनगर के पुरातात्विक मिट्टी के बरतन, मोतियों, शंख के अवशेषों और बाहरी व्यापार संबंधों का बहुआयामी विश्लेषण। पुरातत्व और संग्रहालय विभाग, गुजरात सरकार द्वारा वित्त पोषित (पीआई- प्रोफेसर वीएन प्रभाकर, सह-पीआई- प्रोफेसर श्रीहरिता रोथू)
- पुरातत्व विज्ञान केंद्र, आईआईटी गांधीनगर में भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रकोष्ठ की स्थापना। आईकेएस सेल, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित (पीआई- प्रोफेसर वीएन प्रभाकर, सह-पीआई- प्रोफेसर मनीष जैन, प्रो माना शाह)





कार्यशालाएं

- प्रोफेसर वीएन प्रभाकर और प्रोफेसर के कृष्णन ने 4-9 नवंबर, 2024 तक सिरेमिक पेट्रोलॉजी और पुरातत्व में इसके अनुप्रयोगों पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
- प्रोफेसर वीएन प्रभाकर और डॉ. कुइली सुगन्धा ने 2-6 दिसंबर, 2024 तक पुरातत्व और विरासत में जीआईएस के अनुप्रयोग पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रकाशन

- अहाना घोष, वीएन प्रभाकर, एलेनोरा ए रेबर, हेलना लिस्टन, शिवप्रिया किरुबाकरन, श्रीलक्ष्मी केएस, उमेश तालेकर, मुकेश भारद्वाज, अभ्य विश्वकर्मा, शारदा चन्नारायपटना। क्या फॉर्म कार्य करता है? भारत में करनपुरा और रोपड़ के हड्पा स्थलों से सिरेमिक के भीतर अवशोषित अवशेषों के माध्यम से मिट्टी के बर्तनों की कार्यक्षमता को समझना। चतुर्धार्तुक वातावरण और मनुष्य। 3 (2025) 100050। <https://doi.org/10.1016/j.qeh.2024.100050>
- रवि कांत प्रसाद, के कृष्णन, वी एन प्रभाकर, वी सेल्वाकुमार और मनीषा केसरवानी। मोलापलायम, तमिलनाडु के नवपाषाण स्थल से पुरातात्त्विक मिट्टी के पात्र पर पतला खंड अध्ययन। विरासत: जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज इन आर्कियोलॉजी 11.1 (2023-24): 78-93।
- वी एन प्रभाकर, हड्पा वासियों की मनका ड्रिलिंग तकनीक और समय के साथ तकनीकी परिवर्तनों को समझना। इंडियन जर्नल ऑफ हिस्ट्री ऑफ साइंस। <https://doi.org/10.1007/s43539-024-00144-1>
- एकता गुप्ता, वीएन प्रभाकर, विक्रांत जैन। साबरमती और हड्पा बंदरगाह लोथल और नाल कॉरिडोर के साथ इसका संबंध: मल्टी-सेंसर डेटा, क्लाउड-कंप्यूटिंग और मल्टी-प्लेटफॉर्म का उपयोग करके एक अध्ययन। जर्नल ऑफ आर्कियोलॉजिकल साइंस 170: 106046। <https://doi.org/10.1016/j.jas.2024.106046>
- एकता गुप्ता और वीएन प्रभाकर। 2024. एक कांस्य युग अंतर्देशीय जल नेटवर्क और हड्पा (सिंधु) सभ्यता के समुद्री व्यापार नेटवर्क में इसकी भूमिका। जर्नल ऑफ मैरीटाइम आर्कियोलॉजी (2024)। <https://doi.org/10.1007/s11457-024-09403-9>

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के लिए केंद्र

आईआईटी गांधीनगर में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग केंद्र ने स्वास्थ्य देखभाल पहुंच में सुधार के लिए नवीन नैदानिक और चिकित्सीय उपकरण, स्वचालित पुनर्वास और कृत्रिम तकनीक और सार्वजनिक स्वास्थ्य समाधान विकसित करने पर केंद्रित अपने अंतःविषय अनुसंधान को जारी रखा है। केंद्र के मुख्य उद्देश्य हैं:

- बायोमेडिकल इंजीनियरिंग और हेल्पकेयर प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान और विकास।
- ग्रामीण समुदायों के लिए कम लागत वाली स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकियों का विकास।
- अनुसंधान और अकादमिक आदान-प्रदान के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।

परियोजनाओं

- स्वास्थ्य की निगरानी के लिए पहनने योग्य उपकरण का प्रोटोटाइप - व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल के लिए एक मुद्रित पैच (2022-2025), आईआईआईटी गांधीनगर, द्वारा वित्त पोषित: पीआई प्रोफेसर बिस्वजीत साहा।
- नवीन सोखने और शक्तिहीन पानी फिल्टर के प्रोटोटाइप का विकास (2023 - 2025); एनएमएचएस, पीआई: प्रोफेसर बिस्वजीत साहा।
- प्रयोगशाला में विकसित सेसिंग किट द्वारा मूरू संक्रमण का पता लगाना (2025 - 2028); आईसीएमआर, पीआई: प्रोफेसर बिस्वजीत साहा।
- निवारक दृष्टिकोण और सिलिकोसिस का शीघ्र पता लगाने के लिए स्मार्ट डार्ट द्वारा जी-क्वाड्युलेक्स की चयनात्मक मान्यता, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), पीआई: प्रो भास्कर दत्ता।
- केबल-चालित रोबोटिक एक्सोस्केलेटन, गुजरात काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (GUJCOST), पीआई का उपयोग करके विकलांग व्यक्तियों की सहायता के लिए एक मांसपेशी गतिविधि-आधारित नियंत्रण रणनीति: प्रो विनीत वशिष्ठ।
- कपड़ा आधारित सॉफ्ट लेग एक्सोसूट, एलएसआरबी, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), पीआई का उपयोग करके मानव प्रदर्शन वृद्धि: प्रोफेसर विनीत वशिष्ठ।

सहयोग

केंद्र प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ सहयोगी परियोजनाओं में संलग्न है जिसमें जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय, यूएसए; अल्ट्रासाउंड के चिकित्सीय अनुप्रयोगों की प्रयोगशाला (LabTAU), फ्रांस; आईआईएससी बैंगलोर; निमहांस, बैंगलोर; एल वी प्रसाद नेत्र संस्थान; सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय; कोलंबिया विश्वविद्यालय, यूएसए; शिकागो विश्वविद्यालय, यूएसए; बर्मिंघम विश्वविद्यालय, यूके; सेंट्रल लंकाशायर विश्वविद्यालय, यूके; रॉयल मेलबर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरएमआईटी), ऑस्ट्रेलिया; भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर, भारत; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल हेल्प एंड न्यूरोसाइंसेस, बैंगलोर, भारत; सिविल मेडिकल अस्पताल, अहमदाबाद, भारत; एस बी बी अस्पताल, अहमदाबाद, भारत; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत; एल वी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट, भारत; दूसरों के बीच में।

प्रस्तुत आगंतुक

- प्रोफेसर कुलेरवो हाइनेन, सनीब्रुक रिसर्च इंस्टीट्यूट, टोरंटो विश्वविद्यालय

क्रिएटिव लर्निंग के लिए केंद्र

सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग (CCL) एसटीईएम शिक्षा को बदलने और हाथों पर खिलौनों के माध्यम से इसे आर्कर्क और प्रेरणादायक बनाने, शिक्षकों की क्षमता को मजबूत करने, मीडिया कार्यक्रमों और संग्रहालय आउटरीच के माध्यम से एक मिशन के साथ एक स्थान है।

सहयोग

सीसीएल यूपी, गुजरात, तेलंगाना, सीबीएसई, दिल्ली के शिक्षा विभागों के साथ सहयोग करना जारी रखे हुए है। एमपी, एचपी, मणिपुर और भारत भर में 250 से अधिक पीएमएसएचआरआई केवी स्कूलों के साथ नए जुड़ाव भी बनाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, केंद्र को क्यूम्प्युलस और टॉवर अनुसंधान से सीएसआर समर्थन प्राप्त हुआ।

प्रमुख घटनाएँ

- एकलव्य 3030 सीज़न 3 26 जनवरी, 2025 को शुरू हुआ - 70,000 से अधिक पंजीकरण और 4,60,000 से अधिक बार देखा गया।
- सीसीएल भारत में अपनी तरह के सबसे बड़े एसटीईएम चैनलों में से एक बन गया है, जिसके यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर 6,00,000 से अधिक सोशल मीडिया फॉलोअर्स हैं।
- क्यूरियोसिटी प्रोग्राम का विस्तार जहां गुजरात, यूपी और 10 अन्य राज्यों के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) एसटीईएम गतिविधियों को करने के लिए ऑनलाइन हमसे जुड़ते हैं।

नई पहल

- साइंस सिटी, अहमदाबाद में एक आउटरीच कार्यक्रम साइंस सफर शुरू किया, जहां सीसीएल टीम ने 6 महीने की अवधि में 1,00,000 से अधिक आगंतुकों के साथ बातचीत की और 10,000 से अधिक छात्रों और शिक्षकों के लिए 180 से अधिक एसटीईएम कार्यशालाओं का आयोजन किया।
- सीसीएल ने गणित, भौतिकी, विज्ञान, एफएलएन, पहेलियाँ, खेल, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और बड़े प्रदर्शनों को कवर करने वाले एसटीईएम किट विकसित किए हैं।
- केंद्र ने अपने खिलौनों के डिजाइन को पंजीकृत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अब तक 40 से अधिक शिक्षण अधिगम सामग्री (टीएलएम) को डिजाइन पंजीकरण के लिए भेजा गया है।

प्रस्तुत आगंतुक

- प्रोफेसर मंजुल भार्गव, प्रोफेसर, गणित विभाग, प्रिंसटन विश्वविद्यालय
- श्री मोहन यादव, मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री
- श्री अभय करंदीकर, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

प्रकाशन

- कृष्णन, जे।, मिश्रा, एन., नैनोटी, एस.जी. (2025). थोड़ा आक्रमण लागा पर्यंत जातो. में: चेन, वाई., गाओ, एक्स., सन, एक्स., झांग, ए. (ईडीएस) कम्प्यूटिंग और कॉम्बिनेटरिक्स। कोकून 2024। कंप्यूटर विज्ञान में व्याख्यान नोट्स, वॉल्यूम 1516। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-96-1090-7_43
- दीक्षा गौतम, अदिति कोठियाल, रश्मि शेरान, नेहा गर्ग, अदिति अव्यार, आशुतोष भाकुनी, जय ठक्कर, ज्योति कृष्णन और मनीष जैन, अॅनलाइन मेनिंग-बेस्ड लर्निंग एट स्केल: ट्रुवर्ड्स इक्विटी इन एसटीईएम लर्निंग, शिक्षा में कंप्यूटर पर 32 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यावाही (पीपी.155-164), एशिया-पैसिफिक सोसाइटी फॉर शिक्षा में कंप्यूटर (2024) <https://doi.org/10.58459/icce.2024.4832>
- ठक्कर, जय और मनीष जैन। “कम्प्यूटेशनल सोच आधारित एसटीईएम कला प्रदर्शन। रचनात्मक गणितीय विज्ञान संचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। चाम: स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड, 2024।

डिजाइन और नवाचार केंद्र

डिजाइन और इनोवेशन सेंटर (डीआईसी) डिजाइन और नवाचार पर केंद्रित परियोजनाओं, अनुसंधान और शैक्षिक पहलों पर सहयोग को बढ़ावा देता है। यह वार्ता, सेमिनार, संगोष्ठी और कार्यशालाओं सहित पाठ्यचर्या और पाठ्ययतर गतिविधियों द्वारा के माध्यम से अभिनव उत्पादों और समाधानों को बनाने में छात्र और संकाय के प्रयासों का भी समर्थन करता है।

परियोजनाएं और सहयोग

- पहनने योग्य बायोमेडिकल डिवाइस: प्रोफेसर मानसी कानेटकर, प्रोफेसर उत्रमा लाहिडी के सहयोग से, कई सरकारी वित्त पोषित और परामर्श परियोजनाओं में लगी हुई हैं, जो निदान और पुनर्वास के लिए पहनने योग्य जैव चिकित्सा उपकरणों को विकसित करने पर केंद्रित हैं। प्रोजेक्ट INSTROLE, एक स्मार्ट शू इनसोल जो चाल की मात्रा निर्धारित करता है, संस्थान द्वारा IIT हैदराबाद में InventTiv 2024 के साथ-साथ मुंबई में PIWOT 2025 में प्रदर्शित होने के लिए चुना गया था। प्रोजेक्ट स्मार्टवियर को गांधीवादी यंग टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन (GYTI) अवार्ड 2024 मिला है।
- SPARC परियोजना: प्रोफेसर अदिति कोठियाल और प्रोफेसर मधु वडाली कार्लजूए इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जर्मनी के प्रोफेसर बारबरा ब्रूनो और प्रोफेसर टोबियास कोह के साथ “सहयोगी बनाने वाले कार्यों में सीखने में सहायता करने के लिए सामाजिक रोबोट इंटरैक्शन डिजाइन करना” नामक एक परियोजना पर सहयोग कर रहे हैं। इस परियोजना के हिस्से के रूप में, प्रोफेसर ब्रूनो ने 10-27 सितंबर तक आईआईटी गांधीनगर का दौरा किया और “सोशल रोबोटिक्स” नामक एक कोर्स किया और अनुसंधान परियोजना को किस्टार्ट किया। वर्तमान में तीन छात्र और कर्मचारी परियोजना पर काम कर

रहे हैं, जिसका लक्ष्य टेबलटॉप रोबोट-आधारित प्रणाली को डिजाइन करना है ताकि छात्रों को हस्तक्षेप करने और उनका समर्थन करने के लिए कार्य किया जा सके।

- एचआरईई परियोजना: प्रोफेसर समीर सहस्रबुद्धे और प्रोफेसर अदिति कोठियाल पिछले 2 वर्षों से डीआईसी, ईएस 115 और ईएस 117 में स्थित दो पाठ्यक्रमों में सीखने वाले छात्रों पर शोध कर रहे हैं। उनका काम इस बात की पड़ताल करता है कि इन दो पाठ्यक्रमों की संरचना और ऑर्केस्ट्रेशन छात्रों को अंतःविषय और जटिल समस्या सुलझाने की प्रक्रिया को सीखने में मदद करता है जो इंजीनियरिंग डिजाइन है, और डिजाइन के लिए उनकी आत्म-प्रभावकारिता को प्रभावित करता है। उन्होंने यूरोप के सबसे बड़े इंजीनियरिंग शिक्षा सम्मेलन स्विट्जरलैंड के लॉजेन में यूरोपियन सोसाइटी फॉर इंजीनियरिंग एजुकेशन (SEFI 52) के 2024 में वार्षिक सम्मेलन में दो पत्रों में अपने कुछ निष्कर्ष प्रस्तुत किए।

प्रमुख घटनाएं

- संयुक्त सम्मेलन: प्रोफेसर समीर सहस्रबुद्धे और प्रोफेसर अदिति कोठियाल ने प्रोफेसर नीलधारा मिश्रा (CSE) के साथ शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी (T4E) और कम्प्यूट 2024 का आयोजन किया: IIT गांधीनगर में 255 प्रतिनिधियों की मेजबानी करते हुए T4E+Compute 2024 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। सम्मेलन को उद्योग और शिक्षाविदों के प्रब्लेम प्रायोजकों द्वारा समर्थित किया गया था। 4 दिवसीय (संयुक्त सम्मेलन) कार्यक्रम में 9 कार्यशालाएं, 15 पैनल वक्ताओं पर 8 मुख्य वक्ता और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने वाले 8 शिक्षण शोकेस प्रबंधन शामिल थे।
- डिजाइनिंग लर्नर-सेंट्रिक एमओओसी (कार्यशाला): प्रोफेसर समीर सहस्रबुद्धे द्वारा गुजरात राज्य के 100 संकाय सदस्यों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का संचालन किया गया। यह तकनीकी शिक्षा निदेशालय, गुजरात के लिए आयोजित किया गया था।
- डिजाइन थिंकिंग (कार्यशालाएं): डीआईसी के संकाय ने डिजाइन थिंकिंग पर विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया। प्रोफेसर समीर सहस्रबुद्धे और प्रोफेसर मानसी कानेटकर ने फाउंडेशन प्रोग्राम, आरोहण और बोइंग बिल्ड के लिए इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेंटर (आईआईईसी) में विभिन्न सत्र आयोजित किए।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

- डीईएस 201 और डीईएस 303 (टेक्नोप्रेन्योरशिप): छात्रों ने टेक्नोप्रेन्योरशिप इनिशिएटिव का एक चक्र पूरा किया, जहां वे चरण I में विचार विकसित करने और फिर चरण II में व्यावसायीकरण रणनीति विकसित करने की यात्रा से गुजरे।
- ईएस 115: डिजाइन, इनोवेशन और प्रोटोटाइप: प्रथम वर्ष के बीटेक छात्रों के कुल 30 समूहों (388 छात्रों) ने सरल

लेकिन महत्वपूर्ण वास्तविक दुनिया के मुद्दों की पहचान की, और उसी के लिए उत्पाद समाधान डिजाइन और प्रोटोटाइप किए।

नई पहल

- डिजाइन टीम ने सितंबर 2024 में बुलाई गई सलाहकार समिति की सिफारिशों का अनुसरण किया है। फैकल्टी टीम ने आईआईटी गांधीनगर में एसएपीसी और सीनेट के सामने एम डेस कार्यक्रम का प्रस्ताव रखा। कार्यक्रम को मंजूरी दे दी गई है और टीम कार्यक्रम के सफल लॉन्च के लिए एक मजबूत पाठ्यक्रम और एक मार्ग विकसित कर रही है।
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के तहत नेस्टेड होने के लिए एक अनुशासन के रूप में डिजाइन।
- प्रोफेसर मानसी कनेटकर ने प्रोफेसर उत्रमा लाहिड़ी के साथ पहनने योग्य उपकरणों का व्यवसायीकरण करने के लिए ओरेज़ोय मेडेटेक प्राइवेट लिमिटेड नामक एक स्टार्ट-अप कंपनी बनाई है।

प्रव्यात आगंतुक

- प्रोफेसर ए के दास, प्रोफेसर, आईआईटी गुवाहाटी
- डॉ अनंत चक्रदेव, ग्रुप प्रोफेसर, एमआईटी ग्रुप

डीआईसी टीम:

प्रोफेसर मधु वडाली समन्वयक हैं और प्रोफेसर मानसी कनेटकर केंद्र की सह-समन्वयक हैं। डिजाइन के अन्य संकाय में प्रोफेसर समीर सहसबुद्ध, अभ्यास के प्रोफेसर, और प्रोफेसर अदिति कोठियाल, सहायक शिक्षण प्रोफेसर शामिल हैं। प्रोफेसर मलय धमेलिया, सहायक प्रोफेसर, जनवरी 2025 में संस्थान में शामिल हुए, और डिजाइन अनुशासन का हिस्सा होंगे।

डॉ किरण सी पटेल सतत विकास केंद्र

आईआईटी गांधीनगर में डॉ किरण सी पटेल सेंटर फॉर स्टेनेबल डेवलपमेंट (केपीसीएसडी) स्थिरता और उच्च सामाजिक महत्व की संबंधित चुनौतियों पर अत्याधुनिक शोध करता है और अपने मजबूत आउटरीच और प्रौद्योगिकी-हस्तांतरण कार्यक्रमों के माध्यम से लागत प्रभावी और टिकाऊ समाधान को बढ़ावा देता है।

फोकस क्षेत्र

जल: जल और अपशिष्ट जल उपचार, विलवणीकरण, सुरक्षित पेयजल उत्पादन, हाइड्रोलिक्स और जल संसाधन इंजीनियरिंग, जल संसाधन अनुसंधान, जल-ऊर्जा प्रणाली, नदी विज्ञान, जल आपूर्ति, जल संरक्षण, सीवेज और प्रवाह उपचार, कम लागत स्वच्छता, टिकाऊ नदी प्रणाली, जल विभाजन, प्राचीन भारतीय जल प्रबंधन, स्मार्ट हाइड्रोजेल

प्रदूषण और अपशिष्ट प्रबंधन: वायु, जल और मृदा प्रदूषण, वायु गुणवत्ता, लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी, कण इंजीनियरिंग, निर्मित पर्यावरण, कम लागत वाली वायु गुणवत्ता सेंसर, पर्यावरण नीति, सतह इंजीनियरिंग, अपशिष्ट से संसाधन तकनीक,

प्रदूषकों के फैलाव का कंप्यूटर सिमुलेशन, उत्सर्जन नियंत्रण

जलवायु परिवर्तन: जलवायु जोखिम, चरम जलवायु घटनाएं, जलवायु परिवर्तनशीलता, खाद्य-ऊर्जा-जल सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन प्रभाव, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे लचीलापन, आंतरिक परिवर्तनशीलता, हाइड्रोमेटोलॉजिकल चरम सीमाएं, हाइड्रोलॉजिकल प्रक्रियाओं के लिए भौतिकी निर्देशित मशीन लार्निंग, हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग, बाढ़ के खतरे, जलवायु परिवर्तन प्रभाव, समुद्र-स्तर में उतार-चढ़ाव, स्मार्ट-खेती के लिए सिंचाई, पृथ्वी प्रणाली और स्थिरता मॉडलिंग, मानव-पृथ्वी प्रणाली इंटरैक्शन का मॉडलिंग, सतत शहरी विकास

ऊर्जा: ईंधन सेल सिस्टम, ऊर्जा प्रणाली, ऊर्जा रूपांतरण, भंडारण, और अनुकूलन, ऊर्जा प्रबंधन, कार्बनिक एल ई डी, सौर कोशिकाओं, नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली बाजार, स्मार्ट वितरण ग्रिड / माइक्रोग्रिड, थर्मोडायनामिक अनुकूलन, स्मार्ट विनिर्माण, स्मार्ट पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, हरित ऊर्जा अनुकूलन, शुद्ध शून्य संक्रमण, फोटोवोल्टिक बिजली रूपांतरण, परिवहन विद्युतीकरण, ऊर्जा दक्षता, वितरित ऊर्जा, चीनी मिट्टी की चीजें, भूतापीय ऊर्जा, ऊर्जा गरीबी, ऊर्जा अनुप्रयोगों, हाइड्रोजेन उत्पादन, जैव ईंधन में नैनोसाइंस और इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री

प्राकृतिक संसाधन, वन्यजीव और पारिस्थितिक तंत्र: वन्यजीव संरक्षण, स्वदेशी लोग, सामाजिक और पर्यावरणीय न्याय, हिमालयी सीमाएं, पूर्वोत्तर भारत, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण पुरातत्व, स्थिरता मॉडलिंग, पृथ्वी की सतह की प्रक्रियाएं, सतत धारा प्रबंधन, कार्बन अनुक्रम, पारिस्थितिकी तंत्र बहाली और प्रबंधन, पुरातत्व, कार्बन कैचर, सतत विरासत, जनजातीय विकास, तटीय क्षेत्र प्रबंधन

कार्यक्रम

अनुसंधान: स्थिरता पर अनुसंधान का संचालन करना और राष्ट्रीय और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना

अभ्यास: परिसर और पड़ोस में लैब-टू-फील्ड प्रैदौगिकी हस्तांतरण और कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान करना

शिक्षा: आईआईटी गांधीनगर में स्थिरता पाठ्यक्रम विकसित करना और राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर स्थिरता पर अग्रिम शिक्षा

आउटरीच: विद्वानों और पेशेवरों के लिए सम्मेलन, नेटवर्किंग, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित करें

क्षमता निर्माण: संसाधनों और अवसरों तक पहुंच को बढ़ावा देना, अनुकूलित क्षमता निर्माण कार्यक्रम, अंतःविषय सहयोग और ज्ञान साझा करना

गतिविधियों

- 25 अप्रैल से 1 मई के बीच आयोजित ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) इन्वेंटरी प्रिपरेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम का उद्देश्य एन्हांस्ड ट्रांसपेरेंसी फ्रेमवर्क के तहत राष्ट्रीय जीएचजी इन्वेंटरी तैयार करने में भारतीय विशेषज्ञों की क्षमता का निर्माण करना है। इसमें आईपीसीसी 2006 दिशानिर्देश, द्विवार्षिक पारदर्शिता रिपोर्ट और सामान्य रिपोर्टिंग तालिकाएं शामिल हैं। सत्रों में डेटा संग्रह, क्यूए/क्यूसी, अनिश्चितता मूल्यांकन और ऊर्जा, कृषि, वानिकी और अपशिष्ट जैसे प्रमुख क्षेत्रों में इन्वेंटरी प्रबंधन शामिल थे। MoEFCC, UNEP CCC, US

EPA और IPCC के विशेषज्ञों ने संस्थागत व्यवस्था, क्षेत्र-विशिष्ट चुनौतियों और IPCC सॉफ्टवेयर और रिपोर्टिंग टूल में व्यावहारिक प्रशिक्षण में अंतर्दृष्टि प्रदान की। कार्यक्रम ने प्रभावी जीएचजी इन्वेंट्री तैयार करने के लिए सहयोग और ज्ञान विनिमय को बढ़ावा दिया।

- केंद्र ने 13 से 17 मई, 2024 तक पूरे भारत से भारतीय वन सेवा (IFS) अधिकारियों के लिए “वनों और वन्यजीव संरक्षण के लिए अत्याधुनिक तकनीकों और प्रौद्योगिकियों और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में उनकी भूमिका” पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसे MoEFCC द्वारा वित्त पोषित किया गया था। प्रशिक्षण जैव प्रौद्योगिकी, ड्रोन प्रौद्योगिकी, वन्यजीव फोरेंसिक, सामाजिक वानिकी और कार्बन अनुक्रम जैसी उन्नत पद्धतियों पर केंद्रित था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 21 आईएफएस अधिकारियों ने भाग लिया और 20 से अधिक विशेषज्ञों ने सतत विकास के साथ संरक्षण को संतुलित करने, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं में वनों की भूमिका और मांसाहारी संरक्षण के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों पर व्याख्यान दिए। ड्रोन एप्लिकेशन, वैश्विक वन्यजीव फोरेंसिक और एशियाई शेर संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यक्रम ने प्रभावी वन और वन्यजीव संरक्षण के लिए प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नीति को एकीकृत करने पर जोर दिया।
- केंद्र ने 1 से 21 जुलाई, 2024 तक भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों (स्तर 1) पर एनजीपी-डीएसटी समर स्कूल का आयोजन किया। इस 21-दिवसीय कार्यक्रम में सरकार, शिक्षा, गैर सरकारी संगठन आदि के 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया और जीआईएस, रिमोट सेंसिंग, डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग और फील्ड सर्वेक्षण में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। आईआईटी गांधीनगर के संकाय सदस्यों और शोध विद्वानों, इसरो-सैक, बीआईएसएजी आदि के पेशेवरों ने भू-स्थानिक डेटा विज्ञान, वाटरशेड विश्लेषण, क्रायोस्फेरिक अनुप्रयोग, जलवायु परिवर्तन और तटीय पारिस्थितिक तंत्र, ड्रोन डेटा अधिग्रहण, ज़ेरे और जलवायु डेटा, पुरातत्व में जीआईएस और जैव विविधता संरक्षण में जीआईएस सहित विविध विषयों पर व्याख्यान दिए।
- 24 अगस्त, 2024 को, IIT गांधीनगर ने स्टेनेबिलिटी सॉल्यूशंस के लिए नेचुरल रिसोर्स अकाउंटिंग (NRA) पर एक दिवसीय पाठ्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें IIT गांधीनगर और गुजरात के अन्य संस्थानों के 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में स्थिरता, व्यावसायिक उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्टिंग, कॉर्पोरेट रणनीतियों और कार्बन लेखांकन में एनआरए की भूमिका शामिल थी। सत्रों ने पर्यावरणीय क्षरण, भारत की एनआरए नीतियों और शासन में सरकारी लेखा मानक सलाहकार बोर्ड की भूमिका पर नज़र रखने में एनआरए की तात्कालिकता पर जोर दिया। कार्बन लेखांकन के लिए डिजिटल उपकरणों पर एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था और प्रकृति-आधारित समाधानों पर केस स्टडी प्रस्तुत की गई थी। पाठ्यक्रम ने प्रतिभागियों को व्यापार और नीति ढांचे

में स्थिरता को एकीकृत करने के लिए व्यावहारिक कौशल से लैस किया।

- ग्रीन क्लब, NEEV, 16Pixels, अर्थवाइज सोसाइटी और IIT गांधीनगर लाइब्रेरी के सहयोग से केंद्र ने “मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व” पर केंद्रित आकर्षक गतिविधियों की एक शृंखला के साथ 2 से 8 अक्टूबर, 2024 तक राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह मनाया। प्रतिभागियों में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गांधीनगर के छात्रों सहित आईआईटी गांधीनगर समुदाय और उससे आगे के लोग शामिल थे। सप्ताह में बैर्डवाचिंग और फोटोग्राफी प्रतियोगिता, वन्यजीव संरक्षण में महिलाओं पर वन रेंज अधिकारियों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र, मजेदार गतिविधियां, स्कूली बच्चों के लिए एक वृत्तचित्र स्क्रीनिंग, प्रोफेसर सीएन पांडे द्वारा प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व पर एक वार्ता और ‘वन्यजीव संरक्षण में चुनौतियां: प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग’ पर विशेषज्ञ वार्ता शामिल थी। इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस के महानिदेशक डॉ एस पी यादव द्वारा। इन आकर्षक घटनाओं ने वन्यजीव संरक्षण में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व के बारे में जागरूकता को बढ़ावा दिया।
- केंद्र ने अहमदाबाद में 18 नवंबर, 2024 को वार्षिक मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभ्यास, ‘संयुक्त विमोचन 2024’ में भाग लेने के लिए इच्छुक आईआईटी गांधीनगर छात्रों की यात्रा का समन्वय किया। भारतीय सेना ने भारत और मित्र देशों के बीच “गुजरात के तटीय क्षेत्र में चक्रवात” विषय के साथ वार्षिक संयुक्त HADR 2024 अभ्यास आयोजित किया।
- केंद्र ने 18 दिसंबर, 2024 को IIT बॉम्बे रिसर्च हब फॉर ग्रीन एनर्जी एंड स्टेनेबिलिटी (GESH IITB) द्वारा आयोजित ‘GESH स्टेनेबिलिटी कॉन्क्लेव’ में IIT बॉम्बे के वार्षिक टेक-कनेक्ट के एक भाग के रूप में भाग लिया। कॉन्क्लेव को अकादमिक संस्थानों के भीतर नवीन स्थिरता पहलों की खोज और साझा करने के लिए समर्पित एक मंच के रूप में डिजाइन किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पूरे भारत में विभिन्न आईआईटी द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं में तल्लीन करना और शुद्ध-शून्य परिसरों को प्राप्त करने की दिशा में एक रोडमैप पर चर्चा करना है।
- केंद्र ने कैंपस बर्ड काउंट (CBC) में भाग लिया, जो 14 से 17 फरवरी, 2025 तक वैश्विक ग्रेट बैकयार्ड बर्ड काउंट की बड़ी घटना से संबंधित है। इस गतिविधि में छात्रों, कर्मचारियों, शिक्षकों और निवासियों सहित आईआईटी गांधीनगर समुदाय के कई पक्षी उत्साही लोगों ने भाग लिया। केंद्र ने प्रतिभागियों के मार्गदर्शन के लिए चार पक्षी और पारिस्थितिकी विशेषज्ञों, डॉ भरत जेठवा, श्री नौशाद ठेबा, डॉ दिशांत पराशर्य और डॉ जानकी तेली को आमंत्रित किया। सीबीसी के दौरान, 27 चेकलिस्ट इर्बर्ड ऐप (कॉर्नेल लैब ऑफ अर्निथोलॉजी, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी द्वारा विकसित) को प्रस्तुत किए गए थे और 100 से अधिक विविध पक्षी प्रजातियों की सूचना दी गई थी।

- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत सरकार द्वारा डॉ किरण सी पटेल सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट, आईआईटी गांधीनगर को 'भारत में पेयजल की स्थिति की समीक्षा के साथ-साथ सरकार की नीति और कार्रवाई - जमीनी वास्तविकता, चुनौतियां और आगे का रास्ता' पर एक राष्ट्रीय स्तर की परियोजना प्रदान की गई है। प्रोफेसर सीएन पांडे के नेतृत्व में एक साल की परियोजना का उद्देश्य पूरे भारत में सुरक्षित पेयजल पहुंच की जमीनी वास्तविकताओं का आकलन करना है। आईआईटी गांधीनगर के स्रातक और स्रातक छात्रों सहित 15 से अधिक सदस्यों की एक शोध टीम गुजरात विश्वविद्यालय के सहयोग से सुरक्षित पेयजल से संबंधित जमीनी वास्तविकताओं का अध्ययन करने के लिए मिलकर काम कर रही है, जो संभावित रूप से पानी से संबंधित विकास कार्यक्रमों को डिजाइन करने और लागू करने में सहायता कर सकती है।

स्थिरता संगोष्ठी शृंखला

- 'परिवर्तन के लिए संचार: सतत विकास के लिए विज्ञान-आधारित साक्ष्य का लाभ उठाना', 17 अप्रैल, 2024 को नेचर इंडिया की एक पुरस्कार विजेता विज्ञान पत्रकार सुश्री सहाना धोष द्वारा।
- नीदरलैंड में C2CA टेक्नोलॉजी BV की मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी डॉ प्रियदर्शिनी पेरुमल द्वारा 20 जून, 2024 को 'सतत और परिपत्र सामग्री प्रवाह के माध्यम से निर्माण उद्योगों में ड्राइविंग प्रभाव'
- एथोस और एथोस फाउंडेशन की संस्थापक एआर गीता बालकृष्णन द्वारा 10 फरवरी, 2025 को 'वॉकिंग द टॉक़: लर्निंग फ्रॉम द ग्राउंड अॅन होलिस्टिक डेवलपमेंट'

केंद्र ने दो विशिष्ट वक्ता सेमिनारों का आयोजन निमानुसार किया

- 'सभी के लिए स्वच्छ हवा: स्वच्छ हवा, बेहतर स्वास्थ्य और सतत शहरों की सुरक्षा के लिए स्केलेबल वायु गुणवत्ता निगरानी प्रौद्योगिकियां' 3 जुलाई, 2024 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में सिविल इंजीनियरिंग और सतत ऊर्जा इंजीनियरिंग में प्रोफेसर सच्चिदा नंद त्रिपाठी द्वारा प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग और सतत ऊर्जा इंजीनियरिंग में संयुक्त संकाय। यह वार्ता इन्फोसिस साइंस फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित की गई थी।
- 'वन्यजीव संरक्षण में चुनौतियां: प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग' 8 अक्टूबर, 2024 को इंटरनेशनल बिंग कैट एलायंस के महानिदेशक डॉ एसपी यादव (सेवानिवृत्त IFS) द्वारा। यह वार्ता राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह के एक भाग के रूप में आयोजित की गई थी।

सुरक्षा इंजीनियरिंग केंद्र

आईआईटी गांधीनगर में सेंटर फॉर सेफटी इंजीनियरिंग (सीएसई) और फायर इंजीनियरिंग रिसर्च लेबोरेटरी (एफईआरएल) महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करके और अभिनव समाधान विकसित करके सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ाने

के लिए समर्पित हैं। राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर एक मजबूत ध्यान देने के साथ, सीएसई उद्योग, सरकार और शिक्षाविदों से जुड़े सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से भारतीय निर्माताओं को सक्रिय रूप से समर्थन करता है।

लघु शिविर:

- फायर फोरेंसिक और जांच:** सीएसई ने 24-28 जून, 2024 तक फायर फोरेंसिक एंड इन्वेस्टिगेशन पर पांच दिवसीय शॉर्ट कोर्स का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को अग्रि जांच तकनीकों में उन्नत ज्ञान और व्यावहारिक कैशल से लैस करना है। पाठ्यक्रम ने काम करने वाले पेशेवरों, शोधकर्ताओं और सलाहकारों को आकर्षित किया, एक आकर्षक और सूचनात्मक सीखने के माहौल को बढ़ावा दिया।
- अग्रि गतिशीलता में AI अनुप्रयोग:** AI तेजी से विभिन्न उद्योगों को आकार दे रहा है, अग्रि सुरक्षा कोई अपवाद नहीं है। सीएसई ने 09-13 दिसंबर, 2024 तक फायर डायनेमिक्स में एआई अनुप्रयोगों पर एक लघु पाठ्यक्रम का आयोजन किया। पाठ्यक्रम में अग्रि मॉडलिंग, निकासी योजना और डिब्बे अग्रि विश्लेषण में अत्याधुनिक एआई अनुप्रयोग शामिल थे। सम्मानित संकाय और उद्योग विशेषज्ञों ने सीखने के अनुभवों के एक व्यापक स्पेक्ट्रम की सुविधा प्रदान की, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रतिभागियों ने मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त की।

घटनाक्रम और गतिविधियाँ

FERL AT COLAB 2025 इंडस्ट्री ओपन हाउस

CSE ने IIT गांधीनगर में 22 फरवरी, 2025 को एक दिवसीय उद्योग ओपन हाउस CoLab2025 में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस आयोजन ने अकादमिक-उद्योग सहयोग को मजबूत किया, जो उद्योग के पेशेवरों के साथ संभावित साझेदारी का पता लगाने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है।

एफएसबीआई प्रदर्शनी 2025 में सीएसई

सीएसई, फायर सेफ बिल्ड इंडिया (एफएसबीआई) का एक ज्ञान भागीदार, 10 से 12 अप्रैल, 2025 तक मुंबई में एफएसबीआई प्रदर्शनी में भाग लेने की योजना बना रहा है। केंद्र निष्क्रिय अग्रि सुरक्षा के महत्व पर जोर देगा और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में अपनी अनुसंधान और परीक्षण क्षमताओं का प्रदर्शन करेगा। यह आयोजन सरकारी संस्थानों, स्वतंत्र परामर्शदाताओं, अनुसंधान संस्थानों और निगमों के पेशेवरों को आकर्षित करता है।

सिरिम क्स अंतर्राष्ट्रीय अग्रि परीक्षण सुविधा, मलेशिया की यात्रा

सीएसई की एक टीम ने मलेशिया में एसआईआरआईएम क्यूएएस अंतर्राष्ट्रीय अग्रि परीक्षण सुविधाओं का दौरा किया। टीम की मेजबानी अग्रि सुरक्षा और परीक्षण सुविधाओं के प्रमुख श्री जैनी बिन अहमद ने की थी, और उन्नत अग्रि परीक्षण सेवाओं का गहन परिचय प्राप्त किया। इस यात्रा में मलेशियाई फायर प्रोटेक्शन एसोसिएशन (एमएफपीए) और एसकेबी शर्टर्स के दौरे के साथ चर्चा भी शामिल थी, जो अग्रि-रेटेड दरवाजों और विधानसभाओं में विशेषज्ञता वाली एक प्रमुख सुविधा है। इस

यात्रा को स्टीवन ओर्ड और एमएफपीए बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा सुगम बनाया गया था, जो अग्नि सुरक्षा अनुसंधान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करता है।

इंटरसेक 2025, दुबई

सीएसई के सलाहकार श्री जगदीश वातापल्ली ने दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में 14-16 जनवरी, 2025 तक आयोजित इंटरसेक का दौरा किया। इंटरसेक अंतरराष्ट्रीय बाजार से मौजूदा और संभावित ग्राहकों से जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। इस साल, अमेरिका, एशिया, यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका के पेशेवरों ने इस आयोजन में भाग लिया।

यूएई के अग्निशमन अधिकारियों का दौरा

14 फरवरी, 2025 को यूएई सिविल डिफेंस के श्री यूसेफ अब्दुल्ला अली और श्री हुमैद अली ने एफईआरएल का दौरा किया। एफईआरएल टीम ने मुख्यांग अग्नि परीक्षण सुविधा और अग्नि प्रतिरोध परीक्षण क्षमताओं पर काम प्रस्तुत किया। यह यात्रा यूएई फायर सर्विसेज के साथ हमारे सहयोग को मजबूत करती है।

सीएसई प्रभावशाली अनुसंधान चलाने, उद्योग साझेदारी को बढ़ावा देने और शिक्षा, नवाचार और सहयोग के माध्यम से अग्नि सुरक्षा मानकों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।





बाब्ल मामले

समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानों और गैर-शैक्षणिक संगठनों के साथ लगातार मजबूत और परस्पर लाभप्रद संबंध विकसित कर रहा है। छात्रों और शिक्षकों के हितलाभ के लिए 2024-25 में कई साझेदारियां की गईं।

अदानी डिफेंस और एरोस्पेस के साथ सहयोग

आईआईटी गांधीनगर ने 13 मई, 2024 को अदानी समूह की सहायक कंपनी अदानी डिफेंस एंड एरोस्पेस के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), मशीन लर्निंग (ML), और रक्षा अनुप्रयोगों के लिए लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLMs) सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन पर प्रोफेसर अमित प्रशांत, संकायाध्यक्ष, अनुसंधान एवं विकास, आईआईटी गांधीनगर और अडानी डिफेंस एंड एरोस्पेस के सीईओ श्री आशीष राजवंशी ने हस्ताक्षर किए जो आईआईटी गांधीनगर के परिसर में सम्पन्न हुआ। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य रक्षा अनुप्रयोगों के लिए एआई और एमएल के क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और नवाचार में सहयोग को बढ़ावा देना है।

सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर और सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन ने दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 20 मई, 2024 को एक समझौता ज्ञापन (मओयु) में प्रवेश किया। यह समझौता साइबर सुरक्षा, और वित्तीय प्रौद्योगिकी और प्रणालियों में दोहरी डिग्री एमएससी कार्यक्रमों के विकास की सुविधा प्रदान करेगा। समझौता ज्ञापन कर्मचारियों और छात्र आदान-प्रदान के अवसरों का पता लगाने की योजना की रूपरेखा तैयार करता है। एमओयू पर प्रोफेसर एलिजाबेथ हिल, डिप्टी प्रेसिडेंट और प्रोवोस्ट, सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन और प्रोफेसर रजत मूना, निदेशक, आईआईटी गांधीनगर, ने सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन में हस्ताक्षर किए।

समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर और समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश ने उत्तर प्रदेश में पीएम श्री स्कूलों में भाग लेने वाले बच्चों के सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए सहयोगी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 22 मार्च, 2024 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। पीएम श्री स्कूलों के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए, सीसीएल, आईआईटी गांधीनगर विज्ञान, गणित, एफएलएन के लिए एसटीईएम खिलौने, मॉडल और गतिविधियों प्रदान करेगा, जिसमें आउट-ऑफ-द-बॉक्स सोच पहेली और खेल शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक मॉड्यूल अभिनव और रचनात्मक सीखने को बढ़ावा देगा।

देसाई फाउंडेशन ट्रस्ट के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर ने 1 अप्रैल, 2024 को देसाई फाउंडेशन ट्रस्ट (दीएफटी) के साथ एक समझौता किया है, जिसका उद्देश्य समुदायों की सेवा करने के लिए महिलाओं, युवाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और आजीविका के उत्थान पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित करने के लिए दीर्घकालिक संबंध स्थापित करना है। समझौते के तहत, डीएफटी और आईआईटी गांधीनगर कई परियोजनाओं पर सहयोग करेंगे। आईआईटी गांधीनगर के सामुदायिक आउटटरीच कार्यक्रम, नीव और न्यासा इन कार्यक्रमों को जमीनी स्तर पर लागू करते हैं।

आईआईटी जम्मू में एआईसीपीएमयू के साथ समझौता ज्ञापन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू में आईआईटी गांधीनगर और एआईसीपीएमयू ने 26 मार्च, 2024 को छात्रों, शिक्षकों, स्टार्ट-अप, कोहरेट पार्टनर्स आदि द्वारा विकसित किए जा रहे नवाचार के अनुसंधान और विकास में निवेश के लिए सहयोग के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

आईआईआईटी सूरत के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर ने 3 जुलाई, 2024 को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान सूरत के साथ एक समझौता ज्ञापन (मओयु) में प्रवेश किया। समझौते का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच अकादमिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देना है। समझौता ज्ञापन कर्मचारियों और छात्र आदान-प्रदान के अवसरों का पता लगाने की योजना की रूपरेखा तैयार करता है।

जेएआईएसटी के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर ने शैक्षिक और वैज्ञानिक आदान-प्रदान और सहयोग विकसित करने के लिए 28 अगस्त, 2024 को जापान एडवांस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (JAIST) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत, दोनों संगठन संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन करेंगे, अकादमिक प्रकाशनों और रिपोर्टों का आदान-प्रदान करेंगे, और संयुक्त संगोष्ठी, कार्यशालाओं, व्याख्यान और सम्मेलनों को आयोजित करने के लिए सहयोग करेंगे।

ईसीआईएल के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर ने 21 अगस्त, 2024 को इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ECIL) के साथ एक

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग ने उच्च तकनीक सुरक्षा उत्पादों की उत्तरी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर चिह्नित किया, क्योंकि ईसीआईएल, जो अपने अत्याधुनिक योगदान के लिए प्रसिद्ध है, ने आईआईटी गांधीनगर के रिसर्च पार्क के भीतर अपनी उपस्थिति स्थापित की। आईआईटी गांधीनगर उत्तर वाहन निगरानी (यूवीएस) प्रणालियों के विकास पर ईसीआईएल के साथ सहयोग करेगा।

LTSCT के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोगी अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए 24 अगस्त, 2024 को L&T सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजीज (LTSCT) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह सहयोग भारत सरकार की प्रमुख आईडी आईसी परियोजनाओं जैसे ई-पासपोर्ट, ई-ड्राइविंग लाइसेंस, ई-आधार और ईवीएम के संयुक्त विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसके अतिरिक्त, साझेदारी दूरसंचार प्रौद्योगिकी विकास निधि योजना के तहत क्वांटम एन्क्रिप्शन एल्गोरिदम (QEA) विकास को आगे बढ़ाएगी।

मिलाक्रॉन इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर ने 7 जुलाई, 2024 को अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) पहल के हिस्से के रूप में मिलाक्रॉन इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह सहयोग संस्थान को दिव्यांग छात्रों के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। इसके अतिरिक्त, यह साझेदारी नीव, आईआईटी गांधीनगर के सामुदायिक आउटटरीच कार्यक्रम का सहयोग करेगी, जो स्थानीय समुदायों के उत्थान और सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एमओयू पर प्रोफेसर प्रतीक मुथा, डीन, इंस्टीट्यूशनल एडवांसमेंट, आईआईटी गांधीनगर और श्री हितेश शर्मा, मुख्य वित्तीय अधिकारी, मिलाक्रॉन इंडिया ने हस्ताक्षर किए।

शाह भोगीलाल जेठालाल एंड ब्रदर्स के साथ एमओयू

आईआईटी गांधीनगर ने संस्थान में फायर इंजीनियरिंग अनुसंधान सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 19 अगस्त, 2024 को शाह भोगीलाल जेठालाल और ब्रदर्स के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के हिस्से के रूप में, श्री मुकेशभाई शाह ने अग्रि अनुसंधान के लिए समर्पित एक नए प्रयोगशाला भवन के निर्माण के लिए उदारतापूर्वक निधि देने का वचन दिया है। इस योगदान को मान्यता देते हुए, नई सुविधा और मौजूदा अनुसंधान प्रयोगशाला का नाम 'शाह भोगीलाल जेठालाल प्रयोगशाला फॉर पैसिव फायर सिस्टम टेस्टिंग' रखा जाएगा।

आईआईआईटी वडोदरा के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर और आईआईआईटी वडोदरा ने 3 अक्टूबर, 2024 को एक समझौता ज्ञापन (मओयु) में प्रवेश किया। समझौते का उद्देश्य छात्र और कर्मचारियों के आदान-प्रदान कार्यक्रमों को बढ़ावा देना, अंतर-संस्थान अनुसंधान और सहयोग को मजबूत करना है। यह समझौता आईआईआईटी वडोदरा के छात्रों को आईआईटी गांधीनगर द्वारा समलित

किए गए ग्रीष्मकालीन अनुसंधान इंटर्नशिप कार्यक्रम (एसआरआईपी) के लिए आवेदन करने में मदद करेगा, और यहां एक सेमेस्टर के लिए अध्ययन प्रदान करेगा करेगा। इसके अलावा, समझौता ज्ञापन का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देना है।

राष्ट्रीय शिक्षा विश्वविद्यालय चंगुआ के साथ सहयोग

आईआईटी गांधीनगर ने 19 नवंबर, 2024 को चंगुआ के राष्ट्रीय शिक्षा विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता शिक्षण, अध्ययन और शैक्षणिक अनुसंधान के उद्देश्य से संकाय, छात्रों और शोधकर्ताओं के साथ शैक्षणिक सामग्री के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करता है। दोनों संस्थानों के बीच एक छात्र विनिमय समझौता पूर्णकालिक स्रातक और स्रातक छात्रों के लिए विनिमय के अवसरों को भी सक्षम बनाता है।

राष्ट्रीय यांग मिंग चियाओ तुंग विश्वविद्यालय, ताइवान के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर ने 19 नवंबर, 2024 को कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग, नेशनल यांग मिंग चियाओ तुंग विश्वविद्यालय, ताइवान के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौते का उद्देश्य व्याख्यान, सम्मेलन, अनुसंधान परियोजनाओं का आयोजन करके और एक दूसरों के बीच विनिमय कार्यक्रमों को बढ़ावा देकर दोनों संस्थानों के बीच अंतर्राष्ट्रीय समझ और सहयोग को बढ़ावा देना है।

ताइवान के नेशनल चुंग चेंग यूनिवर्सिटी साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर ने 20 नवंबर, 2024 को नेशनल चुंग चेंग यूनिवर्सिटी, ताइवान के साथ अकादमिक सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौते का उद्देश्य संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों और डिग्री कार्यक्रमों को बढ़ावा देना, शैक्षणिक सामग्रियों के आदान-प्रदान को सक्षम करना, इंटर्नशिप और विश्राम का समर्थन करना और स्रातक और स्रातकोत्तर छात्रों के लिए अकादमिक इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है। दोनों संस्थानों के बीच एक विदेश में अध्ययन कार्यक्रम समझौता भी स्थापित किया गया है, जो दोनों संस्थानों के छात्रों को दूसरे संस्थान में एक या दो सेमेस्टर बिताने के लिए प्रोत्साहित करता है।

नेशनल चेंग कुंग यूनिवर्सिटी, ताइवान के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर और नेशनल चेंग कुंग यूनिवर्सिटी ने इंटीग्रेटेड सर्किट डिजाइन और सेमीकंडक्टर्स के क्षेत्रों में अकादमिक और अनुसंधान सहयोग के लिए 23 अक्टूबर, 2024 को एक समझौता किया। समझौते का उद्देश्य संस्थानों और छात्रों और कर्मचारियों के आदान-प्रदान के बीच संयुक्त डबल डिग्री कार्यक्रम विकसित करना है।

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सैन डिएगो, यूएसए के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो, संयुक्त राज्य अमेरिका ने 28 जनवरी, 2025 को एक समझौता ज्ञापन (मओयु) में प्रवेश किया। समझौते का उद्देश्य छात्र और कर्मचारियों के आदान-प्रदान कार्यक्रमों को बढ़ावा देना, अंतर-संस्थान को मजबूत करना है।

केनरा बैंक के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर में IIEC ने 28 जनवरी, 2025 को केनरा बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन (मओयु) पर हस्ताक्षर किए। उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार, उद्यमशीलता और ज्ञान-साझाकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, यह सहयोग केनरा बैंक के व्यापक उद्योग और ग्राहक नेटवर्क का लाभ उठाकर आईआईटी गांधीनगर छात्रों की शिक्षा और प्रशिक्षण में अनुसंधान और विकास पर सहयोग करना है।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड ने 5 मार्च, 2025 को एक समझौता ज्ञापन (मओयु) में प्रवेश किया। समझौते का उद्देश्य सेमीकंडक्टर विनिर्माण और आईआईटी गांधीनगर छात्रों की शिक्षा और प्रशिक्षण में अनुसंधान और विकास पर सहयोग करना है।

गुजरात ऊर्जा अनुसंधान और प्रबंधन संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर और गुजरात ऊर्जा अनुसंधान और प्रबंधन संस्थान ने 31 जनवरी, 2025 को एक समझौता ज्ञापन (मओयु) में प्रवेश किया। इस सहयोग का उद्देश्य जीईआरएमआई और आईआईटी गांधीनगर के बीच बातचीत शुरू करने और संयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक औपचारिक आधार प्रदान करना है।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर ने 29 जनवरी, 2025 को 'मैटिंग अर्कियोलॉजिकल हेरिटेज इन साउथ एशिया (MAHSA)' नामक एक आर्केडिया-वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना पर एक साथ काम करने के लिए एक सहयोग समझौता किया।

सियाम विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन

आईआईटी गांधीनगर और SIAM विश्वविद्यालय ने दोनों संस्थानों और व्यक्तिगत शोधकर्ताओं और छात्रों के लाभ के लिए पारस्परिक आधार पर शैक्षणिक, अनुसंधान और वैज्ञानिक सहयोग विकसित करने के लिए 24 मार्च, 2025 को एक समझौता ज्ञापन (मओयु) में प्रवेश किया।



सुरेंद्र और जयश्री शेठ एंडोमेंट की स्थापना

डॉ सुरेंद्र सुरेंद्र सी शेठ और श्रीमती जयश्री एस शेठ द्वारा किए गए उदार योगदान की सराहना में, अकादमिक भवन 1 (101 और 102) में व्याख्यान हॉल का नाम बदलकर सुरेंद्र सी शेठ और जयश्री एस शेठ लर्निंग थिएटर 29 जनवरी, 2025 को रखा गया।

सिंहेश्वरी और रामकृष्ण झा चेयर की स्थापना

सिंहेश्वरी और राम कृष्ण झा चेयर की स्थापना श्री जगदीश झा और श्रीमती सीमा झा के उदार समर्थन से आईआईटी गांधीनगर में शैक्षिक और अनुसंधान उत्कृष्टता का समर्थन करने के लिए की गई है। यह संकाय अध्यक्ष श्री झा के माता-पिता के सम्मान में स्थापित किया गया है।

राष्ट्रीय

संगठन

वस्तुनिष्ठ

उच्च शिक्षा वित्त पोषण एजेंसी

शोध कार्य के लिए

अदानी एंटरप्राइज लिमिटेड

अदानी इंडोलॉजी रिसर्च स्कॉलरशिप प्रोग्राम प्रोजेक्ट के वित्तपोषण और प्रबंधन के लिए पार्टीयों के बीच सामान्य ढांचे की रूपरेखा तैयार करना

Infineon टेक्नोलॉजीज इंडिया (प्राइवेट) लिमिटेड

औद्योगिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, नवाचार और प्रतिभा विकास के क्षेत्रों में आईआईटी गांधीनगर और आईएफआईएन के बीच सहयोग के लिए एक ढांचा स्थापित करना

श्रीमती सीमा झा एवं श्री जगदीश झा

शैक्षिक और अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ावा के लिए

अंतरराष्ट्रीय

किंग मोंगकुट यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी थोनबुरी, थाईलैंड

छात्रों का आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों और प्रकाशनों को सक्षम करना, सेमिनारों और अकादमिक बैठकों में भागीदारी, शैक्षणिक सामग्री और अन्य सूचनाओं का आदान-प्रदान, विशेष अल्पकालिक शैक्षणिक कार्यक्रम

मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी ईस्ट लॉसिंग, मिशिगन, यूएसए

शिक्षा और अनुसंधान, प्रकाशनों और शैक्षणिक जानकारी में सामग्री का आदान-प्रदान; संकाय और शोध विद्वानों का आदान-प्रदान; शिक्षा और अनुसंधान के लिए संयुक्त अनुसंधान और बैठकें; तकनीकी सहायता; छात्र आदान-प्रदान

चियांग माई विश्वविद्यालय, थाईलैंड

संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों, व्याख्यान, सम्मेलनों; अध्ययन और अनुसंधान के लिए संकाय सदस्यों, सातकोत्तर और सातक छात्रों का आदान-प्रदान; पाठ्यक्रमों और शैक्षणिक कार्यक्रमों का सहकारी विकास; उद्योग-अकादमिक संयुक्त कार्यक्रमों का विकास

Iscte - यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ लिस्बन (Iscte), इरास्मस, ईयू

यूरोपीय संघ के सदस्य राज्यों और कार्यक्रम से जुड़े तीसरे देशों और कार्यक्रम से जुड़े तीसरे देशों के बीच उच्च शिक्षा के छात्रों और कर्मचारियों के लिए सीखने की गतिशीलता; इरास्मस + कार्यक्रम के संदर्भ में छात्रों और/या कर्मचारियों के आदान-प्रदान के लिए सहयोग करना



आईआईटी गांधीनगर इनोवेशन एंड स्टार्टअप केंद्र

आईआईटी गांधीनगर इनोवेशन एंड स्टार्टअप केंद्र (IIEC) संस्थान के इनक्यूबेशन और प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण पहल का समर्थन करने के लिए एक प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर है। इसका उद्देश्य अंतःविषय दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए नवीन और रचनात्मक सोच के माध्यम से तकनीकी-उद्यमिता को बढ़ावा देना है। इस वर्ष, आईआईईसी ने कुल 45 स्टार्टअप का समर्थन किया, जो विभिन्न श्रेत्रों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देते हैं।

स्टार्टअप की उपलब्धियां

डॉ. चंदन कुमार झा और रूपशा मुखर्जी द्वारा स्थापित गैलेंटो इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड को वॉयस ऑफ हेल्पकेयर स्ट्रोक इनोवेशन एंड एक्सीलेंस अवार्ड्स में प्रतिष्ठित 'बेस्ट स्ट्रोक इनोवेटर ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह प्रशंसा स्ट्रोक पुनर्वास और उपचार में अभूतपूर्व प्रगति को पहचानती है।

एग्रोकास्ट एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक डॉ हर्ष शाह को द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) द्वारा सिविल इंजीनियरिंग 2024 में प्रतिष्ठित IEI यंग इंजीनियर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार कोच्चि में सिविल इंजीनियरों के 39 वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया था।

श्री श्रेयस धीमेट और निधि प्रयासी द्वारा स्थापित प्रवाह मोटर्स को निरंतर गति वाले प्राथमिक ड्राइव मोटर वाले ट्रैक्टरों और वाहनों के लिए ट्रांसमिशन सिस्टम के लिए पेटेंट नंबर 541111 दिया गया है। यह नवाचार कृषि और औद्योगिक अनुप्रयोगों में दक्षता और प्रदर्शन को बढ़ाता है। इसे मोटर वाहन क्षेत्र में अपने अभूतपूर्व योगदान के लिए महाराष्ट्र राज्य नवाचार योजना के तहत भी चुना गया है।

बीवी जगदीश के साथ अपना स्टार्टअप बनाएं

18 से 22 अक्टूबर, 2024 तक आईआईईसी, आईआईटी गांधीनगर द्वारा आयोजित बीवी जगदीश के साथ "बिल्ड योर स्टार्टअप" का छठा संस्करण 50 छात्रों, 15 स्टार्टअप और 4 पेशेवरों को एक साथ लाया। पांच दिवसीय कार्यक्रम ने उद्यमिता

में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान की, जिसमें उत्पाद विकास, बाजार फिट, बिक्री, विपणन और वित्त पोषण शामिल थे। उद्यमी बीवी जगदीश के नेतृत्व में, सत्रों में केस स्टडी और वास्तविक दुनिया के उदाहरण शामिल थे। हाइलाइट्स में श्री नागानंद दोरास्वामी के साथ एक आभासी सत्र और भारत की शिक्षा प्रणाली में सीखने पर प्रोफेसर मनीष जैन द्वारा एक व्यावहारिक व्याख्यान शामिल था।

बोइंग बिल्ड क्षेत्रीय बूटकैंप

आईआईईसी ने बोइंग के सहयोग से, 6-9 फरवरी, 2025 तक बोइंग यूनिवर्सिटी इनोवेशन लीडरशिप डेवलपमेंट कार्यक्रम के पांचवें संस्करण की मेजबानी की। इस पहल का उद्देश्य छात्र-से-स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है, जो युवा नवप्रवर्तकों को भारत, भारत और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण विचारों को विकसित करने के लिए सशक्त बनाता है। बिल्ड कार्यक्रम सक्रिय रूप से इच्छुक नवप्रवर्तनकों को उनके विचारों को परिष्कृत करने और उनकी पिचों को व्यवहार्य उत्पादों में बदलने के लिए आवश्यक ज्ञान, परामर्श और विशेषज्ञता प्रदान करके संलग्न करता है। इस पहल के माध्यम से, प्रतिभागियों को उद्यमिता, नवाचार और विचार से निष्पादन तक की यात्रा में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त होती है।

निधि प्रयास - फंडिंग साइकिल 2024-25 (जनवरी - फरवरी 2025)

निधि प्रयास के बारे में

निधि प्रयास एक सरकार समर्थित पहल है जिसका उद्देश्य युवा और महत्वाकांक्षी प्रौद्योगिकी उद्यमियों का समर्थन करना है। कार्यक्रम इनोवेटर्स को फंडिंग प्रदान करता है, जिससे उन्हें प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट इनोवेशन विकसित करने में मदद मिलती है। आईआईईसी को 2024-25 के लिए निधि प्रयास कार्यक्रम को लागू करने के लिए 120 लाख रुपये का धन प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम के तहत, एक इनोवेटर/टीम/स्टार्टअप को विचार को

प्रोटोटाइप में परिवर्तित करने के लिए 10 लाख रुपये तक की सहायता राशि प्रदान की जाती है।

श्री शार्दुल राव के साथ संवाद सत्र

डीएसटी के वैज्ञानिक सी श्री शार्दुल राव ने 26 जून, 2024 को आविष्कार कारखाने के अतिथि मूल्यांकनकर्ता के रूप में परिसर का दौरा किया। उन्होंने आईआईईसी में इनक्यूबेट किए गए लगभग 10 स्टार्टअप के साथ बातचीत की और उनमें से प्रत्येक को विशेषज्ञ प्रतिक्रिया प्रदान की।

श्री अजय मेहता के साथ इंटरैक्टिव सत्र

जेरोक्स और हनीवेल में प्रमुख भूमिकाओं सहित उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया में फैले 55 साल के प्रबंधन कैरियर के साथ श्री अजय मेहता ने आईआईईसी में स्टार्टअप के साथ एक खुली चर्चा की मांग की। श्री मेहता को विशेष रूप से पीएसआई डेटा सिस्टम और ओआरजी इंफॉर्मेटिक्स को भारत में वैश्विक आईटी लीडर्स में बदलने के लिए जाना जाता है। 19 अप्रैल, 2024 को आयोजित सत्र ने लगभग 20 स्टार्टअप को आकर्षित किया।

डॉ. अनीता गुप्ता के साथ इंटरएक्टिव सत्र

डीएसटी में वैज्ञानिक जी डॉ अनीता गुप्ता ने 24 जुलाई, 2024 को रिसर्च पार्क और आईआईईसी का दौरा किया, जहां उन्हें विभिन्न स्टार्टअप द्वारा प्रस्तुत अभिनव उत्पादों की एक शृंखला से परिचित कराया गया। इसने आईआईईसी में अत्याधुनिक विकास में उनकी मूल्यवान अंतर्दृष्टि दी। इसके अतिरिक्त, आईआईटी गांधीनगर के संकाय सदस्यों और रिसर्च पार्क में कंपनियों के प्रतिनिधियों ने उन्हें जलवायु, ऊर्जा और सतत प्रौद्योगिकी में आईआईटी गांधीनगर द्वारा किए जा रहे कार्यों से अवगत कराने के लिए काम किया और इसे आगे बढ़ाने के लिए उनके इनपुट और समर्थन की तलाश की। बैठक में लगभग 35 स्टार्टअप और आईआईटी गांधीनगर संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

प्रोफेसर अशोक झुनझुनवाला के साथ बातचीत

आईआईटी मद्रास के एक प्रमुख शिक्षाविद् प्रोफेसर अशोक झुनझुनवाला को भारत में दूरसंचार, ऊर्जा और ईवी नवाचारों के लिए जाना जाता है। उन्होंने वहां स्टार्टअप और रिसर्च पार्क की पहल का नेतृत्व किया। 22 अक्टूबर, 2024 को आयोजित अपने सत्र में, प्रोफेसर झुनझुनवाला ने अपने विचार साझा किए, और भविष्य के विकास पर स्टार्टअप का उल्लेख किया।

श्री वेंकटचलम (सलाहकार, सेंटर फॉर सेप्टी इंजीनियरिंग, आईआईटी गांधीनगर) द्वारा परामर्श सत्र

श्री वेंकी का विभिन्न बाजारों में भारतीय और बहुराष्ट्रीय दोनों तरह के बड़े उद्यमों की स्थापना और विकास का नेतृत्व करने का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। वह व्यापार रणनीति और निष्पादन में उत्कृष्टता प्राप्त करता है, जिसने बाजार नेतृत्व हासिल करने के लिए बड़ी बहुसांस्कृतिक समुहों का नेतृत्व किया है। वर्तमान में, वह आईआईईसी में सलाहकार के रूप में आईआईटी गांधीनगर के साथ जुड़े हुए हैं। वह आईआईटी गांधीनगर में सेंटर फॉर सेप्टी इंजीनियरिंग और बियॉन्ड कार्लटन फाउंडेशन के माध्यम से सार्वजनिक सुरक्षा में नीति वकालत और अनुसंधान के बारे में भी उत्साहित है। ये परामर्श सत्र सभी के लिए खुले हैं, लेकिन नए प्री-इनक्यूबेट्स और आईआईटी गांधीनगर छात्रों को विशेष रूप से स्टार्टअप संचालन और संभावित परिणामों के बारे में श्री वेंकी की गहरी समझ से लाभ होता है।

श्री प्रवीण गुप्ता (आईआईईसी सलाहकार, इनक्यूबेशन ग्रोथ)

श्री गुप्ता ऑटो कंपोनेट्स और औद्योगिक उत्पादों के क्षेत्र में एक

अनुभवी महाप्रबंधक है, जिनका टर्नआराउंड में एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है। उनके पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की डिग्री और शीर्ष स्कूलों से एमबीए है और उन्होंने ओई, रिटेल और फील्ड सर्विस में बहुराष्ट्रीय और भारतीय दोनों कंपनियों में नेतृत्व की भूमिका निभाई है। वर्तमान में, वह व्यावसायिक प्रदर्शन और ईएसजी पहल, कोच सीएक्सओ-स्टर के अधिकारियों और संरक्षक स्टार्टअप पर संगठनों को सलाह देते हैं। वह सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी के बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में भी कार्य करता है। हाल ही में, उन्होंने भारत में क्योसेरा एवीएक्स के ऑटोमोटिव व्यवसाय का नेतृत्व किया, इसे ऑटोमोटिव सेंसर में मार्केट लीडर के रूप में स्थापित किया और बीएस-VI सेंसर के लिए क्षमता का विस्तार किया। मिंडा एसएआई के एमडी के रूप में, उन्होंने आठ वर्षों में 25% सीएजीआर हासिल किया। इससे पहले, उन्होंने यश बिडला समूह में चार कंपनियों को पुनर्जीवित किया और टाटा ऑटोकॉम्प समूह, डेल्फी ऑटोमोटिव सिस्टम्स, बॉश और टाटा स्टील में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई।

पाठ्यचर्या संबंधी हस्तक्षेप

उद्यमशीलता की मानसिकता विकसित करने के लिए, आईआईईसी ने पिछले एक वर्ष में कई शैक्षणिक कार्यक्रमों की सुविधा प्रदान की। कुछ पाठ्यक्रम हैं: अनुभवात्मक उद्यमिता, उद्यमी प्रेरणा में प्रयोगशाला (एलईएम), व्यापार, संगठन और वित्त का परिचय, वित्त कार्यशाला के मूल सिद्धांत, और नवाचार और उद्यमिता के लिए गैर-पाठ्यक्रम हस्तक्षेप।



आईआईटी गांधीनगर रिसर्च पार्क

आईआईटी गांधीनगर रिसर्च पार्क उद्योग और शिक्षा के बीच एक मजबूत संबंध को बढ़ावा देकर नवाचार और अनुसंधान की सीमाओं को आगे बढ़ाना चाहता है। उद्योग अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को पूरा करने के लिए आईआईटी गांधीनगर रिसर्च पार्क में अपने कार्यालय स्थापित कर सकते हैं। यह उन्हें एक जीवंत समुदाय का हिस्सा बनने और आईआईटी गांधीनगर में अनुसंधान एवं विकास पेशेवरों, छात्रों और अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास बुनियादी ढांचे तक पहुंच प्राप्त करने की अनुमति देता है।

नई कंपनियां

इस अवधि के दौरान, पांच नई कंपनियां: जलकृति वाटर सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, एटिगो एंटरप्राइजेज लिमिटेड, विंडिगोट्रेड प्राइवेट लिमिटेड (TRADO), प्रोसिल थेरेप्यूटिक्स प्राइवेट लिमिटेड और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ECIL) रिसर्च पार्क में शामिल हुई हैं।

वर्तमान कंपनियां

| कंपनी का नाम | अधिकृत क्षेत्र (वर्ग फुट) | रुचि का क्षेत्र |
|---|-------------------------------------|--|
| गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (GUVNL) | 3760 | बिजली |
| डीपी पल्लेरिसेर इंडस्ट्रीज | 242 | निर्माण |
| नैसकॉम | 8000 | आईओटी और आईटी |
| पैनआईआईटी एलुमनी रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन (PARFI) | 160 | कौशल विकास |
| फायरटेक इक्विपमेंट एंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड | 250 | अग्रिशमन और अग्नि सुरक्षा उपकरण |
| सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज | 350 | आईओटी, क्लाउड प्रबंधन और आईटी समाधान |
| भू मानचित्र | 250 | वाक्य-रचना |
| नामटेक - AMNS इंडिया | 1,11,053 | स्किल इंडिया 4.0 |
| कोर्टेक्स कंस्ट्रक्शन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड | 400 | वाक्य-रचना |
| शाह भोगीलाल जेठालाल & ब्रोस | 500 | अग्रिशमन और अग्नि सुरक्षा उपकरण |
| बायोटेक विजन केयर प्राइवेट लिमिटेड | 500 | स्वास्थ्य देखभाल |
| एग्रीकास्ट एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड | 230 | एग्रीटेक |
| गुजरात ऊर्जा प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान | 1886 | प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और ऊर्जा संक्रांति |
| प्रॉम्प्ट इक्विपमेंट प्राइवेट लिमिटेड | 250 | साधन |
| प्रोसिल थेरेप्यूटिक्स प्राइवेट लिमिटेड | 1170 | जैव प्रौद्योगिकी |
| जलकृति वाटर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड | आईआईसी को-वर्किंग स्पेस में 3 सीटें | जल और जलवायु |
| इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) | 786 | इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा |
| एटिगो एंटरप्राइजेज लिमिटेड | 310 | बचाव और सुरक्षा |
| विंडिगोट्रेड प्राइवेट लिमिटेड (TRADO) | 210 | फिनेटेक |

घटनाएँ और गतिविधियाँ

खाद्य, कृषि और डेयरी के क्षेत्र में काम करने वाले लगभग 15 गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (जीसीसीआई) के सदस्यों ने 31 मई, 2024 को रिसर्च पार्क का दौरा किया। समकालीन चुनौतियों और भविष्य के सहयोग के रास्ते पर चर्चा करने के लिए 4 संकाय सदस्यों को शामिल करने हेतु एक बेठक आयोजित की गई थी।

गुजरात के विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों और पॉलिटेक्निक संस्थानों के 45 शिक्षण संकाय सदस्यों के एक समूह ने तकनीकी शिक्षा आयुक्तालय गांधीनगर के अनुरोध पर संस्थान का दौरा किया। उन्हें प्रोफेसर अमित प्रशांत, डीन, आर एंड डी द्वारा संबोधित किया गया था, और उन्हें आईआईटी गांधीनगर में विभिन्न सुविधाओं से परिचित कराया गया था।

रिसर्च पार्क टीम ने 21 जनवरी, 2025 को आईआईटी गांधीनगर परिसर में प्रतिष्ठित पैन आईआईटी वर्ल्ड ऑफ टेक्नोलॉजी (PIWOT) 2025 उपग्रह कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह आयोजन 100 से अधिक प्रतिष्ठित उद्योगपतियों को एक साथ लाया, जो भविष्य को आकार देने में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका पर नवाचार, सहयोग और चर्चा के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करता है। अतिथियों ने कई आईआईटी गांधीनगर प्रयोगशालाओं के साथ सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग (सीसीएल) का दौरा किया और आईआईटी गांधीनगर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेंटर द्वारा शुरू किए गए स्टार्टअप के साथ जुड़े।



पुस्टफाई और सम्मान

संकाय सदस्य:

- प्रो. कार्ला पी. मर्काडो शेखर, सहयुक्त आचार्य, जैविक विज्ञान और अभियांत्रिकी को अल्ट्रासोनिक्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए आईईई अल्ट्रासोनिक्स, फेरोइलेक्ट्रिक्स और फ्रिक्वेंसी कंट्रोल (UFFC) सोसाइटी द्वारा स्कॉलर के रूप में सम्मानित और नामित किया गया।
- प्रो. मिथुन राधाकृष्ण, सहयुक्त आचार्य, रासायनिक अभियांत्रिकी को ऑल इंडिया रेडियो के मैसूर केंद्र से बी-ग्रेड कलाकार के रूप में मान्यता दी गई है।
- प्रो. पंकज खन्ना और प्रो. रुसा मंडल, सहायक आचार्य, क्रमशः पृथ्वी विज्ञान और भौतिकी, को पृथ्वी विज्ञान में भारतीय विज्ञान अकादमी के सहयुक्त के रूप में चुना गया।
- प्रो. इति गुप्ता, सहयुक्त आचार्य, रसायन विज्ञान को भौतिक विज्ञान श्रेणी में राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (NASI) के सदस्य के रूप में चुना गया।
- प्रो. सुशोभन सेन, सहायक आचार्य, सिविल अभियांत्रिकी को अमेरिका के पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय के सहयोगियों के साथ कंक्रीट फुटपाथ में डिजाइन नवाचारों के लिए अमेरिकन कंक्रीट पेवमेंट एसोसिएशन (एसीपीए) के रॉबर्ट जी पैकार्ड पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- प्रो. अदिति कोठियाल, सहायक शिक्षण आचार्य, मानविकी और सामाजिक विज्ञान; प्रो. समीर सहसबुद्धे, अभ्याष के प्राध्यापक, मानविकी और सामाजिक विज्ञान; और प्रो. मधु वडाली, सहायक आचार्य, यांत्रिक अभियांत्रिकी ने यूरोपीय सोसायटी फॉर अभियांत्रिकी एजुकेशन के वार्षिक सम्मेलन में 'सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र' का पुरस्कार जीता।
- प्रो. चंद्रकुमार अप्पायी, सहयुक्त आचार्य, रसायन विज्ञान, को रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री जर्नल केमिकॉम द्वारा पायनियरिंग इन्वेस्टिगेट्स समूह में शामिल किया गया
- प्रो. मनीष कुमार, सहयुक्त आचार्य, सिविल अभियांत्रिकी, को जर्नल ऑफ स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी के संपादक द्वारा ASCE उत्कृष्ट समीक्षक 2023 के रूप में नामित किया गया था।
- आईआईटी गांधीनगर के निदेशक प्रो. रजत मूना को आईआईटी कानपुर द्वारा प्रतिष्ठित 'इंस्टीट्यूट फेलो' अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान शिक्षा, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास को आगे बढ़ाने के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान का जश्न मनाता है।
- प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरन, कंकुबेन बरुशीरामभाई गेलोट चेयर आचार्य, रसायन विज्ञान, को चिरंतन रसायन संस्था (सीआरएस) रजत पुरस्कार के लिए नामित किया गया था।

- विद्युत अभियांत्रिकी के प्रो. उत्रमा लाहिड़ी, आईआईटी गांधीनगर के पूर्व छात्र डॉ. दीपेश कुमार और डॉ. धवल सोलंकी, और रोड आइलैंड विश्वविद्यालय (यूएसए) के आचार्य कुणाल मनकोडिया के साथ, यूएस नेशनल साइंस फाउंडेशन से “री-गेन: स्ट्रोक पुनर्वास के लिए पहनने योग्य ई-टेकस्टाइल्स, वर्चुअल/संवर्धित वास्तविकता और एआई को एकीकृत करने वाला एक अनुकूल मेडिकल सीपीएस प्लेटफॉर्म” नामक परियोजना के लिए 500,000 अमेरिकी डॉलर का तीन साल का अनुदान प्राप्त किया।
- अंकिता रघुवंशी, पीएचडी स्कॉलर सहित एक शोध दल; डॉ. प्रिया पल्लवी, पूर्व छात्र; पारोमिता मित्रा, पीएचडी स्कॉलर; वैभव रामप्रसाद यादव, सीनियर रिसर्च फेलो; प्रो. उत्रमा लाहिड़ी, आचार्य, विद्युत अभियांत्रिकी ; और प्रो. मानसी कानेटकर, सहयुक्त शिक्षण आचार्य ने प्रतिष्ठित गांधीवादी यंग टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन-2023 (GYTI) प्रशंसा पुरस्कार जीता।
- प्रो. ज्योति कृष्णन, सहायक शिक्षण आचार्य , और भव्य अग्रवाल, खिलौना और खेल डिजाइनर, सीसीएल, आईआईटी गांधीनगर द्वारा विकसित एक गेम ‘राही’ को डेनमार्क में आयोजित गेम-बेस्ड लर्निंग के लिए 18 वें यूरोपीय सम्मेलन में ‘गेम इन डेवलपमेंट’ श्रेणी में शीर्ष पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- प्रो. अर्घा मन्ना, आर्टिस्ट-इन-रेसिडेंस, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, को नोट्रेडेम ग्लोबल, नोट्रे डेम विश्वविद्यालय द्वारा एशिया अतिथि विद्वान/कलाकार भागीदारी कार्यक्रम के विजिटिंग फेलो के रूप में चुना गया था।
- रसायन विज्ञान के सहायक प्रो. बिस्वजीत मंडल को प्रतिष्ठित सोसाइटी फॉर मैटेरियल्स केमिस्ट्री (एसएमसी) इमर्जिंग अवार्ड-2024 मिला।
- प्रो. प्रोजेश नाथ चौधरी, सहायक आचार्य , गणित, को 2024 के लिए इंडियन मैथमेटिकल सोसाइटी का बीएन वाफेयर अवार्ड (IISc बैंगलोर के आचार्य खरे के साथ संयुक्त रूप से) प्राप्त करने के लिए चुना गया था।
- प्रो. विमल मिश्रा, सहयुक्त आचार्य, सिविल अभियांत्रिकी को भारतीय विज्ञान अकादमी के फेलो के रूप में चुना गया था।
- अतिथि आचार्य प्रो. एमडी श्रीनिवास को प्रतिष्ठित पदश्री से सम्मानित किया गया है। भारतीय समाज के व्यावहारिक अध्ययन के ललावा, भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इतिहास में उनका उत्कृष्ट योगदान रहा है।
- संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी के सहायक आचार्य प्रो. योगेश कुमार मीना को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए एबीवी-आईआईटीएम ग्वालियर द्वारा विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया
- रसायन विज्ञान के सहायक आचार्य प्रो. अनिर्बन मंडल को अनुभवी शोधकर्ताओं के लिए हम्बोल्ट रिसर्च फेलोशिप से सम्मानित किया गया है



संकाय उत्कृष्टता पुरस्कारः शिक्षण में उत्कृष्टता के लिए



प्रो. नितीश कुमार बत्रा, सहयुक्त आचार्य, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी

शिक्षण में उनके योगदान और उपलब्धियों के आधार पर, जैसा कि उनके शिक्षण पर छात्रों की प्रतिक्रिया से स्पष्ट है, जिसमें उत्कृष्ट संगठन और पाठ्यक्रमों के संचालन के साथ-साथ सक्रिय शिक्षण रणनीतियों को अपनाना शामिल है।

अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए



प्रो. अरपन भट्टाचार्य, सहयुक्त आचार्य, भौतिकी

को अनुसंधान में उनकी उपलब्धियों और योगदान के आधार पर, उच्च गुणवत्ता वाले सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशन सहित।

संस्था निर्माण में उत्कृष्टता के लिए



प्रो. भास्कर दत्ता, सहयुक्त आचार्य, रसायन विज्ञान परामर्श सेवाओं के प्रमुख के रूप में सेवा करने सहित संस्था-निर्माण गतिविधियों में उनके उत्कृष्ट योगदान और उपलब्धियों के आधार पर।

आउटरीच गतिविधियों में उत्कृष्टता के लिए



प्रो. धीरज भाटिया, सहयुक्त आचार्य, जैविक विज्ञान और अभियांत्रिकी

आउटरीच गतिविधियों में उनके योगदान के आधार पर, जिसमें कई कार्यशालाओं, सम्मेलनों, संगोष्ठियों और सेमिनारों का आयोजन शामिल है।

संकाय अध्यक्ष पदः

संस्थान के कई शुभविंतकों ने उत्कृष्टता को पुरस्कृत करने और उत्कृष्ट संकाय को बनाए रखने में मदद करने के लिए आईआईटी गांधीनगर में चेयर पदों की स्थापना की है।

| संकाय अध्यक्ष का नाम | दाता का नाम | वर्तमान अधिभोगी |
|----------------------------|---------------------------|---|
| जसुभाई मेमोरियल चेयर | श्री मौलिक जसुभाई शाह | प्रो. जयसन ए माजली, आचार्य, दर्शनशास्त्र और संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान |
| बी एस गेलोत चेयर | श्री गोरदनभाई बी गेलोत | चिन्मय घोरड़, आचार्य, रासायनिक अभियांत्रिकी |
| टेओको चेयर | टेओको चेयर | आचार्य, विद्युत अभियांत्रिकी के प्रो. नितिन वी जॉर्ज |
| मौलाना अबुल कलाम आजाद चेयर | श्रीमती हमीदा बानो चोपड़ा | इस पीठ के अंतर्गत उर्दू के प्रख्यात विद्वानों की व्याख्यानों, संगोष्ठियों और अन्य विद्वतापूर्ण प्रयासों के लिए अतिथि प्रोफेसरों अथवा विद्वानों के रूप में आमंत्रित किया जाता है |
| एन रामाराव चेयर | श्री एन आर नारायण मूर्ति | प्रो. अनिर्बन दासगुप्ता, आचार्य, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी |

| संकाय अध्यक्ष का नाम | दाता का नाम | वर्तमान अधिभोगी |
|--|--|---|
| आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में जिबाबेन पटेल चेयर | डॉ. जगदीश पटेल | प्रो. शनमृगनाथन रमन, आचार्य, विद्युत अभियांत्रिकी तथा संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी के साथ संयुक्त रूप से |
| जीभान पटेल चेयर | डॉ. जगदीश पटेल | प्रो. प्रतीक मुथा, संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान में सहयुक्त आचार्य |
| सुधीर के जैन चेयर | आईआईटी गांधीनगर फाउंडेशन, यूएसए | प्रो. रजत मना, निदेशक और आचार्य, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी |
| इरमा और उषाकांत ठक्कर चेयर | डीआर उषाकान्त ठक्कर | चेयर संस्कृत भाषा और साहित्य पर पाठ्यक्रमों के शिक्षण को सक्षम करेगा |
| कंकुबेन बख्शीरामभाई गेलोट चेयर | श्री गोरधनभाई बी गेलोट | प्रो. शिवप्रिया किरुबाकरन, आचार्य, रसायन विज्ञान |
| डॉ. दिनेश ओ शाह चेयर | डॉ. दिनेश ओ शाह | प्रो. कबीर जसूजा, सहयुक्त आचार्य, रसायन अभियांत्रिकी |
| श्रीमती अंबा और श्री वी एस शास्त्री चेयर | आचार्य ए वी अनिलकुमार | प्रो. नीलधरा मिश्रा, सहयुक्त आचार्य, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी |
| डॉ. विलास मजूमदार चेयर | डॉ. विलास मजूमदार | प्रो. गौरव श्रीवास्तव, आचार्य, सिविल अभियांत्रिकी |
| श्रीमती मीरा और आचार्य गिरीश के शर्मा चेयर | श्रीमती रश्मि शर्मा और श्री मनीष शर्मा | प्रो. समीर वी दलवी, आचार्य, रासायनिक अभियांत्रिकी |
| अनु और बी वी जगदीश चेयर | श्रीमती अनुराधा जगदीश और श्री बी वी जगदीश | यह चेयर उद्यमिता पहल के लिए नेतृत्व और सहायता प्रदान करेगी |
| पाण्डेय-शिवपुरी चेयर | डॉ. दर्शन पंड्या | इस चेयर का उद्देश्य अंतःविषय अनुसंधान में उत्कृष्टता और नेतृत्व को बढ़ावा देना है |
| भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अध्यक्ष | भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) | यह चेयर विभिन्न सहयोगी और विद्वानों की गतिविधियों के माध्यम से पुरातत्व के विभिन्न पहलुओं में अनुसंधान को बढ़ावा देगा |
| मानकीकरण कुर्सी के लिए | भारतीय मानक व्यूरो (बीआईएस) | प्रो. अमित प्रशांत, आचार्य, सिविल अभियांत्रिकी |
| विक्रम साराभाई चेयर | गुजरात विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (GUJCOST) | प्रो. विमल मिश्रा, आचार्य, सिविल अभियांत्रिकी |
| कंचन और हरिलाल दोशी चेयर | श्री नवीन दोशी और श्रीमती प्रतिमा दोशी | प्रो. गोपीनाथन कालोन, सहयुक्त आचार्य, भौतिकी |

छात्र पुस्तकार और मान्यताएँ:

- अहाना घोष, पीएचडी स्कॉलर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, को सोसाइटी फॉर आर्कियोलॉजिकल साइंसेज (एएसएस) द्वारा 2024-2025 के लिए 'स्टूडेंट एंबेसडर लीड' के रूप में चुना गया था।
- ऋषिराज अधिकारी, पीएचडी स्कॉलर, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी, को प्रतिष्ठित हीडलबर्ग लॉरेट फोरम (एचएलएफ) में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- जैविक अभियांत्रिकी के पीएचडी स्कॉलर आकाश चंद्र को एकॉस्टिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका (एएसए) की कमेटी फॉर इंटरनेशनल रिसर्च एंड एजुकेशन (सीआईआरई) से सीआईआरई पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- हरिता डी, पीएचडी स्कॉलर, रसायन विज्ञान, को प्रतिष्ठित वेनर-ग्रेन फाउंडेशन पोस्टडॉक्टोरल फैलोशिप से सम्मानित किया गया।
- राजदीप सिंह देवरा, पीएचडी स्कॉलर, यांत्रिक अभियांत्रिकी, को फिलामेट-कम डायरेक्ट नोजल, गुजरात 3 डी प्रिंटर (गोल्डन प्लास्टिक) पर नवाचार को और विकसित करने के लिए, आई-हुबारात सरकार द्वारा प्रतिष्ठित स्टार्टअप सर्जन अनुदान से सम्मानित किया गया।
- श्रीजीत नायर, पीएचडी स्कॉलर, भौतिकी, को प्रतिष्ठित फुलब्राइट-नेहरू फैलोशिप 2025 से सम्मानित किया गया।
- हिमांशु बैनीवाल, पीएचडी स्कॉलर, कंप्यूटर साइंस एंड अभियांत्रिकी, को प्रतिष्ठित फुलब्राइट-नेहरू फैलोशिप 2025 से सम्मानित किया गया।
- श्रीजीत नायर, पीएचडी स्कॉलर, फिजिक्स ने रमन-चारपाक फैलोशिप 2024-25 हासिल की है।
- जागृति एम पाटिल, पीएचडी स्कॉलर, जैविक विज्ञान और अभियांत्रिकी, ने वार्षिक पीएमआरएफ संगोष्ठी, आईआईटी हैदराबाद में बायोमेडिकल, जैविक और कृषि विज्ञान श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता।
- विश्वेश रामकृष्णन, पीएचडी स्कॉलर, यांत्रिक अभियांत्रिकी, को स्टार कार्यक्रम के तहत प्रतिष्ठित सी-डॉट पीएचडी फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

गैर-शिक्षण कर्मचारियों को उल्लङ्घना पुस्तकालय

हर्षद मंडलिया, वरिष्ठ कार्यकारी अभियंता
जय ठक्कर, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी
विजय कुमार मीणा, वरिष्ठ लेखाकार
पारुलबेन पी क्रिश्चियन, सहायक स्टाफ नर्स
दिलीप कश्यप, सॉफ्टवेयर डेवलपर
दीपक अग्रहोत्री, कार्यकारी अधिकारी
आशीष कुमार पांडे, प्रयोगशाला परिचर
वीरेंद्र सिंह चावड़ा, सुरक्षा गार्ड
हरीश थापा, मेस कुक
नीलेश बिहोला, ड्राइवर
जितेंद्र पिवाल, हाउसकीपिंग स्टाफ
नीरुबेन गुर्जर, हाउसकीपिंग स्टाफ

कैंपस विकास पुस्तकालय

संस्थान ने निम्नलिखित समुदाय के सदस्यों को 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर वर्ष 2024-25 के लिए कैपस विकास पुस्तकारों से सम्मानित किया, परिसर विकास और प्रबंधन गतिविधियों में उनके योगदान के लिए:

सोमीबेन ठाकोर, बागवानी कर्मचारी
विलाशबेन ठाकोर, स्टाफ, मेसर्स 2 डिग्री कैफे
हेमंत घोडिया, स्टाफ, मेसर्स मारुति जेरॉक्स & स्टेशनरी
मंगेशकर कराडे, आईआईटी गांधीनगर स्टाफ
रावल देवेंद्रकुमार, एचएमसी स्टाफ
ठाकोर कानाजी चंदूजी, हाउसकीपिंग स्टाफ



आईआईटी गांधीनगर को पुरस्कार और मान्यता

स्टार कैपस अवार्ड 2024

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर (आईआईटी गांधीनगर) को जल संरक्षण और प्रबंधन की श्रेणी में प्रतिष्ठित 'स्टार कैपस अवार्ड 2024' से सम्मानित किया गया है। पृथ्वी दिवस नेटवर्क - भारत द्वारा प्रदान किया गया यह सम्मान, जल संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरणीय प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए अभिनव और स्थायी प्रथाओं को लागू करने में आईआईटी गांधीनगर के अनुकरणीय प्रयासों को मान्यता देता है।

हुड़को अवार्ड

'स्वच्छता' विषय के तहत अपने परिसर में आईआईटी गांधीनगर की हरित पहलों को 'रहने योग्य वातावरण में सुधार के लिए सर्वोत्तम पद्धति हेतु हुड़को पुरस्कार 2023-24' से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार 9 अक्टूबर 2024 को, नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में विश्व पर्यावास दिवस 2024 के अवसर पर प्रदान किया गया। यह उपलब्धि परिसर में लागू हरित पहलों और स्थिरता के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

ईट राइट कैपस अवार्ड

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और स्वस्थ भोजन को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर (आईआईटी गांधीनगर) को एक बार फिर, 10 जनवरी 2025 से 9 जनवरी 2027 तक के लिए, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) द्वारा अनुकरणीय श्रेणी में 'ईट राइट कैपस अवार्ड' से सम्मानित किया गया है।

आर्किटेक्चरल एक्सीलेंस अवार्ड 2024

संस्थान को इसके अतिथि गृह के लिए 'आर्किटेक्चरल एक्सीलेंस अवार्ड 2024' से सम्मानित किया गया, जिसे बरगद डिज़ाइन के आर्किटेक्ट नीरज मनचंदा ने डिज़ाइन किया था। यह सम्मान 13 सितंबर 2024 को पीएचडी वैंकर ऑफ कॉमर्स द्वारा प्रदान किया गया। आतिथ्य/संस्थागत श्रेणी में असाधारण डिज़ाइन को मान्यता देने वाला यह पुरस्कार, नवोन्मेषी और व्यावहारिक डिज़ाइन समाधानों के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

उद्योग-अकादमिक भागीदारी के लिए CII पुरस्कार

2024 में, आईआईटी गांधीनगर को सरकारी संस्थान श्रेणी में स्वर्ण पदक विजेता के रूप में 'उद्योग-अकादमिक साझेदारी के लिए CII पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) द्वारा स्थापित यह प्रतिष्ठित सम्मान, उन संस्थानों को सम्मानित करता है जो नवाचार और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए उद्योग सहयोग को बढ़ावा देने में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं। आईआईटी गांधीनगर ने पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने और वंचितों के लिए शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने सहित महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों से निपटने के लिए इन साझेदारियों का लाभ उठाने पर बार-बार ज़ोर दिया है।





आउटटीच गतिविधियाँ

नीव: आईआईटी गांधीनगर कम्युनिटी आउटटीच प्रोग्राम

नीव, IIT गांधीनगर का एक सामुदायिक आउटटीच कार्यक्रम है, जो कौशल विकास, उद्यमिता और आजीविका कार्यक्रमों के माध्यम से कमी का सामना करने वाले समुदायों की महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाता है। यह वर्ष नीव के लिए मील का पथर साबित हुआ है, क्योंकि इसने सार्थक प्रभाव और सशक्तिकरण के 10 वर्ष पूरे कर लिए हैं। 2014 में स्थापना के बाद से, नीव ने गांधीनगर और अहमदाबाद क्षेत्रों में 42 से अधिक आसपास के गांवों में 7100 से अधिक लाभार्थियों के लिए 185 से अधिक परियोजनाओं और गतिविधियों का सफल संचालन किया है।

2024-25 के दौरान, नीव ने 23 कौशल विकास और उद्यमिता परियोजनाओं का आयोजन किया, साथ ही 40 से अधिक गांवों के 1817 लाभार्थियों के लिए 4 जागरूकता परियोजनाओं का संचालन भी किया। इनमें पालज, बासन, चिलोड़ा, दाभोड़ा, प्रतिया, मगोदी, रतनपुर, कोलावाड़ा, आलमपुर, ढोलकुवा, लेकवाड़ा, पेठापुर, चला, लवारपुर, नवा धर्मपुर, बोरिज, मोटा इसानपुर, रामपुरा, चंद्रला, धोलाराणा वासना, धनप, शाहपुर, वडोदरा, वावोल, भुडिया, साथ ही गांधीनगर और अहमदाबाद शहरों के आस-पास के उपनगरीय क्षेत्र शामिल हैं।

2024-25 के दौरान सभी कार्यक्रमों में 80% पाठ्यक्रम पूर्णता दर दर्ज की गई, और 70% कुशल प्रतिभागी रोजगार, शिक्षा या उद्यमिता के लिए अपने प्रशिक्षण का उपयोग कर रहे हैं।

नीव की परियोजनाएं देसाई फाउंडेशन ट्रस्ट और मिलाक्रॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में संचालित की जाती हैं।

सिलाई कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, नीव विभिन्न गांवों में सिलाई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। इन मॉड्यूल में कुशन कवर, कपड़े के बैग, बेबी फ्रॉक, सलवार-कमीज तथा महिलाओं के ब्लाउज को मापना, अंकन, काटना और सिलाई करना शामिल है।

2024-25 में सिलाई पाठ्यक्रम के चार बैच आयोजित किए गए:

- पेठापुर गांव में 26 महिलाओं के लिए 22 अप्रैल से 13 जून, 2024 के दौरान 8 सप्ताह का कोर्स आयोजित किया गया था।
- 8 महिलाओं के लिए वलाड विलेज में 22 जुलाई से 13 सितंबर, 2024 के दौरान 37 सप्ताह का कोर्स आयोजित किया गया था।

- 14 अक्टूबर से 20 दिसंबर, 2024 के दौरान 29 महिलाओं के लिए प्रतिया गांव में 9 सप्ताह का कोर्स आयोजित किया गया था।
- 37 महिलाओं के लिए 06 जनवरी से 07 मार्च, 2025 के दौरान दाखोड़ा गांव में 9 सप्ताह का कोर्स आयोजित किया गया था।

ब्यूटीशियन कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

नीव के ब्यूटीशियन कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, गांवों के भीतर ही आयोजित किए जाते हैं, जो महिलाओं को गृहमिंग, हेयर स्टाइल, मेकअप और मेहंदी की मूल बातें सीखने में सक्षम बनाते हैं। 2024-25 में ब्यूटीशियन पाठ्यक्रमों के चार बैच आयोजित किए गए:

- पेठापुर गांव में 36 महिलाओं के लिए 22 अप्रैल से 13 जून, 2024 के दौरान 8 सप्ताह का कोर्स आयोजित किया गया था।
- 20 महिलाओं के लिए वलाड विलेज में 22 जुलाई से 13 सितंबर, 2024 के दौरान 8 सप्ताह का कोर्स आयोजित किया गया था।

- 14 अक्टूबर से 20 दिसंबर, 2024 के दौरान 24 महिलाओं के लिए प्रतिया गांव में 9 सप्ताह का कोर्स आयोजित किया गया था।
- 27 महिलाओं के लिए दाखोड़ा गांव में 20 जनवरी से 07 मार्च, 2025 के दौरान 9 सप्ताह का कोर्स आयोजित किया गया था।

महिला विशिष्ट अग्रिम प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

- आईआईटी गांधीनगर में 20 मई से 13 जून, 2024 के दौरान 32 महिलाओं के लिए 4 सप्ताह का नेल आर्ट स्पेशलिस्ट ट्रेनिंग कोर्स आयोजित किया गया।
- आईआईटी गांधीनगर में 29 जुलाई से 05 अगस्त, 2024 के दौरान 20 महिलाओं के लिए 2 सप्ताह का चॉकलेट कैफल केक मेकिंग कोर्स आयोजित किया गया था।
- आईआईटी गांधीनगर में 18 नवंबर से 20 दिसंबर, 2024 के दौरान 23

- महिलाओं के लिए 5 सप्ताह का हेयर एंड मेकअप स्पेशलिस्ट ट्रेनिंग कोर्स आयोजित किया गया।
- सिलाई कौशल (उत्पाद अवलोकन, बाजार लिंकेज, लागत, मूल्य निर्धारण) में प्रशिक्षकों का 5-दिवसीय प्रशिक्षण 17 से 21 मार्च, 2025 के दौरान नीव प्रशिक्षण कक्ष, आईआईटी गांधीनगर में 34 महिलाओं के लिए आयोजित किया गया था।

कंप्यूटर कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

- इस कोर्स का उद्देश्य गांव के युवाओं और महिलाओं में कंप्यूटर साक्षरता बढ़ाना है। प्रतिभागियों को बुनियादी कंप्यूटर ऑपरेशन, एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, एमएस पावरपॉइंट, नेटवर्क में लॉग इन करना, इंटरनेट का उपयोग, ईमेल की मूल बातें आदि सिखाई जाती हैं। 2024-25 में बुनियादी कंप्यूटर कौशल पाठ्यक्रम के तीन बैच आयोजित किए गए:
- आईआईटी गांधीनगर में 06 मई से 13 जून, 2024 के दौरान 6 सप्ताह के पाठ्यक्रम के दो बैच प्रत्येक बैच में क्रमशः 46 और 44 प्रतिभागियों के लिए आयोजित किए गए थे।
 - आईआईटी गांधीनगर में 20 जनवरी से 7 मार्च, 2024 के दौरान 22 प्रतिभागियों के लिए 6 सप्ताह का कोर्स आयोजित किया गया था

स्पोकन इंग्लिश और स्पेशलाइज्ड कंप्यूटर ट्रेनिंग कोर्स

- आईआईटी गांधीनगर में 06 मई से 13 जून, 2024 के दौरान 43 प्रतिभागियों के लिए 6 सप्ताह का स्पोकन-इंग्लिश एंड कम्प्युनिकेशन स्किल्स ट्रेनिंग कोर्स (बुनियादी व्याकरण, उच्चारण, दैनिक जीवन में आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द, आत्म-परिचय, व्यक्तिगत साक्षात्कार की तैयारी, वर्णनात्मक लेखन और बोलने, रोल-प्ले और समूह चर्चा की मदद से) आयोजित किया गया था।
- आईआईटी गांधीनगर में 05 अगस्त से 14 सितंबर, 2024 के दौरान 25 प्रतिभागियों के लिए 6 सप्ताह का डेटा-एंट्री और टाइपिंग ट्रेनिंग कोर्स (डेटा एंट्री, अंग्रेजी और गुजराती टाइपिंग, एमएस एक्सेल, गूगल ड्राइव) आयोजित किया गया था।
- आईआईटी गांधीनगर में 15 प्रतिभागियों के लिए 11 नवंबर से 27 दिसंबर, 2024 के दौरान 6 सप्ताह का सोशल मीडिया ग्राफिक डिजाइनिंग कोर्स

- (शुरूआती स्तर का ग्राफिक डिजाइन फँडामेंटल, कैनवा बेसिक, प्रिंट और डिजिटल मीडिया डिजाइन, सोशल मीडिया मार्केटिंग स्किल) आयोजित किया गया था।
- आईआईटी गांधीनगर में 15 प्रतिभागियों के लिए 11 नवंबर से 27 दिसंबर, 2024 के दौरान 6 सप्ताह का टैली कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (टैली सॉफ्टवेयर का उपयोग करके बुनियादी से मध्यवर्ती लेखा संचालन का परिचय) आयोजित किया गया था।
- आईआईटी गांधीनगर में 20 जनवरी से 07 मार्च, 2025 के दौरान 15 प्रतिभागियों के लिए 6 सप्ताह का वेबसाइट डिजाइनिंग ट्रेनिंग कोर्स (एचटीएमएल, सीपीएस, शुरूआती स्तर वर्डप्रेस, डोमेन बुकिंग, होस्टिंग सूचना) आयोजित किया गया था।

उद्यमिता विकास कार्यशाला

इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को अपना स्वयं का उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करना है। चर्चा किए गए विषयों में विचार निर्माण, बाजार अनुसंधान, व्यवसाय अंकगणित, व्यवसाय योजना तैयार करना, विपणन, प्रचार, बातचीत कौशल आदि शामिल हैं। 2024-25 में तीन कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

- आईआईटी गांधीनगर में 17 से 22 जून, 2024 के दौरान 37 प्रतिभागियों के लिए 6 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- आईआईटी गांधीनगर में 16 से 21 सितंबर, 2024 के दौरान 33

- प्रतिभागियों के लिए 6 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- आईआईटी गांधीनगर में 23 से 28 दिसंबर, 2024 के दौरान 21 प्रतिभागियों के लिए 6 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कैरियर विकास सत्र

नीव एक प्रभावी रिज्यूमे लिखने, साक्षात्कार की तैयारी के लिए टिप्पणी: 2024-25 में निम्नलिखित सत्र आयोजित किए गए:

- 22 मई, 2024 को 102 प्रतिभागियों के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था। सुविधा प्रदाता श्री मिहिर मेहता, कैरियर काउंसलर थे। सत्र में चर्चा का मुख्य विषय था - 10 वीं और 12 वीं कक्षा के बाद आगे क्या है, और स्रातक होने के बाद आगे की पढ़ाई।
- 06 जुलाई, 2024 को 26 प्रतिभागियों के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था। जिला रोजगार कार्यालय, गांधीनगर से श्री आदर्श चौहान (नीव), श्री आशुतोष पटेल, श्री निर्मल पटेल और सुश्री नीलम भावसार थे। चर्चा किए गए विषयों में प्रभावशाली रिज्यूमे बनाने के लिए टिप्पणी: एसीएस (राष्ट्रीय करियर सेवा) और अनुबंधम पोर्टलों को पंजीकृत करने और नेविगेट करने पर मार्गदर्शन शामिल थे।

- 25 जुलाई, 2024 को पी के चौधरी महिला आर्ट्स कॉलेज, गांधीनगर में 114 प्रतिभागियों के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था। सूत्रधार सुश्री सौम्या हरीश (नीव), श्री आशुतोष पटेल, और जिला रोजगार कार्यालय, गांधीनगर से सुश्री नीलम भावसार थे। चर्चा किए गए विषयों में प्रभावशाली रिज्यूमे बनाने के लिए एसीएस (राष्ट्रीय करियर सेवा) और अनुबंधम पोर्टलों को पंजीकृत करने और नेविगेट करने पर मार्गदर्शन शामिल थे। 242 प्रतिभागियों ने कैरियर विकास पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। और 140 प्रतिभागियों ने सरकारी नौकरी पोर्टलों (अनुबंधम और एसीएस) पर पंजीकृत करने के लिए फॉर्म भरे।

मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता सत्र

नीव आसपास के समुदायों की महिलाओं के लिए मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित करता है। 2024-25 में निम्नलिखित सत्र आयोजित किए गए:

- 30 अगस्त, 2024 को श्री स्वामीनारायण द्वि शताब्दी स्मारक हाई स्कूल, लावरपुर, गांधीनगर में 244 लड़कियों के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था।
- 05 सिंबर, 2024 को 54 महिलाओं के लिए वलाड, गांधीनगर में एक सत्र आयोजित किया गया था।
- 07 फरवरी, 2025 को 41 महिलाओं के लिए सतुजिना मुवाडा, दाभोड़ा, गांधीनगर में एक सत्र आयोजित किया गया था।
- 10 फरवरी, 2025 को 32 महिलाओं के लिए गांधीनगर के दाभोड़ा में एक सत्र आयोजित किया गया था।
- 19 फरवरी, 2025 को रामनगर, दाभोड़ा, गांधीनगर में 93 महिलाओं के

- लिए एक सत्र आयोजित किया गया था।
 - 21 फरवरी, 2025 को 65 महिलाओं के लिए सलुजिना मुवाडा, दाभोड़ा, गांधीनगर में एक सत्र आयोजित किया गया था।
 - 21 मार्च, 2025 को सेंट्रल आर्केड, आईआईटी गांधीनगर में 31 महिलाओं के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था।
 - 26 मार्च, 2025 को ठाकोर वास, बासन, गांधीनगर में 44 महिलाओं के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था।
- कुल **604** लड़कियों और महिलाओं ने मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन पर जानकारी प्राप्त की।

बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता सत्र

नीव बैंक खाते, डिजिटल भुगतान और सरकारी कल्याण योजनाओं के संचालन के बारे में सामान्य जागरूकता बढ़ाने के लिए जागरूकता सत्र आयोजित करता है। सत्रों में मुख्य विषय होते हैं — बैंक खाते खोलना और संचालित करना, बैंक खातों के प्रकार, बैंकिंग लेनदेन, सरकारी और बैंक योजनाएं, ऋण सुविधाएं और डिजिटल बैंकिंग उपकरण। स्थानीय बैंकों के विशेषज्ञों को सत्र संचालित करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। 2024-25 में निम्नलिखित सत्र आयोजित किए गए:

- 09 नवंबर, 2024 को 48 प्रतिभागियों के लिए गांधीनगर के प्रतिया गांव में एक सत्र आयोजित किया गया था। सूत्रधार श्री विमल पटेल (एडीसी बैंक प्रतिय) थे।
- 03 दिसंबर, 2024 को 33 प्रतिभागियों के लिए गांधीनगर के वलाड गांव में एक सत्र आयोजित किया गया था। सूत्रधार श्री हेमंत चौकसी (सेवानिवृत्त एसबीआई शाखा प्रबंधक) थे।
- 10 जनवरी, 2025 को 70 प्रतिभागियों के लिए सलुजिना मुवाडा, दाभोड़ा, गांधीनगर में एक सत्र आयोजित किया गया था। सूत्रधार सुश्री वर्षा पटेल

- (एडीसी बैंक, दाभोड़ा) थीं
 - 19 फरवरी को रामनगर, दाभोड़ा, गांधीनगर में 93 प्रतिभागियों के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था
 - 21 फरवरी को 66 प्रतिभागियों के लिए सलुजिना मुवाडा, दाभोड़ा, गांधीनगर में एक सत्र आयोजित किया गया था
- कुल **309** लड़कियों और महिलाओं ने बैंकिंग और बचत पर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

सिलाई आजीविका - बाजार संबंध

नीव ने सम्मेलनों और कार्यशालाओं के लिए बैग और स्टोल जैसे उत्पादों के लिए थोक आदेशों की सुविधा प्रदान की, और कपड़े, ब्लाउज, कुर्ते आदि जैसे परिधानों के लिए कस्टम ऑर्डर दिए। विशेष रूप से, लगभग 24 महिलाओं ने 2024-25 के दौरान इस तरह के आदेशों के माध्यम से आईआईटी गांधीनगर के साथ-साथ बाहरी विक्रेताओं के लिए सिलाई सेवाएं प्रदान की हैं।

अन्य उल्लेखनीय घटनाएं

नीव दशकीय समारोह: प्रभाव और सशक्तिकरण का एक दर्शक

एनईईवी ने 2014 में अपनी स्थापना के **10 वर्ष** पूरे किए, और इस महत्वपूर्ण यात्रा को मनाने के लिए **12 दिसंबर, 2024** को एक उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **देसाई फाउंडेशन** के संस्थापक श्री समीर देसाई थे। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ प्रोफेसर रजत मूना, निदेशक, आईआईटी गांधीनगर, एवं श्रीमती रजनी मूना ने श्री समीर देसाई और प्रोफेसर गोपीनाथन कलोन (प्रभारी, नीव) के साथ किया।

इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में पिछले 10 वर्षों की सफलता की कहानियों को समेटने वाली दशकीय पुस्तिका का विमोचन, नीव की स्थापना से लेकर प्रभावशाली कार्यक्रम तक के विकास को दर्शनी वाला वीडियो, गांव की महिलाओं द्वारा सिलकर तैयार किए गए गर्व संदेश और श्री समीर देसाई का मुख्य भाषण शामिल थे।

“अवसर” - उत्सव की एक शाम

6 अप्रैल, 2024 को, नीव ने अपनी सिलाई इकाई की महिलाओं और उनके परिवारों के लिए “अवसर” नामक एक दिल को छू लेने वाला रात्रिभोज कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम

को आईआईटी गांधीनगर के दो युवा पूर्व छात्रों- प्रत्यूष भट्ट (बीटेक, केमिकल इंजीनियरिंग, 2022 की कक्षा) और तन्मय जैन (बीटेक, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, 2022 की कक्षा) द्वारा उदारतापूर्वक प्रायोजित किया गया था, जिन्होंने इस कार्यक्रम में भी भाग लिया था।

जिला रोजगार कार्यालय के सहयोग से रोजगार मेला

मंगलवार, 16 जुलाई, 2024 को नीव ने जिला रोजगार कार्यालय, गांधीनगर के सहयोग से एक जॉब फेयर का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य वंचित समुदायों के नौकरी चाहने वालों को संभावित नियोक्ताओं से जोड़ना था।

इस मेले में टेक महिंद्रा, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एक्सिस बैंक, एलआईसी ऑफ इंडिया, और कॉसमॉस मैनपावर जैसी प्रमुख कंपनियों ने भाग लिया। मेले में ग्राहक सेवा प्रतिनिधि, बिक्री कार्यकारी, अधिकारी - बिक्री, बैंक ऑफिस एंजीक्यूटिव, डाटा एंट्री ऑपरेटर, हेल्पर, ट्रेनी और रिसेप्शनिस्ट जैसे विभिन्न पदों के लिए भर्तीयां की गईं।

रोजगार मेले में मुख्य रूप से गांधीनगर, अहमदाबाद और आसपास के गांवों से **642** उम्मीदवारों ने भाग लिया, जिनमें से लगभग **95** उम्मीदवारों को भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया।

नवरात्रि महिला हाट - महिला उद्यमियों का जश्न

26 सितंबर, 2024 को नीव ने आईआईटी गांधीनगर परिसर में एक जीवंत “नवरात्रि महिला हाट” का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में गांधीनगर और अहमदाबाद की स्थानीय महिला उद्यमियों ने भाग लिया, जिन्होंने पारंपरिक उत्सव परिधान, हस्तशिल्प, आभूषण, सौंदर्य प्रसाधन और अन्य कई रंगीन वस्तुओं का प्रदर्शन किया।

यह महिला हाट मिलाक्रॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के उदार समर्थन से आयोजित किया गया था। त्योहारी सीजन के दौरान स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और महिलाओं को बाजार में अपने उत्पाद प्रदर्शित करने एवं बिक्री के अवसर प्रदान करके सशक्त बनाने के उद्देश्य से यह मंच तैयार किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह: महिला हाट और मान्यता समारोह

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, नीव ने 7 मार्च, 2025 को एक जीवंत “महिला हाट” का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में आईआईटी गांधीनगर के आसपास के गांवों की कई महिलाओं ने भाग लिया, जिन्होंने फूड स्टॉल, हस्तशिल्प, परिधान, आभूषण और अन्य वस्तुएं लगाकर अपनी उद्यमशीलता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान, उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित करते हुए, नीव की चार पूर्व छात्राओं को उनके कौशल को स्थायी आय के स्रोतों में सफलतापूर्वक बदलने के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान,

गांधीनगर के विशेषज्ञ संसाधन व्यक्तियों द्वारा “महिलाओं के लिए पोषण और कल्याण” विषय पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसने स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान की।

स्टेनेबिलिटी टॉक: इकोथ्रेड्स - सशक्तिकरण की यात्रा

नीव और आईआईटी गांधीनगर लाइब्रेरी के बीच एक विचारशील सहयोग में, राविवार, 30 मार्च, 2025 को “इकोथ्रेड्स - ए जर्नी ऑफ स्टेनेबिलिटी एंड एम्पावरमेंट” नामक एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस वार्ता का नेतृत्व ग्यारहवीं कक्षा की छात्रा और “इकोथ्रेड्स” पहल की संस्थापक सुश्री वृद्धा तोष्णीवाल ने किया, जो स्थिरता और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देने के लिए स्कूल की गणवेश को रीसाइक्लिंग करने पर केंद्रित है।

30 बच्चों ने भाग लिया, इस सत्र में वृद्धा की प्रेरक यात्रा को दिखाया गया - उनके विचार की शुरुआत से लेकर स्कूलों में उनके आउटरीच प्रयासों और गणवेश को बैग और पाउच में बदलने के लिए नीव के साथ सहयोग करके उनकी परियोजना के निष्पादन तक। कार्यक्रम का समापन भारत में सफल अपसाइक्लिंग व्यवसायों पर एक लघु फिल्म स्क्रीनिंग के साथ हुआ, जिसके बाद अल्पहार पर अनौपचारिक समूह चर्चा हुई। बच्चों ने जिज्ञासा और संबंध दोनों को बढ़ावा देते हुए आईआईटी गांधीनगर पुस्तकालय के निर्देशित दौरे का भी आनंद लिया।



न्यासा: सामाजिक आउटटीच के लिए आईआईटी गांधीनगर की प्रतिबद्धता

न्यासा आईआईटी गांधीनगर में एक छात्र-नेतृत्व वाली पहल है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य आवश्यक संसाधनों तक पहुंच प्रदान करके बच्चों को सशक्ति बनाने के लिए समर्पित है। पिछले एक साल में, न्यासा ने एक व्यापक दृष्टिकोण के माध्यम से अपने प्रभाव का विस्तार किया है जो संरचित शैक्षणिक सहायता, मौसमी शिविरों, जीवंत सांस्कृतिक समारोहों और लक्षित स्वास्थ्य और कल्याण ड्राइव को समृद्ध करता है।

ग्रीष्मकालीन शिविर 2024

एक 9-दिवसीय इमर्सिव अनुभव जो न्यासा स्कूल और स्थानीय सरकारी स्कूलों के 100 से अधिक बच्चों को एक साथ लाया। शिविर में आईआईटी गांधीनगर के सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग के सहयोग से पुरातत्व कार्यशालाएं, थिएटर और कहानी कहने के सत्र, पुस्तकालय दौरी और इंटरैक्टिव विज्ञान प्रयोग शामिल थे। विश्व पर्यावरण दिवस वृक्षारोपण अभियान ने पर्यावरण प्रबंधन को रेखांकित किया, जबकि रचनात्मक कला, संगीत, नृत्य और आउटडोर खेलों ने मस्ती और सीखने का संतुलित मिश्रण प्रदान किया।

स्वतंत्रता दिवस

न्यासा बच्चों ने संस्थान के स्वतंत्र दिवस समारोह में नृत्य प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

ओणम उत्सव

7 सितंबर को, न्यासा के बच्चों ने आईआईटी गांधीनगर ओणम समिति के उत्सव में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह कार्यक्रम पारंपरिक खेलों और सांस्कृतिक गतिविधियों से समृद्ध था जिसने बच्चों को केरल की जीवंत विरासत का अनुभव करने की अनुमति दी। उत्सव का समापन एक पारंपरिक सद्या भोजन के साथ हुआ, जो ओणम उत्सव का प्रामाणिक स्वाद पेश करता है और बच्चों को त्योहार के सांस्कृतिक महत्व के बारे में शिक्षित करता है।

गणेशोत्सव

गणेशोत्सव में पर्यावरण के अनुकूल मूर्ति बनाने की कार्यशाला आयोजित की गई, जहां न्यासा स्कूल और बसन सरकारी स्कूल के बच्चों ने पेपर कप जैसी पुनर्नवीनीकरण सामग्री का उपयोग करके भगवान गणेश की मूर्तियाँ बनाई। इस अभिनव दृष्टिकोण ने न केवल पर्यावरण चेतना को बढ़ावा दिया, बल्कि इसमें आकर्षक पौराणिक कथाएं भी शामिल थीं, जिसने त्योहार से जुड़ी सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में बच्चों की समझ को गहरा किया।

दिवाली सेलिब्रेशन

न्यासा ने 31 अक्टूबर को परंपरा के जीवंत प्रदर्शन के साथ दिवाली मनाई। दिन की शुरुआत पारंपरिक लक्ष्मी पूजा के साथ हुई जिसमें आईआईटी गांधीनगर समुदाय ने भाग लिया। नए कपड़े पहने बच्चों ने मिठाई और पटाखे या पानी की बोतल जैसे छोटे टोकन का आदान-प्रदान किया। उत्सव में हाउसकीपिंग और सुरक्षा कर्मचारियों को शामिल किया गया, यह सुनिश्चित

करते हुए कि उत्सव की भावना समुदाय के हर कोने तक पहुंचे।

बाल दिवस

अवाम सोसाइटी के सहयोग से, NYASA ने एक गतिशील बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। उत्सव की शुरुआत पाठ और कहानी कहने के साथ हुई, इसके बाद आकर्षक खेलों और इंटरैक्टिव प्रदर्शनों की एक श्रृंखला हुई। एक ओपन माइक सत्र ने बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया, समुदाय की भावना को मजबूत करते हुए आत्म-अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास को बढ़ावा दिया।

जन्मदिन का जश्न



एक विशेष जन्मदिन समारोह ज्ञात जन्म तिथि के बिना बच्चों को समर्पित किया गया था, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर बच्चे के साथ मनाया जाए। इस कार्यक्रम में हंसमुख संगीत और जीवंत समूह खेलों के साथ एक उत्सव के काटने का समारोह दिखाया गया जैसे कि आंखों पर पट्टी बांधे प्रतिभागी और “इन एंड आउट” चुनौती का मार्गदर्शन करना। यादगार प्रदर्शन—जिसमें एक मधुर गीत, एक मनोरम गिटार एक्ट, एक प्रेरक भाषण और एक रोमांचकारी जादू शो शामिल है—दिन की खुशी में इजाफा हुआ। मुख्य आकर्षण नई स्कूल यूनिफॉर्म का शुभारंभ था, जो एक नई शुरुआत का प्रतीक था और बच्चों के गौरव को बढ़ाता था, जिसमें आईआईटी गांधीनगर समुदाय से अतिरिक्त उपहार इस अवसर को वास्तव में अविस्मरणीय बनाते थे।

रीतकालीन शिविर 2024

शिविर का आयोजन उन्नत भारत अभियान के सहयोग से आईआईटी गांधीनगर में दशेला और धरमपुर के 54 छात्रों के लिए किया गया था। इसने ओडिसी क्लब द्वारा एक खगोल विज्ञान सत्र की पेशकश की - जिसमें डोबसोनियन 8 इंच की दूरबीन के साथ सौर अवलोकन शामिल हैं; कला कार्यशालाएं जिन्होंने जेटेंगल तकनीकों की शुरुआत की, और डिजिटल संग्रह और इंटरैक्टिव पहेली को प्रदर्शित करने वाले निर्देशित पुस्तकालय पर्यटन का परिचय कराया।

संजीवनी स्वास्थ्य शिविर

दशेला गांव में आयोजित संजीवनी स्वास्थ्य शिविर (जनवरी 2025) में नेत्र विज्ञान, त्वचाविज्ञान, हड्डी रोग, बाल रोग, ईनटी, सामान्य चिकित्सा, स्त्री रोग, दंत चिकित्सा और फिजियोथेरेपी सहित कई विशेषज्ञताओं में 500 से अधिक ग्रामीणों को मुफ्त चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया। शिविर की कुशल पंजीकरण प्रणाली और समर्पित स्वयंसेवक समर्थन ने 100 से अधिक संचालित चश्मे और आवश्यक दवाओं

के वितरण को सक्षम किया। स्टाव्य कॉलोनी, कुडासन और आईआईटी गांधीनगर निर्माण स्थलों पर पूरक वितरण अभियान ने निर्माण श्रमिकों, मेस स्टाफ और हाउसकीपिंग कर्मियों को कपड़े, जूते और स्वच्छता किट प्रदान किए।

चेतना कार्यक्रम

चेतना कार्यक्रम न्यासा स्कूल में प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के लिए एक मजबूत, संरचित शैक्षिक ढांचा प्रदान करता है। यह एनसीईआरटी पाठ्यक्रम के बाद गणित, अंग्रेजी, हिंदी, गुजराती और सामान्य ज्ञान सहित मुख्य विषयों में नियमित कक्षा निर्देश प्रदान करता है। कार्यक्रम ने अभिनव शिक्षण विधियों को एकीकृत किया है जो रचनात्मक, अनुभवात्मक शिक्षा के साथ पारंपरिक व्याख्यान को मिश्रित करते हैं। नियमित आकलन को महत्वपूर्ण सोच और आत्म-अभिव्यक्ति को बढ़ाने के साथ जोड़ा जाता है। आईआईटी गांधीनगर के छात्रों और समुदाय के सदस्यों से समर्पित परामर्श यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक बच्चे को व्यक्तिगत ध्यान मिले, प्रभावी ढंग से सीखने के अंतराल को पाठना और एक मजबूत शैक्षणिक नींव रखना।

आकांक्षा कार्यक्रम

समानांतर में, आकांक्षा पहल बासन और पालज के पांचवीं कक्षा के छात्रों को प्रतियोगी छात्रवृत्ति परीक्षाओं जैसे जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (जेएनवीएसटी), ज्ञानसेतु और एनएमएमएस के लिए तैयार करने पर केंद्रित है। इस पहल में अंकगणित और तार्किक तर्क में गहन प्रशिक्षण शामिल है। दैनिक परामर्श सत्र और वास्तविक परीक्षा अभ्यास एक यथार्थवादी, परीक्षा-उन्मुख सीखने का माहौल बनाते हैं जो आत्मविश्वास और अकादमिक प्रदर्शन को बढ़ाता है। आईआईटी गांधीनगर के पूर्व छात्र आवश्यक अध्ययन सामग्री और नवोदय नवनीत पुस्तके प्रदान करके महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक छात्र के पास गुणवत्ता संसाधनों तक पहुंच हो। आकांक्षा पहल के माध्यम से प्रदान की गई व्यक्तिगत ध्यान और निरंतर प्रतिक्रिया न केवल छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करती है, बल्कि आजीवन सीखने के लिए एक मजबूत नींव भी तैयार करती है।





घटनाएँ और गतिविधियाँ

संस्थान की प्रमुख घटनाएं

सीएसआर समर्थन में 161% की वृद्धि



शिक्षा, अनुसंधान और सामुदायिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए आईआईटी गांधीनगर में वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) समर्थन में 161% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई जो एक मील का पत्थर है। सीएसआर फंडिंग में यह पर्याप्त वृद्धि शिक्षा, अनुसंधान और सामाजिक प्रभाव में उत्कृष्टता के लिए आईआईटी गांधीनगर की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कॉर्पोरेट दाताओं से उदार योगदान के साथ, संस्थान ने अपनी पहुंच के विस्तार और नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए अपने कार्यक्रमों को जारी रखा है।

एकीकृत सर्किट डिजाइन और प्रौद्योगिकी में नया बीटेक कार्यक्रम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर ने शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 से विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के हिस्से के रूप में 'इंटीग्रेटेड सर्किट डिजाइन एंड प्रौद्योगिकी (ICDT)' में एक नया बीटेक कार्यक्रम शुरू किया। वैशिक शिक्षा और उद्योग के प्रतिष्ठित सदस्यों वाली एक सलाहकार समिति के नेतृत्व में बीटेक कार्यक्रम, ईएसडीएम क्षेत्र में कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग को संबोधित करने में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है।

एराच और मेहेरु मेहता फिनटेक पहल

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर ने संकाय और छात्रों के लिए शैक्षणिक और अनुसंधान के अवसर पैदा करने के लिए 7 जुलाई, 2024 को एराच और मेहेरु मेहता फिनटेक पहल शुरू की। संस्थान के दीर्घकालिक शुभचिंतक श्री रुयिंटन (रॉन) मेहता द्वारा समर्थित इस पहल का उद्देश्य इंटर्नशिप की पेशकश करना, स्टार्टअप का समर्थन करना और फिनटेक में तकनीकी विकास को चलाने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, उद्योग और सरकार के बीच सहयोग की सुविधा प्रदान करना है। उद्घाटन को स्मरणीय बनाने के लिए, 24 घंटे का फिनटेक हैकथॉन- 'फिनोवेट हैक 2024' - 7 और 8 जुलाई, 2024 को आयोजित किया गया था। हैकथॉन ने देश भर के प्रमुख संस्थानों



के लगभग 50 छात्रों की मेजबानी की।

डबल डिग्री मास्टर्स प्रोग्राम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर और एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (AIT), थाईलैंड ने अगस्त 2024 में डबल डिग्री मास्टर प्रोग्राम (DDMP) प्रारंभ किया। यह आपसी सहयोग छात्रों को दो मास्टर डिग्री अर्जित करने की अनुमति देता है, एक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर से और दूसरा एआईटी से। यह डीडीएमपी में डेटा साइंस और एआई, बायोनैनो मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग, एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, रिमोट सेंसिंग और जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस), जियोटेक्निकल एंड अर्थ रिसोर्सेज इंजीनियरिंग, वाटर इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट और सस्टेनेबल एनर्जी ट्रांजिशन सहित अत्याधुनिक विषयों में पाठ्यक्रम शामिल हैं।

महावाणिज्य दूत माइक हैंकी की यात्रा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर ने 16 जुलाई, 2024 को अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास, मुंबई के कांसुलेट जनरल माइक हैंकी का स्वागत किया। इस यात्रा का उद्देश्य संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच उच्च शिक्षा में द्विपक्षीय सहयोग की संभावनाओं की तलाश करना है। महावाणिज्य दूत हैंकी ने प्रोफेसर कबीर जसूजा, डॉ दिनेश ओ शाह चेयर सहयुक्त आचार्य, रासायनिक अभियांत्रिकी; प्रोफेसर एस पी मेहरोत्रा, विजिटिंग प्रोफेसर, पदार्थ अभियांत्रिकी; और प्रोफेसर नितिन वी जॉर्ज, TEOCO चेयर सहयुक्त आचार्य, विद्युत अभियांत्रिकी से मुलाकात की। महावाणिज्य दूत ने वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने वाले सहयोगात्मक अनुसंधान में गहरी रुचि व्यक्त की।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर शोधकर्ताओं ने हिंदी AI भाषा मॉडल विकसित किया

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर के शोधकर्ताओं ने विशेष रूप से हिंदी के लिए डिज़ाइन किया गया AI भाषा मॉडल 'गंगा-1बी' विकसित किया। हिंदी डेटासेट का उपयोग करके बनाया गया यह पूर्व-प्रशिक्षित मॉडल, हिंदी और अंग्रेजी दोनों का समर्थन करता है, और दो भाषाओं का मिश्रण है। डेढ़ साल में निर्मित और विकसित गंगा-1बी ने मौजूदा ओपन-सोर्स मॉडल को बेहतर प्रदर्शन किया है और अपने प्रारंभ के दो सप्ताह के भीतर 1000 से अधिक डाउनलोड के साथ त्वरित लोकप्रियता हासिल की है। अध्ययनकर्ताओं की टीम में प्रोफेसर मयंक सिंह, पीएचडी छात्र हिमांशु बेनीवाल और प्रीतम कडासी और एमटेक के छात्र आमोद ठाकोर, हितेश लोडवाल और सिद्धेश दोसी शामिल हैं।

गिफ्ट इंटरनेशनल फिनेटेक इंस्टीट्यूट का शुभारंभ

गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (GIFT सिटी) ने अहमदाबाद विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर और UC सैन डिंगो के साथ साझेदारी में, 17 जनवरी, 2025 को GIFT इंटरनेशनल फिनेटेक इंस्टीट्यूट (GIFT IFI) लॉन्च किया। इस स्थान का उद्देश्य फिनेटेक परिस्थितिकी तंत्र में प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना है।



कर्नाटक सरकार के प्रतिनिधिमंडल का दौरा

कर्नाटक सरकार के माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ एमसी सुधाकर के नेतृत्व में कर्नाटक सरकार के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने 16 सितंबर, 2024 को आईआईटी गांधीनगर का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने प्रोफेसर रजत मूना, निदेशक, आईआईटी गांधीनगर और अन्य संकाय सदस्यों से मुलाकात की और शिक्षाविदों और अनुसंधान के विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की। अधिकारियों को परिसर का भ्रमण भी कराया गया और उन्होंने अत्याधुनिक खेल सुविधाओं, छात्रावासों और शैक्षणिक क्षेत्रों का विशेष रूप से देखा।

आईआईटी गांधीनगर में न्यू जर्सी के लेफ्टिनेंट गवर्नर

आईआईटी गांधीनगर ने 13 दिसंबर, 2024 को न्यू जर्सी के लेफ्टिनेंट गवर्नर, ताहेशा वे का आतिथ्य सत्कार किया। न्यू जर्सी-भारत आयोग, मुंबई स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास

के अतिथियों का एक सम्मानित प्रतिनिधिमंडल और उद्योग एवं शिक्षा जगत के जाने-माने पेशेवर भी उनके साथ शामिल थे। आईआईटी गांधीनगर के निदेशक प्रोफेसर रजत मूना द्वारा उनका औपचारिक रूप से स्वागत और सम्मान किया गया और संकाय सदस्यों के साथ इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए। प्रतिनिधियों ने आईआईटी गांधीनगर के रिसर्च पार्क में स्थित कुछ स्टार्ट-अप के साथ भी बातचीत की, इसके बाद सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग (सीसीएल) का दौरा किया।

कंपोजिट में ई-मास्टर कार्यक्रम का शुभारंभ

आईआईटी गांधीनगर ने 10 अक्टूबर, 2024 को कंपोजिट में एक नया ई-मास्टर डिग्री प्रोग्राम शुरू किया। यह कार्यक्रम समग्र सामग्रियों की गहन खोज प्रदान करता है, पेशेवरों को एयरोस्पेस, मोटर वाहन और अन्य उच्च प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार करता है।



12वीं शैक्षणिक सलाहकार परिषद और 13वीं नेतृत्व परिषद

आईआईटी गांधीनगर ने 10 जनवरी, 2025 को 12वीं शैक्षणिक सलाहकार परिषद (AAC) की मेजबानी की। प्रतिष्ठित सम्मेलन ने विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, उद्योग जगत के नेताओं और वैश्विक विशेषज्ञों को एक मंच पर लाने का काम किया, जिन्होंने संस्थान की भावी पहलों को आकार देने पर चर्चा की। 13वां लीडरशिप कॉन्क्लेव (एलसी) 11 जनवरी, 2025 को आईआईटी गांधीनगर में आयोजित किया गया, जिसमें संस्थान की अल्पकालिक, मध्यम अवधि और दीर्घकालिक के लिए रणनीतिक चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए इन प्रभावशाली व्यक्तित्वों को एकत्रित किया गया।

आईआईटी गांधीनगर में हिरोशिमा विश्वविद्यालय प्रतिनिधिमंडल

आईआईटी गांधीनगर ने संभावित अनुसंधान सहयोग और छात्र विनियम कार्यक्रमों की संभावनाओं का पता लगाने के लिए 24 जनवरी, 2025 को हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान के एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। यह यात्रा दोनों संस्थानों के बीच अकादमिक संबंधों को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आईआईटी गांधीनगर के छात्र 76वें गणतंत्र दिवस परेड में संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हैं

रासायनिक अभियांत्रिकी की छात्रा साक्षी श्रीधर काटकुर और आईआईटी गांधीनगर में यांत्रिक अभियांत्रिकी के छात्र वेदांत प्रदीप कुंभार को नई दिल्ली में 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में संस्थान का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। दोनों छात्र पीएम YASASVI (प्रधानमंत्री यंग अचीवर्स स्कॉलरशिप अवॉर्ड स्कीम) के प्राप्तकर्ता हैं।

जापान भारत मिलन शिखर सम्मेलन

आईआईटी गांधीनगर ने प्रमुख जापानी विश्वविद्यालयों और उद्योगों के साथ अकादमिक और अनुसंधान साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए 20-21 मार्च, 2025 को दो दिवसीय शिखर सम्मेलन, 'जापान भारत मिलन' की मेजबानी की। शिखर सम्मेलन को सात जापानी विश्वविद्यालयों, जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआईसीए) और जापान एक्स्टर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जेईटीआरओ) के प्रतिनिधिमंडलों, उद्योग प्रतिनिधियों के साथ-साथ डीएसटी अधिकारियों के प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों के साथ इस कार्यक्रम में शामिल होने के साथ एक उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली।

आईआईटी गांधीनगर में ताइवान दिवस



आईआईटी गांधीनगर ने 29 मार्च, 2025 को ताइवान दिवस की मेजबानी की, जिसमें संस्थान के साथ सहयोग के अवसरों की तलाश करने के लिए प्रमुख ताइवानी कंपनियों के कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया। औद्योगिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, नवाचार, भर्ती, इंटर्नशिप और प्रतिभा विकास में सहयोग के लिए आईआईटी गांधीनगर और महाराष्ट्र में ताइवान चैंबर ऑफ कॉर्मस (TCCMW) के बीच एक समझौता ज्ञापन (मओयु) पर हस्ताक्षर किए गए।

महत्वपूर्ण गतिविधियां

एसआरआईपी 2024



समर रिसर्च इंटर्नशिप प्रोग्राम (एसआरआईपी) 5 मई, 2024 को आईआईटी गांधीनगर में शुरू हुआ। आठ सप्ताह के इस प्रमुख कार्यक्रम के 14 वें संस्करण में देश भर के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिभाशाली छात्रों ने भागीदारी की। इंटर्न ने आईआईटी गांधीनगर में आठ सप्ताह बिताए और संकाय सदस्यों की सलाह के तहत 134 अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन किया। इंटर्न ने 9 जुलाई, 2024 को एक पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता के साथ अपनी इंटर्नशिप का समापन किया।

जेईई ओपन हाउस

आईआईटी गांधीनगर ने 11 जून, 2024 को संभावित बीटेक छात्रों और उनके माता-पिता के लिए एक ऑनलाइन 'जेईई ओपन हाउस' की मेजबानी की। संस्थान के अधिकारियों ने भावी छात्रों के शंकाओं का समाधान किया और परिसर के जीवन, प्रवेश, कार्यक्रमों, कैरियर के अवसरों और अन्य विषयों पर प्रत्यक्ष मार्गदर्शन प्रदान किया। लाइव इंटरैक्टिव सत्र में निदेशक, अकादमिक मामलों के डीन, छात्र मामलों के डीन, विभागाध्यक्षों, परामर्श सेवाओं के संकाय प्रभारी, इंटर्नशिप के संकाय प्रभारी, उच्च शिक्षा के संकाय प्रभारी, आईआईटी गांधीनगर के छात्रों और पूर्व छात्रों का सम्बोधन शामिल था।

सुश्री रजनी जैन के साथ चार्स का विशेष सत्र



छात्रों के बीच समग्र संघ और संबंध प्रबंधन के लिए आईआईटी गांधीनगर समिति (CHARMS) ने 5 अप्रैल, 2024 को 'लाइफ एट आईआईटी - अवसर और चुनौतियां - हार्ट टू हार्ट विद मिस रजनी जैन' शीर्षक से प्रथम वर्ष की बीटेक छात्राओं के लिए एक विशेष सत्र की मेजबानी की। श्रीमती जैन आईआईटी दिल्ली की पूर्व छात्रा, आईआईटीबीएनएफ, आईआईटी बॉम्बे में वर्तमान प्रमुख आईटी, आईआईटी गुवाहाटी में आईएनयूपी-आई 2 आई परियोजना में एक सॉफ्टवेयर सलाहकार और एक समर्पित शिक्षक हैं। सत्र सूचना, बातचीत और उल्लास का एक सहज मिश्रण था।

एसीएस इन्विशन: भविष्य में विज्ञान

एसीएस इंटरनेशनल स्टूडेंट चैप्टर आईआईटी गांधीनगर ने 13 अप्रैल, 2024 को 'एसीएस इन्विशन: लॉन्चिंग साइंस इनटू प्यूचर' का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य विषयों के बीच के अंतर को कम करना और बहु-विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम में आईआईटी गांधीनगर के छात्रों, संकाय सदस्यों और आसपास के विश्वविद्यालय के लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर शिवप्रिया किरुबाकरन और प्रोफेसर बिस्वजीत मंडल द्वारा एसीएस स्टूडेंट चैप्टर आईआईटी गांधीनगर के साथ की गई थी।

TEDxIITGANDHINAGAR

आईआईटी गांधीनगर ने 7 अप्रैल, 2024 को बहुप्रतीक्षित TEDxIITGandhinagar 2024 का सफलतापूर्वक समापन किया। 'रीइमेजिनिंग रियलिटीज' विषय पर चर्चा करते हुए, इस कार्यक्रम ने परिवर्तनकारी नेतृत्व, उद्यमिता, खेल सशक्तिकरण और अन्य विषयों पर दिलचस्प वार्ता की मेजबानी की। वक्ताओं में भारतीय सेना के एक उच्च सम्मानित अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल ए.अरुण; दो बार की ओलंपियन दुती चंद; और रेवती रमणन, एक प्रतिष्ठित राष्ट्रमंडल विद्वान और टीच फॉर इंडिया फैलोशिप की एक पूर्व छात्रा शामिल थे।

कला फिल्म समारोह

आईआईटी गांधीनगर ने 13-14 अप्रैल, 2024 को Art@आईआईटी गांधीनगर फिल्म महोत्सव का आयोजन किया। इस उत्सव ने सिनेमा के प्रति समर्पित लोगों को स्वतंत्र सिनेमा के जादू का अनुभव करने और उद्योग के चरचनात्मक पेशेवरों के साथ जुड़ने अवसर दिया। इस महोत्सव का आयोजन आईआईटी गांधीनगर के कलाकार-इन-रेजिडेंस, प्रसिद्ध निर्देशक डॉन पलायरा द्वारा किया गया था, जिसमें देश भर के प्रशंसित फिल्म निर्माताओं द्वारा विचारोत्तेजक कथाएं और आश्वर्यजनक कहानी कही गई थी।

मेस कर्मचारियों के लिए खाना बनाना

संस्थान के मेस कर्मचारियों के प्रति कृतज्ञता और प्रशंसा के भाव के रूप में यहाँ के संकाय, कर्मचारियों और छात्रों ने 14 अप्रैल, 2024 को उनके लिए खाना पकाया और उन्हें खिलाया। इस पहल के तहत मैनेजर, शेफ, कुकिंग असिस्टेंट, सर्विंग स्टाफ और मेस हाउसकीपिंग स्टाफ सहित मेस स्टाफ के सदस्यों को दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया गया था।

सर्टिफिकेशन इन साइंटिफिक राइटिंग प्रोग्राम

सर्टिफिकेशन इन साइंटिफिक राइटिंग प्रोग्राम के हिस्से के रूप में, 61 पीएचडी विद्वानों को मई 2024 में शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 के लिए वैज्ञानिक लेखन में प्रमाणन से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम हर सेमेस्टर में प्रोफेसर कार्ला पी मर्कडो-शेखर द्वारा संकाय-प्रभारी के रूप में और डॉ मारिया जोआओ अमान्ते द्वारा परीक्षक के रूप में आयोजित किया जाता है।

आरोहण 2024

आईआईटी गांधीनगर ने आने वाले मास्टर और पीएचडी छात्रों के लिए फाउंडेशन कार्यक्रम 'आरोहण' 2024 का आयोजन किया। यह गहन कार्यक्रम 18-31 जुलाई, 2024 तक आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य विषम शैक्षिक और सामाजिक

आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों को संस्थान के लोकाचार, संस्कृति और अनुशासन से अवगत कराना था। छात्रों ने आविष्कार और खोज, संचार, व्यावसायिकता, नैतिकता, सामाजिक जुड़ाव और कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

आईपीएस अधिकारी सफीन हसन द्वारा आउटरीच सत्र

आईआईटी गांधीनगर ने आईपीएस अधिकारी श्री सफीन हसन को 20 मई, 2024 को एक संवादात्मक वार्ता के लिए आमंत्रित किया। श्री हसन ने 2018 में 22 साल की उम्र में यूपीएससी परीक्षा पास की और भारत के सबसे कम उम्र के आईपीएस अधिकारियों में से एक बने। उन्हें संस्थान के स्तंभ कर्मचारी, हाउसकीपिंग स्टाफ, मेस कार्यकर्ता, सुरक्षा, रखरखाव कर्मचारी और बागवानी कर्मचारी को प्रेरित करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

स्थापना कार्यक्रम 2024

संस्थान ने अपने बहुचर्चित फाउंडेशन प्रोग्राम के साथ 2024 के नए बीटेक बैच का स्वागत किया, जो 22 जुलाई से 15 अगस्त, 2024 तक आयोजित किया गया था। इस साल 2024 के बीटेक बैच में 386 छात्र शामिल हुए। डॉ. शरद कुमार सराफ, सीएमडी, टेक्नोक्राफ्ट ग्रुप और चेयरमैन, शासी मण्डल, आईआईटी बॉम्बे ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई। इस महीने भर लंबे आयोजन के दौरान, छात्रों को प्रायोगिक गतिविधियों की एक शृंखला से परिचित कराया गया, जिसका उद्देश्य उन्हें इंजीनियरिंग से इतर जीवन के लिए तैयार करना था।

स्थापना दिवस

आईआईटी गांधीनगर ने 3 अगस्त, 2024 को स्थापना दिवस मनाकर अपनी स्थापना के 16 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईबीएम इंडिया लैब्स एंड इकोसिस्टम के उपाध्यक्ष श्री गौरव शर्मा की उपस्थिति थी। प्रोफेसर रजत मूना, निदेशक, आईआईटी गांधीनगर ने संस्थान की यात्रा के बारे में याद करते हुए एक भाषण दिया। इस अवसर पर संस्थान के कई मित्रों और शुभचिंतकों ने भाग लिया। आईआईटी गांधीनगर समुदाय के सदस्यों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की एक मनोरम शृंखला प्रस्तुत करके उत्सव को यादगार बना दिया।



सीनर्मदा का उद्घाटन

आईआईटी गांधीनगर ने आईआईटी इंदौर के सहयोग से 10 अगस्त, 2024 को आईआईटी गांधीनगर में सेंटर फॉर नर्मदा रिवर बेसिन मैनेजमेंट (cNARMADA) का उद्घाटन किया, जिसके बाद हितधारकों के लिए एक कार्यशाला हुई। यह केंद्र नर्मदा नदी बेसिन के लिए स्थिति आकलन और प्रबंधन योजना (CAMP) का संचालन करने के लिए भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय द्वारा स्थापित किया गया था। यह आईआईटी गांधीनगर और आईआईटी इंदौर के बीच एक संयुक्त अध्ययन पर आधारित होगा, जिसमें हितधारक प्रमुख भूमिका निभाएंगे। केंद्र का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री अशोक ठाकुर, नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण, प्रोफेसर रजत मूना, निदेशक, आईआईटी गांधीनगर की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

सीसीएल का क्यूरियोसिटी कार्यक्रम 12 राज्यों में फैला

सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग (सीसीएल), आईआईटी गांधीनगर के क्यूरियोसिटी प्रोग्राम का विस्तार 12 राज्यों में हुआ है, जिससे कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) की 2,00,000 से अधिक युवा लड़कियां लाभान्वित हुई हैं। क्यूरियोसिटी बॉक्स के साथ 80 लाइव, द्विसाप्ताहिक ऑनलाइन एसटीईएम सत्रों और प्रायोगिक गतिविधियों के माध्यम से, कार्यक्रम मौलिक विज्ञान और गणित अवधारणाओं को मजेदार, आसानी से समझने वाले तरीके से बताता है।

तीन नए आपराधिक कानूनों पर खुला सत्र

आईआईटी गांधीनगर ने 1 जुलाई, 2024 को तीन नए अधिनियमित कानूनों अर्थात् भारतीय दंड संहिता, 1860, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 और भारतीय साष्य अधिनियम, 1872 की जगह क्रमशः भारतीय न्याय संहिता, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और भारतीय साक्षी अधिनियम, 1872 पर एक खुले सत्र की मेजबानी की। इस कार्यक्रम के बक्ता गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कानून के प्रोफेसर डॉ. अंजनी सिंह तोमर थे।

एक पेड़ माँ के नाम- वृक्षारोपण अभियान



आईआईटी गांधीनगर ने 10 अगस्त, 2024 को माननीय प्रधान मंत्री के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान, एक राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण आंदोलन के हिस्से के रूप में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री राज कुमार, मुख्य सचिव, गुजरात सरकार, मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। रजत मूना, निदेशक, आईआईटी गांधीनगर के नेतृत्व में, कई छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ कार्यक्रम में

भाग लिया। इस आयोजन को वन विभाग, गुजरात सरकार द्वारा समर्थित किया गया था।

स्वतंत्रता दिवस 2024

आईआईटी गांधीनगर समुदाय ने 15 अगस्त, 2024 को अत्यधिक देशभक्ति की भावना के साथ 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वज फहराकर और राष्ट्रगान के साथ हुई, इसके बाद आईआईटी गांधीनगर के निदेशक प्रोफेसर रजत मूना ने एक प्रेरक भाषण दिया। इस समारोह में समर्पित आईआईटी गांधीनगर कर्मचारियों को लॉन्च सर्विस अवार्ड्स प्रदान करने के साथ-साथ छात्रों के उत्कृष्ट कार्य को मान्यता देते हुए रिसर्च शोकेस के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार भी शामिल थे।

फ्लड एआई हैकथॉन

आईआईटी गांधीनगर के इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेंटर (IIEC) ने IIT बॉम्बे में इंटरडिसिप्लिनरी प्रोग्राम इन क्लाइमेट स्टडीज के सहयोग से, 8 सितंबर, 2024 को फ्लड एआई हैकथॉन का आयोजन किया, जो शहरी बाढ़ की वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए डिज़ाइन किया गया एक कार्यक्रम है। हैकथॉन ने छात्रों और नवप्रवर्तकों को शहरी बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए अत्याधुनिक समाधान विकसित करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान किया। हैकथॉन में कुल 55 छात्रों ने भाग लिया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान

जल शक्ति मंत्रालय के 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के हिस्से के रूप में, आईआईटी गांधीनगर ने 25 सितंबर, 2024 को 'सफाई मित्र सुरक्षा शिविर' की मेजबानी की। अहमदाबाद की स्ती रोग विशेषज्ञ डॉ. किंजल शाह ने संस्थान के स्वच्छता कर्मचारियों और अन्य हाउसकीपिंग स्टाफ सदस्यों को संबोधित किया, उनकी शारीरिक भलाई के लिए आवश्यक कुछ महत्वपूर्ण उपायों को ऐरेंटेक्ट किया। अभियान के तहत पालज और बासन गांवों में स्वास्थ्य जांच और जागरूकता शिविर भी आयोजित किया गया।

स्वदेशी फिल्म महोत्सव

आईआईटी गांधीनगर ने ट्राइबल डिज़ाइन फोरम और ग्रीन हब इंडिया के सहयोग से 21 - 22 सितंबर, 2024 को दो दिवसीय स्वदेशी फिल्म महोत्सव का आयोजन किया। महोत्सव के दौरान, 16 लघु फिल्मों का एक सेट प्रदर्शित किया गया, जिसने पड़ोसी शहरों से सिनेप्रेमियों को आकर्षित किया।

सिविल इंजीनियरिंग दिवस

सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी गांधीनगर ने 21 सितंबर, 2024 को 'सिविल इंजीनियरिंग डे 2024' का आयोजन किया। आयोजन के दौरान, विभिन्न प्रतियोगिताओं, एक शोध शोकेस और एक उद्योग विशेषज्ञ के साथ एक टाउन हॉल चर्चा आयोजित की गई।

ब्रुकर AXS इंडिया फार्मा रोड शो

आईआईटी गांधीनगर ने 12 सितंबर, 2024 को ब्रुकर AXS इंडिया फार्मा रोड शो 2024 की मेजबानी की, जो एक्स-रे क्रिस्टलोग्राफी, विशेष रूप से सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे विवर्तन और फार्मास्युटिकल क्षेत्र में इसके अनुप्रयोगों के क्षेत्र में तकनीकी प्रगति पर चर्चा करने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला थी। कार्यशाला में अकादमिक शोधकर्ताओं के साथ-साथ ब्रुकर अधिकारियों से आमंत्रित वार्ता शामिल थी, और इसमें एकल क्रिस्टल एक्स-रे विवर्तन इंस्ट्रूमेंटेशन पर एक डेमो सत्र भी शामिल था।

युवा संगम फेज V



आईआईटी गांधीनगर ने 29 नवंबर, 2024 को 'युवा संगम चरण V' के गुजरात प्रतिनिधिमंडल के लिए झंडी दिखाकर रवाना होने के समारोह का आयोजन किया। आईआईटी गांधीनगर 5-9 दिसंबर, 2024 तक केरल प्रतिनिधिमंडल की भी मेजबानी की। केरल के दल को गुजरात के जीवंत सांस्कृतिक परिदृश्य से परिचित कराया गया और इसकी तकनीकी प्रगति की झलक दिखाई गई। उन्हें स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, अक्षरधाम, मोदेरा सूर्य मंदिर और अन्य दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया गया।

स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2024



आईआईटी गांधीनगर ने 11-12 दिसंबर, 2024 को स्मार्ट इंडिया हैकथॉन (सॉफ्टवेयर संस्करण) के 7वें संस्करण की मेजबानी की। संस्थान ने 37 टीमों में लगभग 250 छात्रों की मेजबानी की, जिन्होंने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार के साथ-साथ गुजरात सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा प्रदान की गई 7 चुनौतीपूर्ण समस्या विवरणों पर काम किया।

भारत की खोज



आईआईटी गांधीनगर ने 16-22 दिसंबर, 2024 तक 'इंडिया की खोज़: इन सर्च ऑफ सोसाइटी, कल्पर, इकोनॉमी, साइंस एंड बियॉन्ड' का आयोजन किया। प्रशासनिक कर्मचारियों से एथेना कास्टो और विंसेंट टन के साथ कैलटेक विश्वविद्यालय के नौ सातक छात्रों ने इस पहल में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा की। आईआईटी गांधीनगर के 14 छात्रों का एक समूह भी उसमें शामिल हुआ। विचारों और अनुभवों के समृद्ध आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए वे एक साथ व्याख्यान, इंटरैक्टिव सत्र, कार्यशालाओं और यात्राओं की एक शृंखला में शामिल हुए।

स्वच्छता परवाड़ा 2024

स्वच्छ भारत मिशन पहल के तहत आईआईटी गांधीनगर ने स्वच्छता परवाड़ा 2024 के हिस्से के रूप में स्वच्छता, स्थिरता को बढ़ावा देने और जिमेदार प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित प्रभावशाली कार्यक्रमों की एक शृंखला का आयोजन किया। इसमें एक प्लॉगिंग ड्राइव शामिल था जिसमें छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों सहित 110 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के तहत फोटोग्राफी और रील बनाने की प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

आईआईटी गांधीनगर ने नीव के दस साल पूरे होने का जश्न मनाया

आईआईटी गांधीनगर के सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम "नीव" ने 12 दिसंबर, 2024 को अपना पहला दशक पूरा होने का जश्न मनाया। स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने पर विशेष जोर देने के साथ, "नीव" एक ऐसी पहल है जो कौशल विकास परियोजनाओं का संचालन करती है और आत्मनिर्भरता और वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से लोगों, विशेषकर महिलाओं को प्रशिक्षित करती है। 2014 में एक शांतिपूर्ण शुरुआत के साथ, कार्यक्रम अब गुजरात के 40 से अधिक गांवों में 6000 लाभार्थियों की सेवा करता है।

आईआईटी गांधीनगर में 76वां गणतंत्र दिवस समारोह

आईआईटी गांधीनगर ने 76वां गणतंत्र दिवस मनाया, जिसमें शिक्षण, अनुसंधान, संस्थान निर्माण तथा आउटरीच में उत्कृष्टता, स्टाफ उत्कृष्टता पुरस्कार, कैपस विकास पुरस्कार और खेल पुरस्कार में उपलब्ध जैसे विभिन्न पुरस्कारों के माध्यम से अपने संकाय और कर्मचारियों के असाधारण योगदान को स्वीकार किया गया। छात्रों की रचनात्मकता और शैक्षणिक प्रयासों को स्वीकार करने के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार

भी वितरित किया गया। बागवानी और हाउसकीपिंग स्टाफ, ड्राइवर, सुरक्षाकर्मी और भोजन और आतिथ्य कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: परिप्रेक्ष्य और सर्वोत्तम अभ्यास

आईआईटी गांधीनगर ने 18 जनवरी, 2025 को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: परिप्रेक्ष्य और सर्वोत्तम अभ्यास' पर एक उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य एनईपी 2020 को प्रभावी ढंग से लागू करने में गुजरात के राज्य विश्वविद्यालयों का सहयोग करना है। बैठक में 16 प्रतिभागी थे, जिनमें डीन शैक्षणिक, आईआईटी गांधीनगर, गुजरात सरकार के तकनीकी शिक्षा आयुक्तालय के प्रतिनिधि और गुजरात के विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिभागी शामिल थे।

30-30 एकलव्य ऑनलाइन कार्यक्रम का तीसरा संस्करण

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) और आईआईटी गांधीनगर में सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग (CCL) ने 30-30 एकलव्य ऑनलाइन कार्यक्रम के तीसरे संस्करण का आयोजन किया - एक ऐसी पहल जिसका उद्देश्य जटिल अवधारणाओं को सरल बनाना, जिज्ञासा को प्रज्वलित करना और छात्रों और शिक्षकों में रचनात्मकता को प्रेरित करना है।

विरासत 2025

आईआईटी गांधीनगर ने 22 से 30 मार्च, 2025 तक संस्थान में SPIC MACAY हेरिटेज क्लब द्वारा आयोजित एक SPIC MACAY कार्यक्रम - विरासत 2025 की मेजबानी की। इसमें संगीत कार्यक्रमों और कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें विदुषी ए कन्याकुमारी, डॉ कालूराम बामनिया, पंडित उल्हास कशालकर, पंडित हरिप्रसाद चौरसिया और



विदुषी अश्विनी भिडे देशपांडे द्वारा प्रस्तुतो शामिल थे।

भविष्य की हैकिंग - डेटा अंतर्दृष्टि का नवाचार करना

आईआईटी गांधीनगर ने 21-23 मार्च, 2025 तक सामाजिक चुनौतियों को संबोधित करने के लिए डेटा की परिवर्तनकारी शक्ति का पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया 36 घंटे का राष्ट्रीय हैकथॉन 'हैक द प्यूचर - इनोवेटिंग इंटेलिजेंट डेटा इनसाइट्स' की मेजबानी की। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) और आईआईटी गांधीनगर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेंटर (IIEC) के बीच एक सहयोगी उद्यम के रूप में आयोजित, यह हैकथॉन देश भर के 1,000 आवेदकों में से 19 छात्र टीमों को साथ लाने का एक अद्भुत मंच था।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025

आईआईटी गांधीनगर ने 28 फरवरी, 2025 को रमन प्रभाव की खोज की वर्षगांठ और देश भर में वैज्ञानिक जांच की भावना को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 मनाया। इस कार्यक्रम ने गांधीनगर और आसपास के क्षेत्रों के 500 से अधिक स्कूली छात्र शामिल हुए, जिससे पूरे परिसर में उल्हास का वातावरण था।

आईआईटी गांधीनगर द्वारा AI-संचालित नवाचारों पर इंडो-थाईलैंड कार्यशाला की मेजबानी

आईआईटी गांधीनगर ने 24-28 मार्च, 2025 तक AI-संचालित नवाचारों (AIDI) पर इंडो-थाईलैंड कार्यशाला की मेजबानी की। इस पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से बढ़ते क्षेत्र में ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना था और इसमें थाईलैंड के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया था।



ART@आईआईटी गांधीनगर फिल्म समारोह 2.0

आईआईटी गांधीनगर ने MUBI और एलायंस फ्रांसेझ़, अहमदाबाद के साथ साझेदारी में, 29-31 मार्च, 2025 तक Art@आईआईटी गांधीनगर फिल्म फेस्टिवल के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। डॉन पलाथारा द्वारा आयोजित समारोह में अंतरराष्ट्रीय सिनेमा और क्लासिक्स, स्वतंत्र भारतीय विशेषताओं और समीक्षकों द्वारा प्रशंसित शॉर्ट्स के साथ-साथ प्रमुख फिल्म निर्माताओं और रचनात्मक पेशेवरों के साथ मास्टरक्लास, पैनल चर्चा और इंटरैक्टिव सत्रों की एक शृंखला का प्रदर्शन किया गया।

छात्र गतिविधियाँ

उड़ान 2024

उड़ान, आधिकारिक विदाई-सह-स्रातक रात्रिभोज, 20 अप्रैल, 2024 को आईआईटी गांधीनगर द्वारा आयोजित किया गया था। शाम को हमारे छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा कुछ प्रतिबिंब, मधुर यादें, भाषण और उपाख्यान के बाद रात्रिभोज सम्पन्न हुआ।

आईआईटी गांधीनगर के छात्रों द्वारा पूर्ण रूप से स्वचालित वाहन का विकास

आईआईटी गांधीनगर के 10 छात्रों ने एक पूरी तरह कार्यात्मक स्वचालित वाहन विकसित किया जो बिना चालक के काम कर सकता है। इस वाहन को स्वचालित वाहनों पर एक तरह के पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में विकसित किया गया था। छात्रों ने एक इलेक्ट्रिक गोल्फ कार्ट को एक अत्याधुनिक चालक रहित वाहन में बदल दिया, जो परिसर में हॉस्टल से शैक्षणिक क्षेत्र में स्वायत्त रूप से नेविगेट करने में सक्षम था। वाहन हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर संशोधनों से लैस है ताकि यह लेन डिटेक्शन, बाधा का पता लगाने, स्वचालित स्टीयरिंग नियंत्रण और स्वचालित ब्रेकिंग और त्वरण सहित पूरी तरह से स्वायत्त संचालन में सक्षम हो सके।

स्रातक अनुसंधान शोकेस 2024

संस्थान ने 22 अप्रैल, 2024 को एक अंडरग्रेजुएट रिसर्च शोकेस का आयोजन किया। विभिन्न विभागों के छात्रों ने विविध दर्शकों के सामने अपना शोध प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम ने विभिन्न अंतःविषय क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य को बढ़े और अधिक विविध दर्शकों के लिए प्रदर्शित करने और संवाद करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया, और उनके शोध पर अद्भुत चर्चा और मौलिक दृष्टिकोण की सुविधा प्रदान की।

युवा मंथन मॉडल संयुक्त राष्ट्र

आईआईटी गांधीनगर की छात्र परिषद ने संस्थान के आवाम, सोसाइटी, पॉलिटिक्स और डिबेटिंग क्लब के सहयोग से 20 सितंबर, 2024 को 'युवा मंथन मॉडल यूनाइटेड नेशंस' (वाईएमयूएन) का आयोजन किया। युवा मामलों के मंत्रालय के निदेशों के बाद, एमयूएन ने 'जीवन शैली और पर्यावरण' पर ध्यान केंद्रित किया तथा वैश्विक जलवायु प्रक्रिया, सतत विकास और पर्यावरण सहयोग के बारे में चर्चा की सुविधा के लिए कई देशों के प्रतिनिधियों को एक साथ लाने का काम किया।

अमलिथिया 2024

आईआईटी गांधीनगर ने 9-10 नवंबर, 2024 को अमलिथिया के 15वें संस्करण - छात्रों द्वारा संचालित तकनीकी शिखर सम्मेलन - की मेजबानी की। इस कार्यक्रम में एक रोमांचक टेक एक्स्पो दिखाया गया, जिसमें इसरो, भारतीय सेना, ड्रोनलैब टेक्नोलॉजीज और ऐसे कई अन्य संगठनों के प्रदर्शकों को एक साथ लाया गया। इसमें एक विशेष ऑटोमोटिव प्रदर्शनी भी दिखाई गई, जिसमें हालें डेविडसन, बीएमडब्ल्यू और डुकाटी जैसे कंपनियों के नवीनतम मॉडल प्रदर्शित किए गए। इसके अतिरिक्त, इसने क्रमशः अर्धचालकों की परिवर्तनकारी भूमिका और कुछ तकनीकी स्टार्टअप की यात्रा पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक संगोष्ठी और सम्मेलन की मेजबानी की।

ब्लिथक्रोन 2025



छात्रों ने 14 - 16 फरवरी, 2025 को अपने वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम - ब्लिथक्रॉन - का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पंद्रहवें संस्करण में, इस कार्यक्रम में 7000 से अधिक प्रतिभागियों की भारी भीड़ देखी गई। Blithchron आईआईटी गांधीनगर गांधीनगर की भावना, विश्वास और मूल्यों को समाहित करता है। इसका उद्देश्य देश भर में आधे मिलियन से अधिक लोगों के साथ आईआईटी गांधीनगर की जीवंत संस्कृति को साझा करना है। ब्लिथक्रोन 25 में, प्रणव शर्मा (स्टैंड अप कॉमेडियन), लक्ष्य कपूर और अंतरा मित्रा (बॉलीवुड गायक) जैसे कलाकारों ने प्रस्तुति दी, जिसमें परिसर के भीतर और बाहर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ देखने को मिली।

खेल गतिविधियाँ

10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

आईआईटी गांधीनगर समुदाय ने दैनिक जीवन में योग के महत्व पर जोर देते हुए 21 जून, 2024 को 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों में लगभग 40 सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिससे यह वर्ष की सबसे उल्लेखनीय सभाओं में से एक बन गया।

महिला सशक्तिकरण सप्ताह के लिए योग

आईआईटी गांधीनगर स्पोर्ट्स ने 7 जून से शुरू होने वाले 15 दिवसीय उत्सव का आयोजन किया, जिसमें प्रशिक्षक सुश्री तुलसा पुजारी के नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रम शामिल थे। मुख्य आकर्षण में सूर्य नमस्कार चुनौती, कलात्मक योगासन प्रतियोगिताएं, ध्यान कार्यशालाएं, जलीय योगासन और एक्रो योग शामिल थे। प्रतियोगिताओं में एक योग फोटोग्राफी प्रतियोगिता और एक योग प्रश्नोत्तरी भी शामिल थी।

संकाय और कर्मचारी इंट्राम्यूरल टूर्नामेंट

आईआईटी गांधीनगर में खेल विभाग ने जुलाई-सितंबर 2024 तक संकाय और स्टाफ वॉलीबॉल, बैडमिंटन और बास्केटबॉल इंट्राम्यूरल टूर्नामेंट का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संकाय और स्टाफ सदस्यों की समान रूप से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। इन टूर्नामेंटों का आयोजन टीम भावना और सहकर्मियों के बीच सौहार्द को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था।

अनंत मैराथन

ब्लिथक्रोन टीम और आईआईटी गांधीनगर की खेल समिति ने 1 सितंबर, 2024 को मैराथन कार्यक्रम 'अनंत रन' का आयोजन किया। मैराथन, थीम 'रन फॉर क्लीन रिवर्स' थी, जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता और जल निकायों के संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस कार्यक्रम में 3.5 कि.मी. और 10 कि.मी. की दौड़ हुई, जिसमें 700 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें आईआईटी गांधीनगर के छात्र और परिसर के बाहर के धावक शामिल थे।

38वीं इंटर आईआईटी एक्वेटिक्स मीट

आईआईटी गांधीनगर के दल ने 1-5 अक्टूबर, 2024 तक आईआईटी इंदौर द्वारा आयोजित 38वीं इंटर आईआईटी एक्वेटिक्स मीट में शानदार प्रदर्शन किया। अदित राम्भिया ने तीन स्वर्ण पदक जीते और तान्या व्यास ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते। आईआईटी गांधीनगर की महिला टीम ने ओवरऑल महिला चैपियनशिप में भी सेकेंड रनर-अप स्थान हासिल किया।

57वीं इंटर आईआईटी स्पोर्ट्स मीट

आईआईटी इंदौर में आयोजित 57वीं इंटर-आईआईटी स्पोर्ट्स मीट में आईआईटी गांधीनगर के दल ने असाधारण प्रदर्शन

किया। छात्रों ने कुल 5 स्वर्ण, 1 रजत और 3 कांस्य पदक जीते, और तैराकी, डिस्कस थ्रो, रिले, जेवलिन थ्रो, भारोत्तोलन, क्रिकेट, फुटबॉल और अन्य खेलों में प्रतिस्पर्धा में चुनौती प्रदान की। कुल 13.27 अंकों के साथ, इस उपलब्धि ने आईआईटी गांधीनगर के लिए एक ऐतिहासिक मील का पथर चिह्नित किया, जिससे यह 2008 के बाद से संस्थान का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बन गया।

29वीं इंटर आईआईटी स्टाफ स्पोर्ट्स मीट

आईआईटी कानपुर में आयोजित 29वीं इंटर-आईआईटी स्टाफ स्पोर्ट्स मीट में आईआईटी गांधीनगर के दल ने शानदार प्रदर्शन किया। क्रिकेट टीम ने रजत पदक जीता, और सूनी लक्ष्मी हिरानी ने डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक हासिल किया।

आईआईटी गांधीनगर में श्री दर्पण इनानी

आईआईटी गांधीनगर ने 29 नवंबर, 2024 को जिबाबेन पटेल (कनीसा) मेमोरियल ऑफिटोरियम में 'युवा संगम - चरण V' के गुजरात प्रतिनिधिमंडल के लिए फ्लैग-ऑफ समारोह की मेजबानी की। दर्पण इनानी, स्वर्ण पदक विजेता, एशियाई पैरा खेल 2023, इस अवसर पर मुख्य अतिथियों में से एक थे। 46 छात्रों को IIIT कोट्यायम के अभियान के लिए शुभकामनाएं दी गई। विश्व प्रसिद्ध शतरंज रिलाडी और चार्टर्ड एकाउंटेंट इनानी को तीन साल की उम्र में स्टीवंस-जॉनसन सिंड्रोम का पता चला था, जिससे उनकी आंखों की रोशनी पूरी तरह से चली गई। एक बिल्कुल सामान्य बच्चा होने से लेकर एक दृष्टिहीन व्यक्ति से लेकर एक अंतरराष्ट्रीय शतरंज चैंपियन तक, इनानी ने अपनी जीवन यात्रा का खुलासा किया, जिसमें जोर दिया गया कि "जीवन दृश्यता नहीं है, बल्कि दृष्टिकोण है।"

हल्लाबोल

आईआईटी गांधीनगर ने 27 जनवरी से 9 फरवरी, 2025 तक हल्लाबोल का आयोजन किया, जिसमें छात्र समुदाय के 1000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। फेस्ट में 13 खेल थे, जिनमें फुटसल, गली क्रिकेट, लागोरी, रस्साकशी आदि शामिल थे।

आरंभ

वार्षिक स्टाफ खेल प्रतियोगिता का दूसरा संस्करण, आरंभ 2025, 4-8 मार्च को कर्मचारी विकास प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में खेलने की खोज, 7 पत्थर, खो-खो, बैडमिंटन, गली क्रिकेट और डॉन्जबॉल सहित ढेर सारे खेल और गतिविधियां शामिल थीं। इस कार्यक्रम में लगभग 144 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

खेल लीग

फरवरी और मार्च में, खेल विभाग ने लीग ऑफ फुटबॉल प्लेयर्स, क्रिकेट कॉम्बैट लीग, श्रीजा मेमोरियल लीग (वॉलीबॉल), इंस्टीट्यूट बास्केटबॉल लीग, स्कॉर्च प्रीमियर लीग, लॉन टेनिस मास्टर्स लीग, कौटिल्य शतरंज लीग और बैडमिंटन सुपर लीग जैसी कई खेल लीगों की मेजबानी की, जिसमें आईआईटी गांधीनगर समुदाय से भारी भागीदारी देखी गई।



परिसर

निर्माण की अवधान स्थिति

निर्माण कार्य के चरण 2ए के अंतर्गत छात्रों के लिए छात्रावास (लगभग 1200 की क्षमतायुक्त) और संकाय/कर्मचारी हेतु आवास (182 आवास इकाई) का निर्माण कार्य शुरू हो गया है और यह निर्धारित समयानुसार है।

हरित परिसर

आईआईटी गांधीनगर ने 22 अप्रैल, 2024 को पृथक् दिवस मनाया जिसका थीम था “ग्रह बनाम प्लास्टिक”。इस कार्यक्रम में सभी उम्र के बच्चों के लिए एक चित्रकला प्रतियोगिता, एक फ़िल्म स्क्रीनिंग और पर्यावरण हितैषी उत्पादों को प्रदर्शित करने वाला एक स्टॉल शामिल था। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए और ब्यूकी हॉस्टल को 2024 का सबसे स्वच्छ छात्रावास घोषित किया गया। परिसर में सफाई अभियान ने स्थिरता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।

स्वच्छ भारत मिशन और स्वच्छता परखवाड़ा 2024 के तहत ग्रीन कैपस कमेटी और ग्रीन क्लब ने 21 सितंबर, 2024 को स्वच्छता और स्थायित्व पर केंद्रित कई कार्यक्रम आयोजित किए। इसमें 110 से ज्यादा प्रतिभागियों की भागीदारी वाली प्लॉगिंग ड्राइव, कैपस के मुख्य इलाकों की सफाई, साथ ही फ़ोटोग्राफी और रील बनाने की प्रतियोगिता शामिल थी। संस्थान ने 25 सितंबर, 2024 को ‘सफाई मित्र सुरक्षा शिविर’ का भी आयोजन

किया। इस कार्यक्रम में जल शक्ति मंत्रालय के ‘स्वच्छता ही सेवा’ अभियान के तहत सफाई कर्मचारियों और गृह व्यवस्था कर्मचारियों की शारीरिक सेहत पर ज़ोर दिया गया।

आईआईटी गांधीनगर ने 5 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस पर एक महत्वपूर्ण वृक्षारोपण अभियान शुरू किया, जिसमें समुदाय ने “एक सतत भविष्य के लिए वृक्षारोपण” थीम के तहत 350 पेड़ लगाए। संस्थान ने 10 अगस्त, 2024 को प्रधानमंत्री के अभियान “एक पेड़ माँ के नाम” में भाग लेकर अपनी हरियाली को और बढ़ाया, जहाँ गुजरात के मुख्य सचिव श्री राज कुमार, आईएएस की उपस्थिति में 450 पौधे लगाए गए। गुजरात सरकार के वन विभाग ने इस प्रयास को बढ़ावा देने के लिए 1,111 पौधे प्रदान किए। पूरे वर्ष के दौरान, आईआईटी गांधीनगर ने शैक्षणिक क्षेत्रों, छात्र छात्रावासों और अनुसंधान पार्क के पास परिसर में 8,000 से अधिक पेड़ सफलतापूर्वक लगाए, जिससे पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता मजबूत हुई।

2 अक्टूबर, 2024 को संस्थान ने स्वच्छ भारत दिवस मनाया। लगभग 45 हाउसकीपिंग और बागवानी कर्मचारियों के बच्चों ने एक चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें उन्होंने स्वच्छ भारत 2024 के अपने दृष्टिकोण को दर्शाते हुए रंग-बिरंगे चित्र बनाए। विजेताओं को पुरस्कार दिए गए और परिसर की स्वच्छता बनाए रखने में उनके प्रयासों की सराहना करते हुए

लगभग 150 हाउसकीपिंग और बागवानी कर्मचारियों को टोपी, हाथ के तौलिये, दस्ताने, फेस मास्क और मिठाइयाँ वितरित की गईं।

कुछ अवसंरचनात्मक परिसंपत्तियां और पहलू जो हरित प्रयासों में निरंतर योगदान दे रहे हैं, उनमें सावधानीपूर्वक नियोजित वास्तुकला, पर्यावरण हितैषी सीवेज उपचार संयंत्र, वर्षा जल संचयन प्रणालियां, बायोगैस और खाद प्रणालियां, छात्रावासों में जल रहित मूत्रालय, ड्रिप सिंचाई प्रणालियां और सौर फोटोवोल्टिक प्रतिष्ठान शामिल हैं।

- अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक, संस्थान ने 6,26,501 kWh सौर ऊर्जा उत्पन्न की, जो उस अवधि के दौरान परिसर की कुल ऊर्जा खपत का 4% है।
- 2024 में जल मंडपों में कुल 24.8 मिलियन लीटर वर्षा जल का संचयन किया गया
- अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक बागवानी के लिए 37,557 किलोग्राम खाद की आपूर्ति की गई, जो परिसर में बायोगैस संयंत्र और खाद गड्ढों के माध्यम से जैविक कचरे से बनाई गई थी।

मेकर भवन

मेकर भवन आईआईटी गांधीनगर की सृजनात्मक संस्कृति का प्रतीक है, जो संस्थान के शैक्षणिक ढांचे में क्रियात्मक शिक्षण को सहजता से गेंथाता है। इसके प्रस्तावों में इमर्सिव लर्निंग प्रोग्राम, अकादमिक पाठ्यक्रम, शोध सहायता और स्टार्टअप-उद्योग इंटरफ़ेस शामिल हैं। छात्रों को यहाँ कार्यात्मक प्रोटोटाइप और मूर्त उत्पादों की अवधारणा बनाने और डिजाइन करने का अधिकार दिया जाता है। मेकर भवन “करके सीखना” और “अनुभवात्मक शिक्षण” के शैक्षणिक सिद्धांतों के प्रति संस्थान के समर्पण का प्रतीक है।

पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान, मेकर भवन ने डिजाइन इनोवेशन और प्रोटोटाइपिंग (ES115), सिथेसिस एंड एनालिसिस ऑफ़ मैकेनिज्म (ME335) और वर्ल्ड ऑफ़ इंजीनियरिंग (ES117) जैसे पाठ्यक्रम संचालित किए। सातक छात्रों ने 4 क्रेडिट के साथ पूर्ण सेमेस्टर प्रोजेक्ट पाठ्यक्रमों के हिस्से के रूप में 2024-2025 के दौरान स्वायत्त रोवर बिल्डिंग और मैकरबॉट विकसित किया।

घटनाएँ और प्रशस्तियां

अनिरुद्ध माली के नेतृत्व में मेकर भवन टीम ने मेकर फेस्ट वडोदरा 2025 में भाग लिया और शिक्षा श्रेणी में रजत पदक जीता। यह सम्मान इस बात को दर्शनी के लिए दिया गया कि कैसे अनुभवात्मक शिक्षा अध्ययनकक्ष शिक्षण में क्रांति ला सकती है, जिससे शिक्षा अधिक आकर्षक और प्रभावशाली बन सकती है। मेकर भवन प्रोजेक्ट्स, यानी पिक एंड प्लेस रोबोटिक आर्म, पुनर्वास के लिए न्यूमेटिक ग्लव और हार्डवार्ड कोडिंग पद्धति का उपयोग करके ऑटोनॉमस रोवर का पीओसी, प्रदर्शित किए गए। इस काम के लिए संतोषजनक प्रतिक्रिया और मान्यता मिली।

मेकर की जिज्ञासा: करके सीखना - स्कॉटल हाई स्कूल, जयपुर के 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के स्कूली छात्रों के लिए तीन

दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। 2 शिक्षकों के साथ 16 छात्रों ने भाग लिया और “पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण” की शुरुआत से ही खोज की ओर 3डी प्रिंटिंग, 3डी स्कैनिंग और लेजर कटिंग के बुनियादी कौशल हासिल किए। छात्रों ने अपने कौशल सेट को लागू किया और 3 दिनों के कार्यक्रम के भीतर विभिन्न प्रोटोटाइप यानी पोर्टेबल विंड मिल, सोलर ट्रैकर और स्वायत्त आरसी कार विकसित की।

इसके अलावा, मेकर भवन ने इन्वेशन फैक्ट्री 2024 की मेजबानी की, जो 6 सप्ताह का कार्यक्रम था, जिसमें विभिन्न आईआईटी के 20 छात्र एक साथ आए और 10 अनोखे आविष्कारों को विकसित किया, जो भारत और अमेरिका में पेटेंट योग्य हैं। मेकर भवन की टीम ने आईआईटी गांधीनगर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, क्यूरियोसिटी कार्निवल और कोलैब 2025 में भी भाग लिया। मेकर भवन लैब में “उन्नत प्रोटोटाइपिंग” सुविधाओं को प्रदर्शित करने के लिए उद्योग प्रतिभागियों के लिए इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए।

टिंकर्स लैब (टीएल)

टिंकर्स लैब (टीएल) रचनात्मकता, नवाचार और व्यावहारिक शिक्षा के केंद्र के रूप में लगातार आगे बढ़ रही है, जो उन्नत निर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों की विविध रेंज तक 24x7 पहुंच प्रदान करती है। 3डी प्रिंटर, लेजर कटर, पीसीबी मिलिंग मशीन, विनाइल स्टिकर कटर, ऑसिलोस्कोप, फ्रीक्वेंसी काउंटर, फंक्शन जनरेटर, सोल्डरिंग स्टेशन और बहुत कुछ से लैस, टीएल एक निर्माता संस्कृति को बढ़ावा देता है जहाँ छात्र वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय रूप से खोज, प्रयोग और नवाचार करते हैं।

इस साल, टीएल ने 16 से 20 छात्रों की औसत दैनिक उपस्थिति दर्ज की है, जो कोर्सवर्क, रिसर्च, DIY प्रोजेक्ट्स और स्टार्टअप प्रोटोटाइप के लिए स्थान का उपयोग करते हैं। सिद्धांत और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग के बीच पुल का काम करते हुए, टीएल छात्रों को कार्यात्मक प्रोटोटाइप विकसित करने, डिजाइन को परिष्कृत करने, और इंजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी की सीमाओं को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाता है। त्वरित मरम्मत से लेकर उद्योग-तैयार समाधानों तक, यह एक गतिशील स्थान के रूप में कार्य करता है जहाँ छात्र केवल सीखते नहीं, बल्कि सृजन भी करते हैं।

तकनीकी विशेषज्ञता को और बढ़ाने के उद्देश्य से, टीएल ने लेजर कटिंग, 3डी प्रिंटिंग (एफडीएम और एसएलए), इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोटोटाइपिंग, और DIY प्रोजेक्ट-आधारित लर्निंग जैसे विषयों को शामिल करते हुए विभिन्न कार्यशालाएँ, व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र और प्रमाणन कार्यक्रम आयोजित किए। लैब बाजा एसएई जैसी प्रतियोगिताओं में भी सक्रिय रूप से भागीदारी करती रही, जहाँ छात्रों ने टीएल के संसाधनों का उपयोग कर अपनी परियोजनाओं को डिजाइन, विकसित और परिष्कृत किया।

भविष्य की योजनाओं में बाहरी कार्यशालाओं का आयोजन, “टिंकर्स ऑफ़ द मंथ” नामक चर्चित कार्यक्रम की शुरुआत, और उपकरण के सुरक्षित उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए मशीन प्रमाणन पहल शामिल हैं। एक छात्र-प्रबंधित इनोवेशन

हब के रूप में, टीएल सहकर्मी के साथ सीखने और सहयोग को प्रोत्साहित करता है, जिससे यह आईआईटी गांधीनगर के व्यावहारिक शिक्षण के पारिस्थितिकी तंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है।

सूचना प्रणाली प्रौद्योगिकी सुविधा (आईएसटीएफ)

सूचना प्रणाली प्रौद्योगिकी सुविधा (आईएसटीएफ) आईआईटी गांधीनगर के समुदाय को उपभोक्ता स्तर की आवश्यक सेवाएं प्रदान करना जारी रखती है। अपने उन्नत नेटवर्किंग बुनियादी ढांचे के साथ, आईएसटीएफ -ऑन-कैपस और ऑफ-कैपस उपभोक्ताओं -दोनों के लिए मजबूत सूचना प्रणाली और कम्प्यूटेशनल सुविधाएं प्रदान करता है। यह निम्नलिखित के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है:

- सर्वर, कक्षाएं, कैपस नेटवर्क, इंटरनेट और ईमेल सेवाएं, फायरवॉल और संचार उपकरण।
- उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) सुविधा और कंप्यूटर प्रयोगशालाएं।
- कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर सिस्टम का रखरखाव।

आईएसटीएफ ने हाइब्रिड लर्निंग को समर्थन देने हेतु कक्षाओं को अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित किया है। इन उन्नत शिक्षण स्थानों में हाई-स्पीड इंटरनेट, परिष्कृत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग टूल्स और अन्य आवश्यक गैजेट्स शामिल हैं, जो कक्षा शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये स्थान ई-लर्निंग के लिए एक इंटरेक्टिव और लचीला माहील प्रदान करते हैं, जो सहयोगी चर्चाओं, सेमिनारों, वेबिनारों और कार्यशालाओं को सक्षम बनाते हैं। ISTF ने जूम, Google मीट और Microsoft Teams जैसे प्लेटफार्मों के उपयोग को प्रोत्साहित करके ऑनलाइन सीखने को भी सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया है। इसके अतिरिक्त, छात्रों को रिमोट एक्सेस के लिए वीपीएन सेवाएं प्रदान की जाती हैं। हार्डवेयर उन्नयन के तहत, वर्चुअल सर्वरों के माइग्रेशन ने सिस्टम प्रदर्शन और दक्षता में महत्वपूर्ण सुधार किया है।

आईएसटीएफ अपनी क्षमताओं को बढ़ाने और विकसित प्रौद्योगिकी के साथ वर्तमान रहने के लिए लगातार इन-हाउस प्रोजेक्ट करता है। उल्लेखनीय उपलब्धियों में शामिल हैं:

- आईआईटी गांधीनगर छात्रों के लिए नवीनतम हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के साथ चार अत्याधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशालाओं की स्थापना।
- ई-ऑफिस एप्लिकेशन को ऑन-प्रिमाइसेस सेटअप में माइग्रेट करना, विभिन्न विभागों में संचालन को सुव्यवस्थित करना।
- सिंगल साइन-ऑन (SSO) एप्लिकेशन के उपयोग का विस्तार करना, जिससे कई प्लेटफार्मों पर निर्बाध पहुंच की अनुमति मिलती है।
- सिस्टम उत्पादकता और उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने के लिए उन्नत सॉफ्टवेयर बंडलों के साथ एचपीसी सुविधाओं का उन्नयन।
- Microsoft 365 Office सुइट को अपनाने में वृद्धि, जिसमें Word, Excel, PowerPoint और Outlook

जैसे आवश्यक उत्पादकता उपकरण शामिल हैं, जो कुशल दस्तावेज़ निर्माण, संपादन और साझाकरण को सक्षम करते हैं।

इन पहलों के माध्यम से, आईएसटीएफ आईआईटी गांधीनगर के डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करना जारी रखता है और अत्याधुनिक तकनीकी समाधानों के साथ अपने समुदाय का समर्थन करता है।

चिकित्सा केंद्र

आईआईटी गांधीनगर के चिकित्सा केंद्र ने अपनी सेवाओं और क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि की है। टीम में दो नए पूर्णकालिक डॉक्टर शामिल हुए हैं: डॉ. नवदीप तिवारी, जो रेजिडेंट मेडिकल डॉक्टर के रूप में कार्यरत है, और डॉ. विनीता शेट्री, जो चिकित्सा अधिकारी के पद पर है। इसके साथ ही, केंद्र ने अपनी विशेषज्ञता को बढ़ाने हेतु दो सलाहकार डॉक्टरों को बोर्ड में शामिल किया है: डॉ. जलधारा पटेल, स्थी रोग विशेषज्ञ, और डॉ. हर्षिल शाह, मनोचिकित्सक। मेडिकल स्टाफ को और मजबूत करने के लिए सहायक स्टाफ नर्स सागर नायक तथा कनिष्ठ प्रशासनिक सहायक भरत जानी भी नियुक्त किए गए हैं। रोगी के अनुभव को बेहतर बनाने और परामर्श प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए एक नई ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली लागू की गई है, जो डॉक्टरों से परामर्श के लिए सहज और कुशल बुकिंग की सुविधा प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, मेडिकल सेंटर अब एक अत्याधुनिक एम्बुलेंस सेवा से लैस है, जो चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती है, जिससे आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता और समग्र रोगी देखभाल में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।

डे केयर सेंटर

आईआईटी गांधीनगर का डे केयर सेंटर मार्च 2014 में समुदाय की एक सहयोगी पहल के रूप में स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य आईआईटी गांधीनगर के बच्चों के लिए एक सुरक्षित, पोषणयुक्त और स्नेहपूर्ण वातावरण प्रदान करना है। आवासीय मकान के भीतर स्थित यह केंद्र प्रत्येक बच्चे के आराम और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, जिससे एक सौहार्दपूर्ण और घरेलू माहील का निर्माण होता है। समर्पित समुदाय के सदस्यों की टीम द्वारा संचालित, डे केयर प्रत्येक बच्चे की आवश्यकताओं और रुचियों के अनुरूप व्यक्तिगत पाठ्यक्रम प्रदान करता है, केंद्र के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करता है, और देखभाल करने वालों एवं बच्चों के बीच मजबूत एवं सार्थक संबंधों को बढ़ावा देता है। केंद्र अभिनव विकासात्मक कार्यक्रमों की पेशकश करता है, जो सीखने के लिए संगीत, नृत्य, खेल और अच्छण जैसे महत्वपूर्ण उपयोग करते हैं। इसके कुछ विशिष्ट और उल्लेखनीय पहल निम्नलिखित हैं:

- सुबह का कार्यक्रम:** जुलाई 2018 में शुरू किया गया यह पूर्वस्कूली शैली का कार्यक्रम पारंपरिक शिक्षण को रचनात्मक गतिविधियों के साथ जोड़ता है। इसमें गिफ्ट सिटी फायर स्टेशन और इंट्रोडो नेचर पार्क जैसी स्थानों की सैर शामिल है, जो बच्चों के अनुभवों और ज्ञान को व्यापक बनाने में सहायक होती है।
- किड्स सपोर्टेंड एग्रीकल्चर (केएसए):** यह लोकप्रिय कार्यक्रम बच्चों को व्यावहारिक बागवानी में शामिल करता

है, जहाँ वे विभिन्न फलों और सब्जियों की खेती करते हैं। यह गतिविधि संवेदी अन्वेषण को प्रोत्साहित करती है और प्रकृति के प्रति गहरी अभिमुखी विकसित करती है।

- कुकिंग सेशन:** सेंटर एक फ्लोमलेस कुकिंग प्रोग्राम प्रदान करता है, जिसमें बच्चे मज़ेदार पाक गतिविधियों में भाग लेते हैं जैसे सैंडविच बनाना, कपकेक सजाना, पॉप्सिकल्स और कॉर्न चाट तैयार करना। ये सेशन रचनात्मकता को प्रोत्साहित करते हैं और बच्चों को एक सुरक्षित एवं आनंददायक वातावरण में पाक-कला के कौशल सिखाते हैं।
- खेल गतिविधियाँ:** शारीरिक सक्रियता को प्रोत्साहित करने के लिए, केंद्र गैर-पारंपरिक खेल गतिविधियाँ आयोजित करता है जो ओपन-एंडेड प्ले और अन्वेषण पर केंद्रित होती हैं। ये गतिविधियाँ सभी बच्चों को उनकी एथलेटिक क्षमता की परवाह किए बिना भाग लेने और विकसित होने का अवसर प्रदान करती हैं।

- अन्य कार्यक्रम:** केंद्र पायजामा पार्टी, दिवाली, क्रिसमस, नवरात्रि जैसे त्योहारों और विभिन्न अन्य अवसरों पर उत्सव मनाता है। ये कार्यक्रम सामाजिक जुड़ाव को प्रोत्साहित करते हैं और बच्चों तथा उनके परिवारों के सांस्कृतिक अनुभवों को समृद्ध करते हैं।

बच्चों की दिनचर्या में संगीत, कला, योग, कहानी सुनाना और संवेदी खेल जैसे तत्व शामिल हैं, जो शारीरिक, सामाजिक और बौद्धिक विकास को संतुलित रूप से बढ़ावा देते हुए उनकी एकाग्रता, रचनात्मकता और संचरण कौशल को विकसित करने में मदद करते हैं।

भविष्य में, केंद्र उत्कृष्ट देखभाल और सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि आने वाले वर्षों तक हर बच्चा पोषणयुक्त वातावरण में फल-फूल सके और समग्र रूप से विकसित हो सके।





संस्थान के लिए सहयोग

छात्रवृत्ति

सुगुनमा और सरोजमा छात्रवृत्ति



2019 के बीटेक पूर्ववर्ती छात्र मणिकांत मंडलेम ने अपनी दादी सुगुनमा और नानी सरोजमा के सम्मान में सुगुनमा और सरोजमा छात्रवृत्ति की स्थापना की है। उनका अटूट प्यार और समर्थन मणिकांत की सफलता का आधार रहा है। 1 लाख रुपये की यह छात्रवृत्ति हर साल आईआईटी गांधीनगर में एक सातक छात्र को सहायता प्रदान करेगी। मणिकांत ने विद्युत अभियांत्रिकी में बीटेक किया है और 2019 के बैच के हैं। आईआईटी गांधीनगर से सातक करने के बाद, उन्होंने नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी, यूएसए से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में एमएस की डिग्री हासिल की। वह शिकागो, यूएसए में CCC इंटेलिजेंट सॉल्यूशंस में डेटा साइंटिस्ट के रूप में काम करते हैं।

धर्मनाथ प्रसाद छात्रवृत्ति की शुरुआत की है, जो उनके प्रिय दादा श्री धर्मनाथ प्रसाद के प्रति श्रद्धांजलि है। उनके दादा पश्चिमी बिहार के एक छोटे से गाँव के प्रमुख व्यक्ति थे। 1 लाख रुपये की यह छात्रवृत्ति हर साल एक छात्र को दी जाएगी।

गिरीश कुमार शर्मा छात्रवृत्ति और मीरा शर्मा छात्रवृत्ति

श्री मनीष और श्रीमती रश्मि शर्मा ने अपने माता-पिता के सम्मान में गिरीश कुमार शर्मा छात्रवृत्ति और मीरा शर्मा छात्रवृत्ति की स्थापना की है। प्रत्येक छात्रवृत्ति प्रति वर्ष 1 लाख रुपये की सहायता प्रदान करेगी। श्री मनीष शर्मा एक्सेंचर के मुख्य परिचालन अधिकारी (उत्तरी अमेरिका) के रूप में कार्य करते हैं और उन्होंने एक्सेंचर के संचालन में लैगिंग समानता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्रीमती रश्मि शर्मा एक अकादमिक विशेषज्ञ हैं जो वर्तमान में मोटेरसी पाठ्यक्रमों के लिए नए शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करती है।



धर्मनाथ प्रसाद छात्रवृत्ति

श्री राहुल श्रीवास्तव, जो मुंबई स्थित जीवन विज्ञान/स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के निगम लीडर हैं और संस्थान के शुभचिंतक हैं, ने

साधना और मुकेश जैन छात्रवृत्ति तथा संगीता और बालेश जैन छात्रवृत्ति

आईआईटी गांधीनगर के संस्थापक निदेशक प्रोफेसर सुधीर के जैन ने अपनी बहन, जो एक गृहिणी है, और अपने बहनोई, जो आईआईटी रुड़की के पूर्व छात्र और इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक हैं, के सम्मान में साधना और मुकेश जैन छात्रवृत्ति की स्थापना की है। इसके अतिरिक्त, प्रोफेसर जैन ने अपनी एक अन्य बहन, जो एक गृहिणी है, और उनके पति, जो एक प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट नेता हैं, को श्रद्धांजलि देने के लिए संगीता और बालेश जैन छात्रवृत्ति की स्थापना की है। 1 लाख रुपये की प्रत्येक छात्रवृत्ति हर साल आईआईटी गांधीनगर में एक स्रातक छात्र की सहायता करेगी।



डॉ. बिभा झा छात्रवृत्ति

बेंगलुरु की श्रीमती सीमा झा ने अपनी दिवंगत मां के सम्मान में डॉ. बिभा झा छात्रवृत्ति की स्थापना की है। डॉ. बिभा झा अरबिंदो दर्शनशास्त्र में पीएचडी के साथ एक प्रतिष्ठित शिक्षिका थीं। वह धनबाद के इंडियन स्कूल ऑफ लर्निंग में प्रिंसिपल थीं। श्रीमती सीमा झा खुद वंचित वर्ग के लिए शिक्षा में सक्रिय रही हैं और वे समृद्धि ट्रस्ट की सह-संस्थापक हैं जिसने वंचित छात्रों को औपचारिक स्कूल और कॉलेज शिक्षा प्राप्त करने में मदद की है। हर साल एक छात्र को 1 लाख रुपये प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।



शैल गोयल छात्रवृत्ति

शैल गोयल छात्रवृत्ति की स्थापना शैल गोयल की सबसे छोटी बेटी श्रीमती कुमुद कुमार और दामाद प्रोफेसर विपिन कुमार द्वारा की गई है, जो सिएटल, यूएसए के वाशिंगटन विश्वविद्यालय में यांत्रिक अभियांत्रिकी के प्रोफेसर हैं। शैल गोयल एक बुद्धिमान, बहुमुखी प्रतिभा वाली महिला थीं, जो सीधी शिक्षा और नारी शक्ति में विश्वास करती थीं। छात्रवृत्ति राशि 1 लाख रुपये है और हर साल एक महिला छात्र का समर्थन करती है।

नीनजा छात्रवृत्ति

2017 की बीटेक की पूर्व छात्रा सुमन कुमारी ने अपनी माता नीना कुमारी और पिता जनक राज के सम्मान में नीनजा छात्रवृत्ति की स्थापना की है। 1 लाख रुपये की यह छात्रवृत्ति हर साल आईआईटी गांधीनगर में एक स्रातक छात्र की मदद करेगी। डॉ. सुमन कुमारी 2017 बैच की रासायनिक अभियांत्रिकी में बीटेक स्रातक है। स्रातक होने के बाद थोड़े समय के कार्य अनुभव के बाद, उन्होंने उन्नत अध्ययन किया और हाल ही में कनेक्टिकट विश्वविद्यालय में अपनी पीएचडी पूरी की। वह जल्द ही शिकागो में अरगॉन नेशनल लेबोरटरी में पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ता के रूप में शामिल होंगी।



रितु कुमारी सिन्हा छात्रवृत्ति और संजय कुमार छात्रवृत्ति



वर्ष 2013 बैच के बीटेक के पूर्ववर्ती छात्र शौर्य प्रकाश सिन्हा ने अपने माता-पिता के सम्मान में दो छात्रवृत्तियाँ स्थापित की हैं: रितु कुमारी सिन्हा छात्रवृत्ति और संजय कुमार छात्रवृत्ति। प्रत्येक छात्रवृत्ति, जिसकी कीमत 1 लाख रुपये है, प्रत्येक वर्ष पूर्वस्रातक बीटेक के एक छात्र को सहायता प्रदान करेगी। आईआईटी गांधीनगर से स्रातक करने के बाद शौर्य ने रेको की सह-स्थापना की, जिसे बाद में भारत के सबसे महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी अधिग्रहणों में से एक में स्ट्राइप द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया।

एस.एन. गोयनका और इलायची देवी गोयनका छात्रवृत्ति



2016 बैच के बी.टेक. के पूर्ववर्ती छात्र नमन बंसल ने एस.एन. गोयनका और इलायची देवी गोयनका छात्रवृत्ति की स्थापना की है। ऑर्बन विश्वविद्यालय से पीएचडी पूरी करने के बाद नमन ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में किर्कलैड, यूएसए में गूगल ज्वाइन किया। 1 लाख रुपये की यह छात्रवृत्ति हर साल आईआईटी गांधीनगर में एक पूर्वस्रातक छात्र को सहायता प्रदान करेगी। यह छात्रवृत्ति नमन के शिक्षकों, श्री सत्य नारायण गोयनका और श्रीमती इलायची देवी गोयनका को सम्मानित करती है, जिनकी शिक्षाओं और मूल्यों ने उन्हें सर्वाधिक प्रेरित किया है।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) उपहार

- अल्काइल एमाइन्स केमिकल्स लिमिटेड ने आईआईटी गांधीनगर में इन्वेशन फैक्ट्री कार्यक्रम को समर्थन देने के लिए सीएसआर फंड का योगदान दिया है। इन्वेशन फैक्ट्री एक छह सप्ताह का ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम है जिसमें पूरे भारत के छात्र तीन की टीमों में काम करते हैं, प्रोटोटाइप, पिच और पेटेंट आविष्कार जिसकी प्रत्येक टीम ने कार्यक्रम के पहले गहन सप्ताह में कल्पना की थी।
- गुजरात राज्य विद्युत निगम लिमिटेड और टॉवर रिसर्च कैपिटल ने क्रमशः आईआईटी गांधीनगर के जरूरतमन्द छात्रों की विभिन्न वित्तीय आवश्यकताओं में सहायता करने और रचनात्मक शिक्षा केंद्र (सीसीएल) द्वारा मध्य विद्यालयों के लिए जिज्ञासा कार्यक्रम के लिए सीएसआर फंड प्रदान किया है।
- इंदिरा फाउंडेशन (श्री अवि नाश) ने 'आईआईटी गांधीनगर द्वारा समाज कल्याण पहल' नामक एक कदम में योगदान दिया है, जिसका उद्देश्य व्यापक कार्यक्रमों और सेवाओं के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य और समग्र कल्याण को बढ़ावा देना है। इस पहल का उद्देश्य कल्याण, तनाव प्रबंधन और एक सहयोगी सामुदायिक वातावरण को बढ़ावा देना है।
- एमएनएस शिपिंग एंड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड, ट्रूटज़स्लर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, इस्पिराँन इंजीनियरिंग लिमिटेड, धोलेरा इंडस्ट्रियल सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड और मिलैक्रॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने भी संस्थान की सीएसआर गतिविधियों में योगदान दिया है।



दानकर्ताओं की सूची

| नाम | श्रेणी | अवस्थिति |
|--|----------------|-----------------|
| रु. 1,00,00,000 से रु. 4,99,99,999 तक | | |
| असांख्य ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड | शुभचिंतक | गांधीनगर |
| हेमंत कनाकिया | शुभचिंतक | यूएसए |
| जगदीश पटेल | शुभचिंतक | हॉटिंगटन बीच |
| रुड्टन मेहता | शुभचिंतक | वारुंग एनजे |
| सुरेन्द्र सी सेठ | शुभचिंतक | न्यू जर्सी |
| ट्रैक्चिलिटी प्रॉपर्टीज़ एलएलपी | शुभचिंतक | अहमदाबाद |
| टृटजस्लर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड | शुभचिंतक | अहमदाबाद |
| रु. 25,00,000 से रु. 99,99,999 तक | | |
| अल्काइल एमाइन्स केमिकल्स लिमिटेड | शुभचिंतक | मुंबई |
| एएमएनएस शिपिंग एंड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड | शुभचिंतक | हजीरा |
| देसाई फाउंडेशन | शुभचिंतक | बेंगफोर्ड |
| धोलेरा इंडस्ट्रियल सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड | शुभचिंतक | गांधीनगर |
| फाइवले ट्रांसपोर्टरेल टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (Wabtec) | शुभचिंतक | बैंगलोर |
| नवीन दोशी | शुभचिंतक | लॉस एंजिल्स |
| स्वर्णिम ऊर्जा ट्रस्ट (जीएसईसीएल) | शुभचिंतक | वडोदरा |
| टेकफैब इंडिया इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड | शुभचिंतक | मुंबई |
| रु. 5,00,000 से रु. 24,99,999 तक | | |
| शौर्य प्रकाश सिन्हा | बीटेक/ईई/2013 | बैंगलुरु |
| रौनक मेहता | बीटेक/एमई/2015 | सैन फ्रांसिस्को |
| निर्मल कुमार झा | कर्मचारी | गांधीनगर |
| अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड | शुभचिंतक | अहमदाबाद |
| बी वी जगदीश | शुभचिंतक | साराठोगा |
| बेर्स वैल्यू केम प्राइवेट लिमिटेड | शुभचिंतक | वडोदरा |
| क्यूमलस सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड | शुभचिंतक | पुणे |
| दुर्गा मेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड | शुभचिंतक | मुंबई |
| एचईएफए (हेफा) अनुदान | शुभचिंतक | भारत |
| इंदिरा फाउंडेशन | शुभचिंतक | कनेक्टिकट |
| इंसपिरेन इंजिनीयरिंग लिमिटेड | शुभचिंतक | अहमदाबाद |
| किरीट एस. याज्जिक | शुभचिंतक | गांधीनगर |
| कुशल सचेती | शुभचिंतक | न्यूयॉर्क |
| मनीष शर्मा | शुभचिंतक | इलिनोइस |
| राहुल श्रीवास्तव | शुभचिंतक | मुंबई |
| टावर रिसर्च कैपिटल मार्केट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड | शुभचिंतक | गांधीनगर |
| विलास मजूमदार | शुभचिंतक | यूएसए |
| युवा अनस्टॉपेबल | शुभचिंतक | अहमदाबाद |

| नाम | श्रेणी | अवस्थिति |
|--------------------------------------|------------------|---------------|
| रु. 100000 से रु. 4,99,999 तक | | |
| प्रेरणा सिंह | बीटेक/सीई/2017 | अटलांटा |
| मणिकांत मंडलेम | बीटेक/ईई/2019 | इवान्स्टन |
| अक्षय जावेरी | शुभचिंतक | गांधीनगर |
| मोहन महादेव कवरी | शुभचिंतक | मुंबई |
| प्लांट बेस्ट वेलनेस फाउंडेशन | शुभचिंतक | मुंबई |
| श्रीनिवासन आर अयंगर | शुभचिंतक | वडोदरा |
| सुदर्शन कुमार सराफ | शुभचिंतक | मुंबई |
| सुधीर के. जैन | बीटेक/सीई/2017 | गांधीनगर |
| रु. 25000 से रु. 99,999 तक | | |
| अमलिन जोस | बीटेक/सीई/2022 | कोच्चि |
| साहिल पुरुषोत्तम इंगले | बीटेक/सीई/2023 | जलगांव |
| सेहल ज्ञानेश्वर गोहद | बीटेक/सीई/2023 | टोक्यो, जापान |
| अक्षत मंगल | बीटेक/सीएल/2022 | बैंगलोर |
| अमन शर्मा | बीटेक/सीएल/2022 | पुणे |
| टेला सेल्वा सौम्या रानी | बीटेक/सीएल/2022 | हैदराबाद |
| वैभव खंडारे | बीटेक/सीएल/2023 | बैंगलुरु |
| भूमिका मंडलोई | बीटेक/सीएसई/2023 | गुरुग्राम |
| श्रीधर पवार | बीटेक/सीएसई/2023 | परम्परी |
| पुष्येंद्र प्रताप सिंह | बीटेक/ईई/2024 | अहमदाबाद |
| जितिन प्रभा | बीटेक/एमई/2016 | वेस्ट लाफायेट |
| सौरभ संदीप वैचल | बीटेक/एमई/2016 | न्यूयॉर्क शहर |
| अंकुश मिश्रा | बीटेक/एमई/2021 | गांधीनगर |
| दीप दास | बीटेक/एमई/2021 | अहमदाबाद |
| प्रदीप सैनी | बीटेक/एमई/2022 | बैंगलोर |
| अक्षता नायकू कोकणे | बीटेक/एमई/2023 | कोल्हापुर |
| आदित्य नातु | एमटेक/एमई/2021 | टेक्सास |
| एन. रामकृष्णन | संकाय | गांधीनगर |
| उर्जित याज्जिक | संकाय | गांधीनगर |
| फिरेलिटी | शुभचिंतक | यूएसए |
| हरिहरन ज्ञानेश्वर परमार | शुभचिंतक | धुले |
| पीआईएमए कंट्रोल्स प्राइवेट लिमिटेड | शुभचिंतक | गांधीनगर |
| रु. 5000 से रु. 24,999 तक | | |
| नमन जैन | बीटेक/सीई/2019 | बर्लिन |
| अनिमेष रस्तोगी | बीटेक/सीई/2020 | ऑस्टिन |
| प्रणव चक्र वर्णी बोमारासिपेटा | बीटेक/सीई/2020 | गांधीनगर |
| चिंताकायला वेणु गोपाल | बीटेक/सीई/2021 | कोडाद |
| यशी गौड़ | बीटेक/सीई/2022 | पुणे |
| हर्ष दुधात्रा | बीटेक/सीई/2023 | गुजरात |
| अमन चौधरी | बीटेक/सीई/2024 | आगरा |
| सुस्मिता पूर्णिमा कोटु | बीटेक/सीएल/2013 | सेंट लुइ |
| स्मित अलकेश शाह | बीटेक/सीएल/2014 | हिल्सबोरो |
| नंदन वोरा | बीटेक/सीएल/2015 | अहमदाबाद |
| विद्यानंद वाघ | बीटेक/सीएल/2016 | मुंबई |
| सुमन कुमारी | बीटेक/सीएल/2017 | सततवारी |

| नाम | श्रेणी | अवस्थिति | नाम | श्रेणी | अवस्थिति |
|-----------------------------------|------------------|-----------------------|--------------------------------|-----------------|-----------------|
| भट्ट प्रत्यूष हेमन्त | बीटेक/सीएल/2022 | पुणे | शीतल शाह | शुभचिंतक | गांधीनगर |
| मैत्रेय ठाकुर | बीटेक/सीएल/2022 | मुंबई | रु. 5000 तक | | |
| मोहम्मद असलम | बीटेक/सीएल/2022 | बैगलुरु | अनुराग गोयल | बीटेक/सीई/2017 | बैगलोर |
| नितिनकुमार गुप्ता | बीटेक/सीएल/2022 | अलीगढ़ | मनु चौधरी | बीटेक/सीई/2017 | अहमदाबाद |
| दीपक पटेल | बीटेक/सीएल/2023 | पुणे | मयंक जैन | बीटेक/सीई/2017 | शिवपुरी |
| ईशा बयाद | बीटेक/सीएल/2023 | वेस्ट लाफायेट | सचिन कुमार | बीटेक/सीई/2017 | बुलन्दशहर |
| सौरित्रा गराई | बीटेक/सीएल/2023 | संयुक्त राज्य अमेरिका | श्रीनिवासन अरुणाचलम | बीटेक/सीई/2017 | मिशिगन |
| वरुण चंदवानी | बीटेक/सीएल/2024 | भोपाल | बोरे दिनेश अनिल | बीटेक/सीई/2018 | औरंगाबाद |
| सोहम पचपांडे | बीटेक/सीएसई/2020 | सैन डिएगो | कमलेश चौधरी | बीटेक/सीई/2018 | जयपुर |
| चेतस जोशी | बीटेक/ईई/2013 | सैन फ्रांसिस्को | प्राकृत कंसारा | बीटेक/सीई/2018 | कोलंबिया |
| स्मित दिलीपकुमार सोनी | बीटेक/ईई/2014 | सैन जोस | राम प्रणव अगस्त्य पुरोहित चवली | बीटेक/सीई/2018 | मुंबई |
| साईं सुब्रद्धाण्य तेजा निभानुपुरी | बीटेक/ईई/2016 | ऑस्टिन | अंकित घनघस | बीटेक/सीई/2019 | वेस्ट लाफायेट |
| श्री रघु मालिरेड्डी | बीटेक/ईई/2016 | वैकूवर | रोहन न्यायाधीश | बीटेक/सीई/2019 | मुंबई |
| आत्मान वोरा | बीटेक/ईई/2017 | हनोवर | सार्थक मित्तल | बीटेक/सीई/2019 | अहमदाबाद |
| अंकित भांगे | बीटेक/ईई/2017 | ऑस्टिन | अजय भारद्वाज | बीटेक/सीई/2020 | मुंबई |
| पटेल कश्यप | बीटेक/ईई/2017 | डलास | आयुष सिंह | बीटेक/सीई/2020 | रुडकी |
| ऋषभ आनंद | बीटेक/ईई/2017 | झारखंड | चेककला साईं श्रीशाल | बीटेक/सीई/2020 | हैदराबाद |
| वासुदेव गोहिल | बीटेक/ईई/2018 | कॉलेज स्टेशन | जितेश मित्तल | बीटेक/सीई/2017 | जयपुर |
| अपर्णा नीलकंठत तुमकुर | बीटेक/ईई/2019 | स्टैनफोर्ड | मयंक कुमार | बीटेक/सीई/2020 | अजमेर |
| गिरीश चंद्र गोशेन | बीटेक/ईई/2020 | एन आर्बर | प्रांजलि सिंह | बीटेक/सीई/2021 | गांधीनगर |
| ओटेडु राम कृष्ण रेड्डी | बीटेक/ईई/2021 | कुर्नूल | प्रांजलि बोरसे | बीटेक/सीई/2021 | नासिक |
| धीरज कुमार | बीटेक/ईई/2023 | अहमदाबाद | उत्कर्ष गंगवाल | बीटेक/सीई/2021 | नेवार्क |
| मुला साईं रुथविक रेड्डी | बीटेक/ईई/2023 | हैदराबाद | यशस्वी सोनी | बीटेक/सीई/2021 | पुणे |
| नितीश रतन अप्पनसामी | बीटेक/एमई/2012 | सैन फ्रांसिस्को | अविनाश | बीटेक/सीई/2022 | जोधपुर |
| निहार कोटक | बीटेक/एमई/2014 | सैन होजे | आयुष लोढ़ा | बीटेक/सीई/2022 | इंडियानापोलिस |
| निर्मल नायर | बीटेक/एमई/2016 | मैदान | हरि एम डेव | बीटेक/सीई/2022 | मैदान |
| राकेश रंजन | बीटेक/एमई/2016 | देवगढ़ | किशन सिंह | बीटेक/सीई/2024 | दिल्ली |
| तुषार रमेश अंचन | बीटेक/एमई/2016 | सिएटल | मुकुल राज | बीटेक/सीएच/2024 | पुणे |
| फनु जगमोहन | बीटेक/एमई/2019 | डेविस | हितेश जैन | बीटेक/सीएल/2013 | गांधीनगर |
| रुशाली अतुल प्रकाश सकरैना | बीटेक/एमई/2019 | मुंबई | दिव्या बंसल | बीटेक/सीएल/2013 | कोटा |
| भार्ग जिगेश मेहता | बीटेक/एमई/2020 | सूरत | नीरव गढवी | बीटेक/सीएल/2013 | अहमदाबाद |
| मैडेला सिद्धार्थ | बीटेक/एमई/2022 | हैदराबाद | श्रंखला नारी | बीटेक/सीएल/2013 | इंदौर |
| रविक राणा | बीटेक/एमई/2022 | गांधीनगर | वैंकट हिमा तेजा चेकुमुकी | बीटेक/सीएल/2016 | खड़गपुर |
| तन्मय जैन | बीटेक/एमई/2024 | मुंबई | अंकित पंडोले | बीटेक/सीएल/2016 | बैगलुरु |
| अभाले महेश एकनाथ | बीटेक/एमएसई/2018 | पुणे | चौहान संतोष | बीटेक/सीएल/2016 | हैदराबाद |
| अंकिता जोशी | एमएससी/सीजी/2016 | एन आर्बर | निशित शेट्टी | बीटेक/सीएल/2017 | अंधेरी (पश्चिम) |
| पंखुडी सकरैना | एमटेक/सीई/2013 | नोएडा | अडप्पा आश्रय अमरनाथ | बीटेक/सीएल/2017 | नोएडा |
| शिवानी रानी | एमटेक/सीएसई/2020 | हापुड | पुरुषोत्तम कुमार | बीटेक/सीएल/2017 | ब्लैकसर्बर्ग |
| प्रथमेश उपाध्याय | पीएचडी/सीएच/2020 | बैगलोर | सरगम जैन | बीटेक/सीएल/2018 | बैगलोर |
| अनुज बिष्ट | छात्र | दिल्ली | मुकुल पारीक | बीटेक/सीएल/2019 | राजस्थान |
| मनु के एस | संकाय | गांधीनगर | अंकुर यादव | बीटेक/सीई/2020 | खरगोन |
| अतुल भार्गव | संकाय | गांधीनगर | हर्ष मध्यान | बीटेक/सीएल/2019 | मुंबई |
| हरमीत सिंह | संकाय | गांधीनगर | रजत गोयल | बीटेक/सीएल/2019 | कैलिफोर्निया |
| लीलावती कृष्णन | संकाय | गांधीनगर | सुरेश कुमार | बीटेक/सीएल/2019 | गांधीनगर |
| मीरा मैरी सनी | बीटेक/एमई/2012 | गांधीनगर | गमेति नीरव | बीटेक/सीएल/2020 | नाडियाड |
| प्रभात मुंशी | बीटेक/एमई/2014 | गांधीनगर | खिली खमेसरा | बीटेक/सीएल/2020 | कोङ्कणिकोड |
| रागवन के | संकाय | गांधीनगर | पटेल मिलनभाई | बीटेक/सीएल/2020 | नवसारी |
| एस पी मेहरोत्रा | संकाय | गांधीनगर | यश मकवाना | बीटेक/सीएल/2021 | उदयपुर |
| शर्मिष्ठा मजूमदार | संकाय | गांधीनगर | अभव्य चंद्रा | बीटेक/सीएल/2021 | बैगलोर |
| टी एस कुम्बर | कर्मचारी | गांधीनगर | अरुण शाक्य | बीटेक/सीएल/2021 | तिरुवनंतपुरम |
| हर्ष भार्गव | शुभचिंतक | केंडल पार्क | पार्थ उपाध्याय | बीटेक/सीएल/2021 | मुंबई |
| | | | शांतनु जना | बीटेक/सीएल/2021 | बैगलुरु |
| | | | चक्काण आशीष किशोर | बीटेक/सीएल/2022 | वाघोली |

| नाम | ब्रेणी | अवस्थिति | नाम | ब्रेणी | अवस्थिति |
|------------------------|------------------|-----------------------|----------------------|----------------|-----------------|
| जय आशीष शाह | बीटेक/सीएल/2022 | नेवार्क | हरदीप | बीटेक/ईई/2019 | न्यूयॉर्क |
| विशाल बामनिया | बीटेक/सीएल/2022 | अजमेर | वीरमल्लू गिरिधर साई | बीटेक/ईई/2019 | गुंटूर |
| धनश्री संजय इंगले | बीटेक/सीएल/2023 | बैंगलुरु | अजीत उमेश देशपांडे | बीटेक/ईई/2020 | सैन डिएगो |
| डब्लू कुमार | बीटेक/सीएल/2024 | गांधीनगर | अमित कुमार सिंह यादव | बीटेक/ईई/2020 | बैंगलोर |
| अपूर्व अग्रिहोत्री | बीटेक/सीएसई/2020 | बैंगलोर | जितिन आशीष ढोलकिया | बीटेक/ईई/2020 | बैंगलोर |
| देबानुज नायक | बीटेक/सीएसई/2020 | बोस्टन | कृतिका भगतानी | बीटेक/ईई/2020 | राजस्थान |
| पचपांडे सोहम किशोर | बीटेक/सीएसई/2020 | सैन डिएगो | पेनुमाका गोपी किशोर | बीटेक/ईई/2020 | कृष्ण |
| रेंडला आदित्य | बीटेक/सीएसई/2020 | बैंगलोर | चंद्रहास पुंडरू | बीटेक/ईई/2021 | गांधीनगर |
| श्रेयस सिंह | बीटेक/सीएसई/2020 | गांधीनगर | प्रकाश राजन | बीटेक/ईई/2021 | कैलिफोर्निया |
| स्मित वोरा | बीटेक/सीएसई/2020 | अहमदाबाद | प्रतीक चेन्नुरी | बीटेक/ईई/2021 | हैदराबाद |
| विनु शंकर सदासिवन | बीटेक/सीएसई/2020 | कॉलेज पार्क | अर्पित कौशल | बीटेक/ईई/2022 | गांधीनगर |
| अंकुश चौहान | बीटेक/सीएसई/2021 | कोटा | जेसिका सत्यार्थी | बीटेक/ईई/2022 | ग्वालियर |
| -अंशुमान यादव | बीटेक/सीएसई/2021 | बैंगलोर | प्रजापाति प्रदीपभाई | बीटेक/ईई/2022 | आनंद |
| चेन्ना केशव तिरुनगरी | बीटेक/सीएसई/2021 | बैंगलोर | दहयाभाई | बीटेक/ईई/2022 | मुंबई |
| देवरिया दास | बीटेक/सीएसई/2021 | छत्तीसगढ़ | उत्तर दवे | बीटेक/ईई/2022 | मुंबई |
| सौमित्र शर्मा | बीटेक/सीएसई/2021 | बैंगलोर | वृत्तिक शाह | बीटेक/ईई/2022 | सैन डिएगो |
| शिव कृष्ण सरमा परिमी | बीटेक/सीएसई/2021 | हैदराबाद | साई शुभम | बीटेक/ईई/2023 | गांधीनगर |
| वंदन पटेल | बीटेक/सीएसई/2021 | पुणे | अभिषेक कंदोई | बीटेक/एमई/2012 | राजस्थान |
| ऐशना अग्रवाल | बीटेक/सीएसई/2022 | बैंगलुरु | मोहक पटेल | बीटेक/एमई/2013 | सैन फ्रांसिस्को |
| हर्षवर्द्धन गुड्रेडी | बीटेक/सीएसई/2022 | विशाखापट्टनम | श्यामल किशोर | बीटेक/एमई/2013 | किंताल |
| जानवी विनोदकुमार ठक्कर | बीटेक/सीएसई/2022 | लंदन | यश शाह | बीटेक/एमई/2013 | सनीवेल |
| कल्याण रेड्डी एस | बीटेक/सीएसई/2022 | बैंगलोर | अमित झारबडे | बीटेक/एमई/2014 | सैतामा |
| प्रीति चिलुवे | बीटेक/सीएसई/2022 | अहमदाबाद | मंगेश गंगराडे | बीटेक/एमई/2014 | जयपुर |
| सचिन यादव | बीटेक/सीएसई/2022 | दिल्ली | नकुल नुवाल | बीटेक/एमई/2014 | मैदान |
| राहुल चेम्बकासेरिल | बीटेक/सीएसई/2024 | गांधीनगर | पूनम चंद मीना | बीटेक/एमई/2014 | उत्तरदा |
| सिद्धि सूरावर | बीटेक/सीएसई/2024 | नवी मुंबई | शुभम भार्गव | बीटेक/एमई/2014 | कैंब्रिज |
| अरवा पवन किशोर | बीटेक/ईई/2012 | हैदराबाद | आयुष चौधरी | बीटेक/एमई/2015 | इंदौर |
| गौरव कुमार | बीटेक/ईई/2012 | बैंगलोर | रौनक खंडेलवाल | बीटेक/एमई/2015 | बैंगलुरु |
| नवीन कुमार एंडला | बीटेक/ईई/2012 | उदयपुर | करण पालस्कर | बीटेक/एमई/2016 | मुंबई |
| प्रीरिट टेरवे | बीटेक/ईई/2012 | प्रिंसटन | मरगज ओम विजय | बीटेक/एमई/2016 | औरंगाबाद |
| एकता प्रशानी | बीटेक/ईई/2013 | सैंटा बारबरा | नवीन कुमार | बीटेक/एमई/2016 | बैंगलोर |
| कार्तिक जड़ाला | बीटेक/ईई/2013 | वाशिंगटन डीसी | -राधिका पाटिल | बीटेक/एमई/2016 | स्टैनफोर्ड |
| प्रीतीश जैन | बीटेक/ईई/2013 | जयपुर | राहुल गर्ग | बीटेक/एमई/2016 | राजस्थान |
| शशांक नफाडे | बीटेक/ईई/2013 | नेफडे | शशांक किशोर पारेता | बीटेक/एमई/2016 | इंदौर |
| सूरज सोनकर | बीटेक/ईई/2013 | नागपुर | शशांक निगम | बीटेक/एमई/2016 | गुना |
| बालाजी वेंकटेश मोदूर | बीटेक/ईई/2014 | सैन फ्रांसिस्को | अनुराग अग्रवाल | बीटेक/एमई/2016 | गुरुग्राम |
| नित्या पवार | बीटेक/ईई/2014 | मध्य प्रदेश | -भार्गव चौहान | बीटेक/एमई/2017 | राजकोट |
| ध्वल ठक्कर | बीटेक/ईई/2015 | मुंबई | गुगुलोथ श्रीनिवास | बीटेक/एमई/2017 | तेलंगाना |
| हेडा शाशांक कमलेश | बीटेक/ईई/2015 | दुबई | राऊत अभिषेक सतीश | बीटेक/एमई/2017 | बैंगलुरु |
| -हिमंशु यादव | बीटेक/ईई/2015 | हरयाणा | दर्शील चौहान | बीटेक/एमई/2018 | सूरत |
| ईशान उपाध्याय | बीटेक/ईई/2015 | महाराष्ट्र | जलधीर संजय त्रिवेदी | बीटेक/एमई/2018 | पिट्सबर्ग |
| मुकेश सिंह रावत | बीटेक/ईई/2015 | राजकोट | प्रसन्न संजय राऊत | बीटेक/एमई/2018 | पुणे |
| पार्थ गुडका | बीटेक/ईई/2015 | गुजरात | उदित सुरेन्द्र रेलन | बीटेक/एमई/2018 | धुले |
| चिन्मय अजनाडकर | बीटेक/ईई/2016 | भुसावल | वराहरिया विसमय | बीटेक/एमई/2018 | बैंगलुरु |
| जितिनदीप सिंह | बीटेक/ईई/2016 | न्यूयॉर्क | विवेक कुमार | बीटेक/एमई/2019 | अटलांटा |
| पतुरु वीरभद्र लोकेश | बीटेक/ईई/2016 | संयुक्त राज्य अमेरिका | अर्शदीप बारड | बीटेक/एमई/2019 | मिट्टी का पात्र |
| प्रशांत कुमार | बीटेक/ईई/2016 | मुंबई | ऋषभ भट्टाचार्य | बीटेक/एमई/2019 | वडोदरा |
| चिन्मय शिरपुरकर | बीटेक/ईई/2018 | गोरेगांव (पाश्चिम) | सईद आमेर | बीटेक/एमई/2020 | तेलंगाना |
| मयूर विशे | बीटेक/ईई/2018 | अहमदाबाद | अखिल अशर | बीटेक/एमई/2020 | सुनहरा |
| वरुण अग्रवाल | बीटेक/ईई/2018 | डरहम | अमित जांगड़ | बीटेक/एमई/2020 | तमिलनाडु |
| विकास कुमार मीना | बीटेक/ईई/2018 | दिल्ली | चिट्पोलु गौतम | बीटेक/एमई/2016 | बैंगलुरु |
| | | | पुष्पकराज एस.एस | बीटेक/एमई/2020 | बुलढाना |
| | | | हेराम नाइक भुक्या | बीटेक/एमई/2021 | बैंगलुरु |

| नाम | श्रेणी | अवस्थिति | नाम | श्रेणी | अवस्थिति |
|--------------------|------------------|---------------|-------------------------|------------------|----------------|
| करणम अविनाश | बीटेक/एमई/2021 | इंदौर | देदानिया हिरेनकुमार | एमएससी/सीएच/2021 | अंकलेश्वर |
| पर्यांत अग्रवाल | बीटेक/एमई/2021 | ओढव | जीतेन्द्रभाई | एमएससी/सीएच/2022 | हरयाणा |
| शिरीष शेळके | बीटेक/एमई/2021 | मुंबई | आरती ठकरान | एमएससी/सीएच/2022 | गांधीनगर |
| यश गौड़ | बीटेक/एमई/2021 | हैदराबाद | राजप्रीत कौर | एमएससी/सीएच/2022 | गांधीनगर |
| गणेश स्वामीनाथन | बीटेक/एमई/2021 | कैलिफोर्निया | ऋतु वृजेन्द्र मथुरी | एमएससी/सीएच/2022 | फ्लोरिडा |
| जयेश खन्ना | बीटेक/एमई/2022 | सिएटल | तरुण बंसल | एमएससी/सीएच/2022 | ह्यूस्टन |
| मेश्वाम यश अरुण | बीटेक/एमई/2022 | भारत | भरत लाल मीना | एमएससी/एमए/2017 | दौसा |
| रितु वर्मा | बीटेक/एमई/2022 | गांधीनगर | मोनु | एमएससी/एमए/2018 | गुडगाँव |
| रोहन शिरोडकर | बीटेक/एमई/2022 | पुणे | राहुल हुडा | एमएससी/एमए/2018 | हरयाणा |
| शार्दुल कुलकर्णी | बीटेक/एमई/2022 | बैंगलोर | रोहित श्रीवास्तव | एमएससी/एमए/2018 | बलीपुर |
| आयुष यादव | बीटेक/एमई/2024 | उत्तर प्रदेश। | विनोद कुमार | एमएससी/एमए/2018 | राजस्थान |
| मयूख रेड्डी | बीटेक/एमई/2024 | गांधीनगर | ज्योतिसना गढवाल | एमएससी/एमए/2019 | राजस्थान |
| दीपक धारीवाल | बीटेक/मएसई/2018 | ब्लैकसर्गे | मिहिर देव | एमएससी/एमए/2020 | क्यूबेक सिटी |
| जुगल मेहता | बीटेक/मएसई/2018 | डेविस | तन्मु कुमारी | एमएससी/एमए/2020 | गांधीनगर |
| अगम शाह | बीटेक/मएसई/2019 | मैदान | योगेश कुमार गुप्ता | एमएससी/एमए/2020 | जयपुर |
| जम्मू तरुण कुमार | बीटेक/मएसई/2019 | आंध्रप्रदेश | भास्कर वर्मा | एमएससी/एमए/2021 | गांधीनगर |
| अंजलि कुमारी | बीटेक/मएसई/2020 | बैंगलोर | गौतम बर्मन | एमएससी/एमए/2021 | गांधीनगर |
| अनुशिखा अनुशिखा | बीटेक/मएसई/2020 | खाड़ी क्षेत्र | रमन शर्मा | एमएससी/एमए/2021 | उत्तर प्रदेश। |
| कुँवर शिवम प्रताप | बीटेक/मएसई/2020 | बेंजियम | अस्मिता कुशवाह | एमएससी/एमए/2022 | गांधीनगर |
| राहुल राजीव | बीटेक/मएसई/2020 | क्लेम्सन | चारु गर्ग | एमएससी/एमए/2022 | बैंगलुरु |
| तनीषा अग्रवाल | बीटेक/मएसई/2020 | नई दिल्ली | दीपेंद्र द्विवेदी | एमएससी/एमए/2022 | गांधीनगर |
| कौशिक भैया | बीटेक/मएसई/2021 | बैंगलुरु | गौरव भारद्वाज | एमएससी/एमए/2022 | दिल्ली |
| शिवानी पटले | बीटेक/मएसई/2021 | कोझिकोड | सिद्धार्थ प्रकाश | एमएससी/एमए/2022 | गांधीनगर |
| सुरभि ए फटी | बीटेक/मएसई/2021 | बैंगलुरु | विजय रेगर | एमएससी/एमए/2022 | नई दिल्ली |
| बी रत्ना भारती | एमए/एचएसएस/2016 | गांधीनगर | विकास कुमार पांडे | एमएससी/एमए/2022 | पटना |
| मुदावत श्रीनिवास | एमए/एचएसएस/2016 | हैदराबाद | पारस निगम | एमएससी/एमए/2023 | नई दिल्ली |
| तुषार मेश्वाम | एमए/एचएसएस/2019 | दिल्ली | सार्थक विजय | एमएससी/एमए/2024 | गांधीनगर |
| आर्य आदित्यन | एमए/एचएसएस/2019 | तल्लाहसी | लीमा सैकिया | एमएससी/पीएच/2017 | दिल्ली |
| कदीजा नौराह | एमए/एचएसएस/2019 | कालीकट | शास्त्री राहुल किशोरभाई | एमएससी/पीएच/2017 | खटालवाड़ा |
| देवस्मिता घोष | एमए/एचएसएस/2020 | कोलकाता | श्याम कुमार | एमएससी/पीएच/2017 | दिल्ली |
| नोयोनिका दास | एमए/एचएसएस/2020 | एम्स्टर्डम | अभिजीत जना | एमएससी/पीएच/2018 | गांधीनगर |
| सिमरिथ हुंडल | एमए/एचएसएस/2021 | हैदराबाद | संदीप कुमार सिंह | एमएससी/पीएच/2018 | कानपुर |
| खुशबू सहरावत | एमए/एचएसएस/2022 | गांधीनगर | प्रवीण कुमार गुप्ता | एमएससी/पीएच/2019 | बरेली |
| आत्मदीप सेनगुप्ता | एमए/एससी/2024 | कोलकाता | मो सहनवाज़ आलम | एमएससी/पीएच/2020 | जर्मनी |
| अन्वीक्षा मिश्रा | एमएससी/सीजी/2015 | गांधीनगर | सरोज यादव | एमएससी/पीएच/2020 | मुंबई |
| हमजा मोहम्मद जुबैर | एमएससी/सीजी/2017 | बैंगलुरु | नीलाभा चटर्जी | एमएससी/पीएच/2021 | गांधीनगर |
| मानसी वाली | एमएससी/सीजी/2019 | ब्लूमिंगटन | सिद्धार्थ कश्यप | एमएससी/पीएच/2021 | गुवाहाटी |
| अञ्जबा शेर्ख | एमएससी/सीजी/2019 | बिलिमोरा | जूही सिंह | एमएससी/पीएच/2022 | रुडकी |
| दिघबिजॉय समद्वर | एमएससी/सीजी/2020 | दिल्ली | नियति भूपेन्द्र शाह | एमएससी/पीएच/2022 | वापी |
| एकता खेमचंदानी | एमएससी/सीजी/2020 | दिल्ली | नीलाचल चक्रवर्ती | एमएससी/पीएच/2023 | पश्चिम बंगाल |
| ईशान के | एमएससी/सीजी/2021 | गांधीनगर | ऋषभ कुमार सिंह | एमएससी/पीएच/2023 | गांधीनगर |
| सान्या जैन | एमएससी/सीजी/2022 | फिरोजाबाद | देबदुलाल डे | एमएससी/पीएच/2024 | गांधीनगर |
| अवंती कर्मरकर | एमएससी/सीजी/2023 | गांधीनगर | रामानन अच्युत | एमएससी/पीएच/2024 | गांधीनगर |
| मृणाल चौहान | बीटेक/एमएसई/2021 | गांधीनगर | ऐश्वर्या विजयकुमार | एमटेक/बीई/2018 | गुवाहाटी |
| समर्पणा मल्लिक | एमएससी/सीजी/2023 | गांधीनगर | सीतेश कुमार | एमटेक/बीई/2018 | बिहार |
| शिवम चौधरी | एमएससी/सीजी/2023 | बर्कले | कौशिक भौमिक | एमटेक/बीई/2019 | सिपाहीजला |
| पलाश जाना | एमएससी/सीएच/2015 | पश्चिम बंगाल | आरती हरिहरन | एमटेक/बीई/2020 | उत्तरी कैरोलीन |
| सचिन देव | एमएससी/सीएच/2018 | बैंगलुरु | देवर्पण घोष | एमटेक/बीई/2020 | पेरिस |
| सरला यादव | एमएससी/सीएच/2018 | रेवाड़ी | रूपस मुखर्जी | एमटेक/बीई/2021 | सूरत |
| शिवांश कौशिक | एमएससी/सीएच/2018 | नदी के किनारे | जयिष्ठु रॉय | एमटेक/बीई/2023 | भैस |
| कृति कपिल | एमएससी/सीएच/2019 | पिट्सबर्ग | शौरव भट्टाचार्य | एमटेक/सीई/2015 | गांधीनगर |
| निखिल शर्मा | एमएससी/सीएच/2019 | उत्तर प्रदेश। | अमर मंध्यन | एमटेक/सीई/2016 | वडोदरा |
| तरुण कुमार | एमएससी/सीएच/2019 | हरयाणा | मोहम्मद एम ठाकुर | एमटेक/सीई/2016 | Knoxville |
| अनन्या राणा | एमएससी/सीएच/2021 | गांधीनगर | | | |

| नाम | श्रेणी | अवस्थिति | नाम | श्रेणी | अवस्थिति |
|------------------------------|------------------|------------------|--------------------------|---------------------------|-----------------------|
| सैयद अज़हर अली | एमटेक/सीई/2018 | कैलिफोर्निया | अरुणव चौधरी | एमटेक/एमई/2020 | मुंबई |
| राजदीप घोष | एमटेक/सीई/2019 | बैंगलुरु | चल्ला सै अजय नरेंद्र | एमटेक/एमई/2020 | काकीनाडा |
| दीप शाह | एमटेक/सीई/2019 | कॉलेज स्टेशन | ऋषभ माथुर | एमटेक/एमई/2020 | राजस्थान |
| शैलेश गर्ग | एमटेक/सीई/2021 | राजस्थान | द्वियाला राहुल रेड्डी | एमटेक/एमई/2021 | कुर्लूल |
| रेजिनी आर | एमटेक/सीई/2021 | तिरुवनंतपुरम | शुभम वर्मा | एमटेक/एमई/2021 | गांधीनगर |
| सोमनाथ पॉल | एमएससी/पीएच/2021 | गांधीनगर | नीतीशकुमार | एमटेक/एमएसई/2018 | गांधीनगर |
| सुविल महागांवकर | एमटेक/सीई/2021 | मुंबई | रोशन सेबेस्टियन | एमटेक/एमएसई/2018 | नॉटिंघम |
| पाटन अमीर खान | एमटेक/सीएल/2014 | नगरी | अंकिता मोहंती | एमटेक/एमएसई/2022 | संयुक्त राज्य अमेरिका |
| गुंडा हरिणी | एमटेक/सीएल/2015 | कॉलेज पार्क | जीतेन्द्र प्रसाद अग्रवाल | पीजीडीआईआईटी/ईई/2020 | दिल्ली |
| कुमारी सुष्मिता | एमटेक/सीएल/2016 | बैंगलोर | शशि प्रभाकर | पीएचडी (पीआरएल)/पीएच/2015 | गांधीनगर |
| खुशवंत फतनानी | एमटेक/सीएल/2019 | रायपुर | प्राजक्ता जाधव | पीएचडी/सीई/2019 | वैंकूवर |
| साईराम एस | एमटेक/सीएल/2019 | चेन्नई | प्रभात कुमार | पीएचडी/सीई/2021 | अहमदाबाद |
| चैत्रा बौरकर | एमटेक/सीएल/2021 | दिल्ली | विजयलक्ष्मी पांडे | पीएचडी/सीएच/2021 | अहमदाबाद |
| राहुल जैन | एमटेक/सीएसई/2019 | अहमदाबाद | मुरली कृष्ण एंड्रुरी | पीएचडी/सीएसई/2018 | गुट्टर |
| नीलय जगदीप उपाध्याय | एमटेक/सीएसई/2020 | मुंबई | जे राम प्रभाकर | पीएचडी/ईई/2016 | बैंगलोर |
| रूप चौधरी | एमटेक/सीएसई/2020 | पश्चिम बंगाल | दीपेश कुमार | पीएचडी/ईई/2018 | वाराणसी |
| सायक चौधरी | एमटेक/सीएसई/2020 | कोलकाता | चंदन कुमार झा | पीएचडी/ईई/2021 | गांधीनगर |
| जतिन कुमार | एमटेक/सीएसई/2021 | बैंगलोर | सोनम साहू | पीएचडी/ईएच/2019 | हैदराबाद |
| श्रीजीत रत्नेन्द्रन | एमटेक/ईई/2014 | चेन्नई | रमेश साहू | पीएचडी/ईएच/2020 | हैदराबाद |
| भोईर मंदार सुरेश स्मिता | एमटेक/ईई/2015 | बोइंग | शीतल रमेशचंद्र पंड्या | पीएचडी/एमएसई/2022 | अहमदाबाद |
| पुचलापल्ली संबासिवैया | एमटेक/ईई/2016 | तमिलनाडु | अदिति कोठियाल | संकाय | गांधीनगर |
| राठौड़ मिलनभाई | एमटेक/ईई/2016 | अहमदाबाद | अरूप लाल चक्रवर्ती | संकाय | गांधीनगर |
| जयंतीभाई | | | निहार रंजन महापर्ता | संकाय | गांधीनगर |
| लक्ष्मी | एमटेक/ईई/2017 | यूनाइटेड किंगडम | नितिन वी जॉर्ज | संकाय | गांधीनगर |
| वलय पटेल | एमटेक/ईई/2017 | साउथ प्लेनफ़िल्ड | सुधांशु शर्मा | संकाय | गांधीनगर |
| चन्द्र शेखर रावुरी | एमटेक/ईई/2018 | बैंगलोर | शानदार के मिश्रा | संकाय | गांधीनगर |
| जेरी सैमुअल आर | एमटेक/ईई/2018 | पुणे | विनोद नारायणन | एमटेक/एमई/2021 | गांधीनगर |
| शिव प्रकाश | एमटेक/ईई/2018 | रायबरेली | जय मेहता | स्टाफ | गांधीनगर |
| सोहिनी धार | एमटेक/ईई/2018 | बैंगलोर | जयकुमार नंदगोपाल | स्टाफ | गांधीनगर |
| अथिरा हरिदास | एमटेक/ईई/2019 | एनर्कुलम | मीना जोशी | स्टाफ | गांधीनगर |
| पायल व्यंकट दहीवाले | एमटेक/ईई/2019 | मुंबई | राजेंद्र वैष्णव | स्टाफ | गांधीनगर |
| प्रखर प्रधान | एमटेक/ईई/2019 | बैंगलोर | संतोष राऊत | स्टाफ | गांधीनगर |
| त्रिसरोटा देब | एमटेक/ईई/2019 | पश्चिम त्रिपुरा | अदिति गर्ग | स्टाफ | गांधीनगर |
| यदुकृष्णन एम | एमटेक/ईई/2019 | बैंगलोर | जयपालसिंह सोलंकी | छात्र | गांधीनगर |
| शुभम् पाटिल | एमटेक/ईई/2020 | मुंबई | कल्पना भूकर | छात्र | गांधीनगर |
| विशाल रंजन प्रसाद | एमटेक/ईई/2020 | मुंबई | निखरव शाह | छात्र | गांधीनगर |
| -अनूप कुमार | एमटेक/ईई/2021 | बैंगलुरु | पंकज चुडासमा | छात्र | गांधीनगर |
| अपर्णा सिंह | एमटेक/ईई/2021 | बैंगलुरु | पंकज खट्टी | छात्र | गांधीनगर |
| देवेश कुमार | एमटेक/ईई/2021 | अहमदाबाद | प्रसाद पवार | छात्र | गांधीनगर |
| मानसी कुलदीप शाह | एमटेक/ईई/2021 | वडोदरा | प्रतीक परमार | छात्र | गांधीनगर |
| प्रारब्ध रायपुरकर | एमटेक/ईई/2021 | दिल्ली | आर येशु धुरंधर | छात्र | गांधीनगर |
| कौस्तुव सिंह | एमटेक/ईई/2022 | पुणे | सुष्टि मीर्य | छात्र | गांधीनगर |
| सिद्धेश पटनायक | एमटेक/ईई/2023 | गोवा | सुखदीप कौर | छात्र | गांधीनगर |
| सवाडियावाला चिराग योगेशकुमार | एमटेक/एमई/2016 | इलाहाबाद | टीकम सैनी | छात्र | गांधीनगर |
| विष्णु कुमार गुप्ता | एमटेक/एमई/2016 | रेवाडी | विजय गोविंद तंबोली | छात्र | गांधीनगर |
| चिमने प्रतीक तुलसीराम | एमटेक/एमई/2017 | नांदेड़ | जी श्रीलक्ष्मी | छात्र | गांधीनगर |
| अनाशसेन सैय्यद | एमटेक/एमई/2018 | वडोदरा | जिमी थॉमस | छात्र | गांधीनगर |
| प्रियंक मेहता | एमटेक/एमई/2018 | राजस्थान | कार्तिक वीर | छात्र | गांधीनगर |
| धनुर्धर रामस्वामी | एमटेक/एमई/2019 | पुणे | मिहिकुमार सुतारिया | छात्र | गांधीनगर |
| पिंकी यादव | एमटेक/एमई/2019 | गुरुग्राम | वरुण गर्ग | छात्र | गांधीनगर |
| शुभंकर गुरुव | एमटेक/एमई/2019 | पुणे | यान यान | शुभचितक | गांधीनगर |
| | | | यश महाजन | शुभचितक | गांधीनगर |



विभूतियाँ

विशिष्ट मानद प्रोफेसर

डॉ ए एस किरण कुमार



डॉ ए एस किरण कुमार एक भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक एवं भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के भूतपूर्व अध्यक्ष हैं। डॉ कुमार ने 1971 में नेशनल कॉलेज, बैंगलोर से भौतिकी में ऑनर्स की डिग्री, 1973 में बैंगलोर विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स में एमएससी डिग्री और 1975 में भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर से भौतिक अभियांत्रिकी में एमटेक की डिग्री प्राप्त की है। उनके योगदान की सराहन हेतु उन्हें 2014 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने 1979 में भास्कर टीवी पेलोड से लेकर 2013 में मार्स ऑर्बिटर मिशन पर पेलोड तक अंतरिक्ष-जनित प्लेटफार्म पर उड़ाए गए 50 से अधिक इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल इमेजिंग सेंसर के डिजाइन और विकास में योगदान दिया है।

प्रो नीतीश ठाकोर

प्रो नीतीश ठाकोर जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय में जैव-आयुर्विज्ञान अभियांत्रिकी (बायोमेडिकल इंजीनियरिंग), विद्युत और संगणक अभियांत्रिकी (इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग) और तंत्रिका विज्ञान (न्यूरोलॉजी) के प्रोफेसर हैं और तंत्रिका अभियांत्रिकी (न्यूरोइंजीनियरिंग) प्रयोगशाला के प्रमुख हैं। वह सिंगापुर के राष्ट्रीय



विश्वविद्यालय में सिंगापुर इंस्टीट्यूट फॉर न्यूरोटेक्नोलॉजी के निदेशक भी हैं। उन्होंने 1974 में आईआईटी बॉम्बे से स्नातक की डिग्री और 1981 में विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, मैडिसन से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। प्रोफेसर ठाकोर विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग (2008) से शताद्वी पदक, अलफा एटा म्यू बीटा बायोमेडिकल इंजीनियरिंग छात्र अॉनर सोसाइटी की मानद सदस्यता के प्राप्तकर्ता हैं। उन्होंने आईईई इंजीनियरिंग इन मेडिसिन एंड बायोलॉजी सोसाइटी से न्यूरोइंजीनियरिंग में तकनीकी उत्कृष्टता का पुरस्कार और 2012 में आईआईटी बॉम्बे से विशिष्ट पूर्ववर्ती छात्र पुरस्कार प्राप्त किया है।

प्रो शेखर सी मांडे

प्रो शेखर सी. मांडे नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंस कॉम्प्लेक्स के मानद प्रतिष्ठित संकाय और वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के पूर्व महानिदेशक हैं। प्रोफेसर मांडे ने 1984 में नागपुर विश्वविद्यालय से भौतिकी में एमएससी और 1991 में आईआईएससी बैंगलोर से आणविक जैवभौतिकी में पीएचडी प्राप्त की। पीएचडी के बाद, उन्होंने नीदरलैंड में रिजस्युनिवर्सिटी ग्रोनिंगन में पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ता के रूप में काम किया है। वह वर्तमान में सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के जैव सूचना विज्ञान केंद्र में प्रतिष्ठित प्रोफेसर हैं और यह पद डॉ. आनंद देशपांडे द्वारा वित प्रोषित है। वह तीनों विज्ञान अकादमियों अर्थात् भारतीय



राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद; भारतीय विज्ञान अकादमी, बैंगलोर और भारतीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के निर्वाचित सदस्य हैं। उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें सबसे उल्लेखनीय 2005 में जैविक विज्ञान के लिए शांति स्वरूप भट्टनागर पुरस्कार है। उन्होंने अक्टूबर 2018- अप्रैल 2022 के दौरान सीएसआईआर के महानिदेशक और भारत सरकार के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) के सचिव के रूप में कार्य किया है।

प्रो सुरेन्द्र प्रसाद



प्रो सुरेन्द्र प्रसाद ने निदेशक के पद सहित कई शैक्षणिक और प्रशासनिक भूमिकाओं में चार दशकों से अधिक समय तक आईआईटी दिल्ली की सेवा की है। उन्हें इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार में विक्रम साराभाई अनुसंधान पुरस्कार (1987), इंजीनियरिंग विज्ञान के लिए शांति स्वरूप भट्टनागर पुरस्कार (1988), इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार में अनुसंधान के लिए ओम प्रकाश भसीन पुरस्कार (1994), सूचना प्रौद्योगिकी के लिए वीएसवीआईके पुरस्कार (2006), सिस्टम सोसाइटी ऑफ इंडिया का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार (2011), आईआईटी खड़गपुर का विशिष्ट

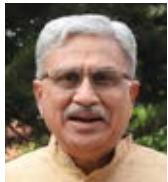
पूर्ववर्ती छात्र पुरस्कार मिला है। उन्हें 2007 में यूके के लाफ़बारो विश्वविद्यालय द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि से भी सम्मानित किया गया था। वह भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय विज्ञान अकादमी और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के सदस्य हैं।

डॉ केशव दत्तात्रेय नायक



डॉ केशव दत्तात्रेय नायक रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) के एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने सूक्ष्म इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और संगणनात्मक प्रणाली (MED & CoS) के महानिदेशक के रूप में कार्य किया है। उन्होंने 1974 में विश्वश्रैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बैंगलोर विश्वविद्यालय से बीई (इलेक्ट्रॉनिक्स) में विशिष्टता (डिस्टिंक्शन) के साथ स्नातक और 1981 में आईआईटी बॉम्बे से माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। डॉ. नायक को उनके वैज्ञानिक योगदान के लिए कई पुरस्कार मिले हैं, जैसे कि 1989 में एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम में उनके योगदान के लिए DRDO पुरस्कार, रडार और माइक्रोवेव सिस्टम के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 1997-98 के लिए IETE-IRSI (83) पुरस्कार, और राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम द्वारा प्रौद्योगिकी दिवस आवृक्षाकर पुरस्कार शामिल है।

प्रो शैलेश नायक



प्रो शैलेश नायक वर्तमान में राष्ट्रीय उन्नत अध्ययन संस्थान, भारतीय विज्ञान संस्थान परिसर, बैंगलोर में निदेशक हैं। वे 2015-2018 के दौरान प्रख्यात वैज्ञानिक रहे हैं। अगस्त 2008-2015 के दौरान वे पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार में सचिव के पद पर कार्यरत थे और उन्होंने पृथ्वी प्रणाली विज्ञान से संबंधित कार्यक्रमों को नेतृत्व प्रदान किया। उन्होंने 1980 में एमएस विश्वविद्यालय बड़ीदा से भूगर्भ विज्ञान में पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। उन्हें अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे और दक्षिण कोरिया के साथ मानसून, वायु-समुद्र संपर्क, बदलते जल चक्र, वायुमंडलीय रसायन विज्ञान, तटीय संवेदनशीलता, जलवायु सेवाओं आदि से संबंधित कई शोध कार्यक्रम शुरू करने का श्रेय प्राप्त है। उन्होंने तटीय और समुद्री पर्यावरण में रिमोट सेंसिंग के अनुप्रयोग के लिए एल्गोरिदम और कार्यप्रणाली के विकास का प्रवर्तन किया। उन्हें 2012 में प्रतिष्ठित आईएसी विक्रम साराभाई मेमोरियल पुरस्कार, 2009 में भास्कर पुरस्कार, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ फोटोग्राफी एंड रिमोट सेंसिंग (आईएसपीआरएस) की फेलोशिप और रिमोट सेंसिंग और जीआईएस में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ एस्ट्रोनॉटिक्स (आईएए) का सदस्य चुना गया।

स्टॉलट-इन-ऐन्डेजिंडेस

डॉ पाओलो बियागी

डॉ पाओलो बियागी ने इटली के मिलानो विश्वविद्यालय के फैकलोल्टा डि लेटोरे ई फिलोसोफिया से मास्टर (इटेलियन डॉट) और ब्रिटेन के लंदन यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ आर्कियोलॉजी से



पीएचडी की है। वे वर्तमान में इटली के वैनिस के का' फोस्कारी विश्वविद्यालय में प्रागौतिहासिक और आद्य इतिहास के प्रोफेसर के रूप में काम कर रहे हैं। उनकी शोध रुचियों में इतिहास, मानवशास्त्र, पुरातत्व, कला इतिहास और भूगोल शामिल हैं। वे हड्पा अध्ययन के एक प्रसिद्ध विशेषज्ञ हैं।

डॉ रैंडल लॉ



डॉ रैंडल लॉ हड्पा सभ्यता के पुरातत्व विशेषज्ञ हैं और उन्होंने हड्पा काल (लगभग 2600-1900 ईसा पूर्व) के दौरान कच्चे माल की उत्पत्ति के अध्ययन में अग्रणी भूमिका निभाई है, मुख्य रूप से हड्पा, जिला साहीवाल, पाकिस्तान के स्थल के लिए। "प्राचीन सिंधु घाटी में अंतर-क्षेत्रीय संपर्क और शहरीकरण: हड्पा की चट्टान और खनिज संयोजन का भूगर्भीय उत्पत्ति अध्ययन" पर उनकी डॉक्टरेट थीसिस एक सहसाब्दी से अधिक समय तक फैले सभी कच्चे माल के स्रोतों को एक साथ लाने और हड्पा में शहरीकरण को बेहतर ढंग से समझने का एक अग्रणी प्रयास है।

डॉ डेनिस फ्रेनेज़



डॉ फ्रेनेज़ ने इटली के बोलोग्ना विश्वविद्यालय के पुरातत्व विभाग से पैलियोअथेनोलॉजी में एमए (ऑनर्स) और पुरातत्व में पीएचडी की है। उनकी शोध रुचियों में एशिया में कांस्य युग के राज्य-स्तरीय शहरी समाज जिनमें सिंधु (पाकिस्तान और उत्तर-पश्चिम भारत) और मग्न सभ्यताओं (दक्षिण-पूर्व अरब) का विशेष संदर्भ है, दक्षिण-पश्चिम अरब (धोफर, ओमान) में तौहैं युग की अर्ध-खानाबदी से संस्कृतियाँ और प्राचीन दक्षिण अरब सासाज्जों के साथ उनका संपर्क और अतर्राष्ट्रीय व्यापार, लंबी दूरी के व्यापार विनियम और पारस्परिक सांस्कृतिक संपर्क, प्राचीन उत्पादन तकनीक और प्रौद्योगिकी, प्राचीन प्रशासनिक (लेखन सहित) प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाएँ और प्राचीन उत्पादन तकनीकों और प्रौद्योगिकियों पर लागू पुरातत्व आदि शामिल हैं।

प्रो ब्रायन ब्रॉफ़ि



प्रो ब्रायन ब्रॉफ़ि ने मोंटाना स्टेट यूनिवर्सिटी से बीएस, कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, लॉस एंजिल्स से एमए और यूसी रिवरसाइड से एमएफए किया है। वे कैलटेक में थिएटर आर्ट्स के निदेशक हैं। वे MACH 33: द फेस्टिवल ऑफ न्यू साइंस-ड्विनेन प्लेज के कलात्मक निदेशक के रूप में भी काम करते हैं। उन्होंने टेल्स ऑफ लॉस्ट फॉर्मिकन्स; द लारमी प्रोजेक्ट; द वेटिंग रूम; बुक ऑफ डेज़ का निर्देशन किया। कैलटेक से पहले, उन्होंने यूसी रिवरसाइड, पोमोना कॉलेज, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और सीएसयूएलए में अध्यापन कार्य किया है। उन्होंने नाटक विलेषण, समकालीन रंगमंच, रंगमंच का इतिहास, अभिनय शैलियाँ,

मध्यवर्ती अभिनय; अभिनय का परिचय, सामाजिक परिवर्तन के लिए रंगमंच और अभिनेताओं के लिए आंदोलन पढ़ाया है। उनकी शोध रुचियों में शामिल हैं: भारत में सामाजिक परिवर्तन के लिए रंगमंच, संवाद, कहानी और दोस्ती के माध्यम से संस्कृति के परिवर्तन में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और साझेदारी

डॉ मारिया जोआओ अमन्ते



डॉ मारिया जोआओ अमन्ते, पीएचडी जुलाई 2022 से पुर्तगाली संसद पुस्तकालय (पुर्तगाल) की निदेशक है। सितंबर 2020 से जुलाई 2022 तक, उन्होंने ब्रागा पब्लिक लाइब्रेरी (पुर्तगाल) की निदेशक के रूप में कार्य किया है। वर्ष 2004 से 2019 तक, उन्होंने आईएससीटीई इंस्टीट्यूटो यूनिवर्सिटारियो डी लिस्बोआ (पुर्तगाल) में लाइब्रेरी निदेशक के रूप में कार्य किया है। वर्ष 2017 से, वह आईआईटी गांधीनगर लेखन स्टूडियो और पुस्तकालय के साथ भी सहयोग कर रही है। वह कई व्यावसायिक संगठनों की सदस्य हैं और सूचना साक्षरता, अनुसंधान सूचना प्रबंधन, नागरिक विज्ञान, ओन एक्सेस, संकाय/पुस्तकालयायश्व संबंध, सामर्थ्य विकास और वैज्ञानिक लेखन जैसे विषयों पर कई लेखों और पुस्तक अध्यायों की लेखिका हैं। उन्होंने कई वैज्ञानिक समितियों में भी भाग लिया है।

डॉ बारबरा ब्रूनो



डॉ बारबरा ब्रूनो ने इटली के जेनोवा विश्वविद्यालय से रोबोटिक्स इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री और इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना विज्ञान, रोबोटिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में पीएचडी की है। उन्हें रोबोट और मानव इंटरैक्टिव संचार पुरस्कार में IEEE RO-MAN 2023 RSJ अग्रणी अनुसंधान पुरस्कार मिला है, और उन्हें इतालवी आर्थिक विकास मंत्रालय से "स्मार्ट एंड स्टार" अनुदान प्राप्त हुआ है। वह वर्तमान में जर्मनी के कालसेरूहे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (KIT) में टेन्योर ट्रैक W1 प्रोफेसर के रूप में जुड़ी हुई हैं।

प्रो फ्रेडरिक कूलिज



प्रो कूलिज कोलोराडो विश्वविद्यालय, कोलोराडो स्ट्रिंग्स (यूसीसी) में मनोविज्ञान के प्रोफेसर हैं। प्रो. कूलिज ने फ्लोरिडा विश्वविद्यालय (यूएफ) से बीए, एमए और पीएचडी किया है और यूएफ में क्लीनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी में दो साल की पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप पूरी की है। वे वर्तमान में मनोविज्ञान में सांकेतिक क्षेत्र के सह-निदेशक और संज्ञानात्मक पुरातत्व केंद्र के सह-निदेशक हैं। उन्हें कोलोराडो विश्वविद्यालय राष्ट्रीयति टीचिंग स्कॉलर के आजीवन पदनाम सहित तीन शिक्षण पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उन्होंने यूसीसीएस एलएएस वार्षिक उत्कृष्ट अनुसंधान और रचनात्मक कार्य पुरस्कार (2004) और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए यूसीसीएस वार्षिक संकाय पुरस्कार (2006) भी प्राप्त किया।

डॉ कस्तूरी वेंकटेश्वरन

डॉ कस्तूरी वेंकटेश्वरन ने 1981 में भारत के अन्नामलाई विश्वविद्यालय से समुद्री सूक्ष्म जैविकी में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। और 1990 में जापान के हिरोशिमा विश्वविद्यालय से कृषि में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। वर्तमान में, डॉ. वेंकटेश्वरन ने नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) - जेट प्रक्षेपण प्रयोगशाला में एक वरिएल शोध वैज्ञानिक है और जैव-पौधोगिकी और ग्रहीय संरक्षण समूह की सहायता करते हैं। उन्होंने समुद्री, खाद्य और पर्यावरण सूक्ष्म जैव विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान में 40 से अधिक वर्ष बिताए हैं। उन्होंने सूक्ष्मजीवों के पारस्थितिक पहलुओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए आणविक सूक्ष्मजीव विश्लेषण में अपने शोध को लागू किया है।

डॉ अमरेश कुमार जायसवाल

डॉ जायसवाल ने टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, मुंबई से एमएससी और पीएचडी की है। उनकी शोध अभियांत्रियों में सैद्धांतिक उच्च ऊर्जा भौतिकी, सापेक्षतावादी अपव्ययी द्रव गतिकी, गतिज सिद्धांत और परिवहन मॉडल, क्वार्क-लूबॉन प्लाज्मा (क्यूजीपी) में भारी क्वार्क और क्वार्कोनिया; गुरुत्वाकर्षण, ब्रह्मांड विज्ञान और सामाज्य सापेक्षता शामिल हैं। वह वर्तमान में ओडिशा के राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान में सहयुक्त आचार्य के पद पर कार्यरत हैं।

डॉ सत्यनारायणन मुंडायर

डॉ सत्यनारायणन मुंडायर ने बॉम्बे विश्वविद्यालय से भाषा विज्ञान में बीएससी और एमए, दिल्ली विश्वविद्यालय से वयस्क और सतत शिक्षा में पोस्ट-एमए डिप्लोमा, भवन्स, मुंबई से पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा किया है। वे लोहित यूथ लाइब्रेरी नेटवर्क, तेजू, अरुणाचल प्रदेश में समन्वय करते हैं। उनकी शोध रुचियों में स्कूली शिक्षा, पठन कौशल, ग्रामीण और आदिवासी समुदायों में औनपचारिक शिक्षा, और अधिकारीहीन पूर्वोत्तर भाषाओं में पठन सामग्री का सुजन, पूर्वोत्तर क्षेत्रों के संबंध में स्वतंत्र भारत में विमानन का इतिहास शामिल है।

**श्री सुमन एस चौधरी
(आर्टिस्ट-इन-रेजिडेंस)**

श्री सुमन एस चौधरी ने कला भवन, विश्व भारती से ललित कला सांस्कृतकी की उपाधि प्राप्त की है। वे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) विजयवाड़ा, एनआईडी गांधीनगर और एनआईडी सौसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई) के प्रोजेक्ट में उनके सहयोगी भी हैं जो कोरोनरी रोगों के बारे में लोगों को शिक्षित करते और सामाजिक चेतना पैदा करने का कार्य करता है।

**सुश्री इकरूप संधु
(आर्टिस्ट-इन-रेजिडेंस)**

सुश्री इकरूप संधु एक ग्राफिक उपन्यासकार और डिजाइन शिक्षिका हैं। उनका कलात्मक अभ्यास चित्रकला और एनीमेशन पर केंद्रित है, जो ज्ञान एकत्र करने, कहानी कहने और विंतर के लिए नारी सुलभ क्षमताओं की खोज करता है। उनका कार्य नारीवादी सिद्धांत - "व्यक्तिगत ही राजनीतिक है"- से अत्यधिक प्रभावित है। उन्होंने रक्स मीडिया कलेक्टिव, सारनाय बनर्जी और मोहू जैसे प्रमुख कलाकारों के साथ वीडियो आर्ट प्रोजेक्ट पर मिलकर कार्य किया है। उनके चित्र द प्रिंट और प्लेटफॉर्म पत्रिका में छपे हैं और उनके कार्य को आईआईटी गांधीनगर में प्रदर्शित किया गया है। 2022 में, उनका पहला ग्राफिक उपन्यास, इंकलाब जिंदाबाद, जो पंजाब के क्रांतिकारी भगत सिंह के जीवन का वर्णन करता है, योडा प्रेस और साइमन एंड शूस्टर द्वारा जारी किया गया था। पिछले दो वर्षों से, वह कथावाचन, चित्रण और एनीमेशन सिखाने के साथ-साथ दिल्ली में भारतीय कला और डिजाइन संस्थान (IIAD) में पाठ्यक्रम विकसित करने के कार्य में योगदान दे रही है।

**श्री डॉन चाको पलाथरा
(आर्टिस्ट-इन-रेजिडेंस)**

श्री डॉन पलाथरा ने कोट्टायम के महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के सेंट बर्कमैन कॉलेज से भौतिकी में बीएससी, होबर्ट के तस्मानिया विश्वविद्यालय से स्वचना प्रौद्योगिकी में सातकौतर और सिडनी के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म स्कूल से निर्देशन, पटकथा लेखन और निर्माण में डिप्लोमा किया है। श्री पलाथरा केरल के एक फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक और वृत्तचित्र फिल्म निर्माता हैं। छोटे बजट पर काम करने के लिए जाने जाने वाले, उनकी फिल्में स्थानीय केरल संस्कृति और मानवीय प्रकृति का अध्ययन हैं। पलाथरा की फिल्मों में मैंस्को अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव रॉटरैम और केरल के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव सहित कई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में प्रशंसा प्राप्त की है।

श्रीमती सिंथिया कैम्पॉय ब्रॉफ़ि
(आर्टिस्ट-इन-रेजिडेंस)

श्रीमती सिंथिया कैम्पॉय ब्रॉफ़ि ने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स से बीए (अंग्रेजी साहित्य), पेरिस विश्वविद्यालय से फ्रेंच साहित्य में डिप्लोमा, स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल से गैर-लाभकारी कला प्रशासन में कार्यकारी कार्यक्रम और हार्वर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एजुकेशन से व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम किया है। उन्होंने लोयोला लॉ स्कूल, सेंटर फॉर कॉन्सिल्टेंट रेजोल्यूशन से कैलिफोर्निया विवाद समाधान कार्यक्रम अधिनियम की शर्तों को पूरा करते हुए कोर मध्यस्थता प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। वह क्रिएट प्रोटेस्ट की सह-संस्थापक है, जो कलाकार द्वारा डिजाइन किए गए माल का एक ऑनलाइन बाजार है जो अभियान और समुदाय को प्रेरित करने के लिए

बनाया गया है। वह CCB कंसल्टिंग में मध्यस्थ/सलाहकार भी है। उनकी शोध अभियांत्रियों में शिक्षा के क्षेत्र, कार्यबल विकास, रचनात्मक उद्योग, युवा सशक्तिकरण, और युवा लोगों को अधिक रचनात्मक विकास प्रदान करने के लिए स्थायी मार्ग बनाने की कला शामिल है।

**श्री अर्धा मन्ना
(आर्टिस्ट-इन-रेजिडेंस)**

श्री अर्धा मन्ना ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से बीएससी और एमएससी की है। उनकी शोध रुचि में कॉमिक्स, डेटा कॉमिक्स, सचित्र निबंध, इन्फोग्राफिक्स और पैटिंग सहित ग्राफिक कथाओं के माध्यम से विज्ञान के इतिहास को जीवन करना शामिल है। आईआईटी गांधीनगर में कार्यग्रहण करने से पहले वे आनंदबाजार पत्रिका/द टेलीग्राफ में पत्रकार के रूप में कार्यरत थे।

अतिथि आचार्य**प्रोफेसर विजय एच बोरुआ**

प्रो बोरुआ ने 1984 में गुएल्क विश्वविद्यालय (कनाडा) से अपनी पीएचडी परी की। उन्होंने आईआईटी दिल्ली, आईआईटी रोपड और आईआईटी जम्म जैसे विभिन्न संस्थानों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया है। प्रोफेसर बोरुआ की शोध अभियांत्रियों में मन का दर्शन, दाशनिक सौंदर्यशास्त्र, आधुनिक पश्चिमी दर्शन का इतिहास, नैतिकता और मूल्य सिद्धांत, स्वर्य की तत्त्वमीमांसा, टेक्नोसाइंस और परा मानवीयता, आधासी वास्तविकता का तत्त्वमीमांसा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मानव एजेंसी, आदि शामिल हैं।

प्रोफेसर पी अजितप्रसाद

प्रो अजितप्रसाद, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय (MSU), बड़ौदा के पुरातत्व और प्राचीन इतिहास विभाग में प्रोफेसर हैं। उन्होंने कालीकट विश्वविद्यालय से बीएससी, MSU बड़ौदा से एमए, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पुरातत्व विद्यालय से पीजी डिप्लोमा और MSU बड़ौदा से पीएचडी की है। प्रोफेसर अजितप्रसाद 1990 से MSU बड़ौदा से जुड़े हुए हैं। उनका शोध प्रार्गीतिहासिक पुरातत्व, चतुर्थक पर्यावरण अनुकूलन और हड्डिया अध्ययन पर केंद्रित है। वे भारतीय प्रार्गीतिहासिक और चतुर्थ क्षेत्रीय निकायों और भारतीय पुरातत्व सोसायटी की आजीवन सदस्य हैं, और भारतीय भूवैज्ञानिक सोसायटी के सदस्य भी हैं।

डॉ दर्शन पंड्या



डॉ दर्शन वी पंड्या एक दार्शनिक, लेखक और जीवन गुरु हैं। उनके पास पीएचडी, एमएससी और बीएससी (अंग्रेजी अन्नर्स) की डिग्री है, साथ ही उन्होंने इंग्रियल कॉलेज, लंदन में कैमिकल

इंजीनियरिंग और ऑपरेशनल रिसर्च में उन्नत अध्ययन किया है। आईटी, शिक्षा और ऑपरेशनल रिसर्च में चार दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, डॉ. पंड्या ने सिंगापुर विश्वविद्यालय में लेक्यरर और यूके में बीपी कैमिकल्स में ऑपरेशनल रिसर्च एनालिस्ट सहित दुनिया भर में प्रमुख भूमिकाएँ निभाई हैं। उनके तकनीकी करियर में पेरोट सिस्टम्स और इफेंडस जैसी प्रमुख कंपनियों के साथ काम करना शामिल है। 2014 में सेवानिवृत्त होने के बाद से, डॉ. पंड्या 'स्वधर्म - योर ओन राइटियसनेस' के संस्थापक बन गए हैं, जो इक्कीसवीं सदी में आयानिकता और नैतिकता को बढ़ावा देने वाला दर्शन है। 2017 में, उन्होंने अपनी पुस्तक, 'स्वधर्म - योर ओन राइटियसनेस', अमेरिका पर प्रकाशित की। वह दर्शन, यात्रा और संगीत के प्रति जुनून के साथ सामुदायिक गतिविधियों और वैश्विक मुद्दों में सक्रिय है।

प्रोफेसर संपत कुमार ठंडन



प्रो ठंडन एक भारतीय भूविज्ञानी और दिल्ली विश्वविद्यालय में भूविज्ञान के एमरिटस प्रोफेसर हैं। वे दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो-वाइस चासलर, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (IISER), भोपाल में पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विभाग के सर जे सी बोस चेयर प्रोफेसर और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर में पृथ्वी विज्ञान विभाग के डी एन वाडिया चेयर प्रोफेसर हैं। प्रो. ठंडन को शिवालिक चट्ठानों के भूविज्ञानिक अध्ययनों के लिए जाना जाता है और वे तीनों प्रमुख भारतीय विज्ञान अकादमियों अर्थात् भारतीय विज्ञान अकादमी और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के साथ-साथ विश्व विज्ञान अकादमी के निर्वाचित फेलो हैं। वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए भारत सरकार की सर्वोच्च एजेंसी, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद ने उन्हें 1988 में पृथ्वी, बायुमंडल, महासागर और ग्रह विज्ञान में उनके योगदान के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए शांति स्वरूप भट्टनागर पुरस्कार से सम्मानित किया, जो विज्ञान के क्षेत्र में सर्वोच्च भारतीय पुरस्कारों में से एक है।

प्रो देवी पी सरकार



प्रो सरकार एक भारतीय जैव रसायन विज्ञानी, प्रतिरक्षा विज्ञानी और विषाणु विज्ञानी हैं। उन्होंने अशोका यनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा में रसायन विज्ञान के अतिथि आचार्य के रूप में काम

किया और वे दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर (साउथ कैपस) में जैव रसायन विभाग के प्रमुख और डीन FIAS थे। उन्होंने 2017 से 2019 तक IISER मोहाली के निदेशक के रूप में भी काम किया। वैज्ञानिक क्षेत्र में, वे सेंडाई वायरस पर अपने शोध और पुनर्गठित विषाणु आवरण विकसित

करने के लिए प्रसिद्ध हैं। भारतीय विज्ञान अकादमी, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के एक निर्वाचित फेलो, प्रोफेसर सरकार को जैविक विज्ञान में उनके योगदान के लिए 1988 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए शांति स्वरूप भट्टनागर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

प्रो गंगा केवी प्रख्या



प्रो प्रख्या ने 1989 में कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, यूके से अपनी पीएचडी पूरी की। उन्होंने सर रोबर्ट मैकल्पाइन लिमिटेड और एस्क्वायर इंजीनियर्स एंड कंसल्टेंट्स जैसे संगठनों में डिजाइन के प्रमुख, मुख्य डिजाइन इंजीनियर और सातक इंजीनियर के रूप में काम किया है। प्रो. प्रख्या ने व्यावसायिक पत्रिकाओं में 21 शोधपत्र लिखे हैं, उनके नाम दो पुस्तक अध्याय हैं, और उन्होंने दस अकादमिक छात्रवृत्तियाँ/पुस्कार, स्वर्ण पदक/पुस्कार जीते हैं, जिनमें कैम्ब्रिज में अध्ययन के लिए पूर्ण वित्तीय सहायता प्राप्त भारत की शीर्ष छात्रवृत्तियों में से एक शामिल है।

प्रो रवींद्र प्रताप सिंह



प्रो रवींद्र प्रताप सिंह अहमदाबाद स्थित भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला में परमाणु आणविक और प्रकाशीय भौतिकी प्रभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर और प्रभाग के प्रमुख हैं। वे आईआईटी रुड़की में अतिथि आचार्य, आईआईटी मंडी में सहायक प्रोफेसर और एसआरएम यूनिवर्सिटी एपी, अमरावती में भी पद संभाल चुके हैं। उनके प्राथमिक शोध क्षेत्रों में प्रकाश प्रकीर्ण, संरचित प्रकाश किए गए, अरेक्यु विश्वासिकी, क्वांटम प्रकाशिकी और क्वांटम सूचना शामिल हैं। डॉ. सिंह ने पीआरएल में प्रायोगिक कार्यक्रमों के विकास सहित क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्वांटम कुंजी वितरण (क्यूकेंडो) और फ्री-स्पेस क्वांटम संचार पर उनके अभूतपूर्व कार्य ने उनएएसआई के फेलो के रूप में मान्यता दिलाई। उन्होंने क्वांटम सूचना शामिल है। डॉ. सिंह ने पीआरएल में प्रायोगिक कार्यक्रमों के विकास सहित क्वांटम विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय परियोगियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें सी-डॉट, इसरो और तेल अवीव विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों के साथ सहयोग शामिल है। एक सफल शिक्षाविद, डॉ. सिंह ने 15 से अधिक पीएचडी छात्रों का परिवेशण किया है और 100 से अधिक शोध प्रकाशित किए हैं।

प्रो मिशेल डैनिनो



प्रो मिशेल डैनिनो की रुचि भारतीय सभ्यता पर आजीवन केंद्रित रही है। फ्रांस में विज्ञान और इंजीनियरिंग में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद, वे 1977 में भारत में रहने आ गए। वे पुरातत्व और प्राचीन इतिहास के एक जिजासु छात्र रहे हैं और प्रोटोहिस्टोरिकल इंडिया (द लॉस्ट रिवर: ऑन द ट्रेल ऑफ द सरकारी, 2010 सहित) और भारतीय संस्कृति (इंडियन कल्प्वर एंड इंडियाज़ फ्लूचर, 2011) जैसी पुस्तकों के लेखक हैं, उनकी कुछ किताबें विचाराधीन हैं, और इसके अलावा उन्होंने

कई पुस्तक अध्याय, शोध पत्र और लेख भी लिखे हैं। 2016 से, उन्होंने भारतीय ज्ञान प्रणालियों पर एक अद्वितीय बहु-प्रशिक्षक पाठ्यक्रम का समन्वय भी किया है, जिसने पूरे भारत में बहुत रुचि पैदा की है। उनके हाल के पाठ्यक्रम "भारतीय सभ्यता पर दृष्टिकोण", "भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इतिहास का परिचय" और "भारतीय नैतिकता प्रणाली" हैं। प्रोफेसर डैनिनो भारतीय एतिहासिक अनुसंधान परिषद (2015-18) के सदस्य थे और वर्तमान में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान इतिहास आयोग के सदस्य हैं, इसके अलावा वे एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम, "भारत की ज्ञान परंपराएं और प्रथाएं" (प्रोफेसर कपिल कपूर के साथ सह-संपादित दो-खंड की पाठ्यपुस्तक के साथ) के लिए सीबीएसई समिति के संयोजक भी हैं।

प्रोफेसर जैक्रिट सुथाकर्न



डॉ जैक्रिट सुथाकर्न ने 1995 में महिंडोल विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की। उसी वर्ष, वह विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग

विभाग में एक संकाय सदस्य के रूप में शामिल हुए और अमेरिका में उन्नत अध्ययन करने के लिए रोयल थार्ड सरकार से पूर्ण छात्रवृत्ति प्राप्त की। उन्होंने 1998 में मिशन ट्रेकोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से कंट्रोल इंजीनियरिंग से मास्टर डिग्री और 2003 में जॉन्स हॉप्किन्स यूनिवर्सिटी से रोबोटिक्स में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। अध्ययन के दौरान, उन्होंने 2001 से 2002 तक बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में जीई मेडिकल सिस्टम के साथ काम किया। वह 2003 में महिंडोल विश्वविद्यालय लौट आए, जहां वे उप-विभाग अध्यक्ष (2004-2007) बने और 2004 में सेंटर फॉर बायोमेडिकल एंड रोबोटिक्स ट्रेकोलॉजी (BART LAB) की स्थापना की। 2006 में, उन्होंने थाईलैंड के पहले बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में जीई मेडिकल सिस्टम के साथ काम किया। वह 2003 में महिंडोल विश्वविद्यालय का उत्कृष्ट शैक्षणिक व्यक्ति पुरस्कार भी शामिल है।

डॉ राजीव सिंहा



डॉ सिंहा ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके. से नदी भूआकृति विज्ञान और सेडिमेटोलॉजी विज्ञान में अपनी पीएचडी पूरी की। वे वर्तमान में आईआईटी कानपुर के पृथ्वी विज्ञान विभाग में प्रोफेसर हैं। उनकी कुछ शोध रुचियों में पृथ्वी की सतह की गतिशीलता, पृथ्वी अवलोकन डेटा का उपयोग करके भूआग का लक्षण वर्णन और भूआकृति विश्लेषण, झोन-आधारित थर्मल इमेजिंग का उपयोग करके मिट्टी की नमी और फसल जल तनाव का आकलन, आद्रेभूमि जल विज्ञान, कनेक्टिविटी और गतिशीलता, नदी विज्ञान: नदी की गतिशीलता, बाढ़ जोखिम मूल्यांकन, तलछट गतिशीलता, जलवाया परिवर्तन के प्रति नदी की प्रतिक्रिया, नदियाँ और प्राचीन सभ्यता: ऐतिहासिक समय शृंखला विश्लेषण, जलभूत स्ट्रेटीज़ाफी, आदि शामिल हैं।

श्री जग मोहन लाल

श्री जग मोहन लाल, एक प्रतिष्ठित सिविल इंजीनियर है, जिन्होंने रुड़की विश्वविद्यालय (अब आईआईटी रुड़की) से सिविल इंजीनियरिंग में अॉनर्स के साथ बीएससी और बीई की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने भारतीय विधि संस्थान, दिल्ली से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून और वैकल्पिक विवाद समाधान में पीजी डिप्लोमा भी प्राप्त किया है, और बर्मिंघम, यूके (1989) से शहरी विकास प्रबंधन में तीन महीने का कोर्स पूरा किया है। यूरोपी पीडब्ल्यूडी के साथ एक संक्षिप्त कार्यकाल के बाद, वे 1965 में एक सीधी भर्ती के रूप में सीपीडब्ल्यूडी में कार्यग्रहण किया, अंततः 2002 में अतिरिक्त महानिदेशक के रूप में सेवानिवृत्त हुए। अपने करियर के दौरान, श्री लाल ने विज्ञान भवन एनेक्सी, उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान और संसद पूस्टकालय परियोजना जैसी प्रतिष्ठित परियोजनाओं का नेतृत्व किया, जहाँ उन्होंने एक निर्माण परियोजना के लिए पहला आईएसओ 9002 प्रमाणन अर्जित करते हुए एक संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली विकसित की। उन्होंने पूरे भारत में वीवीआईपी भवनों और नागरिक हवाई अड्डों के रखरखाव का प्रबंधन भी किया। वर्तमान में, श्री लाल विश्व बैंक/एनएपएआई परियोजनाओं के लिए मध्यस्थ और विवाद समीक्षा बोर्ड के अध्यक्ष/सदस्य के रूप में कार्य करते हैं, उन्होंने 119 मामलों में मध्यस्थता कर निर्णय दिया है। वे इक्की प्रतिष्ठित संस्थानों में अतिथि संकाय सदस्य भी हैं।

प्रोफेसर केनेथ ई गोंसाल्वेस

डॉ केनेथ ई गोंसाल्वेस ने एमहस्टर्स के मैसाचूसेट्स विश्वविद्यालय से पीएचडी की है (1984) और एमआईटी में पोस्टडॉक्टरल कार्य पूरा किया है। उन्होंने स्टीवंस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ कनेक्टिकट में सहायक आचार्य के रूप में और हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अतिथि आचार्य के रूप में काम किया है। उनकी विशेषज्ञता में पदार्थ संश्लेषण, कार्बनिक बहुलक (पॉलीमर) रसायन विज्ञान, कार्ब-धात्विक (आर्गोनिमेटिलिक) बहुलक (पॉलीमर) और नैनोस्ट्रक्चर्ड पदार्थ शामिल हैं। उन्होंने नेवल रिसर्च ग्लोबल के कार्यालय में एसएंडटी अमेरिका के सह-निदेशक के रूप में काम किया है और आईएनआइएन मैक्सिस को मैक्सिनिक सलाहकार के रूप में काम किया है। अमेरिकन केमिकल सोसाइटी और मैटेरियल्स रिसर्च सोसाइटी के सदस्य, डॉ. गोंसाल्वेस का शोध उन्नत सामग्रियों और नैनोफिब्रिकेशन तकनीकों पर केंद्रित है।

श्री समीर पटेल

श्री पटेल स्टारआईसी में मुख्य रणनीति अधिकारी (सीएसओ) हैं। 35 से अधिक वर्षों के अपने व्यापक करियर के दौरान, उन्होंने स्टार्ट-अप को बड़े अंतर्राष्ट्रीय निगमों में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें संकल्प सेमीकंडक्टर भी शामिल है, जहाँ उन्होंने इसे 1000 से अधिक लोगों वाली कंपनी में विकसित किया। रैम्बस में उन्होंने शुरूआती टीम के सदस्य के रूप में इसके



अंतर्राष्ट्रीय संचालन को बढ़ाया, और कैटलिस्ट सेमीकंडक्टर में वे एक प्रमुख डिजाइनर थे। स्टारआईसी से पहले, श्री पटेल ब्लू चीता एनालॉग डिजाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थे, जो डाई-टू-डाई और चिपलेट इंटरकेनेक्ट आईपी के तेज़ जनरेटर पर केंद्रित था। उन्होंने नेशनल सेमीकंडक्टर और सन माइक्रोसिस्टम्स सहित अन्य कंपनियों के साथ भी काम किया है। वे स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूसी सांता बारबरा और आईआईटी बॉम्बे के पूर्ववर्ती छात्र हैं।

प्रोफेसर नूनो गुइमारेस

प्रोफेसर गुइमारेस आईएससीटीई आईपीएल में पूर्ण प्रोफेसर (प्रोफेसर कैरेक्ट्रिटिको) हैं। उन्होंने 1983 में लिस्बन के तकनीकी विश्वविद्यालय, इस्टीट्यूटो दु सुपीरियर टेक्निको, पुर्नागल से इलेक्ट्रोटेक्निकल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की, जहाँ उन्होंने एमएससी (1987) और पीएचडी (1992) भी पूरी की। उन्हें जुलाई 1999 में लिस्बन विश्वविद्यालय से एग्रीगेडो एम इंफोर्मेटिका की उपाधि मिली। 1986 से 1997 तक, उन्होंने आईएसटी/यूटीएल के इलेक्ट्रोटेक्निकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में पढ़ाया, और 1997 से 2012 तक लिस्बन विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के सूचना विज्ञान विभाग में पढ़ाया।

डॉ देबानिक रॉय

डॉ रॉय भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC), मुंबई और होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार में रिमोट हैंडलिंग और रोबोटिक्स विभाग में एक वरिष्ठ वैज्ञानिक (SO-H) और सहायक प्रोफेसर हैं। उन्होंने जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता से अपनी पीएचडी पूरी की, और उनका शोध रोबोटिक्स के विभिन्न क्षेत्रों जैसे: रोबोट ग्रिपर, ग्रिपर संसर, वेब-मध्यस्थ रोबोटिक्स, फ्लेक्सिबल मैनिपुलेटर, बायो-प्रेरित रोबोटिक्स, टेली-मैनिपुलेशन आदि में फैला हुआ है।

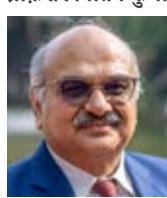
प्रोफेसर अभिजीत पंड्या

प्रोफेसर अभिजीत पंड्या कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग के अनुभवी विशेषज्ञ हैं, जिनका ध्यान औषधियों के लिए निर्णय समर्थन प्रणाली विकसित करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) पर है। AI, मशीन लर्निंग और जैव आयुर्विज्ञान अभियांत्रिकी में 37 वर्षों के अनुभव के साथ, उन्होंने विभिन्न विषयों में मिलकर कार्य किया है और उनका अनुसंधान पेटेट, क्लीनिकल परीक्षण और स्टेम सेल थेरेपी में परिणत हुआ है। उन्होंने दस पीएचडी शोध प्रबंध और 40 मास्टर थीसिस का पर्यवेक्षण किया है, जिसमें 200



एक दुर्लभ बीमारी का पता चलने के बावजूद, वे क्लीनिकल अनुसंधान शामिल हैं। 1990 के दशक में

एक प्रोफेसर नितिन कुमार त्रिपाठी



प्रोफेसर त्रिपाठी ने 1994 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से अपनी पीएचडी पूरी की। उनकी शोध रुचियों में पर्यावरण, तटीय, कृषि, आपदा और स्वास्थ्य, इंटरनेट जीआईएस और जीआईएसटी आईएस में मशीन लर्निंग अनुप्रयोगों के लिए रिमोट सेसिंग और जीआईएस शामिल हैं। उन्हें 1994 में डीएई यूंग साइंटिस्ट अवार्ड और 1996 में युवा विशेषज्ञ के लिए एआईसीटीई कैरियर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर सुमित रॉय

प्रोफेसर रॉय ने 1988 में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल में प्रोफेसर के रूप में कार्य किया और इनोवेट बियॉन्ड 5जी, 5जी-टू-एक्सजी इनिशिएटिव, यूएस डीओडी (ओयूएसडी आरएंडई) के कार्यक्रम प्रमुख थे। उनकी शोध अभिरुचियों में बियॉन्ड 5जी (मॉबाइल सेलुलर, सैटेलाइट और वाईफाई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स और स्वायत्त और सॉफ्टवेयर-परिभाषित नेटवर्क शामिल हैं।

श्री सुबोध कुमार जायसवाल

श्री जायसवाल ने मई 2021 से मई 2023 तक केंद्रीय जांच ब्यूरो के निदेशक और इंटरपोल, भारत के राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो के प्रमुख के रूप में कार्य किया। उनकी शोध अभिरुचि में मानव संसाधन प्रबंधन, रणनीतिक प्रबंधन, प्रशिक्षण, परियोजना प्रबंधन, जोखिम मूल्यांकन, परिवर्तन प्रबंधन और संगठन संचार (बाह्य और आंतरिक) शामिल हैं।

खंकाय सदस्य

| संकाय का नाम | वर्तमान पदनाम | पीएचडी/अंतिम डिग्री | विशेषज्ञता |
|---------------------------------------|-----------------------|--|--|
| जैविक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | | | |
| शरद गुप्ता | सहयुक्त आचार्य | पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, 2009 | अल्जाइमर और हॉटिंगटन रोगों में प्रोटीन मिसफोल्डिंग |
| शर्मिष्ठा मजूमदार | सहयुक्त आचार्य | कॉर्नेल विश्वविद्यालय, 2006 | ट्रांसपोज़ेस और ट्रांसपोज़ेस होमोलॉग्स का जीनोमिक और प्रोटीओमिक विश्लेषण |
| उमाशंकर सिंह | सहयुक्त आचार्य | उप्साला विश्वविद्यालय, स्वीडन, 2006 | साइटोप्रोटेक्शन |
| धीरज डी भाटिया | सहयुक्त आचार्य | टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान 2013 | डीएनए नैनोटेक्नोलॉजी और रासायनिक जीव विज्ञान |
| कार्ला पेट्रीसिया मर्कार्डो-शेखर | सहयुक्त आचार्य | रोचेस्टर विश्वविद्यालय, 2015 | ऊतक प्रत्यास्थता इमेजिंग और अल्ट्रासाउंड तकनीक |
| आशुतोष श्रीवास्तव | सहायक आचार्य ग्रेड I | सीएसआईआर-कोशिकीय एवं आणविक जीव विज्ञान केंद्र, हैदराबाद, 2015 | मैक्रोमॉलिक्यूलर कॉम्प्लेक्स का एकीकृत मॉडलिंग |
| विजय थिरुवेंकटम | सहयुक्त शोध आचार्य | जीवाजी विश्वविद्यालय, 2009 | सूक्ष्म अणु एक्स-रे क्रिस्टलोग्राफी |
| सुब्रमण्यम शंकरनारायणन | सहायक आचार्य ग्रेड I | कैलगरी विश्वविद्यालय, कनाडा, 2015 | पादप विकासात्मक जीवविज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, आनुवंशिकी, आणविक जीवविज्ञान, कोशिका जीवविज्ञान |
| मुकेश धानका | सहायक आचार्य ग्रेड I | आईआईटी बॉम्बे, 2019 | बायोमेडिकल इंजीनियरिंग: बायोमटेरियल, ड्रग डिलीवरी, बायो नैनोटेक्नोलॉजी, ऑर्थोपेडिक एप्लीकेशन, रीजनरेटिव मेडिसिन, फोटो-र्थमल थेरेपी और कैसर |
| रासायनिक अभियांत्रिकी | | | |
| चिन्मय घोरोड़ | आचार्य | आईआईटी बॉम्बे, 2007 | कण इंजीनियरिंग और पाउडर प्रसंस्करण |
| समीर वी दलवी | आचार्य | आईआईटी बॉम्बे, 2007 | सुपरक्रिटिकल द्रव प्रसंस्करण |
| प्राची थेरेजा | आचार्य | पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, 2008 | फैटी एसिड पेस्टों के क्रिस्टलीकरण की इन-सीटू रियोलॉजी |
| कबीर जसूजा | सहयुक्त आचार्य | कैनसस स्टेट यूनिवर्सिटी, 2011 | द्वि-आयामी नैनोमटेरियल का संश्लेषण |
| प्रत्युष दयाल | सहयुक्त आचार्य | अक्लोन विश्वविद्यालय, 2007 | स्व-दोलनशील बहुलक जैल |
| नितिन यू पठियार | सहयुक्त आचार्य | आईआईटी बॉम्बे, 2008 | प्रक्रिया अनुकूलन और नियंत्रण |
| कौस्तुभ एस राणे | सहयुक्त आचार्य | बफेलो विश्वविद्यालय, 2014 | अंतरापृष्ठीय प्रणालियों की ऊष्मागतिकी और सांख्यिकीय यांत्रिकी |
| मिथुन राधाकृष्णा | सहयुक्त आचार्य | कोलंबिया विश्वविद्यालय, 2014 | सिद्धांत और आणविक सिमुलेशन के माध्यम से मृदु पदार्थ प्रणालियों का अध्ययन |
| हरि साई गणेश | सहायक आचार्य ग्रेड I | ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय, 2018 | मॉडलिंग और सिमुलेशन |
| कार्तिक सुब्रमण्यम पुष्पावनम | सहायक आचार्य ग्रेड I | एरिझोना स्टेट यूनिवर्सिटी, 2019 | डिजाइनिंग और इंजीनियरिंग और नैनोमटेरियल प्रोटीन |
| विस्वजीत साहा | सहायक आचार्य ग्रेड I | सिंगापुर एमआईटी एलायंस: नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी - सिंगापुर (एनडी) मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी - यूएसए, 2012 | उन्नत सामग्री और सेंसर का विकास |
| अभिनया संपत | सहायक आचार्य ग्रेड II | यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस, अर्बाना-शैपैन, 2022 | विषम उत्प्रेरण, रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, द्रव्यमान स्पेक्ट्रोस्कोपी, उत्प्रेरक संश्लेषण, विद्युत रासायनिक संश्लेषण, सतह विज्ञान तकनीक, वैक्यूम अध्ययन, इन-सीटू स्पेक्ट्रोस्कोपी |
| सिविल अभियांत्रिकी | | | |
| प्रणव कुमार महापात्रा | आचार्य | आईआईटी कानपुर, 1999 | हाइड्रोलिक्स और जल संसाधन इंजीनियरिंग |
| अमित प्रशांत | आचार्य | टेनेसी विश्वविद्यालय, 2004 | दानेदार सामग्रियों के लिए संघटनात्मक मॉडलिंग |
| विमल मिश्रा | आचार्य | पट्ट्यू विश्वविद्यालय, 2010 | सतही जल जल विज्ञान |
| अञ्जता सचान | आचार्य | टेनेसी विश्वविद्यालय, 2005 | सामग्री लक्षण वर्णन |
| धीमान बसु | आचार्य | सनी, बफेलो, 2012 | घूर्णी भूकंप विज्ञान, जटिल संरचनाएं |

| संकाय का नाम | वर्तमान पदनाम | पीएचडी/अंतिम डिग्री | विशेषज्ञता |
|------------------------|-----------------------|--|--|
| गौरव श्रीवास्तव | आचार्य | मिनेसोटा विश्वविद्यालय, 2011 | अनिश्चितता परिमाणीकरण |
| मनीष कुमार | सहयुक्त आचार्य | स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क एट बफेलो, 2015 | प्रदर्शन-आधारित भूकंप इंजीनियरिंग |
| समीर पटेल | सहायक आचार्य ग्रेड I | वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुईस, यूएसए, 2017 | एरोसोल और वायु गुणवत्ता |
| उदित भाटिया | सहायक आचार्य ग्रेड I | नॉर्थइस्टर्न यूनिवर्सिटी, 2018 | महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का लचीलापन और नेटवर्क विज्ञान |
| सुधीर कुमार अरोड़ा | प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस | केएसओयू, 2011 (एमबीए) | बुनियादी ढांचे का विकास, जलापूर्ति (शहरी/ग्रामीण), सीवर नेटवर्क और एसटैपीपी, उपचारित अपशिष्ट का पुनः उपयोग, कम लागत वाली स्वच्छता, वाष्ठा जल संचयन |
| सी एन पांडे | प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस | उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, 2011 | वानिकी, वन्यजीव, पर्यावरण |
| जी वी राव | अतिथि आचार्य | आईआईएससी बैंगलोर, 1973 | भू-तकनीकी परीक्षण और मूल्यांकन |
| एस आर गांधी | अतिथि आचार्य | आईआईटी मद्रास, 1985 | द्वेर नींव, भूमि सुधार, फ्लाई ऐश निपटान क्षेत्र इंस्ट्रुमेंटेशन |
| सुशोभन सेन | सहायक आचार्य ग्रेड I | यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस, अर्बना-शैपेन, 2019 | सिविल इंजीनियरिंग के अंतर्गत परिवहन इंजीनियरिंग, तथा फुटपाथ मॉडलिंग, डिजाइन, तथा स्थिरता और लचीलापन |
| कृष्णा शिव तेजा चोपरला | सहायक आचार्य ग्रेड I | ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए, 2021 | कम कार्बन कंक्रीट, कंक्रीट स्थायित्व, वैकल्पिक पूरक सीमेंट सामग्री, बाइंडरों का प्रदर्शन मूल्यांकन |
| विवेक पी कापड़िया* | प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस | विधिशास्त्र स्नातक (गुजरात विश्वविद्यालय) | जल संसाधन इंजीनियरिंग और प्रबंधन, नीति निर्माण और प्रणाली/संस्था डिजाइनिंग |

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

| | | | |
|-------------------|-----------------------|--|---|
| अनिर्बन दासगुप्ता | आचार्य | कॉर्नेल विश्वविद्यालय, 2005 | बड़े पैमाने पर डेटा के लिए एल्गोरिदम, सामाजिक नेटवर्क, कम्प्यूटेशनल सामाजिक विज्ञान, क्राउडसोर्सिंग, मशीन लर्निंग |
| बीरिश्वर दास | सहयुक्त आचार्य | गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नई, 2010 | कम्प्यूटेशनल जटिलता सिद्धांत और एल्गोरिदम |
| नीलधारा मिश्रा | सहयुक्त आचार्य | गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नई, 2012 | एल्गोरिदम का डिजाइन और विश्लेषण |
| मनोज डी गुप्ता | सहयुक्त आचार्य | आईआईटी दिल्ली, 2013 | गतिशील ग्राफ एल्गोरिदम |
| समीर जी कुलकर्णी | सहायक आचार्य ग्रेड I | वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुईस, यूएसए, 2018 | नेटवर्क फंक्शन वर्तुअलाइजेशन |
| निपुण बत्रा | सहयुक्त आचार्य | आईआईआईटी दिल्ली, 2017 | सेंसर नेटवर्क, मशीन लर्निंग और कम्प्यूटेशनल स्थिरता |
| बालगोपाल कोमारथ | सहायक आचार्य ग्रेड I | आईआईटी मद्रास, 2016 | सर्किट जटिलता और अन्य निम्न-स्तरीय कम्प्यूटेशनल मॉडल |
| अभिषेक बिछावत | सहायक आचार्य ग्रेड I | यूनिवर्सिटैट डेस सारलैंड्स, जर्मनी, 2018 | भाषा-आधारित सुरक्षा |
| मन्यंक सिंह | सहायक आचार्य ग्रेड I | आईआईटी खड़गपुर, 2019 | टेक्स्ट माइंग, प्राकृतिक भाषा एवं प्रसंस्करण और मशीन लर्निंग |
| योगेश कुमार मीणा | सहायक आचार्य ग्रेड I | अल्स्टर यूनिवर्सिटी यूके, 2018 | मानव-कंप्यूटर इंटरैक्शन (आई-ट्रैकिंग, ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस, मल्टीमॉडल इंटरएक्टिव सिस्टम, सर्टेनेबल इंटरएक्टिव सरफेस, सेंसिंग), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) डिवाइस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस |
| शौचिक मण्डल | सहायक आचार्य ग्रेड II | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, 2021 | सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और सिस्टम |
| मनीषा पड़ला | सहायक आचार्य ग्रेड II | अंतर्राष्ट्रीय सुचना प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद, 2023 | मशीन लर्निंग, गेम थ्योरी, मैकेनिज्म डिजाइन में निष्पक्षता |

विद्युत अभियांत्रिकी

| | | | |
|----------------------|--------|---------------------|--------------------------------|
| निहार रंजन महापात्रा | आचार्य | आईआईटी बॉम्बे, 2003 | अर्धचालक उपकरण और प्रौद्योगिकी |
|----------------------|--------|---------------------|--------------------------------|

| संकाय का नाम | वर्तमान पदनाम | पीएचडी/अंतिम डिग्री | विशेषज्ञता |
|----------------------|-----------------------|--|---|
| अरूप लाल चक्रवर्ती | आचार्य | स्ट्रैथकलाइड विश्वविद्यालय, यूके, 2010 | गैस पैरामीटर माप के लिए ट्यूनेबल डायोड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी |
| उत्रमा लाहिड़ी | आचार्य | वेडरबिल्ट यूनिवर्सिटी, 2011 | आभासी वास्तविकता आधारित मानव कंप्यूटर इंटरेक्शन का उपयोग भावात्मक कंप्यूटिंग में किया जाता है |
| राधवन के | आचार्य | आईआईएससी बैंगलोर, 2006 | ट्रांसफार्मर डायग्रोस्टिक्स |
| नरन एम पिंडोरिया | आचार्य | आईआईटी कानपुर, 2009 | विद्युत प्रणालियों का पुनर्गठन- तकनीकी और आर्थिक मुद्दे |
| शमुगनाथन रमन | आचार्य | आईआईटी बॉम्बे, 2011 | कम्प्यूटेशनल फोटोग्राफी |
| नितिन वी. जॉर्ज | आचार्य | आईआईटी भुवनेश्वर, 2012 | सक्रिय शोर नियंत्रण, अनुकूली संकेत प्रसंस्करण |
| जॉयसी मेकी | सहयुक्त आचार्य | आईआईटी बॉम्बे, 2009 | वीएलएसआई डिजाइन |
| रवि हेगडे | सहयुक्त आचार्य | मिशिगन विश्वविद्यालय, ऐन, आर्बर, 2008 | नैनो संरचनाओं के ऑप्टिकल गुण |
| हिमांशु शेखर | सहयुक्त आचार्य | रोचेस्टर विश्वविद्यालय, 2014 | चिकित्सीय अल्ट्रासाउंड और नॉनलाइनियर इमेजिंग |
| तरुण कुमार अग्रवाल | सहायक आचार्य ग्रेड I | केयू लोवेन, 2018 | उभरते हुए मॉडलिंग और सिमुलेशन नैनोस्केल उपकरण |
| झूमा साहा | सहायक आचार्य ग्रेड I | आईआईटी बॉम्बे, 2019 | III-V अर्धचालक सामग्री और उपकरण, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वीएलएसआई डिजाइन |
| आनंद कुमार | प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस | लखनऊ विश्वविद्यालय, 1998 | विद्युत क्षेत्र विनियमन, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, नीति और वित्त, नवीकरणीय ऊर्जा नीति और विनियमन, लोड पूर्वानुमान, टैरिफ डिजाइन और कार्य मॉडल, विद्युत खरीद समझौते, ऊर्जा मूल्य निर्धारण, ऊर्जा पहुंच, प्रदर्शन मानक और सुरक्षा मानक |
| दिनेश कुमार शर्मा* | अतिथि आचार्य | टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, बॉम्बे विश्वविद्यालय | एमओएस डिवाइस मॉडलिंग, वीएलएसआई डिजाइन और प्रौद्योगिकी। माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स - प्रौद्योगिकी और डिवाइस लक्षण वर्णन, मिश्रित सिग्नल डिजाइन |
| एस राजेंद्रन | सहयुक्त शिक्षण आचार्य | आईआईटी मद्रास (एमटेक), 1988 | उच्च गति पैकेजिंग मशीन-वीएफएफएस और एचएफएफएस प्रौद्योगिकियां |
| पल्लवी भारद्वाज | सहायक आचार्य ग्रेड I | भारतीय विज्ञान संस्थान, 2019 | स्मार्ट और नियन्त्रित कार्बन ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र की दृष्टि से नवीकरणीय ऊर्जा रूपांतरण प्रणालियों, बहु-ऊर्जा वाहकों और ऊर्जा भंडारण प्रणालियों का डिजाइन, मॉडलिंग और अनुकूलन। |
| संदीप लशकरे | सहायक आचार्य ग्रेड I | आईआईटी बॉम्बे, 2020 | अर्धचालक उपकरण भौतिकी, उभरती हुई गैर-वाष्पशील मेमोरी (प्रतिरोधक, फेरोइलोक्ट्रैक्ट), CMOS प्रौद्योगिकी के साथ गैर-वाष्पशील मेमोरी का सिस्टम एकीकरण, न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग और ईएसडी एवं सर्ज सुरक्षा उपकरणों के लिए हार्डवेयर लेटफॉर्म |
| माधव किरीटकुमार पाठक | सहायक आचार्य ग्रेड II | लोवा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए, 2022 | परिवेशी सूक्ष्म-शक्ति ऊर्जा संचयन, कम-शक्ति अनुप्रयोगों के लिए पावर प्रवर्धन सर्किट, और IoT सेंसर प्रणाली डिजाइन |

यांत्रिक अभियांत्रिकी

| | | | |
|-----------------------------|----------------------|--|---|
| अतुल भार्गव | आचार्य | मैरीलैंड विश्वविद्यालय, कॉलेज पार्क, 2010 | ईंधन सेल प्रणाली डिजाइन और सिमुलेशन |
| हरीश जे पलानर्थडालम-मदापुरी | आचार्य | मिशिगन विश्वविद्यालय, ऐन आर्बर, 2007 | सिस्टम और नियंत्रण सिद्धांत, सिस्टम पहचान (डेटा-आधारित मॉडलिंग) |
| विनोद नारायणन | सहयुक्त आचार्य | जेएनसीएसआर, बैंगलोर, 2006 | द्रव यांत्रिकी |
| दिलीप एस सुंदरम | सहयुक्त आचार्य | जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, 2013 | थर्मोफ्लूइड विज्ञान, दहन और ऊर्जावान सामग्री |
| विनीत वशिष्ठ | सहयुक्त आचार्य | कोलंबिया विश्वविद्यालय, 2015 | यांत्रिक प्रणालियों का डिजाइन और नियंत्रण |
| रवि शास्त्री अव्यागरी | सहयुक्त आचार्य | इलिनोइस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, 2013 | ठोस यांत्रिकी, संघटनात्मक मॉडलिंग, कम्प्यूटेशनल यांत्रिकी |
| के आर जयप्रकाश | सहायक आचार्य ग्रेड I | इलिनोइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शैपेन, 2013 | एक और दो आयामी कणिकामय माध्यम में तंत्रंग प्रसार |

| संकाय का नाम | वर्तमान पदनाम | पीएचडी/अंतिम डिग्री | विशेषज्ञता |
|------------------------------|------------------------|--|---|
| वैंकट मधुकांत वडाली | सह - प्राध्यापक | विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, मैडिसन, 2013 | गतिशील प्रणालियाँ, नियंत्रण प्रणालियाँ, विनिर्माण, मेक्ट्रोनिक्स, रोबोटिक्स |
| उद्दीप्ता घोष | सहायक आचार्य ग्रेड I | आईआईटी खड़गपुर, 2016 | निम्न रेनोल्ड्स संख्या हाइड्रोडायनामिक्स, जटिल प्रणालियों के इलेक्ट्रोकाइनोटिक्स पर विशेष ध्यान देने के साथ |
| सौभ्यदीप सेटू | सहायक आचार्य ग्रेड I | इलिनोइस विश्वविद्यालय, शिकागो, 2016 | ऊर्जा इंजीनियरिंग, ताप-द्रव, ऊष्मा स्थानांतरण, अंतरराष्ट्रीय घटनाएं और माइक्रो/नैनोस्केल |
| जी के शर्मा | अभ्यागत आचार्य | मॉस्को पावर इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट, 1974 | थर्मल इंजीनियरिंग |
| एन रामकृष्णन | अभ्यागत आचार्य | आईआईटी बॉम्बे, 1980 | विनिर्माण, स्वचालन और मिश्रित सामग्री |
| हरमीत सिंह | सहायक आचार्य ग्रेड I | वर्जीनिया टेक, 2018 | शास्त्रीय सातत्यक यांत्रिकी; प्रत्यास्थता; एक आयामी पतले पिंडों जैसे तार, प्रत्यास्थ छड़ और पतली पट्टियों की यांत्रिकी; अनुप्रयुक्त अवकल ज्यामिति, विभिन्नताओं का कलन। |
| के. चेल्वा कुमार | अतिथि आचार्य | कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, 1985 | सौर ऊर्जा: सेल भौतिकी, पैनल उत्पादन, अपतटीय स्थापनाएं और सौर ऊर्जा अर्थशास्त्र और वित्त, इंजीनियरों के लिए वित्त और प्रबंधन, स्वास्थ्य देखभाल वित्त और इंजीनियरिंग यांत्रिकी |
| हरिणी सुब्रमण्यन | सहायक आचार्य ग्रेड II | आईआईटी मद्रास, 2022 | संघटनात्मक मॉडलिंग, सातत्य क्षति यांत्रिकी, प्लास्टिसिटी, कंपोजिट की यांत्रिकी, विस्कोइलास्टिसिटी और स्व-उपचार सामग्री अशांत प्रतिक्रिया प्रवाह, बड़े भंवर सिमुलेशन (LES), संभाव्यता/फ़िल्टर घनत्व फ़ॉक्शन (PDF/FDF) विधियाँ, अशांत दहन मॉडलिंग के लिए डेटा-संचालित दृष्टिकोण, दहन रासायनिक गतिकी, वैज्ञानिक मशीन सीखना, गैस टरबाइन दहनकर्ता मॉडलिंग और सिमुलेशन, घूर्णन विस्फोट इंजन (RDE), कम्प्यूटेशनल लौ डायग्रेस्टिक्स |
| डॉ. शुभांगी शामसुंदर बनसुदे* | सहायक आचार्य ग्रेड II | कनेक्टिक्ट विश्वविद्यालय, 2023 | घूर्णन शंकु पर सीमा - परत अस्थिरता एक प्रयोग आधारित अन्वेषण |
| डॉ. सुमित सुनील तांबे* | सहायक आचार्य ग्रेड II | डेल्फ़ट यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, नीदरलैंड NA, 2022 | इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहन डिजाइन, विनिर्माण प्रक्रियाएं, प्रक्रिया इंजीनियरिंग, सौर संसाधनों से डिस्पैच करने योग्य बिजली, सकेन्द्रित सौर ऊर्जा टावर |
| पदार्थ अभियांत्रिकी | | | |
| एमिला पांडा | आचार्य | मैक्स प्लैक इंस्टीट्यूट, जर्मनी, 2009 | पतली फिल्मों और नैनोसंरचित सामग्रियों की जांच |
| अभिजीत मिश्रा | आचार्य | इलिनोइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शैपेन, 2010 | एक्स-रे विवर्तन, झिल्ली गुण |
| सुर्पर्ब कुमार मिश्रा | सहयुक्त आचार्य | इंपीरियल कॉलेज लंदन, 2007 | जैवपदार्थ और ऊतक इंजीनियरिंग |
| अमित अरोड़ा | सहयुक्त आचार्य | पेन्सिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी, 2011 | घर्षण हलचल वेल्डिंग, गर्मी हस्तांतरण और विस्को-प्लास्टिक प्रवाह |
| अभय राज सिंह गौतम | सहयुक्त आचार्य | वर्जीनिया विश्वविद्यालय, 2009 | इंटरफ़ेस संरचना और गतिशीलता |
| प्रदीप्ता घोष | सहायक प्रोफेसर ग्रेड I | आईआईएससी बैंगलोर, 2014 | नैनोक्रिस्टलाइन धातु मिश्रधातुओं और मिश्रणों का संश्लेषण, नैनोक्रिस्टलाइन सामग्रियों की सूक्ष्म संरचना का लक्षण वर्णन |
| राधवन रंगनाथन | सहयुक्त आचार्य | रेनसेलर पॉलिटेक्निक संस्थान, 2016 | नरम पदार्थ की संरचना-गुण संबंधों और गतिशीलता के परमाणु/आणविक सिमुलेशन |
| श्रीहरिता रोशु | सहायक आचार्य ग्रेड I | इकोले पॉलिटेक्निक फ़ेडेरेल डी लॉजेन, 2016 | आर्द्रीकरण और विआर्द्रीकरण परिघटना |
| एस पी मेहरोत्रा | अतिथि आचार्य | आईआईटी कानपुर, 1973 | खनिज प्रसंस्करण और प्रक्रिया धातुकर्म |
| प्रफुल्ल पांडे | सहायक आचार्य ग्रेड I | भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, 2019 | भौतिक धातुकर्म, चरण परिवर्तन, मिश्र धातु डिजाइन, उच्च तापमान मिश्र धातु, सुपर मिश्र धातु, अल मिश्र धातु, Cu मिश्र धातु, सुपरइलास्टिक मिश्र धातु, ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी, विरूपण तंत्र |

| पदार्थ अभियांत्रिकी | | | |
|-----------------------|------------------------|--|--|
| एमिला पांडा | आचार्य | मैक्स प्लैक इंस्टीट्यूट, जर्मनी, 2009 | पतली फिल्मों और नैनोसंरचित सामग्रियों की जांच |
| अभिजीत मिश्रा | आचार्य | इलिनोइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शैपेन, 2010 | एक्स-रे विवर्तन, झिल्ली गुण |
| सुर्पर्ब कुमार मिश्रा | सहयुक्त आचार्य | इंपीरियल कॉलेज लंदन, 2007 | जैवपदार्थ और ऊतक इंजीनियरिंग |
| अमित अरोड़ा | सहयुक्त आचार्य | पेन्सिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी, 2011 | घर्षण हलचल वेल्डिंग, गर्मी हस्तांतरण और विस्को-प्लास्टिक प्रवाह |
| अभय राज सिंह गौतम | सहयुक्त आचार्य | वर्जीनिया विश्वविद्यालय, 2009 | इंटरफ़ेस संरचना और गतिशीलता |
| प्रदीप्ता घोष | सहायक प्रोफेसर ग्रेड I | आईआईएससी बैंगलोर, 2014 | नैनोक्रिस्टलाइन धातु मिश्रधातुओं और मिश्रणों का संश्लेषण, नैनोक्रिस्टलाइन सामग्रियों की सूक्ष्म संरचना का लक्षण वर्णन |
| राधवन रंगनाथन | सहयुक्त आचार्य | रेनसेलर पॉलिटेक्निक संस्थान, 2016 | नरम पदार्थ की संरचना-गुण संबंधों और गतिशीलता के परमाणु/आणविक सिमुलेशन |
| श्रीहरिता रोशु | सहायक आचार्य ग्रेड I | इकोले पॉलिटेक्निक फ़ेडेरेल डी लॉजेन, 2016 | आर्द्रीकरण और विआर्द्रीकरण परिघटना |
| एस पी मेहरोत्रा | अतिथि आचार्य | आईआईटी कानपुर, 1973 | खनिज प्रसंस्करण और प्रक्रिया धातुकर्म |
| प्रफुल्ल पांडे | सहायक आचार्य ग्रेड I | भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, 2019 | भौतिक धातुकर्म, चरण परिवर्तन, मिश्र धातु डिजाइन, उच्च तापमान मिश्र धातु, सुपर मिश्र धातु, अल मिश्र धातु, Cu मिश्र धातु, सुपरइलास्टिक मिश्र धातु, ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी, विरूपण तंत्र |

| संकाय का नाम | वर्तमान पदनाम | पीएचडी/अंतिम डिग्री | विशेषज्ञता |
|------------------------------|----------------------|---|---|
| अनंग भौमिक* | सहायक आचार्य ग्रेड I | नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए, 2019 | अत्यधिक गैर-संतुलन तकनीकों का उपयोग करके कार्बन-आधारित नैनोमटेरियल और 2डी पतली फिल्मों का संश्लेषण और लक्षण वर्णन करना, तथा इन नवीन सामग्रियों का उपयोग सौर सेल, फेरोइलेक्ट्रिक्स, नैनो-बायो सेंसर से लेकर क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए क्यूबिट तक बहुक्रियाशील इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माण के लिए करना। |
| रसायन विज्ञान | | | |
| इति गुप्ता | आचार्य | आईआईटी बॉम्बे, 2005 | मैक्रोसाइक्लिक रिसेप्टर्स और विस्तारित पोर्फिरिनोइड्स |
| श्रीराम वी गुंडीमेडा | आचार्य | आईआईटी बॉम्बे, 2001 | जैव-कार्बनिक रसायन |
| भास्कर दत्ता | सहयुक्त आचार्य | कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय, 2004 | न्यूक्लिक एसिड आधारित रासायनिक जीवविज्ञान |
| सुदीप बसु | सहयुक्त आचार्य | मैक्स-प्लैक इंस्टीट्यूट फॉर मॉलिक्यूलर फिजियोलॉजी, जर्मनी, 2006 | माइटोकॉन्फ्रिंया और एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम का रासायनिक जीव विज्ञान |
| शिवप्रिया किरुबाकरन | आचार्य | आईआईएससी बैंगलोर, 2007 | दवा की खोज और कैंसर रासायनिक जीवविज्ञान |
| चंद्रकुमार अप्पायी | आचार्य | आईआईएससी, बैंगलोर 2008 | असमित उत्प्रेरण |
| सौम्यकांति खटुआ | सहयुक्त आचार्य | राइस यूनिवर्सिटी, 2011 | प्लास्मोनिक्स |
| सुधांशु शर्मा | सहयुक्त आचार्य | आईआईएससी बैंगलोर, 2009 | सामग्री, इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री |
| साहिराम स्वरूप मल्लाजोस्युला | सहयुक्त आचार्य | जेनसीएसआर, बैंगलोर, 2009 | कार्बोहाइड्रेट-प्रोटीन अंतःक्रिया |
| अनिर्बन मंडल | सहायक आचार्य ग्रेड I | जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बैंगलोर, 2016 | भौतिक रसायन विज्ञान, ऊष्मागतिकी, क्वांटम रसायन विज्ञान, स्पेक्ट्रोस्कोपी |
| बिस्वजीत मंडल | सहायक आचार्य ग्रेड I | भारतीय विज्ञान संवर्धन संघ (जादवपुर विश्वविद्यालय), 2017 | (फोटो)-इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री, मूल्यवर्धित रसायनों का विद्युत-रासायनिक रूपांतरण, नवीकरणीय ऊर्जा, स्पेक्ट्रोस्कोपी (यूवी-विज्ञ कैनेटीक्स, एफटीआईआर, अनुनाद रमन, क्रायोजेनिक इंटरमीडिएट ट्रैपिंग और प्रतिक्रिया तंत्र का स्पष्टीकरण) |
| प्रियब्रत घाना | सहायक आचार्य ग्रेड I | बॉन विश्वविद्यालय, जर्मनी, 2017 | ऑर्गेनोमेटेलिक रसायन विज्ञान और मुख्य समूह रसायन विज्ञान |
| पार्थ प्रतिम रॉय* | सहायक आचार्य ग्रेड I | हीडलबर्ग विश्वविद्यालय | प्राकृतिक और जैव-प्रेरित प्रकाश संचयन परिसर की अल्ट्राफास्ट गतिशीलता: उत्तेजना ऊर्जा हस्तांतरण, चार्ज हस्तांतरण, क्वांटम सुसंगतता, युग्मित इलेक्ट्रॉन-परमाणु गतिशीलता। |
| मनीषा सामंता* | सहायक आचार्य ग्रेड I | जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र भारत | टिकाऊ ऊर्जा रूपांतरण के लिए टोपोलॉजिकल क्वांटम सामग्री विभिन्न आयामों के धातु चालकोजेनाइड्स की ठोस अवस्था रसायन विज्ञान विषम कैलिसीस |
| पृथ्वी विज्ञान | | | |
| विक्रांत जैन | आचार्य | आईआईटी कानपुर, 2001 | पृथ्वी की सतह की प्रक्रियाएँ |
| वी एन प्रभाकर | सहयुक्त आचार्य | कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, 2013 | आद्य-ऐतिहासिक भारत का पुरातत्व |
| शारदा वी चन्नारायपट्टना | सहायक आचार्य ग्रेड I | डेक्कन कॉलेज, 2014; फेरारा विश्वविद्यालय, 2018 | पुरातत्व-प्राचीन विज्ञान और तपोविज्ञान तथा जैव-पुरातत्व विज्ञान |
| उत्सव मन्त्रू | सहायक आचार्य ग्रेड I | ईटीएच ज्यूरिख, 2016 | भू-गतिकी प्रक्रियाओं का समग्र मूल्यांकन, संख्यात्मक मॉडलिंग |
| पंकज खन्ना | सहायक आचार्य ग्रेड I | राइस यूनिवर्सिटी, 2017 | कार्बोनेट निष्कैपण प्रणालियाँ, समुद्र-स्तर में उतार-चढ़ाव, विहमनदीकरण, अनुक्रम स्ट्रीटीग्राफी, फोटोग्राफी, भूतापीय ऊर्जा |
| प्रदीप श्रीवास्तव | अवैतनिक आचार्य | पीपुल्स फ्रेंडशिप यूनिवर्सिटी, मॉस्को, रूस, 1983 | सैद्धांतिक यांत्रिकी और नियंत्रण प्रणाली |
| आर एन सिंह | अतिथि आचार्य | बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 1969 | निकट-सतह भूभौतिकीय और पर्यावरणीय प्रक्रियाओं का मॉडलिंग |

| संकाय का नाम | वर्तमान पदनाम | पीएचडी/अंतिम डिग्री | विशेषज्ञता |
|------------------------|----------------------|---|--|
| प्रेम चंद पांडे* | अतिथि आचार्य | इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 1972 | उपग्रहों से पृथ्वी अवलोकनः महासागर और वायुमंडल, सक्रिय और निष्क्रिय माइक्रोवेव सेंसर के लिए पुनर्प्राप्ति विधियाँ, ध्रुवीय अनुसंधानः समुद्री बर्फ गतिशीलता, जलवायु और मानसून अनुसंधान |
| सोनल खानोलकर* | सहायक आचार्य ग्रेड I | आईआईटी बॉम्बे, 2016 | माइक्रोपेलियंटोलॉजी, बायोस्ट्रेटीग्राफी, पैलियोबायोलॉजी |
| अच्युत मिश्रा* | सहायक आचार्य ग्रेड I | मेलबर्न विश्वविद्यालय, 2020 | भूवैज्ञानिक कार्बन भंडारण, छिद्रित माध्यम में द्रव प्रवाह, द्रव-चटून अभिक्रियाएँ, एल्गोरिदम |
| गणित | | | |
| इंद्रनाथ सेनगुप्ता | आचार्य | आईआईएससी बैंगलोर, 2001 | विनिमेय बीजगणित, बीजीय ज्यामिति |
| जगमोहन त्यागी | आचार्य | आईआईटी कानपुर, 2008 | साधारण अंतर समीकरण, दीर्घवृत्तीय अंशिक अंतर समीकरण |
| अतुल अभय दीक्षित | सहयुक्त आचार्य | इलिनोइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शैपेन, 2012 | विश्लेषणात्मक संख्या सिद्धांत |
| संजयकुमार अमृतिया | सहायक आचार्य ग्रेड I | हरीश-चंद्र शोध संस्थान, इलाहाबाद, 2012 | तत्त्वाक्षयन समूह योजनाएं, मॉड्यूली स्पेस, वेक्टर बंडल |
| वैतन पहलजानी | सहयुक्त आचार्य | इलिनोइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शैपेन, 2007 | संभाव्यता सिद्धांत और स्टोकेस्टिक प्रक्रियाएं |
| अक्षा वर्टवानी | सहयुक्त आचार्य | क्वान्स यूनिवर्सिटी, 2016 | विश्लेषणात्मक संख्या सिद्धांत, छलनी विधियाँ और बीजीय संख्या सिद्धांत |
| बिपुल सौरभ | सहायक आचार्य ग्रेड I | भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली, 2016 | ऑपरेटर बीजगणित, गैर-विनिमेय ज्यामिति और व्हांटम समूह |
| अर्नब साहा | सहयुक्त आचार्य | न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय, 2012 | अंकगणितीय जेट स्थान |
| रोहित कुमार मिश्रा | सहायक आचार्य ग्रेड I | टीआईएफआर सेंटर फॉर एप्लीकेशन मैथमेटिक्स बैंगलोर, 2017 | समाकलन ज्यामिति, अंशिक अवकल समीकरण, माइक्रोलोकल विश्लेषण और चिकित्सा इमेजिंग से संबंधित व्युत्क्रम समस्याओं का क्षेत्र |
| तान्या कौशल श्रीवास्तव | सहायक आचार्य ग्रेड I | फ्री यूनिवर्सिटैट बर्लिन जर्मनी, 2018 | बीजीय ज्यामिति (गणित) |
| वी डी शर्मा** | अतिथि आचार्य | बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, 1972 | आंशिक अंतर समीकरणों की अर्ध-रेखीय प्रणालियाँ |
| गदाधर मिश्रा | अतिथि आचार्य | स्टोनी ब्रूक यूनिवर्सिटी, एनवाई, 1982 | जटिल ज्यामिति और प्रतिनिधित्व सिद्धांत से उपकरणों का उपयोग करके ऑपरेटर सिद्धांत का व्यापक क्षेत्र |
| अभिनव झा* | सहायक आचार्य ग्रेड I | फ्री यूनिवर्सिटैट बर्लिन, 2020 | आंशिक विभेदक समीकरणों का संख्यात्मक विश्लेषण, संवहन प्रधान समस्याओं के लिए स्थिरीकरण विधियाँ, पश्च त्रुटि अनुमान, कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान में डोमेन अपघटन विधियाँ, वैज्ञानिक कंप्यूटिंग, जिसमें वैज्ञानिक सॉफ्टवेयर लिखना भी शामिल है |
| मधु गुप्ता* | सहायक शिक्षण आचार्य | यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एट अलिंगटन (यूटीए), 2022 | पीडीई-बाधित अनुकूलन, मेडिकल इमेजिंग में व्युत्क्रम समस्याएं, गहन शिक्षण, गैर-मानक परिमित अंतर विधियाँ |
| जुगल किशोर वर्मा* | अतिथि आचार्य | पर्द्यू विश्वविद्यालय (वेस्ट लाफायेट, यूएसए), 1987 | हिल्बर्ट फ्रैक्शन, ब्लॉअप बीजगणित, स्थानीय सह-समरूपता |
| प्रोजेश नाथ चौधरी | सहायक आचार्य ग्रेड I | आईआईटी मद्रास, 2018 | मैट्रिक्स सिद्धांत, सकारात्मकता और संयोजन विज्ञान के संबंध में |
| भौतिक विज्ञान | | | |
| आनंद सेनगुप्ता | सहयुक्त आचार्य | आईयूसीए पुणे, 2005 | गूरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाना, सौ.एम.बी. डेटा विश्लेषण के पहलू |
| सुदीप्त सरकार | सहयुक्त आचार्य | पुणे विश्वविद्यालय, आईयूसीएए, 2009 | सामान्य सापेक्षता और ब्लैक होल ऊष्मागतिकी |
| विनोद चंद्रा | सहयुक्त आचार्य | आईआईटी कानपुर, 2009 | क्वार्क-ग्लूऑन-प्लाज्मा और सापेक्षिक भारी आयन टकराव |
| बरध्वज कोलेप्पा | सहयुक्त आचार्य | मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, 2009 | मानक मॉडल से परे - मॉडल निर्माण और एलएचसी, नए राज्यों की परिघटना विज्ञान |

| संकाय का नाम | वर्तमान पदनाम | पीएचडी/अंतिम डिग्री | विशेषज्ञता |
|---------------------------------|----------------------|--|---|
| रूपक बनर्जी | सहयुक्त आचार्य | कलकत्ता विश्वविद्यालय (साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स), 2012 | सतह भौतिकी और पदार्थ विज्ञान |
| कृष्ण कंति डे | सहयुक्त आचार्य | आईआईटी गुवाहाटी, 2011 | सक्रिय पदार्थ, कोलाइडल गतिकी, नैनोप्रौद्योगिकी प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी, नैनोफ्लुइडिक्स/विलवैशीकरण तकनीक, सतह और इंटरफ़ेस भौतिकी का उपयोग करने वाली डिवाइस कार्यक्षमताएं, द्विआयामी विश्म-संरचनाएं |
| गोपीनाथन कालोन | सहयुक्त आचार्य | आईआईटी दिल्ली, 2008 | क्वांटम प्रकाशिकी और नैनोभौतिकी, अतिशीत परमाणु भौतिकी में सैद्धांतिक अनुसंधान |
| प्रसन्ना वेंकटेश बालासुब्रमण्यम | सहयुक्त आचार्य | मैकमास्टर यूनिवर्सिटी, 2013 | क्वांटम प्रकाशिकी और नैनोभौतिकी, अतिशीत परमाणु भौतिकी में सैद्धांतिक अनुसंधान |
| अर्पण भट्टाचार्य | सहायक आचार्य ग्रेड I | आईआईएससी बैंगलोर, 2015 | अनेक-शरीर प्रणालियों में क्वांटम उलझाव |
| चंदन कुमार | सहायक आचार्य ग्रेड I | जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बैंगलोर, 2017 | प्रायोगिक मृदु संघनित पदार्थ भौतिकी |
| आर आर पुरी | अतिथि आचार्य | बॉम्बे विश्वविद्यालय, 1981 | सैद्धांतिक क्वांटम प्रकाशिकी, क्वांटम यांत्रिकी, क्वांटम अराजकता का यादृच्छिक मैट्रिक्स सिद्धांत |
| रुसा मंडल | सहायक आचार्य ग्रेड I | गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नई, 2018 | उच्च ऊर्जा कण भौतिकी |
| क्रिस्टा आर. खियांगटे | सहायक आचार्य ग्रेड I | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, 2018 | प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी |
| नवीन सिसोदिया | सहायक आचार्य ग्रेड I | आईआईटी दिल्ली, 2020 | तर्क-इन-स्मृति उपकरणों का विकास जो चुंबकीय स्काइरेमीऑन को स्मृति और तर्क दोनों तर्त्वों के रूप में उपयोग करता है |
| उर्जित ए. याजिक | अतिथि आचार्य | ऑस्ट्रिया में टेक्सास विश्वविद्यालय, 1986 | गैंडे एकीकृत सिद्धांत, सामान्य सापेक्षता, अर्ध-शास्त्रीय गुरुत्वाकरण, ब्रह्मांड विज्ञान। गोपोलॉजिकल विधियाँ। |
| अभिषेक सामंता* | सहायक आचार्य ग्रेड I | टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फैलोमेंटल रिसर्च मंड़ई, 2020 | उन्नत क्षेत्र-सैद्धांतिक और संख्यात्मक तकनीकों के माध्यम से दृढ़तापूर्वक सहसंबद्ध अनेक-शरीर प्रणालियों का अध्ययन, पतली फिल्मों और नैनोवायरों में अतिचालकता: अव्यवस्था और उतार-चढ़ाव की भूमिका, क्वांटम परिवहन सिद्धांत: हॉल, थर्मोपावर, नर्नस्ट गुणोंक, क्वांटम हॉल प्रभाव, उलझाव, थर्मलाइजेशन और अनेक-शरीर स्थानीयकरण (एमबीएल) की गणना |

| मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | | | |
|-----------------------------|----------------------|--|---|
| जयसन ए. मोजली | आचार्य | आईआईटी खड़गपुर, 2008 | अनुभव, चेतना, तर्कसंगतता |
| शर्मिता लाहिड़ी | सहयुक्त आचार्य | ह्यूस्टन विश्वविद्यालय, 2008 | उत्तर-ओपनिवेशिक साहित्य और रचना |
| अर्नपूर्णा रथ | सहयुक्त आचार्य | आईआईटी बॉम्बे, 2010 | दक्षिण-एशियाई साहित्य, आलोचनात्मक सिद्धांत, बहित्वन अध्ययन, रचनात्मक लेखन |
| मधुमिता सेनगुप्ता | सहयुक्त आचार्य | कलकत्ता विश्वविद्यालय, 2009 | औपनिवेशिक भारत और असम का सामाजिक-राजनीतिक इतिहास |
| अंबिका अच्यादुर्रई | सहयुक्त आचार्य | नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, 2015 | प्रकृति संरक्षण का मानवशास्त्र और स्थानीय समुदायों की भूमिका |
| अर्का चटोपाध्याय | सहयुक्त आचार्य | वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, 2016 | 20वीं सदी का साहित्य: आधुनिकतावाद और उत्तर आधुनिकतावाद, आधुनिक रंगमंच, यूरोपीय अवांट गाड़ कथा साहित्य |
| निशांत चोकसी | सहयुक्त आचार्य | मिशिगन विश्वविद्यालय, एन आर्बर, 2014 | सांकेतिकता; भाषायी नृवंशविज्ञान; लिपि और लेखन प्रणालियाँ |
| दीपक सिंचानिया | सहायक आचार्य ग्रेड I | कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, रिवरसाइड, 2017 | विकास अर्थशास्त्र, सार्वजनिक नीति और राजनीतिक अर्थव्यवस्था का अंतर्क्रिया |
| आलोक कुमार कानूनगो | सहयुक्त शोध आचार्य | डेक्कन कॉलेज, 2003 | कांच का इतिहास और उत्पत्ति |
| मोहम्मद मुबस्सिर अहसान | व्याख्याता | जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 2016 | भारत में अरबी और इस्लामी अध्ययन |
| माना ए. शाह | व्याख्याता | गुजरात विश्वविद्यालय, 2012 (एम.ए.) | संस्कृत और प्राकृत व्याकरण, जैन काव्य और स्तोत्र साहित्य, पांडुलिपि विज्ञान |

| संकाय का नाम | वर्तमान पदनाम | पीएचडी/अंतिम डिग्री | विशेषज्ञता |
|---------------------------------|-----------------------|--|--|
| रोजा मारिया डी फिगुएरेडो पेरेज़ | अतिथि आचार्य | आईएससीटीई, लिस्बन, 1992 | सामाजिक संरचनाएँ, सामाजिक पृथक्करण, सबाल्टन अध्ययन, फैल्डवर्क पद्धति, पुरुतगाली उपनिवेशवाद और भारत में उत्तर-उपनिवेशवाद, वैशीकरण और प्रवासी। नृविज्ञान और सिनेमा |
| लेस्ली लेज़र | सहयुक्त शिक्षण आचार्य | राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, भारत, 2013 | डिजाइन का तंत्रिका विज्ञान, विज्ञान संचार, सांस्कृतिक अनुभूति, व्यवहार परिवर्तन |
| एंगस मैकब्लेन | अभ्यागत सहायक आचार्य | कार्डफ़ विश्वविद्यालय, 2014 | सांस्कृतिक सिद्धांत, अवतार, पर्यावरण मानविकी |
| आशीष खासा | सहायक आचार्य ग्रेड II | टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, 2021 | विकास अध्ययन, शहरी समाजशास्त्र, जनजातीय समाजशास्त्र, सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीतियां, स्थानीय स्वशासन |
| मलय नितिनकुमार धमेलिया* | सहायक आचार्य ग्रेड II | आईडीसी स्कूल ऑफ डिजाइन, आईआईटी बॉम्बे, 2024 | गेम डिजाइन, गेम अध्ययन इंटरेक्शन डिजाइन, मानव-कंप्यूटर इंटरेक्शन, न्यू मीडिया डिजाइन, सट्टा डिजाइन और डिजाइन के माध्यम से अनुसंधान |
| टंका बहादुर सुब्बा* | अतिथि आचार्य | उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, 1985 | पूर्वी हिमालय का सामाजिक/सांस्कृतिक नृविज्ञान |

संज्ञानात्मक और मस्तिष्क विज्ञान

| | | | |
|-----------------------|-----------------------|--|---|
| प्रतीक किरण मुथा | सहयुक्त आचार्य | पेन्सिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी, 2009 | संवेदी-मोटर नियंत्रण और सीखना |
| मीरा मैरी सनी | सहयुक्त आचार्य | वारांविक विश्वविद्यालय, 2011 | दृश्य ध्यान, ध्यान आकर्षित करना |
| ज्योंग किम | सहायक शिक्षण आचार्य | डेलवेर विश्वविद्यालय, 2018 | भाषाविज्ञान वाक्यविन्यास और शब्दार्थ |
| कृष्ण प्रसाद मियापुरम | सहयुक्त आचार्य | कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, 2008 | मस्तिष्क इमेजिंग (fMRI) और संज्ञानात्मक विज्ञान |
| डॉ वैभव त्रिपाठी* | सहायक आचार्य ग्रेड II | बोस्टन विश्वविद्यालय, 2023 | न्यूरोइमेजिंग, ध्यान, स्मृति, जटिल नेटवर्क, ध्यान, गतिशील प्रणालियाँ, डेटा माइनिंग, मशीन लर्निंग, चेतना |

पुरातत्व विज्ञान

| | | | |
|--------------|--------------|---|--|
| मिशेल डैनिनो | अतिथि आचार्य | इकोले सूपीयर डी'इलेक्ट्रिकिटे (जीआईएफ-सूर्यवेट, फ्रांस), 1977 | प्राचीन भारत का पुरातत्व, इतिहास और संस्कृति |
|--------------|--------------|---|--|

डिजाइन

| | | | |
|------------------|-----------------------|--|--|
| मानसी ए कानितकर | सहयुक्त शिक्षण आचार्य | आईआईटी बॉम्बे, 2006 (एम.डी.ई.एस.) | डिजाइन शिक्षा और सांकेतिकता एवं डिजाइन में शिक्षणशास्त्र |
| समीर सहस्रबुद्धे | प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस | यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय (वाईसीएमओयू), नासिक, 2015 | ई-लर्निंग एनिमेशन बनाने के लिए डिजाइन संबंधी विचार। |

रचनात्मक शिक्षा

| | | | |
|---------------|---------------------|----------------------------------|--|
| मनीष जैन | शिक्षण आचार्य | आईआईटी कानपुर, 1993 (बीटेक) | 3D ज्यामिति, बहुफलक, भू-आकृति विज्ञान, मशीनें और तंत्र, तथा मनोरंजक गणित |
| अदिति कोठियाल | सहायक शिक्षण आचार्य | आईआईटी बॉम्बे, 2019 | शैक्षिक प्रौद्योगिकी |
| ज्योति कृष्णन | सहायक शिक्षण आचार्य | कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, 2016 | सातत्य यांत्रिकी और आंशिक अंतर समीकरण |

*वर्ष के दौरान कार्यग्रहण

**वर्ष के केवल एक भाग के लिये

नियमित पदों पद गैट-शेक्षणिक कर्मचारी

| नाम | पदनाम |
|---------------------------|---------------------|
| प्रेम कुमार चौपडा | कुलसचिव |
| राम बाबू भगत | संयुक्त कुलसचिव |
| हृदेश कुमार शर्मा | संयुक्त कुलसचिव |
| विपुल कुमार चौधरी | उप कुलसचिव |
| विवेक कुमार यादव** | उप कुलसचिव |
| मीना जोशी | उप कुलसचिव |
| पीजूष मजूमदार | सहायक कुलसचिव |
| प्रणव एस. रोहित | सहायक कुलसचिव |
| बीरिंश चौबै** | सहायक कुलसचिव |
| विरल वार्ड शाह | सहायक कुलसचिव |
| इशानी एम सुतारिया | सहायक कुलसचिव |
| नेहा शर्मा | सहायक कुलसचिव |
| विकाश कुमार | सहायक कुलसचिव |
| जितेश वी के | सहायक कुलसचिव |
| निखिल जैन* | सहायक कुलसचिव |
| संतोष राउत | अधीक्षक |
| गौरव शुक्ला | अधीक्षक |
| टेनिस सोलंकी | अधीक्षक |
| मृगेश आर. सोलंकी | अधीक्षक |
| योगेश डी जाडे | अधीक्षक |
| संजीव पांडे | लेखा अधिकारी |
| हर्षद पटेल | लेखा अधिकारी |
| ट्रिक्कल पटेल | लेखा अधिकारी |
| राजेंद्र वैष्णव | लेखा अधिकारी |
| गौरव कुमार सिंह | कनिष्ठ अधीक्षक |
| प्रवीण सिंह चौहान | कनिष्ठ अधीक्षक |
| कमिनी पटेल | कनिष्ठ अधीक्षक |
| लक्ष्मीप्रिया जी वलाप्पिल | कनिष्ठ अधीक्षक |
| निकुंज प्रवीणभाई सोलंकी | कनिष्ठ अधीक्षक |
| तुषित कुमार** | कनिष्ठ अधीक्षक |
| खुशबू बैस | कनिष्ठ अधीक्षक |
| नरेश | कनिष्ठ अधीक्षक |
| विशाल गौरव | कनिष्ठ अधीक्षक |
| लोकेश जालोरा** | कनिष्ठ अधीक्षक |
| रोहित चंद्रशेखर खत्री* | कनिष्ठ अधीक्षक |
| रजनीश बंसल* | कनिष्ठ अधीक्षक |
| अरीका पटेल | कनिष्ठ लेखा अधिकारी |
| कंदर्प एन भट्ट | कनिष्ठ लेखा अधिकारी |
| जनगराजन इल्लैयाराजा | कनिष्ठ लेखा अधिकारी |
| हर्षिल विजयकुमार शाह | कनिष्ठ लेखा अधिकारी |
| पुनीत अग्रवाल | कनिष्ठ लेखा अधिकारी |
| दर्शन सी. पटेल | वरिष्ठ सहायक |
| कोमल संगतानी | वरिष्ठ सहायक |
| पवित्र कुमार राउत | वरिष्ठ लेखापाल |
| कृपेशकुमार पी. चौहान | वरिष्ठ लेखापाल |
| अंजनाबा वार्ड गोहिल | वरिष्ठ लेखापाल |
| हिरल निखिल सूचक | वरिष्ठ लेखापाल |
| विजय मीणा | वरिष्ठ लेखापाल |
| पीयूषभाई पी वनकर | सहायक |

| नाम | पदनाम |
|-----------------------------|-------------------------|
| सुजीत कुमार शाह | सहायक |
| तिमिर याकुंज बेरावाला | सहायक |
| तेज बहादुर गुरुंग | सहायक |
| नरेंद्र जे राबडिया | सहायक |
| हनी ख्वर | सहायक |
| प्रशांत जी. मकवाना | सहायक |
| शैलेशकुमार जे पटनी | सहायक |
| हेमंत कुमार गुप्ता | सहायक |
| पार्थ आर मेहता | सहायक |
| रूपाली एम साल्वे | सहायक |
| हरीश सिंह | सहायक |
| दीपककुमार के. लालपुरा** | सहायक |
| जितेन्द्र पुरुषराज पवार | कनिष्ठ लेखापाल |
| कुणाल अग्रिहोत्री** | कनिष्ठ लेखा सहायक |
| अनिल कुमार** | कनिष्ठ लेखा सहायक |
| चिराग डी खुहा** | कनिष्ठ लेखा सहायक |
| जय हितेश संपत्त** | कनिष्ठ लेखा सहायक |
| परेश बी मकवाना** | कनिष्ठ लेखा सहायक |
| भाविक परमार | कनिष्ठ लेखा सहायक |
| पवन बोहरा | कनिष्ठ लेखा सहायक |
| नीलेशकुमार एच गोलानी | कनिष्ठ लेखा सहायक |
| प्रेम जयरामभाई मरवीजा | कनिष्ठ लेखा सहायक |
| साहस मौर्या* | कनिष्ठ लेखा सहायक |
| कुलदीप पिठाडिया* | कनिष्ठ लेखा सहायक |
| वैभवीकुमारी रातलजी | कनिष्ठ सहायक |
| आकाश चौबे | कनिष्ठ सहायक |
| विजय मोहनभाई सुत्रेजा | कनिष्ठ सहायक |
| नीलेश भरतभाई चौहान | कनिष्ठ सहायक |
| राम दीपक | कनिष्ठ सहायक |
| राजेंद्र सिंह राठोड़ | कनिष्ठ सहायक |
| अक्षय कुमार चौधरी** | कनिष्ठ सहायक |
| हिरेनकुमार शंकरभाई रालोलिया | कनिष्ठ सहायक |
| पांचाल श्रेया राजेशकुमार | कनिष्ठ सहायक |
| शुभ सक्सेना | कनिष्ठ सहायक |
| परम डी त्रिवेदी | कनिष्ठ सहायक |
| अरविंद कुमार पुरोहित | कनिष्ठ सहायक |
| जयेश सुरेश कुरील** | कनिष्ठ सहायक |
| शंकरी नारायण अय्यर | कनिष्ठ सहायक |
| जानी भरतभाई लालजीभाई* | कनिष्ठ सहायक |
| टीना सोंखला* | कनिष्ठ सहायक |
| मयंक सक्सेना* | कनिष्ठ सहायक |
| जगदीश पटेल* | कनिष्ठ सहायक |
| पंकज डी चुडास्मा* | कनिष्ठ सहायक |
| हर्षिलकुमार सी पटेल* | कनिष्ठ सहायक |
| रितिका घेटे* | कनिष्ठ सहायक |
| स्वप्निल चौधरी* | कनिष्ठ सहायक |
| परमार भूमि यश* | कनिष्ठ सहायक |
| नावडीवाला अंकुर कंचनलाल | वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| सुप्रेश थलेश्वरी | वरिष्ठ प्रयोगशाला परिचर |

| | | | |
|-----------------------------|------------------------------------|---------------------------------|-----------------------------------|
| संकेत पटेल | तकनीकी अधीक्षक | अचिंत्य जाना | कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक |
| प्रग्नेश पारेख | वरिष्ठ तकनीकी अधीक्षक | आशीष सोहनलाल कनोजिया | कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक |
| पन्नाबेन चौधरी | सहायक लाइब्रेरियन | नीरज पिप्लोदा | अधीक्षण अभियंता |
| रोहित चौधरी | वरिष्ठ तकनीकी अधीक्षक | पीयूष जायसवाल | सहायक यंत्री |
| धर्मेंद्र एस पंचाल | सहायक यंत्री | सप्तमी चटुराज | कनिष्ठ इंजीनियर |
| प्रभुजी ठाकोर | प्रयोगशाला परिचर | अर्चिताबेन एम मुच्छाडिया | वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक |
| दिनेश बारबरभाई देसाई | प्रयोगशाला परिचर | हार्दिकेन एम शाह | पुस्तकालय सूचना सहायक |
| धर्मेशकुमार वी कपाड़िया | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक | प्रीतेश कुमार मुंद्रा | सहायक यंत्री |
| तुषार एच ब्रह्मभट्ट | प्रयोगशाला परिचर | हितेश मोहन छतानी | पुस्तकालय सूचना सहायक |
| बबलू | कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचर | ए रघुवीर कुमार | पुस्तकालय सूचना सहायक |
| एम अरमुगम | कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचर | पुतुल गोरई | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| पलक आर. बाणिया | प्रयोगशाला सहायक | बिक्रम कुमार सिंह | सहायक शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक |
| भीखाभाई आर पटेल | कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचर | राजीब कुमार दाश | कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक |
| जिग्नेश एस पटेल | वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक | तरुण शर्मा | कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक |
| मुकेश शर्मा | सीनियर स्टाफ नर्स | अविनाश परिदा | कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक |
| नितिन शुक्ला | तकनीकी अधीक्षक | शशांक यादव | सहायक शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक |
| दिनेश एच परमार | वरिष्ठ शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक | शिवम कुमार | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| सुगन्या अरमुगम | कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक | तिपि विनोदकुमार पटेल | सहायक स्टाफ नर्स |
| राहुलेन्द्र भास्कर | तकनीकी अधीक्षक | ईशा अग्रवाल | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| लक्ष्मी पी हिरानी | प्रयोगशाला सहायक | मृगांका मंडल | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| सचिन एस तावडे | तकनीकी अधीक्षक | सुजीत कुमार | कार्यकारी अभियंता |
| सुपिन गोपी | तकनीकी अधीक्षक | विवेकप्रसाद बेचनप्रसाद कनौजिया* | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| सुवाकांत बारिक | तकनीकी अधीक्षक | शीतल द्वृष्टंत टांक* | उप पुस्तकालयाध्यक्ष |
| लक्ष्मी कोत मिश्रा | सहायक कार्यकारी अभियंता | मनीषा साहू* | कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक |
| सचिनकुमार मगनलाल पटेल | सीनियर सिस्टम विश्लेषक | निखिल भीमानी* | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| एन जयकुमार | सहायक यंत्री | अंजीमशा एस* | सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष |
| रवि सुभाष सोनी | सहायक कार्यकारी अभियंता | साजिदहुसेन अलताफहुसेन राठौड़* | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| देवेन्द्रसिंह दहियाजी जाला | झाइर | आभिषेक भूषण* | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| आशीष कुमार पाठे | प्रयोगशाला परिचर | योगी राम* | पुस्तकालय सूचना सहायक |
| प्रदीपभाई कामाजीभाई निनामा | प्रयोगशाला परिचर | शेख शाहिलभाई फारुकभाई* | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| नीरव मदनभाई भट्ट | प्रयोगशाला सहायक | मोहम्मद फरहान* | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| राजू बिरसेट | कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक | अंजीम अहमद मोइनुद्दीन शेख* | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| शिवाराम साहू | प्रयोगशाला परिचर | आशुतोष शुक्ला* | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| प्रतीककुमार कीर्तिभाई चावडा | कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक | प्रथमेश जगदीशचन्द्र खात्सुरिया* | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| दीपक शर्मा | प्रयोगशाला सहायक | देव करण मीणा* | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| रविराज विजयकुमार सुखाड़िया | प्रयोगशाला सहायक | सागरकुमार मंगेशकुमार नायक* | सहायक स्टाफ नर्स |
| जयेश प्रजापति | कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचर | कृष्ण कुमार गिथाला* | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| रलेश कुमार सिंह | सहायक शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक | संदीप सोनी* | सहायक अभियंता |
| पारुलबेन पी क्रिश्यन | सहायक स्टाफ नर्स | सुभाजीत भट्टाचार्य* | पुस्तकालय सूचना सहायक |
| साबरमती भट्टाचार्य | वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक | राजेश कुमार मंगवानी* | सहायक अभियंता |
| संतोष कुमार जोशी | सहायक शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक | आशीष कुमार राय* | प्रणाली विश्लेषक |
| मनीष यादव | कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचर | नवीन राय* | कनिष्ठ इंजीनियर |
| रज्जी | कनिष्ठ इंजीनियर | विनीता भोजा शेट्टी* | चिकित्सा अधिकारी |
| सूर्यकांत त्यागी | कनिष्ठ इंजीनियर | डॉन ऑगस्टी प्लैकल** | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| ज्योतिष कुमार एपी | कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचर | लव देशवाल** | सहायक अभियंता |
| मंगेशकर कराडे | कनिष्ठ इंजीनियर | शुभम राजेंद्र टोंगिरे** | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक |
| अमन त्रिपाठी | कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक | संजय टी पटेल** | प्रयोगशाला सहायक |

*वर्ष के दौरान कार्यग्रहण

**वर्ष के केवल एक भाग के लिये





पूर्ववर्ती छात्र के साथ संबंध

आईआईटी गांधीनगर के पूर्ववर्ती छात्र समुदाय निर्माण और पारस्परिक संबंध को बढ़ावा देने वाले कई पहलों के माध्यम से संस्थान से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। विंगत वर्षों में पूर्ववर्ती छात्रों की भागीदारी में कई प्रकार से सुधार हुआ है, जिसमें प्रभावी पारस्परिक संचार, वैयक्तिकरण, नेटवर्किंग कार्यक्रम, कैरियर सेवाएं, अवसर वृद्धि और पूर्व छात्रों के मार्गदर्शन कार्यक्रम शामिल हैं। छात्र-प्रणीत पहलों, पुनर्मिलन में सहभागिता, और विंगत वर्षों में उनके द्वारा लगातार परिसर का भ्रमण - इन सबके द्वारा वे संस्थान को अपना योगदान देते हैं और अपने संबंधों को और मजबूत बनाते हैं।

पूर्ववर्ती छात्रों द्वारा वार्षिक अंशादान

वित्तीय वर्ष 2024-2025 में आईआईटी गांधीनगर के पूर्ववर्ती छात्रों में से 36.8 प्रतिशत के द्वारा विभिन्न संस्थानिक पहलों के लिए कुल राशि रु. 52 लाख का योगदान दिया गया है। 4095 पूर्ववर्ती छात्रों में से 1508 छात्रों ने वित्तीय योगदान द्वारा अपना सहयोग दिया है। इन उदाहरणों ने कई उद्देश्यों की पूर्ति की है जैसे सहायक कर्मचारियों के लिए कृतज्ञता उपहार, अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, छात्र सहयोग और छात्रवृत्ति, आर्ट@आईआईटी गांधीनगर, सामाजिक आउटरीच कार्यक्रम, रखरखाव एवं श्रमिक कल्याण, खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम और उद्यमिता विकास।

वित्तीय वर्ष 2024-2025 में पूर्ववर्ती छात्रों का समर्थन

- कुल पूर्ववर्ती छात्र: 4095
- दान देने वाले पूर्ववर्ती छात्र : 1508/36.8 %
- पूर्ववर्ती छात्रों द्वारा दिए गए दान की राशि : रु. 52 लाख
- 2024 बैच के हाल ही में सातक हुए छात्रों ने बैच को उपहारस्वरूप 2.25 लाख रुपयों का दान किया।
- 73.7 % / 3017 पूर्ववर्ती छात्रों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना के बाद से कम से कम एक बार दान किया।

पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान दान देने वाले पूर्ववर्ती छात्र:

| वित्तीय वर्ष | Alumni strength | दान देने वाले पूर्ववर्ती छात्र | दानदाताओं का प्रतिशत |
|--------------|-----------------|--------------------------------|----------------------|
| 2019-20 | 1,762 | 883 | 50.1 % |
| 2020-21 | 2,208 | 1,215 | 55.0 % |
| 2021-22 | 2,749 | 1,381 | 50.2 % |
| 2022-23 | 3,140 | 1,723 | 54.9 % |
| 2023-24 | 3,575 | 1,814 | 50.7 % |
| 2024-25 | 4095 | 1508 | 36.8% |

पूर्ववर्ती छात्र युवा उत्कृष्टता पुरस्कार

आईआईटी गांधीनगर ने प्रौद्योगिकी, शोध, उद्यमिता और सामाजिक प्रभाव जैसे विविध क्षेत्रों में कैरियर के आरंभिक दिनों में पूर्ववर्ती छात्रों की असाधारण सफलताओं को सम्मानित करने के लिए 2024 के पूर्ववर्ती छात्र युवा उत्कृष्टता पुरस्कार की घोषणा की। यह पुरस्कार अपने पूर्ववर्ती छात्रों की उपलब्धियों की सराहना करने और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पूर्ववर्ती छात्र युवा उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 के विजेता हैं

असाधारण शैक्षणिक उपलब्धि

सुमिताव मुखर्जी (पीएचडी/सीजी/2014), सहयुक्त आचार्य, आईआईटी दिल्ली

असाधारण उद्यमशीलता

अंजिक्य कुलकर्णी, (बीटेक/एमई/2012), सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, विंट वेल्थ

अभिक पटेल, (बीटेक/एमई/2012), सह-संस्थापक एवं सीपीओ, विंट वेल्थ

निसर्ग शाह, (बीटेक/ईई/2014), सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एफेबल.एआई

असाधारण व्यावसायिक उपलब्धि

विष्णु कुमार गुप्ता (एमटेक/एमई/2016), वरिष्ठ उपाध्यक्ष,

टेस्टबुक

आईआईटी गांधीनगर सभी पुरस्कृत पूर्ववर्ती छात्रों को उनके अतुलनीय योगदान के लिए बधाई देता है और भविष्य निर्माण में उनकी निरंतर सफलता की कामना करता है।

पूर्ववर्ती छात्रों के कार्यक्रम

बोस्टन में पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन

प्रो. जैसन ए. मांजली, प्रभारी आचार्य, पूर्ववर्ती छात्र संबंध द्वारा दिनांक 2 मई 2024 को बोस्टन में पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम ने पूर्ववर्ती छात्रों को पुनर्मिलन और पुरानी यादों को ताजा करने का एक अद्भुत अवसर प्रदान किया। प्रो. सारनाथ बनर्जी, पूर्व आर्टिस्ट-इन-रेसिडेंस ने भी अपनी उपस्थिति से इस पुनर्मिलन को सुशोभित किया।

एस्टर्डम में पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन

पंकज तिवारी (एमए, एच एस, एस, 2019) ने दिनांक 4 मई 2024 को एस्टर्डम में उनके स्टूडियो में पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन आयोजित किया। यह सबसे लंबी अवधि का पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन था, जो लगभग 12 घंटे तक चला जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। प्रो. जैसन ए. मांजली के साथ पूर्ववर्ती छात्रों ने काफी सार्थक वार्ता की जिसने संबंधों को गहराई प्रदान की और यूरोप में आईआईटी गांधीनगर के पूर्ववर्ती छात्रों के नेटवर्क को और मजबूत किया।

घरवापसी 2024

आईआईटी गांधीनगर ने दिनांक 21-22 दिसंबर के दौरान सम्पन्न घरवापसी के छठे संस्करण में 160 से अधिक पूर्ववर्ती छात्रों का स्वागत किया। यह दो दिवसीय उत्सव स्मृति और सौहार्द से परिपूर्ण था जिसमें पूर्ववर्ती छात्र, संकाय सदस्यों से पुनः मिले, परिसर का भ्रमण किया, पुराने वीजीसीई कैपेस का फिर से भ्रमण किया और अलाव के समीप एक विशेष नेटवर्किंग रात्रिभोज में शामिल हुए। इस वर्ष की घरवापसी में 2014 के बैच का दसवर्षीय पुनर्मिलन भी शामिल था जिसमें कई पूर्ववर्ती छात्र पहली बार नए कैपेस का भ्रमण कर रहे थे और उन्होंने अपने समय के आईआईटी गांधीनगर के कैपेस की आहादक स्मृतियों को साझा किया। इस दौरान 2014 के बैच और वर्तमान छात्रों के मध्य आयोजित एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच ने कार्यक्रम में जोश भर दिया जिसमें वर्तमान छात्र विजेता हुए। कार्यक्रम का समापन छात्रों, संकाय सदस्यों और पूर्ववर्ती छात्रों के बीच विभाग के अनुसार उच्चस्तरीय वार्ता से सम्पन्न हुई जिसने संबंधों को आजीवन सुदृढ़ कर दिया।



मुंबई में पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन

प्रो. जैसन ए. मांजली द्वारा दिनांक 22 फरवरी 2025 को मुंबई में पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन आयोजित किया गया। 35 से अधिक पूर्ववर्ती छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया और पूर्ववर्ती छात्रों द्वारा चालित कई पहलों पर अंतर्दृष्टिपूर्ण परिचर्चा के माध्यम से आईआईटी गांधीनगर के पूर्ववर्ती छात्रों के नेटवर्क को और मजबूत किया।

पुणे में पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन

प्रो. जैसन ए. मांजली द्वारा दिनांक 23 फरवरी 2025 को पुणे में पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन आयोजित किया गया। इसमें 35 से अधिक पूर्ववर्ती छात्रों ने भाग लिया जिन्होंने आईआईटी गांधीनगर में अपने समय की सुखद स्मृतियों को पुनर्जीवित किया और संस्थान के साथ अपने संबंधों को सुदृढ़ किया।

बंगलोर में पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन

बंगलोर में 01 मार्च 2025 को सम्पन्न पूर्ववर्ती छात्रों के मिलन में लगभग 70 से अधिक पूर्ववर्ती छात्र शामिल हुए। प्रो. जैसन

ए. मांजली और उनकी टीम द्वारा आयोजित इस समारोह में आईआईटी गांधीनगर के हालिया विकास पर चर्चा हुई और अपने शिक्षण संस्थान में पूर्ववर्ती छात्र अपना योगदान कैसे दे सकते हैं, इस पर विचार किया गया।

हैदराबाद में पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन

हैदराबाद में 1 मार्च 2025 को सम्पन्न पूर्ववर्ती छात्रों के मिलन में 25 पूर्ववर्ती छात्रों को परस्पर जुड़ने का एक घनिष्ठ और सेही माहील प्रदान किया। प्रो. जैसन ए. मांजली और उनकी टीम द्वारा आयोजित इस समारोह ने पूर्ववर्ती छात्रों को अपने अनुभव साझा करने और आईआईटी गांधीनगर के साथ अपने संबंधों को मजबूती करने का अवसर प्रदान किया।

दिल्ली में पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन

आईआईटी गांधीनगर के संस्थापक निदेशक प्रो. सुधीर जैन और प्रो. जैसन ए. मांजली की उपस्थिति में दिनांक 22 मार्च 2025 को दिल्ली में पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में 60 से ज्यादा पूर्ववर्ती छात्र उपस्थित थे।

पूर्ववर्ती छात्रों का जुड़ाव

| पूर्ववर्ती छात्र का नाम | पहल |
|--|--|
| दीप दिनेश कुमार (बीटेक/एमई/2013) | प्रबंधन और विपणन वित्त पर पूर्ववर्ती छात्रों की अंतर्दृष्टि पर ऑनलाइन सत्र |
| राशिद के के (एमए/एचएसएस/2021) | संयुक्त राज्य अमेरिका में उच्चतर शिक्षा पर पूर्ववर्ती छात्रों की अंतर्दृष्टि पर ऑनलाइन सत्र |
| रत्ना बी भारती एमए/एचएसएस/2016) उमर इकबाल (एमटेक/सीएल/2016) और श्रीजित रवीन्द्रन(एमटेक/ईई/2014) | आरोहण 2024 में नए स्नातकोत्तर छात्रों के साथ अनौपचारिक वार्ता - आईआईटी गांधीनगर के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए फाउंडेशन कार्यक्रम |
| आगम राजीव शाह (बीटेक/एमएसई/2019), क्रतिका भगतानी (बीटेक/ईई/2020), अमित कुमार सिंह यादव (बीटेक/ईई/2020) और दीपिका सोनी (बीटेक/ईई/2021) | फाउंडेशन कार्यक्रम 2024 के दौरान नए बीटेक छात्रों के साथ अनौपचारिक वार्ता - बीटेक छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम |
| अमर दीप तिवारी (पीएचडी/सीई/2022) | सतही जलविज्ञान, जलवायु परिवर्तन, और जलीय मॉडलिंग में अभियुक्त रखनेवाले छात्रों के साथ अनौपचारिक वार्ता |
| अखिलेश रावि (बीटेक/ईई/2021) | 'लो पावर एज डिवाइसेस और मोबाइल के लिए एआई के अनुकूलन' से संबंधित पूर्ववर्ती छात्रों की अंतर्दृष्टि पर ऑफलाइन सत्र |
| प्रत्यूष भट्ट (बीटेक/सीएल/2022) | 'सीएक्सओ के साथ कार्य करने से प्राप्त 6 सीख' पर पूर्ववर्ती छात्रों का ऑफलाइन सत्र |
| भार्गव ओझा (एमए/एचएसएस/2016) | 'शहर निर्माण में लगे अदृश्य हाथ: भारतीय शहरों में अनियमित प्रवासी श्रमिक की समझ' से संबंधित पूर्ववर्ती छात्रों की अंतर्दृष्टि पर ऑफलाइन सत्र |

पूर्व छात्रों द्वारा अनुमोदित स्कॉलरशिप पंचशक्ति

पंचशक्ति

'पंचशक्ति' आईआईटी गांधीनगर की एक मजबूत पहल है जो आईआईटी गांधीनगर के पूर्ववर्ती छात्रों द्वारा राशि रु. पाँच लाख के वैयक्तिक दान से आनेवाले समय में 50 छात्रवृत्ति प्रदान करेगा। इस पहल के अनुसार, पूर्ववर्ती छात्रों द्वारा रु. 5.0 लाख की दान राशि, रु. 1.0 लाख की स्थायी वार्षिक छात्रवृत्ति की स्थापना करेगी।

- पूर्ववर्ती छात्रों द्वारा रु. 5.0 लाख का दान
- किसी निजी प्रदाता द्वारा समान राशि अर्थात् रु. 5.0 लाख के दान से राशि को रु. 10.00 लाख करना।
- संस्थान, राशि रु. 20.00 लाख के कोष का सृजन करने हेतु, इन दोनों के संयुक्त योगदान के समतुल्य राशि अर्थात् रु. 10.00 लाख का योगदान करता है
- इस 20.00 लाख की राशि के उचित निवेश द्वारा राशि रु. 1.0 लाख की स्थायी वार्षिक छात्रवृत्ति की स्थापना जाती है।

पूर्ववर्ती छात्र का नाम

मणिकांत मांडलेम (बीटेक/ईई/2019)

सुमन कुमारी (बीटेक/सीएल/2017)

शौर्य प्रकाश सिन्हा (बीटेक/ईई/2013)

नमन बंसल (बीटेक/ईई/2016)

छात्रवृत्ति का नाम

सुगुनम्मा और सरोजम्मा छात्रवृत्ति

नीनजा छात्रवृत्ति

रीता कुमारी सिन्हा छात्रवृत्ति

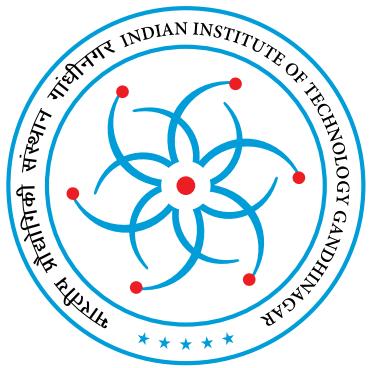
संजय कुमार छात्रवृत्ति

एस एन गोएनका एवं इलायची देवी गोएनका छात्रवृत्ति









संपर्क



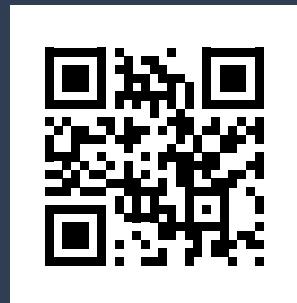
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
पालज, गांधीनगर - 382055, गुजरात



+91 79 2395 2800



iitgn.ac.in/contact



iitgn.ac.in

हमें सोशल मीडिया पर फ़ॉलो करें



iitgn.official



@iitgn



@iit_gandhinagar



iitgn1